सूर्योदय 5:58 सूर्यास्त 6:44

आज का तापमान

शिमला	15 न्यू	20 अधि
धर्मशाला	22 न्यू	27 अधि

बाजार

सेंसेक्स	80,364.49
निफ्टी	24,625.05

सोना 1,04,493 चांदी 1,22,800

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

विश्व चैंपियनशिप में भारत की अगुवाई करेंगे नीरज चोपड़ा

पृष्ठ 14 पर

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | मंगलवार, 2 सितंबर 2025 | 18 भाद्रपद, विक्रमी संवत 2082 | वर्ष 2, अंक 245, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | follow us on: | 8894521702

न्यूज शॉर्ट्स

कश्मीर में घुसपैठ की कोशिश नाकाम

एजेंसी, श्रीनगर। कश्मीर के पुंछ जिले के मेंढर सेक्टर में लाइन ऑफ कंट्रोल के पास सोमवार को भारतीय सेना ने आतंकियों की घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने एक्स पर बताया कि सुबह करीब 5:30 बजे बालाकोट के जनरल एरिया में एलओसी के पास संदिग्ध गतिविधि देखी गई थी। जवानों ने घुसपैठ की कोशिश को रोकने के लिए तुरंत फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद आतंकियों ने भी ताबड़तोड़ गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद आतंकवादियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है। (अनंत ज्ञान)

सीबीआई से जुड़े 7,072 भ्रष्टाचार के केस पेंडिंग

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) की नई एनुअल रिपोर्ट ने खुलासा किया है कि सीबीआई की जांच से जुड़े 7,072 भ्रष्टाचार के मामले देशभर की विभिन्न अदालतों में पेंडिंग हैं। कुल पेंडिंग मामलों में से 2,660 मामले 10 साल से ज्यादा पुराने हैं। इनमें से 379 मामले 20 साल से भी अधिक समय से अटके हुए हैं, जबकि 2,281 मामले 10 से 20 साल के बीच से पेंडिंग हैं। 31 दिसंबर 2024 तक 1,506 मामले 3 साल से कम समय से, 791 मामले 3 से 5 साल के बीच और 2,115 मामले 5 से 10 साल के बीच लंबित थे। (अनंत ज्ञान)

बेंगलुरु में लिव-इन पार्टनर को जिंदा जलाया

एजेंसी, बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु में लिव-इन पार्टनर को जिंदा जलाकर हत्या का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। आरोपी ने पहले कार सवार लिव-इन पार्टनर का पीछा किया। फिर सिग्नल पर गाड़ी रुकवाकर पेट्रोल छिड़क दिया। घटना शनिवार की है। कार में कुल तीन लोग सवार थे। महिला कार से निकलकर भागी तो आरोपी ने उसका पीछा किया। उस पर और पेट्रोल डाला और लाइटर से उसे आग लगा दी। महिला 60 फीसदी झुलस चुकी थी। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

कमर्शियल गैस सिलेंडर 51.50 रुपए हुआ सस्ता

एजेंसी, नई दिल्ली। पहली सितंबर को कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 51.50 रुपए सस्ता हो गया। दिल्ली में 19 किलो के वाणिज्यिक सिलेंडर का मूल्य अब 1580 रुपए होगा। हालांकि, घरेलू सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वहीं, विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में सोमवार को 1.4 प्रतिशत की कटौती की गई। यह वैश्विक बेंचमार्क दरों में गिरावट को दर्शाता है। एटीएफ और एलपीजी की कीमतें राज्य दर राज्य अलग-अलग होती हैं, जो वैट सहित स्थानीय करों पर निर्भर करती हैं। (अनंत ज्ञान)

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

- चबूतरा में जमीन धंसने से पांच परिवार बेघर, दहशत -पेज 2
- लोक उपयोगिता में विघ्न डाला तो छह माह की कैद और लगेगा जुर्माना -पेज 3
- पर्यटन नगरी के मार्गों की मरम्मत के लिए बारिशों के थमने का इंतजार -पेज 5
- रेन शेल्टर जल्द नहीं बना तो करेंगे प्रदर्शन: भूपेंद्र -पेज 9
- सलोगड़ा में लैंडस्लाइड होने से दो घंटे बंद रहा हाईवे -पेज 12

हिमाचल आपदाग्रस्त राज्य घोषित

मुख्यमंत्री ने विधानसभा में की घोषणा, कहा- प्रदेश में 3000 करोड़ से ज्यादा का नुकसान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

प्रदेश सरकार ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम की धारा 34 के तहत पूरे हिमाचल को 'आपदा प्रभावित' राज्य घोषित कर दिया है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने सोमवार को विधानसभा में आपदा से नुकसान पर एक विशेष वक्तव्य में इसकी घोषणा करते हुए कहा कि जब तक बरसात का दौर चलता रहेगा, तब तक हिमाचल आपदा प्रभावित राज्य रहेगा और मौसम सामान्य होने पर इस आदेश को वापस लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने सदन में जानकारी दी कि प्रदेश में भारी वर्षा, भूस्खलन, बादल फटने और बाढ़ से 31 अगस्त तक 3,056 करोड़ रुपए का प्रारंभिक नुकसान आंका गया है। इसमें सबसे अधिक क्षति सड़कों, पुलों, पेयजल और बिजली की संरचनाओं को हुई है। सबसे प्रभावित जिलों में चंबा, कुल्लू, लाहौल-स्पीति, मंडी, शिमला, कांगड़ा और हमीरपुर शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मणिमहेश यात्रा में फंसे 15,000 तीर्थयात्रियों में से 10,000 को सुरक्षित निकाल लिया गया है। यात्रा के दौरान जान गंवाने वालों की संख्या 17 हो गई है। रेस्क्यू टीमें बचाव के कार्यों में जुटी हुई हैं। उन्होंने खुद चंबा का हवाई सर्वेक्षण कर राहत सामग्री पहुंचाने की निगरानी की। सदन में विपक्ष ने कुल्लू की स्थिति पर सवाल उठाए। जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि कुल्लू-मंडी और मनाली मार्गों की बहाली प्राथमिकता पर है। छोटे वाहनों को कमांद-कटौला से वैकल्पिक मार्ग दिया गया है। पुराने मनाली पुल को हल्के वाहनों के लिए खोल दिया गया है। संचार और बिजली व्यवस्था धीरे-धीरे पटरी पर लौट रही है।

सीमा सड़क संगठन के प्रयासों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लाहौल से रोहतांग होते हुए मनाली तक का मार्ग खोल दिया गया है। भारतीय वायुसेना ने भी राहत पहुंचाई है, जिसमें मरीजों को अस्पताल ले जाना और राशन गिराना शामिल है। जियो और एयरटेल नेटवर्क बहाल हो गए हैं और बिजली थिरोट पावर हाउस से फिर चालू हो चुकी है।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने सदन में कहा कि प्रदेश सरकार ने आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत जिलों, राज्य और केंद्र सरकार के विभागों को युद्ध स्तर पर राहत, बचाव और पुनर्निर्माण कार्य करने के निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने आश्वासन दिया है कि राज्य के हर प्रभावित परिवार को पुनः बसाने और उन्हें आर्थिक तंगी से उबारने के लिए राज्य सरकार पूरी गंभीरता से काम कर रही है।

- मणिमहेश यात्रा में फंसे 10000 यात्रियों को निकाला, 17 की मौत
- पुराने मनाली पुल को हल्के वाहनों के लिए किया गया बहाल
- लाहौल से रोहतांग होते हुए मनाली तक का मार्ग खोला गया

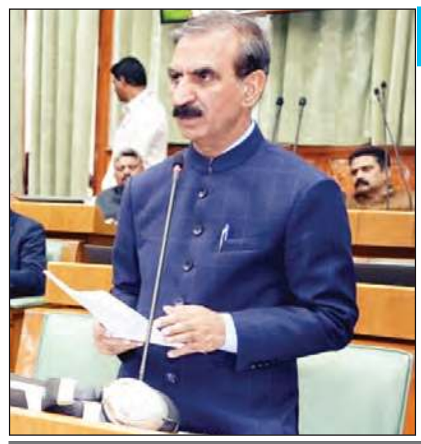

आपदा घोषित राज्य को क्या सुविधाएं?

किसी भी राज्य को आपदा प्रभावित घोषित करने पर केंद्र सरकार वित्तीय मदद देती है। राज्य आपदा मोचन बल के अलावा अतिरिक्त पैकेज भी केंद्र से मिल सकता है और प्रभावित लोगों को तत्काल राहत सामग्री, मुआवजा, अस्थायी आश्रय और स्वास्थ्य सुविधाएं दी जाती हैं। मकानों, सड़कों, पुलों, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं की बहाली के लिए विशेष योजनाएं चलाई जाती हैं। अहम बात है कि अफवाहें फैलाने पर सरकार आपदा प्रबंधन कानून के तहत लोगों पर केस दर्ज करवा सकती है। प्रभावित इलाकों में किसानों व छोटे व्यापारियों को कर्ज चुकाने में राहत मिल सकती है। कभी-कभी टैक्स या बिजली-पानी बिलों में छूट दी जाती है। हालांकि, यह सब फायदे केंद्र सरकार की ओर से आपदा घोषित करने पर मिलते हैं।

प्रदेश में अब तक 320 लोग गंवा चुके जान

सीएम ने बताया कि हिमाचल में मानसून सीजन में 20 जून के बाद 320 के करीब लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 40 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं। प्रदेश में इस मानसून सीजन में 20 जून से अब तक 231 बार आपदाएं आई हैं। इसमें 95 बार भूस्खलन, 91 बार फ्लैश फ्लड और 45 बार बादल फटे हैं। सेब की फसल पर गहरा असर पड़ा है। किसानों को सबसे बड़ी चोट लगी है।

कांगड़ा, मंडी, सिरमौर में आज भी रेड अलर्ट

मंगलवार को कांगड़ा, मंडी और सिरमौर जिला के कुछ स्थानों पर बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी हुआ है। शेष जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट रहेगा। सितंबर के दौरान राज्य के अधिकांश हिस्सों में सामान्य व सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। बारिश के चलते कांगड़ा, शिमला, सोलन, सिरमौर, बिलासपुर, किन्नौर, चंबा, हमीरपुर, लाहौल-स्पीति, सिरमौर, कुल्लू, ऊना व मंडी के बालीचौकी में शिक्षण संस्थान बंद रहेंगे।

- शिक्षण संस्थान भी रहेंगे बंद

अगले सप्ताह आपदा प्रभावित राज्यों का दौरा करेंगे केंद्रीय दल

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान

शिमला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित राज्यों की मदद के लिए हर स्तर पर सक्रिय है। भारी बारिश, बाढ़, बादल फटने और भूस्खलन जैसी आपदाओं से हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और जम्मू-कश्मीर को हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए गृह मंत्रालय ने अंतर मंत्रालयी केंद्रीय दलों का गठन कर दिया है। केंद्र सरकार के गृहमंत्री अमित शाह के निर्देश पर गठित ये दल अगले सप्ताह प्रभावित जिलों का दौरा करेंगे। दल मौके पर जाकर वास्तविक स्थिति का आकलन करेंगे और राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा करेंगे। इससे पहले हिमाचल प्रदेश में एक अन्तर-मंत्रालयी दल तथा एक बहु-क्षेत्रीय दल नुकसान का मूल्यांकन कर चुका है। इन दलों का नेतृत्व गृह मंत्रालय तथा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी करेंगे। इनके साथ वित्त, कृषि, जल शक्ति, ऊर्जा, सड़क परिवहन और ग्रामीण विकास मंत्रालयों के अधिकारी भी सम्मिलित होंगे।

गृह मंत्रालय लगातार राज्यों से संपर्क बनाए हुए है और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, सेना तथा वायुसेना के हेलिकॉप्टरों की सहायता से बचाव कार्य और आवश्यक सेवाओं की बहाली को गति दी जा रही है। गृहमंत्री के अगस्त 2019 के निर्णय के अनुसार, अब राज्यों या केंद्रशासित प्रदेशों के ज्ञापन की प्रतीक्षा किए बिना ही आपदा के तुरंत बाद ऐसे दल भेजे जाते हैं।

- गृहमंत्री के निर्देश पर क्षति का करेंगे आकलन

रिपोर्ट के आधार पर केंद्र देगा अतिरिक्त सहायता

इन दलों की रिपोर्ट के आधार पर केंद्र सरकार अतिरिक्त सहायता उपलब्ध कराती है। वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 में केंद्र सरकार ने 24 राज्यों को राज्य आपदा प्रतिक्रिया निधि से 10,498 करोड़ रुपए से अधिक, 12 राज्यों को राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया निधि से लगभग 1,989 करोड़ रुपए, 20 राज्यों को राज्य आपदा शमन निधि से 3,275 करोड़ रुपए और 9 राज्यों को राष्ट्रीय आपदा शमन निधि से 372 करोड़ रुपए जारी किए हैं।

अब बिजली मित्र भर्ती करेगी सरकार

विधायक रणधीर के सुझाव पर सीएम ने दिया आश्वासन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

विधानसभा के मानसून सत्र में नयना देवी के भाजपा विधायक रणधीर शर्मा ने अपने क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बाधित होने का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बिजली उपकरण बंद पड़े हैं, पेयजल की समस्या उत्पन्न हो गई है और मोटरें भी काम नहीं कर पा रही हैं। इसका कारण बिजली बोर्ड में फील्ड स्टाफ की भारी कमी है। रणधीर शर्मा ने सदन में कहा कि जब तक नियमित कर्मचारियों की नियुक्तियां नहीं होती, तब तक अस्थायी तौर पर बिजली मित्र जैसी व्यवस्था लागू की जानी चाहिए, ताकि जनता को राहत मिल सके।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने इस सुझाव का स्वागत करते हुए कहा कि लोक सेवा आयोग के माध्यम से नियुक्तियां करने में लंबा समय लगता है, इसलिए तात्कालिक जरूरतों को देखते हुए सरकार बिजली मित्रों की नियुक्ति करेगी। यह व्यवस्था तब तक लागू रहेगी जब तक आयोग के माध्यम से नियमित भर्तियां पूरी नहीं हो जातीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे न केवल बिजली आपूर्ति की समस्या हल होगी, बल्कि पेयजल व्यवस्था और अन्य सार्वजनिक सेवाओं में भी राहत मिलेगी।

- कहा- तात्कालिक जरूरतों के लिए करेंगे नियुक्ति

कालका-शिमला ट्रैक पर पांच तक ट्रेनें रद्द

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। भूस्खलन और मलबे के कारण कालका-शिमला रेलवे ट्रैक पर पांच सितंबर तक सभी ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। इस बारे रेलवे बोर्ड ने आधिकारिक अधिसूचना जारी की है। सोमवार को हुई बारिश के बाद कोटी से कनोह रेलवे स्टेशन के बीच कई स्थानों पर मलबा गिरा है और ट्रैक को नुकसान पहुंचा है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी यात्रा की योजना पुनः बनाएं और टिकट रिफंड या वैकल्पिक मार्गों के बारे में जानकारी ले लें। अधिकारियों ने कहा कि ट्रैक की मरम्मत और मलबा हटाने का कार्य तेजी से चल रहा है, लेकिन सुरक्षा कारणों से ट्रेन सेवा पांच सितंबर तक स्थगित रहेगी।

पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने से रोकने की याचिका खारिज

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 1 सितंबर को पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने के प्लान को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। इस प्लान के तहत देश में बिकने वाले पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिलाया जा रहा है। 2023 में एथेनॉल मिलाने की शुरुआत की गई थी। सरकार ने 2025-26 तक देश के सभी पेट्रोल पंप्स पर श्व20 पेट्रोल उपलब्ध कराने का टारगेट रखा है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने ये फैसला सुनाया। याचिका वकील अक्षय मल्होत्रा ने दायर की थी। याचिकाकर्ता के मुताबिक अप्रैल 2023 से पहले भारत में बनी गाड़ियां एथेनॉल मिले पेट्रोल के साथ काम नहीं कर सकतीं।, इसलिए उपभोक्ताओं को बिना एथेनॉल वाले फ्यूल को चुनने का ऑप्शन मिलना चाहिए। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने सरकार की ओर से कोर्ट में कहा- ये याचिकाकर्ता इंग्लैंड का निवासी है। कोई बाहरी व्यक्ति हमें बताएगा कि कौन सा पेट्रोल इस्तेमाल करना है। (अनंत ज्ञान)

डोनाल्ड ट्रंप ने अब भारत पर लगाया एकतरफा व्यापार संबंधों का आरोप

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर एकतरफा व्यापार संबंधों का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भारत लंबे समय से अमेरिका को अपने सबसे बड़े ग्राहकों में गिनता रहा है, लेकिन बदले में अमेरिका को वहां व्यापार करने का बहुत कम मौका मिला। ट्रंप का कहना है कि दशकों से यह रिश्ता असंतुलित रहा है और अब जाकर भारत ने टैरिफ घटाने का प्रस्ताव दिया है, लेकिन इसमें भी देर हो चुकी है। ट्रंप ने कहा कि भारत अमेरिका को भारी मात्रा में सामान बेचता है, जबकि अमेरिकी कंपनियां बहुत कम। इसके पीछे उन्होंने भारत की ऊंची टैरिफ दरों को जिम्मेदार ठहराया। ट्रंप के मुताबिक भारत दुनिया में सबसे ज्यादा शुल्क वसूलने वाले देशों में शामिल है। (अनंत ज्ञान)

बोले-अमेरिका ने लंबे समय तक नुकसान झेला

ट्रंप ने यह भी कहा कि भारत अपनी ज्यादातर तेल और सैन्य जरूरतों को रूस से पूरा करता है और अमेरिका से बहुत कम खरीददारी करता है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति भी व्यापार असंतुलन को और गहरा करती है। ट्रंप के मुताबिक भारत को अपने व्यापारिक रवैये में बदलाव लाने की जरूरत थी, लेकिन उसने ऐसा बहुत देर से किया। उनका मानना है कि अमेरिका ने लंबे समय तक नुकसान झेला है।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर आतंकवाद के खिलाफ भारत की बड़ी जीत

एससीओ समिट में पाकिस्तानी पीएम की मौजूदगी में पहलगाम हमले की निंदा

एजेंसी, बीजिंग

चीन में एससीओ समिट के दूसरे दिन भारत को बड़ी सफलता मिली है। घोषणापत्र में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की गई है। इस दौरान पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ भी मौजूद थे। घोषणा पत्र में कहा गया कि इस हमले के अपराधियों, आयोजकों और उन्हें समर्थन देने वालों को सजा दिलाना जरूरी है। इस साल 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने 26 पर्यटकों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। गौरतलब है कि इससे पहले जून में हुई रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान एससीओ के घोषणापत्र में पहलगाम हमले का जिक्र भी नहीं था। इसे लेकर भारत ने नाराजगी जताई थी।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने चीन दौरे के आखिरी दिन एससीओ की बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आतंकवाद को दुनिया के लिए खतरा बताया। उन्होंने पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए इसे आतंकवाद का सबसे बुरा रूप बताया। मोदी ने कहा कि भारत आतंकवाद को पिछले चार दशकों से झेल रहा है। पीएम ने सवाल उठाया कि कुछ देशों का आतंकवाद को खुला समर्थन कैसे स्वीकार किया जा रहा है। (अनंत ज्ञान)

- मेंबर देश बोले- आतंकियों को सजा दिलाना जरूरी

हर मुश्किल वक्त में भारत और रूस एक साथ: मोदी

एजेंसी, तियानजिन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के बाद 1 सितंबर को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। बैठक में भारत और रूस की दोस्ती अलग मुकाम पर पहुंची। साझा बयान के दौरान रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने जहां पीएम मोदी को प्रिय दोस्त कहकर संबोधित किया, तो वहीं पीएम मोदी ने भी रूस को भारत का कठिन वक्त का साथी बताया। पीएम मोदी ने इस मौके पर राष्ट्रपति पुतिन से कहा कि हर मुश्किल वक्त में भारत और रूस साथ खड़े रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया की स्थिरता के लिए दोनों देश अहम हैं। साथ ही पीएम मोदी ने यूक्रेन में शांति के लिए सभी प्रयासों को जरूरी बताया है। वहीं, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा प्रिय दोस्त- 21 दिसंबर को भारत-रूस की स्पेशल पार्टनरशिप को 15 साल पूरे हो रहे हैं। हम सच्चाई से यह बता सकते हैं कि हमारे रिश्ते बहुत मजबूत हैं। हमारे बीच बहुत बहुमुखी सहयोग जारी है। आज की बातचीत से रिश्तों को और आगे बढ़ाने का मौका मिला है।

- पुतिन ने कहा बहुत मजबूत हैं दोनों देशों के रिश्ते

जिनपिंग की पसंदीदा रेड फ्लैग कार में घूमे मोदी

तियानजिन में पीएम मोदी को सफर के लिए एक स्पेशल कार दी गई है। इस होंगकी कार को रेड फ्लैग के नाम से भी जाना जाता है। यह कार चीन की रॉल्स रॉयस कही जाती है। खुद राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी इसी कार का इस्तेमाल करते हैं। मोदी सोमवार को इसी कार में बैठकर एसीओ समिट में शामिल होने पहुंचे। जिनपिंग अपनी आधिकारिक यात्राओं के दौरान इसी कार का इस्तेमाल करते हैं।

ट्रंप के टैरिफ पर भारी भारत-रूस की यारी

प्रधानमंत्री मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एक ही कार में सवार होकर मीटिंग में पहुंचे, तो उसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। खुद पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक तस्वीर शेयर कर इस 'कार वाली यारी' का नजारा दिखाया। एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने के लिए भारत पर टैरिफ बम फोड़ा है, तो दूसरी तरफ मोदी-पुतिन की यह यारी बयां कर रही है कि ट्रंप के ट्रैरिफ पर भारत-रूस की यारी भारी पड़ रही है।

अफगानिस्तान में भूकंप से 800 लोगों की मौत, 2500 घायल

रविवार आधी रात को 6.2 तीव्रता के भूकंप ने बरपाया कहर

एजेंसी, काबुल

अफगानिस्तान में रविवार की आधी रात को 6.2 तीव्रता का भूकंप आया। इसमें अब तक 800 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 2500 से ज्यादा लोग घायल हैं। भूकंप के समय ज्यादातर लोग सो रहे थे, इस वजह से वे इमारतों के मलबे में दब गए। शहर में रातभर झटके महसूस किए गए। अधिकारियों का कहना है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक, भूकंप 2 लाख की आबादी वाले जलालाबाद शहर से लगभग 17 मील दूर आया। यह राजधानी काबुल से 150 किमी दूर है। एनवाईटी की रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे ज्यादा मौतें पड़ोसी कुनार प्रांत में हुई हैं। अल जजीरा के मुताबिक, भूकंप के झटके पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब प्रांत में भी महसूस हुए। वहीं, भारत के गुरुग्राम में भी हल्के झटके महसूस किए गए। (अनंत ज्ञान)

- सोये हुए लोगों को बचने का नहीं मिला मौका

पीएम मोदी ने जताया दुख

भारत के पीएम नरेंद्र मोदी ने अफगानिस्तान में आए भूकंप पर दुख जताया है। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'इस कठिन घड़ी में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं, और हम घायलों के जल्दी ठीक होने की कामना करते हैं। भारत प्रभावित लोगों को हर संभव मानवीय सहायता और राहत प्रदान करने के लिए तैयार है।'

मानसून | अगस्त में नॉर्मल से 68% ज्यादा बादल बरसे, हजारों करोड़ का नुकसान

हिमाचल में बारिश ने तोड़ा 76 साल का रिकॉर्ड

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल प्रदेश में इस साल अगस्त की बारिश ने 76 साल का रिकॉर्ड तोड़ डाला है। अगस्त में सामान्य से 68 प्रतिशत ज्यादा बादल बरसे हैं। 1949 से आज तक अगस्त में कभी भी इतनी बारिश नहीं हुई। एक से 31 अगस्त के बीच 256.8 मिलीमीटर सामान्य बारिश होती है, लेकिन इस बार 431.3 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग के अनुसार, 1948 में 456.5 मिलीमीटर रिकॉर्ड बारिश थी। 1949 के बाद कभी भी इतनी भारी बारिश नहीं हुई। बीते 15 सालों में रिकॉर्ड बारिश 2019 में नॉर्मल से 23 प्रतिशत ज्यादा थी। अगस्त में आज तक की रिकॉर्ड बारिश 98 साल पहले यानी 1927 में 542.4 मिलीमीटर है। मानसून सीजन में प्रदेश में अब तक 3056 करोड़ रुपए की सरकारी और प्राइवेट प्रॉपर्टी नष्ट हो चुकी है।

बारिश की फाइल फोटो।

845 घर पूरी तरह से ध्वस्त 3,056 की आंशिक क्षति

प्रदेश के कई हिस्सों में 845 घर पूरी तरह से ध्वस्त हो गए हैं और 3,056 से अधिक घरों को आंशिक रूप से नुकसान पहुंचा है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, सड़कों को भारी क्षति हुई है, जिससे कई मार्ग अभी भी बंद हैं। इसके अलावा 360 जल आपूर्ति योजनाएं और 2,274 ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जिससे बिजली और पानी की आपूर्ति बाधित हो गई है। बागवानी और कृषि क्षेत्रों को भी भारी नुकसान हुआ है, जिससे सेब और सब्जियों जैसी फसलों को भारी क्षति पहुंची है। राज्य सरकार ने जिला और स्थानीय अधिकारियों को राहत कार्यों में तेज़ी लाने के निर्देश दिए हैं।

प्रदेश के 4 जिलों में दोगुना से भी ज्यादा बारिश दर्ज

प्रदेश के 4 जिले ऐसे हैं, जहां डबल से भी ज्यादा बारिश रिकॉर्ड की गई। कुल्लू जिले में सामान्य से 165 प्रतिशत अधिक यानी डबल से भी 65 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई है। कुल्लू में अगस्त में 180.2 मिलीमीटर सामान्य बारिश होती है, इस बार 477.5 मिलीमीटर बादल बरसे हैं। वहीं, शिमला जिले में भी सामान्य से 123% ज्यादा बादल बरसे हैं। शिमला में इस अवधि में 196.4 मिलीमीटर सामान्य बारिश होती है, लेकिन इस बार 438 मिलीमीटर बारिश हुई है। ऊना जिले में सामान्य से 119% ज्यादा और सोलन में सामान्य से 118% ज्यादा बारिश हुई। यही भारी बारिश तबाही का बड़ा कारण है। मानसून सीजन यानी 1 जून से 31 अगस्त तक भी सामान्य से 35 प्रतिशत अधिक बारिश हो चुकी है। इस अवधि में प्रदेश में औसत सामान्य बारिश 613.8 मिलीमीटर होती है, लेकिन इस बार 826.8 मिलीमीटर बादल बरस चुके हैं।

भारी बारिश से 6 मकान ध्वस्त, 7 क्षतिग्रस्त

जल शक्ति विभाग को 89.61 करोड़ और लोक निर्माण विभाग को हुआ 85.40 करोड़ रुपए का नुकसान

अनिल कुमार, अनंत ज्ञान

हमीरपुर। जिले में पिछले दो दिन से हो रही लगातार बारिश के कारण 6 रिहायशी मकान ध्वस्त हो चुके है। जबकि 15 गोशालाएं पूरी तरह ध्वस्त हो गई है, जबकि 7 अन्य मकानों को भी भारी क्षति पहुंची है। उपमंडल सुजानपुर के अलावा हमीरपुर और नादौन क्षेत्र में मकान ढह गए हैं। ग्राम पंचायत उखली में हरी चंद का कच्चा मकान बारिश के कारण गिर गया है, वहीं उपतहसील कांगू के गांव डोहग में भी मोहम्मद अनवर का एक कच्चा मकान ध्वस्त हुआ है।

गौर रहे कि इस मानसून सीजन में जिला में नुकसान का अभी तक का कुल आंकड़ा 184 करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। इस दौरान जिला में जल शक्ति विभाग को सर्वाधिक 89.61 करोड़ रुपए, लोक निर्माण विभाग को 85.40 करोड़ रुपए, बिजली बोर्ड को 1.67 करोड़ रुपए और शिक्षा विभाग को 1.79 करोड़ रुपए की क्षति हुई है। बागवानी विभाग ने विभिन्न फसलों को हुए 18.06 लाख रुपए और कृषि विभाग ने 1.15 लाख रुपए के नुकसान का अनुमान है। 42 कच्चे मकान व 4 पक्का मकान ध्वस्त होने से लगभग 1.31 करोड़ के नुकसान का अनुमान है। 245 अन्य कच्चे मकानों और 17 पक्के मकानों को आंशिक रूप से क्षति पहुंची है, जिससे 1.49 करोड़ ए से अधिक का नुकसान हुआ है। 33 अन्य भवनों को भी लगभग 12.82 लाख की क्षति पहुंची है। जिले भर में 122 डंगे गिरे हैं, जिनमें लगभग 1.10 करोड़ रुपए की क्षति हुई है। 313 गोशालाओं के ध्वस्त होने से लगभग 1.45 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। उपायुक्त अमरजीत सिंह ने बताया कि खराब मौसम को देखते हुए डीडीएमए के जिला एमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर के अलावा उपमंडल स्तर पर भी आपदा प्रबंधन टीमों को अलर्ट पर रखा गया है। राजस्व विभाग व फील्ड कर्मचारियों व अन्य विभागों के अधिकारियों को नुकसान की तत्काल रिपोर्ट के निर्देश दिए गए हैं।

कच्चे रिहायशी मकान की दीवारें गिरने से सामान को बाहर निकालते ग्रामीण।

सनेड में रिहायशी मकान गिरा, मलबे में दबा सामान

उखली पंचायत के तहत आने वाले सनेड गांव में एक परिवार का रिहायशी मकान बारिश की भेंट चढ़ गया। लगातार हो रही बारिश की वजह से मकान की दीवारें पूरी तरह से ध्वस्त हो गई। सोमवार सुबह लगभग 11 बजे जब मकान की दीवारें गिरी तो स्थानीय लोग मौके पर एकत्रित हो गए। जिस परिवार के मकान को नुकसान पहुंचा है वह परिवार कुल्लू में रहता है। कुल्लू में ही व्यवसाय करता है तथा सनेड में उनका पुश्तैनी मकान है। इस मकान के अंदर काफी सामान रखा हुआ है। मकान की दीवार गिर जाने की वजह से सामान भी मलबे के अंदर दब गया। मकान की दीवारें गिरने की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे तथा अंदर दबे हुए सामान को सभी ने मिलकर सुरक्षित बाहर निकाला। हालांकि काफी सामान मलबे में दबने की वजह से क्षतिग्रस्त हो गया है। गनीमत रही कि इस मकान के मलबे में कोई व्यक्ति नहीं आया नहीं तो बड़ा हादसा पेश आ सकता था।

दो मंजिला मकान जमींदोज, राहत की मांग

अनंत ज्ञान, भोरंज। उपमंडल भोरंज की ग्राम पंचायत कक्कड़ के गांव डिब्रूंली में रविवार देर रात भारी बारिश से राज कुमार पुत्र नगरा राम का दो मंजिला रिहायशी मकान अचानक ढह गया। गनीमत यह रही कि हादसे के समय परिवार के सभी सदस्य सुरक्षित स्थान पर मौजूद थे, जिससे जानी नुकसान नहीं हुआ। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से दीवारें कमजोर हो चुकी थीं, जिसके चलते अचानक जोरदार आवाज के साथ मकान जमींदोज हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पंचायत प्रधान विनोद कुमार, उपप्रधान कुलदीप चंद और हल्का पटवारी चंद्रदेही मौके पर पहुंचे और प्रशासन को रिपोर्ट भेजी। प्रधान ने बताया कि परिवार को लगभग पांच लाख रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र राहत देने की मांग की। वहीं, ग्रामीणों ने भी प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित पुनर्वास कार्य की गुहार लगाई है।

ठाणा गांव में मूसलाधार बारिश से बढ़ा खतरा

डंगा गिरने से पक्का मकान धराशायी होने की कगार पर, संकट में परिवार

एसके ठाकुर, अनंत ज्ञान

बड़सर। उपमंडल बड़सर के गांव ठाणा में भी बरसात ने रंग दिखाना शुरू कर दिया है। भारी बरसात के चलते राजेश कुमार, अनीता कुमारी, नरेश कुमार इत्यादि के घर भी खतरे के जद्दोजहद में आ गए हैं। कल को अगर इन लोगों के साथ कोई बड़ा हादसा होता है तो ऐसे में इसका कौन जिम्मेदार होगा?

इस बरसात में गांव ठाणा एक परिवार के तीन सदस्यों का पक्का मकान खतरे में आ गया है तथा कभी भी ताश के पत्तों की तरह धराशाई हो सकता है। बता दें कि इस मकान की सुरक्षा के लिए लगाया गया डंगा भूस्खलन के चलते गिर गया है डंगा गिरने से चार कमरों का बना पक्का मकान कभी भी धराशाई हो सकता है। यह डंगा लगभग 40 से 50 फुट के करीब लंबा था।

इसके गिरने से मकान में भी नींव तक हिल गई है। तथा चार कमरों का बना पक्का मकान ध्वस्त हो सकता है। साथ में इस घर तक जाने वाला रास्ता भी पूरी तरह से धस गया है।

पीड़ित परिवारों ने इस दुखद घड़ी में बड़सर प्रशासन से मदद की गुहार भी लगाई है। इसी के साथ इसी गांव के रवि कुमार पुत्र अजीत के मकान को बचाने के लिए लगाया गया 12 फुट के करीब डंगा बरसात में धस गया है।

इस संदर्भ में जब एसडीएम बड़सर राजेंद्र गौतम से बात हुई तो उनका कहना था मामला ध्यान में है पटवारी को आकलन के लिए मौके पर भेज दिया गया है नुकसान सही आकलन कियाजा रहा है रिलीफ फंड में जो भी संभावित मदद होगी प्रशासन करेगा। उन्होंने कहा कि तहसीलदार बड़सर के पास आपातकालीन के लिए तारपाल भेज रखे हैं ज्यादा जरूरत होगी तो प्रभावित परिवारों को तिरपाल भी दे जाएंगे ताकि बारिश में लोगों को किसी प्रकार की समस्या से दो-चार ना होना पड़े।

भाजपा के पूर्व मीडिया प्रवक्ता विनोद ठाकुर ने भी प्रभावित परिवारों की मदद करने की प्रदेश सरकार से गुहार लगाई है।

धिरड़ में मकान ढहा, पटवारी ने सौंपी रिपोर्ट

अनंत ज्ञान, भोरंज। उपमंडल भोरंज में भारी बारिश का कहर जारी है। ग्राम पंचायत धिरड़ के गांव धिरड़ में सुनील कुमार पुत्र संदेड़ कुमार का एक मंजिला स्लेटनुमा रिहायशी मकान बारिश के चलते जमींदोज हो गया। हादसे में सुनील कुमार का एकमात्र कमरा भी ढह गया, जिससे परिवार बेघर हो गया। गनीमत यह रही कि हादसे में किसी तरह की जानी हानि नहीं हुई। घटना की जानकारी मिलते ही पंचायत उपप्रधान शशिकांत शर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि पीड़ित परिवार को अस्थायी तौर पर गांव में रहने की व्यवस्था कर दी गई है। वहीं, हल्का पटवारी ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर प्रशासन को रिपोर्ट सौंप दी है। सुनील कुमार ने बताया कि उनके मकान के गिरने से करीब चार लाख रुपये का नुकसान हुआ है। भोरंज एसडीएम ने पीड़ित परिवार को दस हजार रुपये की फौरी राहत उपलब्ध करवा दी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से प्रभावित परिवार को शीघ्र उचित मुआवजा व पुनर्वास की मांग उठाई है। वहीं, क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

विद्यार्थियों और शिक्षकों की सुरक्षा सर्वोपरि

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। राजकीय टीजीटी कला संघ ने मांग की है कि शिक्षा विभाग विद्यार्थियों और शिक्षकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आपदा की स्थिति में विद्यालयों हेतु भी ऑनलाइन शिक्षण व्यवस्था लागू करे। संघ ने कहा कि जैसे 1 सितंबर 2025 को उच्चतर शिक्षा संस्थानों के लिए ऑनलाइन शिक्षा संबंधी आदेश जारी हुए, वैसे ही विद्यालयों के लिए भी तुरंत स्पष्ट आदेश दिए जाएं। संघ के प्रदेश महासचिव विजय ने बताया कि आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के अनुसार जिलाधीशों को आपात स्थिति में विद्यालय बंद करने और अवकाश घोषित करने का अधिकार है, और स्थानीय प्रशासनिक आदेश विभागीय निर्देशों से ऊपर माने जाएंगे। संघ ने 2 जुलाई के उन आदेशों को वापस लेने की मांग की, जिनमें आपदा की परिस्थितियों में भी शिक्षण व गैर-शिक्षण कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य की गई थी। कोविड-काल में शिक्षक 'कोरोना वारियर्स' के रूप में अग्रिम पंक्ति में सेवाएं दे चुके हैं। ऐसे में विद्यालयों को बिना विद्यार्थियों के खोलना तर्कसंगत नहीं है। संघ का मानना है कि स्थानीय प्रशासन उनकी सेवाएं आवश्यक राहत कार्यों में ले सकता है।

रामलीला कमेटी का गठन, तेज नाथ बने प्रधान

अनंत ज्ञान, भोरंज। उपमंडल भोरंज के तहत बडैहर गांव की रामलीला कमेटी का गठन सुभाष चंद शर्मा शास्त्री की अध्यक्षता में हुई। जिसमें सभी पदाधिकारियों का चयन सर्वसमति से किया गया। जिसमें प्रधान तेज नाथ, उपप्रधान रणजीत सिंह, सचिव विजय पॉल, कोषाध्यक्ष पुरषोत्तम कुमार, सहसचिव सुशील शर्मा, संरक्षक उत्तम चंद, प्रचार मंत्री हुक्म चंद, सदस्यों में देश राज, प्रीतम चंद, धर्म चंद, सोम दत्त, देश राज, गुरमेल सेठी व राजकुमार को बनाया गया।

कानूनगो के निधन पर जताया शोक

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। तहसील हमीरपुर में सहायक कार्यालय कानूनगो के पद के रूप में कार्यरत राजीव कुमार के आकस्मिक निधन पर एसडीएम संजीत सिंह, तहसीलदार सुभाष कुमार, नायब तहसीलदार जगदीश ठाकुर, अन्य अधिकारियों तथा राजस्व विभाग के कर्मचारियों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। तहसीलदार सुभाष कुमार ने बताया कि राजीव कुमार पिछले कुछ समय से बीमार थे। सोमवार को उनके आकस्मिक निधन की सूचना मिलते ही एसडीएम और तहसील कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने दिवंगत कर्मचारी के घर जाकर शोक संतप्त परिजनों को ढाढस बंधाया तथा विभाग की ओर से हरसंभव सहायता का भरोसा दिया। राजीव कुमार के अंतिम संस्कार के दौरान भी ये अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इसके बाद तहसील कार्यालय में भी दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत राजीव कुमार को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

तैयार किए जा रहे आपदा प्रबंधन वालंटियर्स

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। किसी तरह की आपदा से सुनियोजित एवं प्रभावी ढंग से निपटने हेतु पंचायत स्तर पर तैयार किए जा रहे वालंटियर्स के प्रशिक्षण का अगला चरण इसी माह आरंभ किया जा रहा है। उपायुक्त एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के अध्यक्ष अमरजीत सिंह ने बताया कि पंचायत स्तर पर युवा वॉलंटियर्स की टास्क फोर्स तैयार करने की योजना के तहत हर पंचायत में 10-20 वॉलंटियर्स तैयार किए जाने हैं। इसके लिए डीडीएमए ने ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ किए थे और इन कार्यक्रमों में लगभग 2260 लोगों को प्रशिक्षित किया गया था। इन्हीं प्रशिक्षण कार्यक्रमों की अगली कड़ी में इस माह से जिला के सभी 6 ब्लॉकों के लिए शेड्यूल बनाया गया है। उपायुक्त ने सभी खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सभी पंचायत जनप्रतिनिधियों, पंचायत सचिवों, रोजगार सेवकों, आंगनवाड़ी और आशा वर्करों, महिला मंडलों, युवक मंडलों और अन्य सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों तथा 45 वर्ष से कम आयु के अन्य वॉलंटियर्स की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करें।

दीपिका स्वास्थ्य विभाग से सेवानिवृत्त

अनंत ज्ञान, बड़सर। सिविल अस्पताल बड़सर की सुपरवाइज़र दीपिका गौतम 34 वर्ष तक स्वास्थ्य विभाग को सेवाएं देने के बाद सेवानिवृत्त हुईं। विदाई समारोह में बीएमओ डॉक्टर अरविंद टंडन ने कहा कि दीपिका अपनी ईमानदार छवि और मरीजों के साथ मधुर व्यवहार के लिए हमेशा याद की जाएंगी। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग में निष्ठा और समर्पण के साथ सेवाएं दीं। विदाई समारोह में दीपिका भावुक हो गईं और कहा कि भले ही वह सेवा निवृत्त हो रही हैं, लेकिन जरूरत पड़ने पर स्वास्थ्य विभाग के लिए निशुल्क सेवाएं हमेशा उपलब्ध रहेंगी। इस मौके पर उनके पति जीवन गौतम, बेटी दीक्षा गौतम, बेटा अमन गौतम, दामाद, सहेली नीलम कंबोज और अजीत कंबोज भी मौजूद रहे।

जोरावर सिंह स्मारक ट्रस्ट की बैठक संपन्न

अनंत ज्ञान, नादौन। जनरल जोरावर सिंह स्मारक ट्रस्ट की बैठक होटल राजेन्द्रा पैलेस गगाल जलाड़ी में ट्रस्ट के चेयरमैन ब्रिगेडियर लाल चंद जसवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बारिश के बावजूद बैठक में पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक में भूतपूर्व सैनिकों की समस्याओं पर चर्चा के साथ जोरावर सिंह की प्रतिमा के स्थानांतरण का मुद्दा प्रमुख रहा। ब्रिगेडियर जसवाल ने कहा कि फोरलेन निर्माण के चलते बाघनाल में स्थापित प्रतिमा प्रभावित हो रही है। इसे स्थानांतरित करने से पहले पर्याप्त भूमि की उपलब्धता जरूरी है। प्रस्ताव रखा गया कि नादौन में जमीन मिलने पर प्रतिमा के साथ सीएसडी कैंटीन, ईसीएचएस काउंटर और सभागार भी स्थापित किए जाएंगे, ताकि राष्ट्रीय पर्वों और अन्य कार्यक्रमों का आयोजन भव्य रूप से हो सके।

हमीरपुर व नादौन में फ्री जांच शिविर 9 को

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। आम लोगों में मिर्गी के रोग के प्रति जागरुकता बढ़ाने और इससे ग्रस्त लोगों की निशुल्क जांच एवं विशेष उपचार के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) नई दिल्ली और दयानंद मेडिकल कालेज एवं अस्पताल (डीएमसीएच) लुधियाणा के संयुक्त प्रयासों से 9 सितंबर को हमीरपुर और नादौन में विशेष जांच एवं उपचार शिविर आयोजित किए जाएंगे। एम्स नई दिल्ली के न्यूरोलॉजी विभाग के शोध अध्येता नवीन शुक्ला ने बताया कि 9 सितंबर को जिला आयुर्वेदिक अस्पताल हमीरपुर में सुबह 9 से दोपहर डेढ़ बजे तक शिविर लगाया जाएगा। इसी दिन दोपहर बाद ढाई बजे से सायं 5 बजे तक नागरिक अस्पताल नादौन में शिविर आयोजित किया जाएगा। नवीन शुक्ला ने बताया कि इन दोनों शिविरों में विशेषज्ञ डॉक्टर मिर्गी जैसे रोग से पीड़ित मरीजों की निशुल्क जांच एवं उपचार करेंगे। उन्होंने लोगों, विशेषकर मिर्गी के रोगियों से इन शिविरों का लाभ उठाने की अपील की है।

परोबड़ से उपमंडल बंगाणा को जोड़ने वाली सड़क अस्थायी रूप से अवरुद्ध

भारी बारिश के चलते जमीन खिसकने के कारण क्षतिग्रस्त हुई सड़क।

अनंत ज्ञान, धनेटा

लगातार हो रही भारी बारिश ने पूरे क्षेत्र में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। उपमंडल नादौन के परोबड़ से उपमंडल बंगाणा को जोड़ने वाली सड़क जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। इसके चलते जलाकड़, बाग, पयांबी, जोल, शुक्रडयाल, अलसाहन, चुकानी, गलूं सहित दर्जनों गांवों का बाहरी संपर्क पूरी तरह टूट गया है। स्थिति यह है कि सैकड़ों बच्चे स्कूल नहीं पहुंच पा रहे और स्थानीय लोगों के रोजमर्रा के कामकाज भी ठप हो गए हैं। परिवहन निगम की सुजानपुर-चंडीगढ़, नादौन-बंगाणा, नादौन-नंगल व अन्य रूटों की बसें बंद होने से लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। स्थानीय निवासी सचिन, रमेश, शिवकुमार, सतीश, रंजीत, राजेश, इंदुबाला व अशोक कुमार ने बताया कि सड़क बंद होने से बच्चों, यात्रियों और कामकाजी लोगों को भारी दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं। उन्होंने प्रदेश सरकार व विभाग से जल्द से जल्द सड़क दुरुस्त करने की मांग की है।

लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता अमन कुमार ने कहा कि सड़क की स्थिति को देखते हुए इसे अस्थाई तौर पर बंद किया गया है ताकि किसी बड़ी दुर्घटना को रोका जा सके। बरसात के बाद मरम्मत कार्य शुरू कर सड़क को बहाल कर दिया जाएगा।

चबूतरा में जमीन धंसने से पांच परिवार बेघर, दहशत

करोड़ों की संपत्ति तबाह, पूर्व विधायक राजेंद्र राणा ने देर रात तक लिया मौके का जायजा

विक्रम ढटवालिया, अनंत ज्ञान

हमीरपुर के चबूतरा गांव में जमीन धंसने से पांच परिवार बेघर हो गए हैं। जबकि 20 और मकान खतरे में बताए जा रहे हैं। इस वजह से ग्रामीणों में दहशत है। जिन लोगों के मकान जमींदोज हुए उनमें तीन सगे भाइयों के मकान थे। तलहटी पर बसे इन परिवारों पर बरसात के मौसम में आफत आ गई है। प्रशासन एवं स्थानीय लोगों की मदद से यहां राहत और बचाव कार्य जारी है। जमीन धंसने और जमीन फटने से कई परिवार बेघर हो गए और करोड़ों की संपत्ति तबाह हो गई। यह घटना रविवार शाम की है जब जमीन धंसना शुरू हुई।

सुजानपुर के पूर्व विधायक एवं प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता राजेंद्र राणा भी घटना की जानकारी मिलते ही देर रात को मौके पर पहुंचकर प्रभावित परिवारों के साथ खड़े हो गए। राजेंद्र ने न केवल पीड़ित परिवारों के दुख-दर्द को समझा, बल्कि तुरंत राहत के इंतजाम भी किए। उनकी फौरी तौर पर मदद भी की। सोमवार सुबह वे फिर से प्रभावित स्थल पर पहुंचे और परिवारों को नाश्ता व तिरपाल उपलब्ध करवाए। यही नहीं, अपनी संस्था सर्व कल्याणकारी ट्रस्ट की ओर से जिनके घर तबाह हो चुके हैं, ऐसे परिवारों को 50-50 हजार रुपए की मदद देने की घोषणा भी की।

इनके गिरे मकान, दूसरी जगह किए शिफ्ट

चबूतरा में नरोत्तम दास पुत्र महंत राम, केवल कृष्ण पुत्र महंत राम, किशोरी लाल पुत्र महंत राम, सीतो देवी पत्नी प्रभु राम व बंसी राम पुत्र ख्याली राम के मकान गिरे हैं। इन आपदा पीड़ित परिवारों को दूसरी जगह शिफ्ट किया गया है। अब पालतू पशु और अन्य जानवरों को भी वहां से निकलने का काम शुरू किया गया है।

आपदा प्रभावित परिवार ने जताई चोरी की आशंका

आपदा से प्रभावित क्षेत्र में एक परिवार ने चोरी की आशंका जताई है। कृष्ण चंद्र के मकान को नुकसान होने के बाद घर खाली किया गया था। उनका कहना है कि जब बेटा रात को वहां पहुंचा तो ट्रंक और कुछ सामान खुले व इधर-उधर बिखरे मिले। हालांकि गुम हुए सामान की सही जानकारी अभी तक नहीं दी गई है। एसपी भगत सिंह ठाकुर ने बताया कि मामला दर्ज कर तहकीकात शुरू कर दी गई है।

धूमल ने जताई चिंता

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता प्रो प्रेम कुमार धूमल ने हमीरपुर जिले के चबूतरा गांव में हुए भीषण भूस्खलन से प्रभावित परिवारों की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है। प्रो धूमल ने कहा कि भूस्खलन से रिहायशी भवनों को खतरा पैदा हो गया है और स्थानीय निवासियों में भय और अनिश्चितता का माहौल पैदा हो गया है। उन्होंने सरकार और जिला प्रशासन से पीड़ित परिवारों को तत्काल राहत प्रदान करने और उनके जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने की अपील की।

बिना किसी देरी के करें मदद : सांसद

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद अनुराग ठाकुर ने चबूतरा गांव के निवासियों को हो रही कठिनाइयों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने राज्य सरकार व स्थानीय प्रशासन से प्रभावित परिवारों की सुरक्षा के लिए त्वरित कार्रवाई करने और उन्हें बिना किसी देरी के पर्याप्त राहत और पुनर्वास सहायता प्रदान करने का आग्रह किया।

विकसित भारत विजन 2047 में कंसल्टिंग कंपनियों की अहम भूमिका : अनुराग ठाकुर

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

- भारत-यूएई सीईपीए और अफ्रीका व्यापार से बनेगा विकास त्रिकोण
- स्टार्टअप इंडिया और आत्मनिर्भर भारत ने खोले नई संभावनाओं के द्वार

पूर्व केंद्रीय मंत्री और हमीरपुर सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने दुबई में भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कहा कि विकसित भारत विजन 2047 में कंसल्टिंग कंपनियों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक नीतियों के कारण भारत आज 11वें से चौथे स्थान पर पहुंचकर विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है।

उन्होंने बताया कि भारत, मध्य पूर्व और अफ्रीका मिलकर 21वीं सदी का विकास त्रिकोण बना रहे हैं। भारत-यूएई सीईपीए ने द्विपक्षीय व्यापार में क्रांतिकारी बदलाव किया है, जबकि भारत-अफ्रीका व्यापार 100 अरब डॉलर के पार पहुंच चुका है। दुबई एशिया और अफ्रीका को जोड़ने वाला प्रमुख सेवा केंद्र बनकर उभर रहा है। ठाकुर ने कहा कि स्टार्टअप इंडिया से लेकर आत्मनिर्भर भारत और ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस जैसे सुधारों ने परामर्श क्षेत्र को नई दिशा दी है। भारत में 1 लाख से अधिक स्टार्टअप्स ने नवाचार और उद्यमशीलता को गति दी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि तकनीक के नैतिक उपयोग, ईएसजी रिपोर्टिंग और वैश्विक अनुपालन जैसे मुद्दों पर भारतीय पेशेवर दुनिया का नेतृत्व कर सकते हैं। विश्वास और पारदर्शिता ही कंसल्टिंग की असली पूंजी है और इसी के बल पर भारत विजन 2047 साकार होगा।

हर्ष महाजन पर प्रेम कौशल का पलटवार बताया मौकापरस्त नेता

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। प्रदेश कांग्रेस के पूर्व मुख्य प्रवक्ता प्रेम कौशल ने राज्य सभा सांसद हर्ष महाजन के हालिया बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि हर्ष महाजन द्वारा स्वर्गीय पूर्व सीएम वीरभद्र सिंह की प्रशंसा करना दरअसल राजनीतिक लक्ष्य साधने का प्रयास है। कौशल ने कहा कि हर्ष महाजन अपने राजनीतिक जीवन के अधिकांश समय में वीरभद्र सिंह के विरोधी रहे हैं व 90 के दशक में कुल्लू के ढालपुर मैदान में उनके साथ कैसा व्यवहार किया गया था, यह किसी से छिपा नहीं है। उन्होंने महाजन को मौकापरस्त नेता बताते हुए आरोप लगाया कि सत्ता और संगठन में ऊंचे पदों पर रहते हुए भी उन्होंने विपक्ष से सांठगांठ कर पार्टी को नुकसान पहुंचाया। कौशल ने कहा कि महाजन का भाजपा में जाना उनकी मानसिकता का प्रमाण है। उन्होंने नसीहत दी कि महाजन अपनी राजनीतिक दुकान चलाने के लिए वीरभद्र सिंह जैसे समर्पित नेता का नाम न इस्तेमाल करें। साथ ही उन पर चंबा आपदा पीड़ितों की मदद न करने व केवल बयानबाजी करने का आरोप भी लगाया।

हिम अकादमी स्कूल विकास नगर में ओपन जिला टेबल टेनिस टूर्नामेंट संपन्न

अंडर-11 बालक वर्ग में ईशान फर्स्ट व पार्थर सेकेंड

अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर

हमीरपुर जिला टेबल टेनिस संघ की ओर से हिम अकादमी पब्लिक स्कूल विकासनगर में ओपन जिला टेबल टेनिस टूर्नामेंट का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 110 खिलाड़ियों ने भाग लेकर शानदार खेल भावना का परिचय दिया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला कार्यक्रम अधिकारी हमीरपुर एवं अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी व राष्ट्रीय कोच रहे राजेंद्र शर्मा उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में संजीव चौहान ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष एवं स्कूल निदेशक पंकज लखनपाल ने की। मेंटर डॉ. चंदन भारद्वाज, सचिव विशाल अर्विंद, कोषाध्यक्ष भानु पराशर सहित संघ पदाधिकारी राजीव दत्ता, पियूष शर्मा और विवेक ठाकुर भी उपस्थित रहे।

टेबल टेनिस टूर्नामेंट में मुख्यातिथि को सम्मानित करते हुए अतिथि एवं पदाधिकारी।

प्रतियोगिता में विभिन्न वर्गों के खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। अंडर-11 बालक वर्ग में ईशान ने प्रथम और पार्थर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अंडर-13 वर्ग में दमन विजेता और आदित्यशीष उपविजेता रहे, जबकि बालिका वर्ग में प्रियांशी प्रथम तथा अनायशा द्वितीय स्थान पर रही। अंडर-15 वर्ग में बालकों में आरुष विजेता व यशस्व उपविजेता बने, वहीं बालिकाओं में अनन्या (दयानंद विद्यालय) प्रथम और पंपम (विकासनगर) द्वितीय स्थान पर रहीं। अंडर-17 वर्ग में नमन विजेता तथा आरुष उपविजेता रहे, जबकि बालिकाओं में वाणी ने पहला और अरुषि ने दूसरा स्थान पाया।

अंडर-19 वर्ग में ध्रुव विजेता और शिवांग उपविजेता रहे, जबकि बालिका वर्ग में अरुषि प्रथम और नूरजहां द्वितीय स्थान पर रहीं। वरिष्ठ वर्ग में भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला। पुरुष वर्ग में राजीव दत्ता ने खिताब जीता और राजकुमार गौतम उपविजेता रहे। महिला वर्ग में पूनम रानी प्रथम तथा सिया शर्मा द्वितीय स्थान पर रहीं। समापन अवसर पर अतिथियों ने विजेताओं को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। खिलाड़ियों, अभिभावकों और खेल प्रेमियों ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन की सराहना की।

- 110 खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा और विजेताओं को किया सम्मानित

आमदनी प्राकृतिक खेती, बागवानी, पशु व मत्स्य पालन से घर में ही कमा रहे लाखों

दियोटसिद्ध के किसान कृष्ण चंद बने मिसाल

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

ग्रामीण आर्थिकी को सशक्त बनाने की दिशा में प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयास अब जमीन पर उतरते दिख रहे हैं। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू की पहल से कृषि, बागवानी, पशु पालन, दुग्ध उत्पादन और मत्स्य पालन जैसे क्षेत्रों को प्रोत्साहन देने का असर यह है कि कई किसान समग्र सोच के साथ नई राहें बना रहे हैं। हमीरपुर जिला के दियोटसिद्ध क्षेत्र के गांव बाहल अर्जुन के प्रगतिशील किसान कृष्ण चंद इसका जीता-जागता उदाहरण हैं।

- युवाओं को पुश्तैनी जमीन पर खेती अपनाने की दी प्रेरणा

करीब 40 कनाल पुश्तैनी भूमि के मालिक कृष्ण चंद पहले वैल्डिंग का काम करके परिवार का गुजर-बसर करते थे। खेतों से केवल गुजारे लायक अनाज ही पैदा हो पाता था। कृषि में कुछ नया करने की चाह तो थी, लेकिन सीमित संसाधन और सिंचाई की सुविधा न होने के कारण यह सपना अधूरा रह जाता था। इसी बीच उन्हें मत्स्य पालन विभाग की योजना की जानकारी मिली और विभागीय अधिकारियों ने उन्हें प्रोत्साहित किया।

कृष्ण चंद ने तालाब निर्माण और पानी की व्यवस्था के लिए लगभग 14 लाख रुपये की परियोजना बनाई, जिसमें से 60 प्रतिशत यानी करीब 8.40 लाख रुपये की सब्सिडी उन्हें मिली। इसके साथ ही उन्होंने सौर ऊर्जा से चलने वाला पंप भी स्थापित किया। बागवानी विभाग से उन्हें 85 प्रतिशत सब्सिडी पर पॉलीहाउस लगाने का लाभ मिला, जिससे उन्होंने फूलों की खेती शुरू की। ढाई वर्ष पहले मुख्यमंत्री के आह्वान पर उन्होंने प्राकृतिक खेती अपनाई। खेतों में मक्की और गेहूं जैसी पारंपरिक फसलें उगाने के साथ-साथ मेंढ़ों पर पलम, आड़ू, खुमानी और अनार के पौधे लगाए। उन्होंने साहीवाल नस्ल की गायें पालीं और वर्मी कंपोस्ट पिट बनाकर जैविक खाद तैयार करना शुरू किया। इस प्रकार कृष्ण चंद ने अपनी भूमि पर समग्र खेती का मॉडल विकसित कर लिया है।

आज उनके तालाब में लगभग छह किस्म की मछलियां तैयार होती हैं, जिनकी खपत स्थानीय बाजार में ही हो जाती है। पॉलीहाउस से तैयार फूल दिल्ली तक भेजे जा रहे हैं। कृष्ण चंद के अनुसार, फूलों की खेती से उन्हें सालाना तीन से चार लाख रुपये का शुद्ध लाभ हो रहा है, जबकि मत्स्य पालन से करीब ढाई लाख रुपए की आय प्राप्त हो रही है।

कृष्ण चंद का कहना है कि प्रदेश सरकार की योजनाओं और विभागीय सहयोग के चलते ही यह संभव हो पाया। उनका मानना है कि युवा पीढ़ी यदि नौकरी की तलाश में भटकने के बजाय अपनी पुश्तैनी जमीन पर समग्र खेती अपनाए, तो वे न केवल आत्मनिर्भर बन सकते हैं बल्कि दूसरों को भी रोजगार उपलब्ध करा सकते हैं।

सड़क के लिए जमीन दीजिए, मुफ्त में दूंगा जेसीबी की सेवा : सुनील सन्नी

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

हमीरपुर जिला की बमसन ब्लॉक की बारी पंचायत के बारी गांव के समाजसेवी एवं युवा सुनील चौहान (सन्नी) ने अपने जन्मदिवस पर आयोजित कार्यक्रम में घोषणा की है। उन्होंने कहा कि यदि ग्रामीण 30 दिसंबर तक सड़क निर्माण के लिए जमीन उपलब्ध करवाते हैं, तो वह अपनी जेसीबी की सेवा मुफ्त में उपलब्ध करवाएंगे। उल्लेखनीय है कि बारी गांव में एक ओर से सड़क बन चुकी है, जिसे अब बारी मंदिर के पास नेशनल हाइवे से जोड़ा जाना है।

पंचायत प्रधान के साथ उपायुक्त अमरजीत सिंह को रेडक्रॉस दान राशि का चेक सौंपते हुए।

सुनील सन्नी ने पंचायत प्रधान रविंद्र ठाकुर के साथ मिलकर उपायुक्त हमीरपुर अमरजीत सिंह से इस संबंध में चर्चा की। उन्होंने गांव में खेल मैदान के लिए जमीन पंचायत को ट्रांसफर करने का प्रस्ताव भी डीसी को सौंपा। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को नशे से दूर रखने के लिए गांव में खेल मैदान, जिम और हेल्थ कैंप जैसी उपयोगी योजनाएं शुरू की जाएंगी। सुनील सन्नी ने उपायुक्त को रेडक्रॉस के लिए दानराशि का चेक भेंट किया। वह रेडक्रॉस सोसाइटी के आजीवन सदस्य भी है। इसके अतिरिक्त उन्होंने धर्मार्थ रोगी सेवा संस्थान हमीरपुर को भी दानराशि भेंट की। सुनील सन्नी की इस पहल को बॉबी, लक्की, गोल्डी, रिंकू, डॉक्टर, सोनू , संजू, विक्की, अनु, शिल्लू, देशराज, पुरुषोत्तम, राजमल, हेमराज, रघुबीर सिंह, करतार चंद आजाद, दलजीत सिंह, अशोक , अनंत राम परमार, जयराज, कर्मवीर , संतोष, भूमिराज, लवली, राकेश मेहर, हंसराज चौहान आदि ने एक अच्छी शुरुआत बताया है।

लोक उपयोगिता में विघ्न डाला तो छह माह की कैद और लगेगा जुर्माना

लोक उपयोगिता प्रतिषेध विधेयक ध्वनिमत से पारित

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा ने सोमवार को लोक उपयोगिता प्रतिषेध विधेयक ध्वनिमत से पारित कर दिया। अधिसूचना जारी होते ही यह कानून लागू हो जाएगा। किसी भी लोक उपयोगिता में विघ्न डालने पर छह माह तक कैद और दो से 10 हजार रुपये तक जुर्माना किया जा सकेगा।

राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी की अनुपस्थिति में शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने सदन में यह विधेयक पारित कराने के लिए प्रस्तुत किया। बीते सप्ताह शुक्रवार को भी रोहित ठाकुर ने इसे सदन में पेश किया था। विधेयक के अनुसार प्रदेश में कई रास्ते, नहरें, पेयजल व सिंचाई योजनाएं, सरकारी भवन और अन्य लोक उपयोगिता कार्य ऐसी जमीनों पर बने हैं, जिनका स्वामित्व निजी व्यक्तियों, कंपनियों या संस्थाओं के पास है। इनमें से कई मामलों में लिखित समझौते हैं तो कई जगह केवल मौखिक सहमति रही है। अब जमीनों की कीमत बढ़ने से कुछ लोग इन उपयोगिताओं पर अपना दावा करने लगे हैं और उनमें विघ्न डाल रहे हैं।

सरकार ने लोक हित में ऐसी स्थिति रोकने के लिए यह कानून बनाया है। इसके तहत किसी भी व्यक्ति को लोक उपयोगिता को नष्ट करने, बदलने या बाधित करने का अधिकार नहीं होगा। इस कानून को सिविल अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकेगी। संबंधित मामलों की सुनवाई उपायुक्त करेंगे और उनके आदेशों को 30 दिन के भीतर वित्तायुक्त के पास चुनौती दी जा सकेगी। आदेशों की अवहेलना पर सजा भी होगी।

अब दीवानी अदालतें सीधे विवादों में हस्तक्षेप नहीं कर पाएंगी

विधेयक यह भी सुनिश्चित करता है कि दीवानी अदालतें सीधे इन विवादों में हस्तक्षेप नहीं कर सकतीं। इसके बजाय, जिला कलेक्टरों को संपत्तियों की बहाली का अधिकार दिया गया है और निर्णय से असंतुष्ट पक्ष वित्त आयुक्त के पास अपील कर सकते हैं। आयुक्त का निर्णय अंतिम माना जाएगा, जिससे विधेयक की निष्पक्ष और प्रभावी क्रियान्वयन की राह आसान होगी।

हिमाचल में मानसून के कहर के बीच लागू हुआ आपदा प्रबंधन अधिनियम

अनंत ज्ञान, शिमला

प्रदेश में लगातार हो रही बारिश और उससे बढ़ते जन-धन के नुकसान को देखते हुए राज्य सरकार ने आपदा प्रबंधन अधिनियम लागू करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने यह घोषणा विधानसभा में की। मुख्य सचिव, जो राज्य कार्यकारी समिति के सीईओ भी हैं, ने अधिनियम को तत्काल प्रभाव से लागू करने संबंधी आदेश जारी किए।

राज्य में 19 जून से मानसून सक्रिय है और अब तक हुई वर्षा से भारी तबाही हुई है। धर्मशाला, कुल्लू, मंडी, चंबा और लाहौल-स्पीति जैसे क्षेत्रों में सबसे अधिक नुकसान दर्ज किया गया है। 24 से 26 अगस्त के बीच हुई भारी बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया।

राहत और पुनर्वास के निर्देश

मुख्य सचिव के आदेश में सभी उपायुक्तों और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों को तत्काल राहत कार्यों में जुटने और अधिनियम की धारा 34 के तहत कार्रवाई करने को कहा गया है। आदेश में यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि प्रभावित लोगों तक समय पर राहत पहुंच सके और आवश्यक सेवाओं की आपूर्ति बाधित न हो। मोबाइल और लैंडलाइन कनेक्टिविटी को युद्धस्तर पर बहाल करने के निर्देश दूरसंचार प्रदाताओं को दिए गए हैं। वहीं, पंचायतों और शहरी स्थानीय निकायों को राहत व पुनर्वास कार्यों में सक्रिय सहयोग सुनिश्चित करने का आदेश भी जारी किया गया है।

पंचायतों को सशक्त बनाने के लिए नया विधेयक पेश

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

प्रदेश सरकार ने पंचायतों की जवाबदेही बढ़ाने और उन्हें अधिक प्रभावी बनाने के लिए हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 में संशोधन हेतु विधानसभा में एक विधेयक पेश किया। यह कदम राज्य के स्थानीय शासन को भारतीय न्याय संहिता, 2023 के अनुरूप बनाने और पंचायतों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में उठाया गया है।

विधेयक के प्रमुख प्रावधानों में पंचायत सदस्यों, पदाधिकारियों और कर्मचारियों को पंचायत कार्यों से संबंधित किसी भी अनुबंध, कमीशन या हिस्सेदारी में शामिल होने से रोकना शामिल है। यदि कोई नियम का उल्लंघन करता है, तो उसे दंडित किया जाएगा और पद से अयोग्य ठहराया जा सकता है। इससे पंचायत कार्यों में नैतिकता और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

संशोधन के तहत पंचायत सचिवों को पंचायत पर बकाया कर, जल शुल्क, किराया और अन्य बकाया राशि वसूलने का अधिकार दिया गया है।

इस प्रक्रिया की निगरानी कलेक्टर करेंगे, जबकि खंड विकास अधिकारी और मुख्य कार्यकारी अधिकारी इस कार्य में सहायता प्रदान करेंगे। सरकार का उद्देश्य जमीनी स्तर पर वित्तीय अनुशासन मजबूत करना है।

पंचायतीराज अधिनियम में संशोधन, अनुबंध और हितों के टकराव पर रोक

लंबे समय से चली आ रही मांग होगी पूरी

विधेयक विधानसभा के मानसून सत्र में आगे चर्चा के लिए रखा जाएगा। सरकार का मानना है कि प्रस्तावित बदलाव हिमाचल के पंचायती राज ढांचे को राष्ट्रीय कानूनी सुधारों के अनुरूप बनाएंगे और स्थानीय निकायों के स्वच्छ एवं उत्तरदायी कामकाज की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करेंगे।

छोटे-मोटे अपराधों से निपटने की मिलेगी ताकत

विधेयक ग्राम पंचायतों को स्थानीय स्तर पर छोटे-मोटे अपराधों से निपटने का अधिकार भी देता है। इसमें सार्वजनिक उपद्रव, लोक सेवकों का अपमान, लापरवाही, छोटी चोरी, शरारती कृत्य और आपराधिक अतिक्रमण जैसी घटनाओं से निपटना शामिल है। इससे नियमित अदालतों पर बोझ कम होगा और सामुदायिक न्याय प्रक्रिया को मजबूत किया जाएगा।

सीएम सुक्खू का विपक्ष पर करारा वार संकट की घड़ी में भी की जा रही राजनीति

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने प्रदेश में आपदा के समय विपक्ष की भूमिका पर कहा कि भाजपा इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी होने की बजाय राजनीतिक रोटियां सेंकने में व्यस्त है।

सीएम ने कहा कि भाजपा पर टिप्पणी करना उचित नहीं, लेकिन उनका व्यवहार दुर्भाग्यपूर्ण और प्रदेश हित के विपरीत है। सीएम ने भाजपा नेताओं को कहा कि जनता के दुख-दर्द को समझकर सार्थक योगदान दें। सीएम सुक्खू ने बताया कि प्रदेश में प्राकृतिक आपदा से घर, पशुधन और कृषि को व्यापक नुकसान हुआ है।

प्रभावित लोगों के पुनर्वास और राहत कार्य में सरकार पूरी तरह सक्रिय है। राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी चंबा से पैदल भरमौर पहुंचकर स्थिति का अवलोकन किया और मशीनरी व संसाधन तत्काल उपलब्ध कराए जा रहे हैं। आवश्यकता पड़ने पर एयरफोर्स के हेलीकॉप्टरों और दो विमानों के माध्यम से राहत सामग्री और बचाव कार्य प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचाया जाएगा।

सरकार मजबूती से प्रभावितों के साथ खड़ी

मुख्यमंत्री ने दोहराया कि यह समय केवल सहयोग और संवेदनशीलता का है। मौसम अनुकूल होते ही राहत एवं पुनर्वास कार्य और तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने अंत में कहा कि सरकार की प्राथमिकता हमेशा प्रदेशवासियों की सुरक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान पर रहेगी।

सरकार आपदा प्रबंधन पर बोल रही झूठ : जयराम

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने विधानसभा में सुक्खू सरकार को मणिमहेश यात्रा के दौरान फंसे श्रद्धालुओं के संबंध में गुमराह करने का आरोप लगाते हुए घेरा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री द्वारा फंसे हुए लोगों की संख्या को लेकर अलग-अलग आंकड़े दिए जा रहे हैं।

ठाकुर ने कहा कि जब विपक्ष ने 28 अगस्त को 10,000 से अधिक लोगों के फंसे होने की बात कही थी, तो उपमुख्यमंत्री ने इसे झूठ बताया। जबकि अब मुख्यमंत्री खुद यह मान रहे हैं कि 10,000 लोगों को निकाला गया है और 5,000 अभी भी फंसे हुए हैं, जिससे यह सिद्ध होता है कि 28 अगस्त को 15,000 लोग प्रभावित थे। ठाकुर ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार राहत कार्यों के बारे में गलत जानकारी दे रही है। उन्होंने कहा कि सरकार जहां फ्री बसें चलाने का दावा कर रही है, वहीं श्रद्धालु अधिक किराया वसूलने की शिकायत कर रहे हैं।

सीएम व डिप्टी सीएम के अलग अलग आंकड़े गुमराह करने वाले

इसी तरह, उन्होंने कहा कि निजी हेलीकॉप्टरों द्वारा श्रद्धालुओं से मनमाना किराया वसूला गया, जबकि सरकार वायु सेना के हेलीकॉप्टर के लिए कोई अनुरोध नहीं भेज रही थी। उन्होंने इस स्थिति को शर्मनाक बताया और कहा कि जब प्रदेश आपदा से जूझ रहा था, मुख्यमंत्री राज्य में मौजूद नहीं थे।

जयराम ने सरकार से आग्रह किया कि आपदा के कारण यातायात और संचार बाधित होने की वजह से, लोक सेवा आयोग की काउंसिलिंग और कर्मचारियों की पदोन्नति जैसी महत्वपूर्ण तिथियों को आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि कई अभ्यर्थियों और कर्मचारियों को इन जगहों तक पहुंचने में कठिनाई हो रही है, इसलिए सरकार को उनकी समस्याओं पर ध्यान देते हुए इन तिथियों में राहत देनी चाहिए।

रणधीर शर्मा बोले-कांग्रेस के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल कोई नई बात नहीं

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

शिमला में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते रणधीर शर्मा।

भाजपा के मीडिया प्रभारी एवं विधायक रणधीर शर्मा ने प्रेसवार्ता में कहा कि कांग्रेस के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल कोई नई बात नहीं है। उन्होंने दरभंगा की सभा में प्रधानमंत्री और उनकी स्वर्गीय माता के प्रति अभद्र और अपमानजनक भाषा के प्रयोग को उदाहरण के तौर पर पेश किया।

रणधीर शर्मा ने याद दिलाया कि संसद सत्र के दौरान कांग्रेस सांसद वेल में खड़े होकर लगातार 'चोर-चोर' के नारे लगा रहे थे। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि लोकसभा अध्यक्ष को यह कहने पर मजबूर होना पड़ा कि भाषा की मर्यादा चकनाचूर हो गई है। विधायक ने कहा कि यदि राहुल गांधी के हालिया भाषणों का विश्लेषण किया जाए तो स्पष्ट होता है कि वे लगातार प्रधानमंत्री को 'तू' कहकर संबोधित कर रहे हैं, जो न केवल शिष्टाचार की अवहेलना है बल्कि राजनीतिक मर्यादा का भी उल्लंघन है।

कांग्रेस और गाली का संबंध

रणधीर शर्मा ने कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि जिस पार्टी ने कभी अपने आप को स्वतंत्रता संग्राम से जोड़ा और जिसे महात्मा गांधी की पार्टी कहा जाता था, वही आज गाली वाली पार्टी बन गई है।

चंबा-भरमौर मार्ग की बहाली में लगेंगे 10 दिन : कुलदीप पठानिया

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि चंबा जिला हालिया बारिश से गंभीर रूप से प्रभावित हुआ है। उन्होंने बताया कि अब तक जिले में 1100 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान दर्ज हो चुका है। कई परिवार पूरी तरह उजड़ गए हैं और राहत पहुंचाना प्रशासन के लिए सबसे बड़ी चुनौती है।

बारिश से 1100 करोड़ का नुकसान, पांच हजार श्रद्धालु अब भी फंसे

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि मणिमहेश यात्रा के दौरान करीब 15 हजार श्रद्धालु अलग-अलग स्थानों पर फंस गए थे। इनमें से 10 हजार को सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है, लेकिन करीब पांच हजार श्रद्धालु अब भी दुर्गम क्षेत्रों में फंसे हुए हैं। इनमें बीमार और वृद्ध तीर्थयात्रियों की स्थिति चिंता का विषय है।

पत्रकार वार्ता में पठानिया ने कहा कि सरकार और प्रशासन पूरी तरह राहत व बचाव कार्य में जुटा है, लेकिन हालात बेहद कठिन हैं। उन्होंने माना कि कई गांवों तक सड़क संपर्क पूरी तरह टूट चुका है और ऐसे में हेलिकॉप्टर व अन्य संसाधनों की मदद से राहत सामग्री पहुंचानी पड़ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि आपदा प्रबंधन की चुनौतियों से निपटने के लिए स्थायी ढांचे की जरूरत है और प्रदेश सरकार इस दिशा में ठोस योजना तैयार करेगी।

शिमला में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया।

सड़क बहाली और राहत कार्य बेहद चुनौतीपूर्ण, प्रयास जारी

पठानिया ने कहा कि चंबा-भरमौर मार्ग की बहाली एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। यदि मौसम साफ रहा तो भी इस मार्ग को खोलने में कम से कम दस दिन लगेंगे। उन्होंने केंद्र सरकार से विशेष सहयोग और कानूनों-नियमों में ढील की मांग की है ताकि प्रभावितों तक राहत तेजी से पहुंच सके। उन्होंने चेताया कि आने वाले दिनों में खराब मौसम के कारण राहत व बचाव कार्य और कठिन हो सकते हैं।

सीएम और विधानसभा अध्यक्ष ने वर्षा प्रभावित स्थिति पर की चर्चा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया के साथ उनके कार्यालय कक्ष में बैठक की। इस दौरान उन्होंने चंबा जिले में हाल ही में हुई भारी वर्षा से उत्पन्न नुकसान और प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को नुकसान का जायजा लेने और प्रभावित जनता तक राहत पहुंचाने के निर्देश दिए।

बैठक में संसदीय कार्य मंत्री हर्षवर्धन चौहान और विधायक अनिल शर्मा भी मौजूद रहे। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों की स्थिति और आवश्यक सरकारी मदद की जानकारी साझा की। सभी उपस्थित अधिकारियों ने सुनिश्चित किया कि प्रभावित लोगों को समय पर सहायता और राहत सामग्री उपलब्ध कराई जाए।

विधायक और मंत्री भी बैठक में रहे शामिल

इस बैठक का उद्देश्य केवल नुकसान का आकलन करना ही नहीं था, बल्कि भविष्य में ऐसे प्राकृतिक संकटों के प्रबंधन के लिए प्रभावी योजनाओं पर भी चर्चा करना था। मुख्यमंत्री सुक्खू और विधानसभा अध्यक्ष पठानिया ने सभी संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के लिए निर्देशित किया।

सीएम सुक्खू और विधानसभा अध्यक्ष आवश्यक मीटिंग में चर्चा करते हुए।

सदन की कार्यवाही

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। विधानसभा का मानसून सत्र 11वें दिन भी सक्रिय और व्यवस्थित रूप से चला। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया के मार्गदर्शन में सदन की कार्यवाही संपन्न हुई। अध्यक्ष का सदस्यों ने गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्होंने सदन में उपस्थित सभी सदस्यों का अभिवादन स्वीकार किया। सत्र की शुरुआत से पूर्व विधानसभा सचिवालय में अध्यक्ष का स्वागत उपमुख्य सचेतक द्वारा किया गया। इसके बाद अध्यक्ष ने कार्यवाही का संचालन करते हुए सदन को आगे बढ़ाया। उपस्थित सदस्यों ने अध्यक्ष के कुशल मार्गदर्शन की सराहना की।

एचपीएसईबीएल ने 81 आउटसोर्स ड्राइवरों की सेवाएं समाप्त कीं

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड ने अपने 81 आउटसोर्स ड्राइवरों को नौकरी से हटा दिया है।

यह जानकारी 22 अगस्त को विधानसभा में दी गई। कारण बताया गया कि बोर्ड के 169 वाहन, जो 15 वर्ष से अधिक पुराने थे, स्क्रैपिंग पॉलिसी के तहत रद्द कर दिए गए, जिससे ये ड्राइवर 'अतिरिक्त' हो गए। राज्य सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि फिलहाल पुनर्नियुक्ति की कोई योजना नहीं है। सरकार का कहना है कि आउटसोर्स कर्मचारी सरकारी कर्मचारी की श्रेणी में नहीं आते और इन्हें विभाग, बोर्ड या निगम की आवश्यकता के अनुसार ठेकेदारों के माध्यम से रखा जाता है।

इस फैसले के बाद कर्मचारी संघों में असंतोष गहराता जा रहा है। शिमला में ड्राइवरों ने धरना देकर बहाली की मांग उठाई। यूनियनों का आरोप है कि सरकार उनकी शिकायतों को नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि ठोस नीति नहीं बनी तो राज्यव्यापी आंदोलन किया जाएगा।

सरकार ने स्वीकार किया है कि पिछले दो वर्षों में विभिन्न विभागों से 943 आउटसोर्स कर्मचारियों को हटाया गया है। ऐसे में आउटसोर्स कर्मचारियों का भविष्य असुरक्षित होता दिख रहा है।

भाजपा ने सुक्खू सरकार पर लगाया विधानसभा से प्रश्न हटाने का आरोप

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

भाजपा विधायकों सुधीर शर्मा, आशीष शर्मा और वरिष्ठ प्रवक्ता त्रिलोक जम्वाल ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि विधानसभा सत्र से पहले जानबूझकर महत्वपूर्ण प्रश्नों को हटा दिया गया, ताकि सरकार चुभते सवालों से बच सके।

भाजपा नेताओं ने कहा कि ये प्रश्न पहले से विधानसभा की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध थे, लेकिन सत्र शुरू होने से ठीक पहले इन्हें हटा दिया गया। उन्होंने वर्तमान सरकार पर 'हिटलर राज' चलाने का आरोप लगाया, जिसमें किसी भी प्रकार का डर नहीं है, चाहे वह जनता का हो या विपक्ष का। भाजपा नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने आदर्श आचार संहिता लागू होने के बावजूद महिला मंडलों को लाखों रुपये ट्रांसफर किए, जो कि एक प्रकार से 'वोट फॉर कैश' स्कीम है। उन्होंने दावा किया कि इस मामले की जानकारी आरटीआई के माध्यम से सामने आ चुकी है, लेकिन सरकार इस पर कोई जवाब देने से बच रही है।

आबकारी नीति और राजस्व पर सवाल

विधायकों ने नई आबकारी नीति को लेकर भी सरकार की मंशा पर सवाल उठाए। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री ने राज्य का रेवेन्यू 45 फीसदी तक बढ़ने का दावा किया था, लेकिन वास्तविक आंकड़ें बताते हैं कि राजस्व में गिरावट आई है, जो केवल 4 फीसदी तक रह गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इन आंकड़ों को छिपा रही है और विधानसभा में पारदर्शिता के साथ जवाब देने से कतरा रही है। भाजपा ने सरकार से शराब के ठेकेदारों की डिफॉल्टर सूची भी मांगी थी, जिसमें रेड एंट्री काफी बड़ी तादाद में थी।

विधानसभा | नोक-झोंक के बाद पौने घंटे के लिए स्थगित हुई कार्यवाही

सदन में सत्तापक्ष और विपक्ष में तीखी नोक-झोंक

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। प्रदेश विधानसभा में सोमवार दोपहर सवा दो बजे से शुरू हुई कार्यवाही में विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच तीखी नोकझोंक के बाद सदन को करीब पौने घंटे के लिए स्थगित करना पड़ा। विपक्ष के विधायक त्रिलोक जम्वाल आबकारी नीति से संबंधित सवाल को सूची से हटाए जाने का विरोध कर रहे थे। उनका कहना था कि इस प्रश्न को सोमवार के प्रश्नकाल में ही उठाया जाए।

राज्य विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने विपक्ष को आश्वस्त किया कि प्रश्न को लोप नहीं किया गया है और इसे मंगलवार को उठाया जाएगा। इसके साथ ही सचिवालय को इस बारे में सूचना भेजने का निर्देश दिया गया। हालांकि विपक्ष ने इस निर्णय को स्वीकार नहीं किया। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि आरटीआई में सूचना मिल रही है, लेकिन सदन में नहीं दी जा रही, ऐसे में विधायकों का मार्गदर्शन आवश्यक है।

विधायक त्रिलोक जम्वाल सवाल को सूची से हटाए जाने का कर रहे थे विरोध

इस बीच मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि विपक्ष ने नियम 67 के तहत कार्यवाही रोको प्रस्ताव पेश किया था, जिसे मंजूर किया गया। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि वह आपदा पर वक्तव्य देना चाहते थे, लेकिन उन्हें अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि विपक्ष को जो अधिकार दिया गया है, वही सत्ता पक्ष को भी दिया जाना चाहिए।

कार्यवाही स्थगित होने के बाद हुई जरूरी मुद्दों पर चर्चा

सदन में बढ़ती नोकझोंक के कारण विधानसभा अध्यक्ष ने बैठक को तीन बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। सदस्य तीन बजे पुन: बैठक में शामिल हुए और महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा पुरी की गई।

सदन में आज भी होगी आपदा प्रबंधन पर चर्चा

मंगलवार को सदन में प्रश्नकाल और आपदा प्रबंधन से जुड़े मुद्दों पर व्यापक चर्चा होने की संभावना है। कार्यवाही के दौरान विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच बहस जारी रहने की उम्मीद है, जिससे आगामी निर्णयों पर असर पड़ सकता है।

कांगड़ा के सीमावर्ती इलाकों में अवैध खनन का मुद्दा विधानसभा में गूंजा

अनंत ज्ञान, शिमला

कांगड़ा जिले के पंजाब से सटे सीमावर्ती इलाकों में अवैध खनन का मुद्दा जोरदार तरीके से उठा। फतेहपुर के विधायक भवानी सिंह पठानिया ने शून्यकाल के दौरान यह मामला उठाते कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर अवैध खनन हो रहा है, जिससे हिमाचल को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

इस पर जवाब देते हुए उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि प्रदेश सरकार इस मुद्दे को गंभीरता से ले रही है और इसे पंजाब सरकार के साथ उठाया जाएगा। साथ ही इस मामले को हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट में भी ले जाया जाएगा, ताकि कानूनी स्तर पर कार्रवाई की जा सके। उद्योग मंत्री ने कहा कि दोनों राज्यों के बीच सीमा विवाद का फायदा उठाकर पंजाब के लोग हिमाचल क्षेत्र में अवैध खनन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पंजाब के कई अवैध क्रशर हिमाचल की भूमि पर चल रहे हैं और खनन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में खनन पूरी तरह से नियमों के अनुसार होता है, जबकि पंजाब और उत्तराखंड में खनन के नाम पर नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। इस कारण वहां से आने वाले लोग हिमाचल में अवैध तरीके से खनन करने में सफल हो रहे हैं।

शाहनहर बैराज के पास चल रहे अवैध क्रशर को हटाने की मांग

इससे पूर्व विधायक भवानी सिंह पठानिया ने विधानसभा में शाहनहर बैराज के पास चल रहे अवैध क्रशर का मामला उठाया।

उन्होंने कहा कि इस क्रशर को न तो हिमाचल और न ही पंजाब सरकार से अनुमति मिली है, लेकिन यह बैराज के गेट पर चल रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इस क्रशर पर तुरंत रोक नहीं लगाई गई तो किसी भी समय बैराज को नुकसान पहुंच सकता है।

कथं भीष्ममहं सङ्ख्ये द्रोणं च मधुसूदन।
इषुभिः प्रतियोत्स्यामि पूजार्हावरिसूदन।

अर्जुन बोले– हे मधुसूदन! मैं रणभूमि में किस प्रकार बाणों से भीष्म पितामह और द्रोणाचार्य के विरुद्ध लड़ूंगा? क्योंकि हे अरिसूदन! वे दोनों ही पूजनीय हैं॥

अनंत ज्ञान
www.anantgyaan.in
कांगड़ा | मंगलवार, 2 सितंबर 2025

शक्ति, करुणा और न्याय की अधिष्ठात्री मां भीमा काली

आस्था का केंद्र माता भीमा काली का धाम

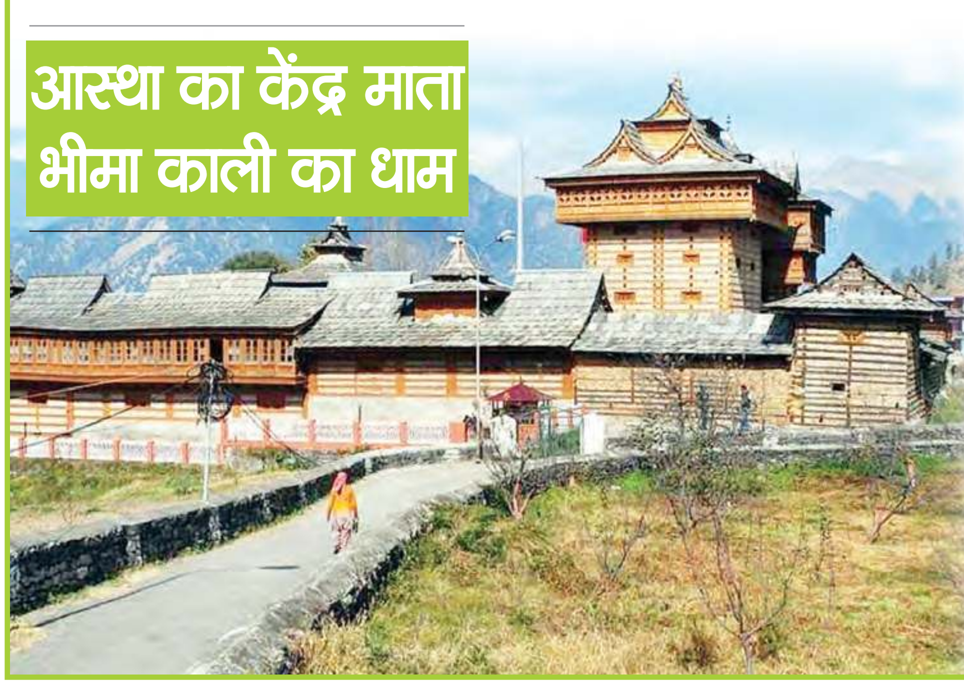

हिमालय की शीतल वादियों में देवदार की शाखाएं आकाश से संवाद करती हुई प्रतीत होती हैं। आस्था का एक अनुपम दीप प्रज्वलित है माता भीमा काली का पावन धाम। यह धाम देवी की शक्ति, करुणा और न्याय का जीवंत साक्षात रूप है। यहां की प्रत्येक ईंट, प्रत्येक शिला, और प्रत्येक घंटानाद में माता का अद्भुत प्रभाव गूंजता है। भक्त जब सराहन की पावन भूमि पर कदम रखते हैं, तो मानो उनके भीतर सुप्त विश्वास पुनः जागृत हो उठता है। देवी भीमा काली का स्वरूप केवल दुष्ट संहारिणी का नहीं, बल्कि लोक मंगल और करुणा का भी है। वे अपने भक्तों की साधना को सहज स्वीकार करती हैं और उनके जीवन से विघ्नों का शमन करती हैं। इनके चरणों में भक्ति का भाव, आस्था का उजास और लोक जीवन की सामूहिक प्रार्थनाएं एकाकार होकर बहती हैं। मान्यता है कि उनकी कृपा दृष्टि से ही बुशहर की धरती पर समृद्धि, शौर्य और सांस्कृतिक वैभव बना रहा। मां भीमा काली हिमालय की साक्षात अधिष्ठात्री शक्ति हैं, जो भक्तों के हृदय में अडिग आस्था का दीपक प्रज्वलित करती रहती हैं। पुराणों के अनुसार सराहन का प्राचीन नाम शोणितपुर था, जहां बलिपुत्र बाणासुर का शासन था। उसकी महाशक्ति का लोहा स्वयं रावण तक मानता था। जब देवता असहाय होकर भगवान शंकर और विष्णु की शरण में पहुंचे, तब उनके तेज और शक्ति से ही देवी भीमा काली प्रकट हुईं। उनके हाथों में त्रिशूल, चक्र और दिव्य आयुध थे। उन्होंने दैत्यों का अंत कर धर्म की पुनर्स्थापना की। यही वह क्षण था जब हिमालय की गोद में शक्ति ने स्थायी रूप धारण किया और सराहन आस्था का केंद्र बना। आजादी से पहले यह मंदिर केवल उपासना का केंद्र नहीं, बल्कि न्याय का आसन भी था। राजा यहीं पर प्रजा की व्यथा सुनते और उनका निवारण करते, इसीलिए यह धाम धर्म और न्याय दोनों का पावन प्रतीक माना जाता है। आज भी जब भक्त यहां आते हैं, तो उन्हें केवल आध्यात्मिक शांति ही नहीं, बल्कि लोक न्याय की उस परंपरा का आभास भी होता है, जो युगों तक इस भूमि में प्रवाहित रही। मंदिर में माता के सेनापति लंकड़ा वीर की प्रतिमा आज भी पूजित है। यह विश्वास है कि माता के दरबार की रक्षा और लोक कल्याण का दायित्व उनके हाथों में निहित है। आस्था का यह स्वरूप दर्शाता है कि भीमा काली केवल देवी नहीं, बल्कि जीवन के प्रत्येक संकट में सहारा देने वाली, जन-जन की रक्षक और विश्वास की अधिष्ठात्री शक्ति हैं।

बुशहर रियासत की कुलदेवी

भीमा काली को बुशहर रियासत की कुलदेवी के रूप में प्रतिष्ठा मिली। सराहन जो कभी राजवंश की राजधानी रहा, राजपरिवार और प्रजा दोनों के लिए आस्था का केंद्र था। शाही वंश की आराधना का यह स्थल, आज भी शरद नवरात्र में राजपरिवार की विशेष उपस्थिति से जगमगा उठता है। परंपरा है कि अष्टमी पर राजघराने का कोई न कोई सदस्य माता की पूजा-अर्चना के लिए अवश्य आता है। यह दृश्य मानो बीते युगों की स्मृतियों को जीवित कर देता है, जब देवी और राजपरिवार का रिश्ता केवल आराधना का नहीं, बल्कि लोकहित और न्याय का भी प्रतीक था।

शांति और श्रद्धा का अनूठा संगम

***यह** स्थल केवल आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि शक्तिपीठ भी है। मान्यता है कि माता सती का कान यहां गिरा था, जिससे यह धाम विशेष पवित्र माना जाता है। श्रद्धालु विश्वास करते हैं कि यहां की गई प्रार्थना कभी निष्फल नहीं जाती। यह धाम शक्ति, शांति और श्रद्धा का अनूठा संगम है, जहां भक्त अपने हृदय की गहराइयों से निवेदन करते हैं और लौटते हैं नव आशा और विश्वास के साथ। शरद नवरात्र के समय यह धाम आस्था के महासागर में परिवर्तित हो जाता है। नौ दिनों तक मंदिर प्रांगण में भक्ति-भजन, हवन और आराधना का स्वर गूंजता है। दशहरे के पश्चात चार दिन का जिला स्तरीय मेला प्रारंभ होता है, जिसमें क्षेत्र के देवी-देवता अपनी डोलियों सहित यहां पधारते हैं। यह केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि लोक संस्कृति की जीवंत झांकी भी है, जहां आस्था, परंपरा और संस्कृति एकाकार हो उठती है।*

विशेष रिपोर्टः सत्यदेव भारद्वाज, शिमला

संकटों से रक्षा के लिए अनंत चतुर्दशी पर बांधे अनंत सूत्रबंध

भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को अनंत चतुर्दशी मनाई जाती है। इस दिन संकटों से रक्षा करने वाला अनंत सूत्रबंध किया जाता है। जब पांडव सारा राज-पाट हरकर वनवास के दुख भोग रहे होते हैं, तब भगवान श्रीकृष्ण उन्हें अनंत चतुर्दशी व्रत करने को कहते हैं। श्री कृष्ण के कथन धर्मराज युधिष्ठिर ने अपने अभ्यास और द्रौपदी के साथ पूरी विधि-विधान से इस व्रत का पालन किया और अनंतसूत्र धारण किया, जिससे फलस्वरूप पांडवों को अपने सभी कष्टों से मुक्ति प्राप्त हुई। दूसरी कथा के अनुसार सत्य युग में सुमुन्तुनाम के एक मुनि थे। सुमुन्तु मुनि ने अपनी कन्या का विवाह कौंडिन्य मुनि से कर दिया था। उनकी पत्नी शीला अनंत व्रत का पालन करती थी। विवाह के बाद भी वह अनंत भगवान की पूजा करती हैं और अनंतसूत्र बांधती हैं। व्रत के प्रभाव से उनके घर धन-धान्य से पूर्ण हो जाता है, हमेशा सुख समृद्धि बनी रहती है। परंतु एक दिन कौंडिन्य मुनि की दृष्टि अपनी पत्नी के हाथ में साथी अनंत सूत्र पर पड़ती है, सूत्र देखकर उन्हें यह अनुपयुक्त नहीं लगता और वह अपनी पत्नी से इसे अपने हाथ से संकेत को कहते हैं। शीला ने उन्हें डांटते हुए कहा कि यह अनंत भगवान का सूत्र है, जिसका प्रभाव उन्हें सुख और ईश्वर की प्राप्ति से हुआ है, लेकिन उनके पागल में चुर ऋषि उस जादूगर का अपमान करते हैं और उसे जला देते हैं। इस अपराध के परिणामस्वरूप उनका सारा सुख समाप्त हो जाता है, दीन-हीन कौंडिन्य ऋषि अपने अपराध का प्रायश्चित करने का निर्णय लेते हैं और अनंत भगवान से क्षमा याचना करते हैं। वह चौदह वर्ष तक लगातार अनंत-व्रत का पालन करते हैं, उनके श्राद्ध में भगवान द्वारा अनंत व्रत का पालन किया जाता है, उन्हें क्षमा कर देते हैं और ऋषि को पुनः ईश्वर और सुख की प्राप्ति होती है।

वामन जयंती

वामन ने राजा बलि से मांगी तीन पग भूमि

वामन जयंती भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष को मनाई जाती है। भगवान वामन विष्णु के पांचवें अवतार हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, असुर या दैत्य देवताओं से युद्ध हार गए थे। इंद्रदेव के प्रहार से असुरों के राजा बलि मूर्छित हो गए। उस समय शुक्राचार्य ने अपनी संजीवनी बूटी मूर्छित असुरों को पुनः जीवन और शक्ति प्रदान की। इसके बाद राजा बलि ने कठोर तपस्या की और देवताओं से भी अधिक शक्तिशाली बन गए। उन्होंने अपनी तपस्या से दिव्य रथ, त्रिशूल और कवच प्राप्त किए। राजा बलि सौ अश्वमेध यज्ञ कर स्वर्ग पर अधिकार करने के प्रयास करने लगा। इंद्र देव भगवान विष्णु के पास गए और उनसे सहायता मांगी। असुरों के प्रकोप से देवताओं की रक्षा के लिए भगवान विष्णु ने भगवान वामन का अवतार लिया। वामन ने ब्रह्मचारी का रूप धारण कर लिया। वामन को प्रत्येक ऋषि और देवी ने अलग-अलग चीजें भेंट कीं, जैसे ऋषि पुलहा से, अगस्त्य से मृगचर्म, मरीचि से बूटा की छड़, अंगिरस से वस्त्र, भृगु से सूर्य से छत्र, गुरु देव से जनेऊ और कमंडल, अदिति से लंगोटी, सरस्वती से रुद्राक्ष और कुबेर से भिक्षा की थाल। बड़े होने के तुरंत बाद, वामन राजा बलि से उनके 100वें अश्वमेध यज्ञ के दिन मिलने गए। राजा बलि ने ब्राह्मण वामन से अपनी इच्छा की कोई भी वस्तु मांगने को कहा। वामन ने तीन पग जमीन मांगी, जिसे वह अपने पैरों से नाप सके। चूंकि उन्होंने वचन दिया था, वे इससे इनकार नहीं कर सकते थे और उन्हें ब्राह्मण की इच्छा पूरी करनी ही थी। वामन ने पहला कदम रखते हुए पूरी पृथ्वी को नाप लिया और दूसरे ने स्वर्ग को। भगवान विष्णु बलि की वचनबद्धता और निष्ठा से प्रसन्न हुए। उन्होंने बलि को एक वरदान दिया। बलि ने भगवान विष्णु से दिन-रात अपने सामने उपस्थित रहने का अनुरोध किया, ताकि वह उनकी पूजा कर सके। अपने वचन को निभाने और बलि की इच्छा पूरी करने के लिए भगवान विष्णु को उसका द्वारपाल बनना पड़ा।

पदमा एकादशी के दिन करवट बदलते हैं भगवान विष्णु

त्रेतायुग में दैत्यराज बलि भगवान विष्णु का परम भक्त था। दैत्य बलि विविध प्रकार के वेद सूक्तों से विष्णुजी का पूजन किया करता था। साथ ही प्रतिदिन उसके द्वारा ब्राह्मणों का पूजन तथा यज्ञ का आयोजन किया जाता था। हालांकि, बलि ने इंद्रदेव से द्वेष के कारण इंद्रलोक सहित सभी देवताओं को जीत लिया था। उससे त्रस्त होकर सभी देवता एक साथ भगवान के पास पहुंचे और स्तुति करने लगे। तत्पश्चात भगवान विष्णु ने वामन रूप धारण किया। वामन रूपधारी ब्रह्मचारी भगवान राजा बलि से तीन पग भूमि की याचना की। राजा बलि ने वामन रूपधारी की इस याचना को बहुत तुच्छ समझा और तीन पग भूमि देने का संकल्प किया। इसके बाद भगवान वामन ने एक पग में पृथ्वी, दूसरे में पग में स्वर्ग आदि सब लोग नाप लिए। इस पर सब देवताओं, ऋषियों आदि ने भगवान विष्णु की स्तुति की। इसके पश्चात भगवान श्रीविष्णु ने राजा बलि से कहा कि अब तीसरा पैर हम कहां रखूं, तो राजा बलि ने तीसा पैर राजा बलि के सिर पर रखा, जिससे वह पाताल लोक में पहुंच गया। वामन रूपधारी भगवान विष्णु ने बलि की नम्रता को देखकर कहा कि 'हे बलि' मैं हमेशा ही तुम्हारे निकट रहूंगा। वर मांगों तो बलि ने भगवान को ही मांग लिया। भाद्रपद शुक्ल एकादशी के दिन बलि के आश्रम पर विष्णु भगवान की मूर्ति स्थापित हुई। इसी एकादशी पर भगवान

विष्णु शयन करते हुए क्षीरसागर में शेषनाग पर करवट बदलते हैं, इसलिए तीनों लोकों के स्वामी भगवान विष्णु का पदमा एकादशी के दिन पूजन शुभ होता है।

अश्विन कृष्ण पक्ष में श्राद्ध तिथियों का विशेष महत्व

7 सितंबर से शुरू होगा पितृपक्ष

हिंदू धर्म में पितृपक्ष का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। इसे पितरों के प्रति आभार प्रकट करने और उन्हें तर्पण, पिंडदान व ब्राह्मण भोजन अर्पित करने का पावन समय माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस अवधि में हमारे पूर्वजों की आत्माएं पृथ्वी पर आती हैं और अपने वंशजों से जल, अन्न व तर्पण की अपेक्षा करती हैं। इस बार पितृपक्ष का आरंभ 7 सितंबर को होगा और इसका समापन 21 सितंबर को होगा। इस बार पूर्णिमा श्राद्ध 7 सितंबर को रहेगा, जबकि 8 सितंबर को एकम श्राद्ध संपन्न होगा। अश्विन कृष्ण पक्ष के अनुसार हर तिथि पर उसी तिथि को दिवंगत हुए पितरों का श्राद्ध किया जाता है। धर्मग्रंथों में उल्लेख है कि श्राद्ध विधि से करने पर पितरों की आत्माएं संतुष्ट होकर अपने वंशजों को सुख, स्वास्थ्य और समृद्धि का आशीर्वाद प्रदान करती हैं। 7 सितंबर को पूर्णिमा के दिन एक विशेष खगोलीय घटना भी घटेगी। इस दिन चंद्र ग्रहण भारत में दिखाई देगा। ग्रहण का छाया प्रवेश

विश्वा कुमार शर्मा, ज्योतिषाचार्य

रात्रि 8:59 बजे से आरंभ होगा और ग्रहण स्पर्श का समय 9:57 बजे रहेगा। इसका मध्यकाल रात्रि 1:27 बजे होगा तथा मोक्ष 2:25 बजे पर होगा। ग्रहण के कारण सूतक काल का आरंभ उसी दिन दोपहर 12:57 बजे से हो जाएगा। धार्मिक परंपरा के अनुसार, सूतक काल में पूजा-पाठ, हवन, तर्पण और किसी भी प्रकार के शुभ कार्य वर्जित माने जाते हैं, इसलिए पितृपक्ष की पूर्णिमा तिथि पर श्राद्धकर्म, पितरों का तर्पण व ब्राह्मण भोजन का कार्य दोपहर 12:30 बजे से पहले ही कर लेना आवश्यक होगा। ऐसा करने से ग्रहण के सूतक का कोई दोष नहीं लगेगा और कर्म पूर्ण फलदायी होगा। पितृपक्ष के दौरान प्रतिदिन विशेष तिथियों का महत्व होता है। 8 सितंबर को प्रतिपदा श्राद्ध, 9 सितंबर को द्वितीया श्राद्ध, 10 सितंबर को तृतीया श्राद्ध और 11 सितंबर को चतुर्थी श्राद्ध किया जाएगा। इसी क्रम में 12 सितंबर को पंचमी, 13 सितंबर को षष्ठी, 14 सितंबर को सप्तमी और 15 सितंबर को अष्टमी श्राद्ध संपन्न होगा। 16 सितंबर को नवमी श्राद्ध का आयोजन होगा जिसे महालय नवमी भी कहा जाता है और इस दिन विशेष रूप से मातृशक्ति के श्राद्ध का महत्व बताया गया है। इसके पश्चात 17 सितंबर को दशमी, 18 सितंबर को एकादशी, 19 सितंबर को द्वादशी और 20 सितंबर को त्रयोदशी श्राद्ध होंगे। पितृपक्ष का समापन 21 सितंबर को होगा। इस दिन चतुर्दशी श्राद्ध और साथ ही अमावस्या श्राद्ध या सर्वपितृ अमावस्या मनाई जाएगी। इस तिथि का विशेष महत्व है, क्योंकि जिन परिवारों को अपने पितरों की पुण्यतिथि ज्ञात नहीं होती, वे इस दिन सामूहिक रूप से श्राद्ध, पिंडदान और तर्पण कर सकते हैं। इसे सबसे महत्वपूर्ण श्राद्ध दिवस माना गया है।

मंगल दोष का परिहार

भारतीय वैदिक ज्योतिष में विवाह के समय कुंडली मिलान में मंगल दोष का विशेष महत्व माना जाता है। यदि मंगल जन्मकुंडली के कुछ विशेष भावों में बैठा हो तो इसे अशुभ माना जाता है और कहा जाता है कि यह वैवाहिक जीवन में कठिनाई उत्पन्न करता है, लेकिन यह सदैव सत्य नहीं है। शास्त्रों में कई ऐसी विशेष स्थितियां बताई गई हैं, जिनमें मंगल दोष स्वतः ही समाप्त हो जाता है। यदि कुंडली के केंद्र में मेष राशि का, चतुर्थ भाव में वृश्चिक का, सप्तम भाव में मकर का, अष्टम भाव में कर्क का अथवा द्वादश भाव में धनु राशि का मंगल स्थित हो, तो कुंडली मंगली नहीं मानी जाती। इसी प्रकार यदि राहु केंद्र में हो या राहु और मंगल की युति हो, तो भी मंगल दोष का नाश हो जाता है। कई बार शुभ ग्रहों की युतियां भी मंगल दोष को समाप्त कर देती हैं। उदाहरण के लिए, द्वितीय भाव में चंद्रमा और शुक्र हों या केंद्र में मंगल-गुरु अथवा गुरु-चंद्रमा की युति हो, तो यह स्थिति दोष का परिहार करती है। गुण मिलान की दृष्टि से भी मंगल दोष समाप्त हो सकता है। यदि वर और कन्या की राशियों के स्वामी मित्र हों या एक ही हों और 30 से अधिक गुण मिल रहे हों, तो मंगल दोष का प्रभाव नहीं रहता। यदि दोनों की कुंडलियों में सप्तमेश और अष्टमेश एक ही भाव में हों, तो यह शुभ फलदायक होता है। यदि यह योग केवल एक कुंडली में हो और दूसरी में न हो, तो यह अनिष्टकारी सिद्ध होता है। ग्रहों की अन्य स्थितियों से भी मंगल दोष का नाश हो सकता है। जैसे कि यदि केंद्र और त्रिकोण में गुरु हों, लाभ स्थान में शनि स्थित हो या शत्रु स्थान में राहु हो, तो मंगल दोष समाप्त हो जाता है। इसी प्रकार यदि केंद्र में चंद्रमा हो या चंद्र-मंगल की युति हो, तो भी यह दोष दूर हो जाता है। इसके अलावा जब केंद्र और त्रिकोण में शुभ ग्रह हों और 3, 6, 8 तथा 11 भाव में पाप ग्रह हों, तो भी मंगल दोष प्रभावहीन हो जाता है। इस प्रकार यह स्पष्ट होता है कि मंगल दोष हमेशा अनिष्टकारी नहीं होता। अनेक ग्रहयोग ऐसे हैं जो इसके प्रभाव को पूरी तरह समाप्त कर देते हैं, इसलिए विवाह के समय केवल मंगल दोष देखकर निर्णय नहीं लेना चाहिए बल्कि संपूर्ण कुंडली का गहन विश्लेषण करना चाहिए।

विभा शर्मा, ज्योतिर्विद जोगिंदनगर।

श्रद्धा और आस्था का केंद्र मां सप्तदेवी मंदिर

हिमाचल प्रदेश जहां अनंत पर्यटन व धार्मिक दृष्टि से विश्व प्रख्यात है। वहीं अपार कुदरती सौंदर्य से आच्छादित भी है। ऐसा प्रतीत होता है कि आज भी इस राज्य में दिव्य और अलौकिक शक्तियां अपने अद्भुत व चमत्कारिक अस्तित्व में लोगों के दिलो-दिमाग में रमी हुई हैं, क्योंकि इस राज्य के कण-कण में देवी-देवताओं एवं ऋषि-मुनियों ने जहां घोर तपस्या की थी। वहीं, यह उनकी कर्मस्थली भी रही है, इसलिए इस राज्य का प्रत्येक क्षेत्र किसी न किसी किंवदंती अथवा पौराणिक कथाओं से संबंध रखता है। इसी कड़ी में ऊना जनपद के उपमंडल अंब के किन्नू गांव में स्थित अद्भुत एवं अलौकिक सप्तदेवी मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था व श्रद्धा का केंद्र है, जिसमें सभी देवी-देवताओं की अद्भुत व दिव्यता प्रदान करने वालीं मूर्तियां विराजमान हैं। विशेषकर सात देवियों के दिव्य दर्शन यहां श्रद्धालु कर सकते हैं। सात देवियों के स्थापित होने से ही इस पुरातन मंदिर का नाम ही सप्तदेवी मंदिर से प्रचलित हो गया। किन्नू गांव का समस्त क्षेत्र वैसे भी धार्मिक स्थल के साथ-साथ पर्यटन की दृष्टि व कुदरती सौंदर्य के अतीव नयनाभिराम दृश्यों को समेटे हुए है, इसलिए सप्तदेवी मंदिर के इर्द-गिर्द की प्राकृतिक सुंदरता कि छटा हरेक श्रद्धालु-सैलानी को अपनी ओर आकर्षित कर लेती है। किंवदंतियों के अनुसार जब मां सती (पार्वती) के पिता राजा दक्ष ने कनखल में यज्ञ किया था, तो सभी देवी-देवताओं को आमंत्रित किया, लेकिन अपने दामाद शिवजी को निमंत्रण नहीं दिया। इसे सती यानी पार्वती ने अपने पति शिवजी का अपमान समझा।

सती बिना निमंत्रण के ही यज्ञ में चली गई। वहां जब उसका कोई मान-सम्मान नहीं हुआ और न ही यज्ञ में शिवजी का स्थान पाकर सती अत्यंत क्रोधित हो गई। उन्होंने अपना व शिवजी का अपमान समझते हुए उसी यज्ञ कुंड में छलांग लगाकर अपने प्राणों की आहुति दे दी। जब इस घटना की जानकारी भगवान शिव को प्राप्त हुई तो वह तुरंत यज्ञ स्थल पर पहुंचे और सती के जले शव को कंधे पर उठाकर तथा अपना रौद्र रूप धारण कर ब्रह्मांड में विचरण करने लगे। क्रोध से शिवजी का तीसरा नेत्र न खुल जाए, इस भय से सभी देवता चिंतित हो उठे। भगवान विष्णु ने अपने सुदर्शन चक्र से शव के अंगविच्छेद करके धरती पर गिरा दिए। यह अंग 51 जगह पर गिरे, जो आगे चलकर 51 शक्तिपीठ कहलाए। उनमें से मस्तक, चरण, जीभ, कान, नेत्र और कनिष्ठ अंगुली यहीं गिरे थे, इसलिए यहां सप्तदेवीयो की स्थापना हुई। यहां आने से सातों बहनों के दर्शनों का फल मिलता है। मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार के दोनों ओर हनुमानजी व भैरव की मूर्ती है।

मुख्य मंदिर के अंदर मां वैष्णो की अद्भुत मूर्ति

मुख्य मंदिर के अंदर मां वैष्णो की भव्य व अद्भुत मूर्ति, उसके इर्द-गिर्द मां ज्वाला तथा मां चिंतपूर्णी की कलात्मक मूर्तियां अपना विशेष महत्व रखती हैं। इसके अलावा मां नयनादेवी, मां काली, मां चामुंडा व मां बज्रेश्वरी आदि की संगमरमर की प्रतिमाओं को देखकर हर भक्त नतमस्तक और अनंत सागर में डूब जाता है। मंदिर कह भित्ति दीवारों पर सती का शव उठाए हुए भगवान शिवजी का रौद्र रूप व भगवान विष्णु द्वारा सुदर्शन चक्र हाथ में लिए विभिन्न मुद्राओं में अनूठे चित्र देखते ही बनते हैं। मंदिर के निर्माण की गाथा बड़ी ही रोचक है। कहते हैं कि महंत योगी सूरजनाथजी इस स्थान पर भगवान शिवजी का मंदिर बनवाना चाहते थे। कुछ भक्त मां चिंतपूर्णी के दर्शन करके पैदल जा रहे थे और महंत जी को देखकर वे सभी उनके पास बैठ गए। एक कन्या जो लगभग 6 वर्ष की थी, को खेल (चौकी) आ गई और वह बोली कि महंत जी आप यहां शंकर भगवानजी का मंदिर बनवाना चाहते हो, परंतु यह स्थान तो मेरा है, क्योंकि जब महादेव जी सती के शव को उठाए घूम रहे थे तो इसी स्थान पर भगवान विष्णु ने अपने सुदर्शन चक्र से सती के अंग विच्छेद किए थे, जो सात स्थानों पर अलग-अगल गिरे थे। यह सुनकर महंत के मन में सातों देवियों के स्वरूप को जानने की जिज्ञासा व उत्सुकता उत्पन्न हुई, क्योंकि मां चामुंडा और मां काली को छोड़कर शेष सभी स्थानों में पिंडी की ही पूजा हो रही है। बहुत प्रयास करने पर पांच देवियों का स्वरूप तो मिल गया, लेनिक मां वैष्णो देवी एवं मां चिंतपूर्णी का स्वरूप नहीं मिल पा रहा था। एक शाम एक श्रद्धालु महिला मां वैष्णो देवी तथा ज्वालाजी की यात्रा करते हुए यहां से गुजर रही थी, सूर्यास्त हो जाने के कारण वह यहां विश्राम करने रूक गई। रात्रि में स्वप्न आया कि छोटी-छोटी अष्टभुजी कन्याए, वहां एकत्रित होकर एक-दूसरे को बैठने के लिए कह रहीं हैं। उस महिला ने निद्रा भंग होने पर स्वप्न की समस्त बात महंत को सुनाई। प्रातःकाल जब वह पूजा के लिए बैठी तो उसे चौकी (खेल) आ गई, जिसमें महंत ने प्रश्न किया कि वैष्णो मां का स्वरूप कब और कहां मिलेगा, तो उत्तर मिला कि आज से पांचवें दिन वैष्णो मां का चित्र आपको यहां पर ही मिल जाएगा। मां की महिमा से उसके ठीक पांचवें दिन वैसा ही हुआ। वैसा ही रू-ब-रू चित्र का स्वरूप भीतर लगा हुआ था। महंत ने मां की आज्ञा अनुसार इस सप्तदेवी मंदिर का निर्माण करवाया। यहां हर भक्त की मनोकामना पूर्ण होती है। मंदिर में पहुंचने के लिए भक्तजन दिल्ली से बस के माध्यम से सीधा जिला ऊना के उपमंडल अंब से होते हुए किन्नू गांव जोकि राष्ट्रीय राजमार्ग पर ही यह अलौकिक मंदिर स्थित है, जहां आसानी से पहुंचे सकते हैं।

तुलसी राम डोगरा, पालमपुर

न्यूज ब्रीफ

राकेश प्राथमिक शिक्षक संघ के कोषाध्यक्ष

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। शिक्षा खंड रैत में सेवाएं दे रहे मुख्य अध्यापक राकेश कुमार को रविवार को नगरोटा बगवां में हुए प्राथमिक शिक्षक संघ जिला कांगड़ा के चुनाव में कोषाध्यक्ष चुना गया है। खंड प्रधान दलजीत पठानिया, महासचिव तिलक ठाकुर और कोषाध्यक्ष रजनीश कुमार ने बधाई देते हुए कहा कि राकेश की नियुक्ति शिक्षा खंड रैत के लिए गर्व का विषय है और राकेश कुमार कई सालों से शिक्षकों के हित में लगातार काम कर रहे हैं।

स्टूडेंट्स को हिंदी के प्रति जागरूक करेगा सीयू

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयू) इस बार हिंदी माह के तहत कांगड़ा जिले के सरकारी शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों को भी प्रतियोगिताओं में शामिल कर रहा है। छह महाविद्यालयों से दो-दो छात्र आमंत्रित किए गए हैं। इकसे अलावा तीन विद्यालयों में प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक के विद्यार्थियों के लिए चार प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने कहा कि हिंदी माह आत्ममंथन का अवसर है, और हमें हिंदी के प्रयोग को सभी क्षेत्रों में बढ़ावा देना चाहिए। सामुदायिक जुड़ाव को सुदृढ़ करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और प्रत्येक प्रतियोगिता के पांच विजेताओं को नकद पुरस्कार व प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। बच्चों में इसे लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। आयोजन का उद्देश्य भाषाओं के प्रति प्रेम और सजगता को प्रोत्साहित करना है।

विधायक रणवीर ने किया बाढ़ प्रभावित गांव का दौरा

अनंत ज्ञान, इंदौरा। विधानसभा क्षेत्र नूरपुर के विधायक रणवीर सिंह निक्का ने पक्का टियाला पंचायत का दौरा किया। उन्होंने बारिश से प्रभावित हुए घरों में जाकर हुए नुकसान का जायजा लिया। विधायक ने कहा कि पक्का टियाला खड्ड की चैनलाइजेशन करवाने व रास्ता बनवाने के लिए 10 लाख राशि स्वीकृत की है, जिससे खड्ड का चैनलाइजेशन करवाया जाएगा, ताकि आगे नुकसान न हो।

भूतपूर्व अर्द्धसैनिक बल कल्याण संगठन की बैठक 7 को

कोहली, अनंत ज्ञान, शाहपुर। भूतपूर्व अर्द्धसैनिक बल कल्याण संगठन जिला कांगड़ा की त्रैमासिक बैठक सात सितंबर को शिव मंदिर झुलाड़ नजदीक इंडेन गैस गोदाम शाहपुर में कल्याण संगठन के जिला कांगड़ा अध्यक्ष एवं प्रदेश चीफ पैटर्न एमएल ठाकुर की अध्यक्षता में होगी। जिला उपाध्यक्ष बलदेव राणा ने बताया कि बैठक में विभिन्न मुद्दों सहित सरकार के पास लंबित मांगों पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने सभी सदस्यों से बैठक में पहुंचने की अपील की है।

धीरा में पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ 6 से

राकेश डोगरा, अनंत ज्ञान, डरोह। अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा पर्यावरण संरक्षण, जलवायु संतुलन और मानव जनित आपदाओं के निवारण के लिए 6 और 7 सितंबर को कालीनाथ महादेव मंदिर धीरा में पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। इसकी शुरुआत 6 सितंबर को सायं 4 बजे त्रियंबक महादेव मंदिर राय दा बड़ से भव्य कलश यात्रा के साथ होगी, जो धीरा बाजार से होते हुए यज्ञ स्थल तक पहुंचेगी।

हिमालयी जैवसंसाधनों के संरक्षण पर संगोष्ठी आज से

अजय पाल, अनंत ज्ञान, पालमपुर। सीएसआईआर-हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान पालमपुर में 2 और 3 सितंबर को हिमालयी जैवसंसाधनों के सतत विकास और संरक्षण के लिए बहु-विषयक दृष्टिकोण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। यह संगोष्ठी डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित की जा रही है। संगोष्ठी में विशेषज्ञों के व्याख्यान, प्रस्तुतियां, पैनल चर्चा और प्रदर्शनी शामिल होंगी, जिसमें देशभर से 100 से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है। ययह संगोष्ठी विशेषज्ञों और प्रतिभागियों के लिए एक मंच प्रदान करेगी जहां वे अपने ज्ञान और अनुभवों को साझा कर सकें और नए विचारों को विकसित कर सकें।

गणेश उत्सव : सांस्कृतिक संध्याएं अब 5-6 को

अनंत ज्ञान, जयसिंहपुर। जयसिंहपुर उपमंडल के तहत ऐतिहासिक नाग नगुली मंदिर में गणेश महोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। गणेश उत्सव कमेटी के अध्यक्ष प्यार चंद राणा और जोगिंदर राणा ने बताया कि भारी बरसात होने के कारण सांस्कृतिक संध्याएं अब पांच और छह सितंबर को हिमाचल के मुख्य कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। वहीं, क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों लोगों को सम्मानित किया जाएगा।

अलोह गांव की बेटी मुस्कान बनेगी डॉक्टर

अनंत ज्ञान, परागपुर। जसवां-परागपुर के अलोह गांव की बेटी मुस्कान ठाकुर डॉक्टर वाईएस परमार गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज नाहन से एमबीबीएस की पढ़ाई करेगी। मुस्कान के पिता सुखवीर सिंह आयुष विभाग में एपीओ के पद पर कार्यरत हैं तथा माता सुदेश कुमारी आयुष विभाग में आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केंद्र सरड बम्मी में योग गाइड हैं और दादाजी शक्ति चंद भूतपूर्व सैनिक हैं। मुस्कान ठाकुर ने अपनी इस कामयाबी का श्रेय अपने अध्यापकों व दादा-दादी तथा माता-पिता को दिया है।

पूर्व विधायक से मिले पीटीएफ जिलाध्यक्ष कुलदीप

अनंत ज्ञान, भडवार। प्राइमरी टीचर फेडरेशन जिला कांगड़ा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष कुलदीप पठानिया ने पूर्व विधायक अजय महाजन से मिले। कुलदीप पठानिया ने कहा कि जिन शिक्षकों ने मुझ पर विश्वास जताया है, उन्हें आश्वस्त करता हूं कि कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक अजय महाजन के आशीर्वाद से न केवल जिला स्तर पर, बल्कि प्रदेश स्तर पर भी शिक्षक साथियों की आवाज को बुलंद कर उनकी समस्याओं का निपटारा किया जाएगा। अजय महाजन ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष कुलदीप को बधाई दी।

शिव और मनोज को मिली अहम जिम्मेदारी

अनंत ज्ञान, गरली। प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला स्तरीय चुनाव हुए। पहली बार शिक्षा खंड रक्कड़ से जुड़े नेताओं को जिला कार्यकारिणी में अहम जिम्मेदारियां मिलीं। पूर्व प्राथमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष शिव कुमार को जिला संगठन मंत्री और पूर्व खंड स्रोत समन्वयक मनोज कुमार को जिला सलाहकार चुना गया।

पर्यटन नगरी के मार्गों की मरम्मत के लिए बारिशों के थमने का इंतजार

एस्टीमेट तैयार, बारिश के थमने पर 15 दिन में सुधारी जाएगी सड़कों की सूरत

राजेश कुमार, अनंत ज्ञान ब्यूरो

धर्मशाला। पर्यटन नगरी मैक्लोडगंज के क्षतिग्रस्त मार्गों की मरम्मत के लिए एनएच विंग बारिशों के थमने का इंतजार कर रहा है, जबकि इसके लिए एस्टीमेट तैयार किया जा चुका है। प्रशासन की मानें तो मैक्लोडगंज को जोड़ने वाले जो मार्ग क्षतिग्रस्त हुए हैं। यदि बारिशें थमती हैं, तो 15 दिन के भीतर सड़कों की दशा को सुधार दिया जाएगा।

धर्मशाला से मैक्लोडगंज वाया कैंट सड़क मार्ग एनएच 503 के तहत आता है, जिसकी मरम्मत का कार्य लोक निर्माण विभाग के एनएच विंग शाहपुर की ओर से किया जाना है। एनएच विंग इस मार्ग को बेस से ठीक करना चाहता है, जिसके लिए बारिश का क्रम थमने का इंतजार किया जा रहा है। जब तक तीन-चार दिन तक धूप नहीं खिलती, तब तक कार्य किया जाना मुश्किल है। गौरतलब है कि मैक्लोडगंज जाने वाले सभी मार्ग खराब हैं। खड़ा डंडा मार्ग क्षतिग्रस्त हुआ है। वहीं, चंबी से आने वाला मार्ग भी सुधेड़ के पास धंस गया है। धर्मशाला-मैक्लोडगंज वाया कैंट मार्ग भी जगह-जगह से धंस गया है और कई जगह लैंड स्लाइड भी हुआ है।

क्षतिग्रस्त मार्ग के एक तरफ से गुजरते वाहन

कुछ जगह की गई लेवलिंग

उपमंडल प्रशासन की ओर से धर्मशाला-मैक्लोडगंज वाया कैंट मार्ग पर जहां-जहां भी सड़क धंसी हुई है, वहां पर सड़क की लेवलिंग करने के लिए एनएच विंग को कहा गया था, जिस पर कुछ जगह कार्य किया गया है, लेकिन जहां भी सड़क मार्ग बैठा है, वहां पर कार्य शुरू करने में समय लग सकता है। वहीं, मार्गों की मरम्मत को लेकर प्रशासन प्रयासरत है।

गड्ढा बन सकता है हादसे का कारण

धर्मशाला-मैक्लोडगंज वाया कैंट मार्ग पर जगह-जगह सड़क धंसी हुई है। एक जगह पर सड़क धंसने के साथ सड़क पर बड़ा गड्ढा बन गया है। हालांकि, प्रशासन जल्द मार्ग की मरम्मत की बात कह रहा है, लेकिन गड्ढे के पास चेतावनी बोर्ड लगाना जरूरी है, अन्यथा हादसा हो सकता है।

मैक्लोडगंज को जोड़ने वाले जो मार्ग क्षतिग्रस्त हुए हैं, उसके लिए एस्टीमेट तैयार कर लिया गया है। इसके लिए स्पेशल बजट एनएच से पास होना है, वहीं से इस कार्य को किया जाएगा।

-मोहित रत्न, एसडीएम धर्मशाला

जिले में अब तक 525 करोड़ रुपए का नुकसान : उपायुक्त

छह सौ मकान आंशिक, 112 पूरी तरह क्षतिग्रस्त

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

कांगड़ा जिले में बरसात से अब तक 525 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। बरसात से 600 मकान आंशिक रूप से, जबकि 112 मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। इसके अलावा क्षतिग्रस्त सड़कों व पेयजल योजनाओं को अस्थायी तौर पर रिस्टोर करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

डीसी हेमराज बैरवा ने बताया कि नुकसान के अलग-अलग विभागों ने अपने आंकड़े प्रस्तुत किए हैं, जिनका आकलन किया जा रहा है। सभी प्रभावितों को अंतरिम राहत दे दी गई है, जबकि पूरी राहत राशि, औपचारिकताएं पूर्ण होने के साथ दे दी जाएगी। उन्होंने कहा कि

क्षतिग्रस्त मार्गों व पेयजल योजनाओं को अस्थायी तौर पर रिस्टोर करने के प्रयास

क्षतिग्रस्त मार्गों व पेयजल योजनाओं को अस्थायी तौर पर रिस्टोर किया जा रहा है। डीसी ने कहा कि फतेहपुर और इंदौरा उपमंडल में स्थिति नियंत्रण में है। दोनों उपमंडलों में भूमि और फसलों का नुकसान हुआ है, जिसका मेमोरंडम तैयार किया जा रहा है, जिससे प्रभावितों को राहत मैनुअल के मुआवजा देने के लिए मामले को सरकार के समक्ष रखा गया है और आग्रह किया है कि प्रभावितों को स्पेशल मुआवजा दिया जाए।

दौलतपुर से हार जलाड़ी के लिए बस सेवा शुरू

आशीष दमीर, अनंत ज्ञान, कांगड़ा। दौलतपुर से हार जलाड़ी के लिए हिमाचल पथ परिवहन निगम की नई बस सेवा शुरू होने से क्षेत्र के लोगों को लाभ मिलेगा। निगम के उपाध्यक्ष अजय वर्मा ने बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। हार जलाड़ी पहुंचने पर पंचायत प्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने भव्य स्वागत किया। अजय वर्मा ने बताया कि उन्होंने पूर्व में यहां बस सेवा का वादा किया था, जिसे पूरा कर उन्हें खुशी हो रही है। यह बस दोपहर 1:0 बजे कांगड़ा से चलेगी और 2 बजे जलाड़ी पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में और बसें चलाई जाएंगी, जिसका लाभ यहां के लोगों को भी होगा। उन्होंने स्थानीय लोगों और अधिकारियों के साथ मिलकर बस में सफर भी किया। वहीं, लोगों ने इस सेवा के लिए आभार जताते हुए अन्य समस्याएं भी उनके समक्ष रखीं, जिनके समाधान का आश्वासन दिया गया। कार्यक्रम में अजय वर्मा को शॉल और टोपी पहनाकर सम्मानित किया गया। सुरेश धीमान ने शमशानघाट के रास्ते की समस्या को उपाध्यक्ष के समक्ष रखा, जिसे पूरा करने का उन्होंने आश्वासन दिया।

फंसे गोवंश बचाने को आगे आए समाजसेवी व पूर्व सैनिक

अनंत ज्ञान, फतेहपुर। पौंग डैम से छोड़े गए पानी ने ब्यास नदी को उफान पर ला दिया, जिससे रियाली पुल के पास बने टापू पर करीब 25 गोवंश तीन दिनों से भूखे-प्यासे फंसे रहे। जैसे ही यह खबर समाजसेवी रमेश कालिया और मंगल सिंह तक पहुंची, उन्होंने तुरंत चारे की व्यवस्था कर मदद का निर्णय लिया। हालांकि तेज लहरों में नाव लेकर टापू तक पहुंचना बेहद जोखिम भरा था। ऐसे में पूर्व सैनिक नूर मोहम्मद और संजीव अली आगे आए और अपनी जान की परवाह किए बिना नाव के जरिए चारा टापू तक पहुंचाया। उनकी इस बहादुरी और सेवा भावना से न केवल गोवंश को राहत मिली, बल्कि पूरे क्षेत्र में मानवता का संदेश भी फैल गया।

लोअर लंबागांव पंचायत दसलू में पशुशाला ढही

अनंत ज्ञान, जयसिंहपुर। लगातार हो रही बारिश से पंचायत लोअर लंबागांव के वार्ड नंबर सात दसलू के निवासी राकेश कुमार पुत्र पुरुषोत्तम चौधरी की स्लेटपोश पशुशाला गिर गई। उपप्रधान हरि दास ने बताया कि जनप्रतिनिधियों व पटवारी संजीव कुमार ने मौका देख लिया है। पटवारी ने लोकमित्र केंद्र में ऑनलाइन आवेदन की सलाह दी, ताकि उचित सहायता प्रदान की जा सकें।

चेस टूर्नामेंट में हर्षिता ने झटका पहला स्थान

अनंत ज्ञान, जयसिंहपुर। शिवालिक पब्लिक स्कूल ज्वालामुखी (देहरा) में ज्वाला चेस क्लब की ओर से आयोजित एक दिवसीय चेस टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इसमें सीनियर ओपन विमेन में ऐम एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल जयसिंहपुर की हर्षिता ठाकुर ने प्रथम स्थान हासिल किया। हर्षिता 11वीं कक्षा की छात्रा है। इस उपलब्धि पर स्कूल के प्रबंधक राकेश सरोच और स्कूल स्टाफ ने शुभकामनाएं दीं।

पुराना कांगड़ा में श्रीमद भागवत कथा सात से

अनंत ज्ञान, कांगड़ा। पुराना कांगड़ा में श्रीमद्भागवत कथा सात सितंबर से आयोजित होगी। कथा आयोजक तृप्ता परवान ने बताया कि सात सितंबर सायं पुराना कांगड़ा इंद्रेश्वर महादेव मंदिर से कथा स्थल परवान निवास वार्ड तीन तक कलश यात्रा निकाली जाएगी। आठ सितंबर से कथावाचक स्वामी अतुल कृष्ण महाराज भागवत कथा करेंगे। 12 सितंबर को रुक्मणि विवाह व 14 सितंबर रविवार को भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

पूजन भंडारी ने मां की याद में किया रक्तदान

अनंत ज्ञान, नगरोटा बगवां। नगरोटा बगवां के समाजसेवी पूजन भंडारी ने अपनी माता स्व. कृष्णा भंडारी की याद में भगवान बुद्ध चैरिटी सेंटर वीरता (कांगड़ा) में रक्तदान किया। भंडारी ने बताया कि वह साल में तीन बार अपने जन्मदिन पर, अपनी सालगिरह पर व अपनी माता की याद में रक्तदान करते हैं। उन्होंने कहा कि जब तक यह शरीर साथ देगा, तब तक माता की याद में रक्तदान करते रहेंगे। यह इनका 18 वीं बार रक्तदान था।

7 को चंद्र ग्रहण, 3 घंटे 29 मिनट तक रहेगी अवधि

शिवम शर्मा, अनंत ज्ञान, परागपुर। इस साल का अहम चंद्र ग्रहण 7 सितंबर को लगने जा रहा है। भारतीय समयानुसार इस ग्रहण रात 9 बजकर 58 मिनट पर आरंभ होगा और ग्रहण अपने चरम पर रात्रि 11 बजकर 1 मिनट से रात्रि 1 बजकर 26 मिनट तक रहेगा। भारत में इस चंद्रग्रहण की अवधि 3 घंटे 29 मिनट तक रहेगी जो की काफी लंबी अवधि होगी। यह चंद्रग्रहण चंद्रमा के कुंभ राशि में पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में रहते हुए पड़ेगा। जिला कांगड़ा स्थित गांव पाईसा के ज्योतिषाचार्य आचार्य भवानी शंकर ने बताया कि ग्रहण का सूतक काल परंपरा के अनुसार ग्रहण शुरू होने से 9 घंटे पहले यानी दोपहर 12:57 बजे से प्रभावी हो जाएगा। मंदिरों के कपाट बंद कर दिए जाते हैं और भगवान की मूर्तियों को ढक दिया जाता है।

लगातार पौंग बांध से छोड़ा जा रहा पानी

अनंत ज्ञान, फतेहपुर। महाराणा प्रताप सागर झील पौंग बांध से लगातार 27 दिन से पानी छोड़ा जा रहा है। जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंचने के बावजूद इस बार भी 2023 जैसी भयावह बाढ़ की स्थिति नहीं बनी। प्रशासन की सजगता और लोगों की समय रहते की गई तैयारियों ने बड़े नुकसान को टाल दिया। पिछले अनुभव से सबक लेते हुए प्रशासन ने धुस्सी की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। हर दूसरे-तीसरे दिन जेसीबी की मदद से इसकी मजबूती सुनिश्चित की गई। इस बार इंदौरा, फतेहपुर और पंजाब की करीब 12,000 की आबादी, उनकी जमीनें और फसलें सुरक्षित रहीं। ग्रामीणों ने प्रशासन और स्थानीय नेताओं का आभार जताया। वहीं, इस बार पौंग बांध से छोड़े गए पानी से हुए नुकसान के चलते बीबीएमबी प्रबंधकों के खिलाफ जिले के अलग-अलग थानों में एफआइआर दर्ज करवाई गई, ताकि भविष्य में लापरवाही की कोई गुंजाइश न रहे। डीसी हेमराज बैरवा ने बताया कि जरूरत पड़ने पर हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू की भी तैयारी थी। प्रशासन ने प्रभावित लोगों के लिए 500 से अधिक शेल्टर बनाए, जिनमें लगभग 1,000 लोगों के रहने का इंतजाम किया गया।

जसवां-परागपुर वासियों का दर्द जानने के बाद मदद को आगे आए संजय पराशर

संजय पराशर ने नारी और कूहना गांव में आपदा से प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहयोग दिया।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

जसवां-परागपुर क्षेत्र में भारी बरसात से जनजीवन को अस्त-व्यस्त हो गया है। कई परिवारों के मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। जब इन ग्रामीणों ने अपनी पीड़ा स्थानीय नेता कैप्टन संजय पराशर तक पहुंचाई, तो उन्होंने तुरंत संवेदनशीलता दिखाते हुए मदद का हाथ बढ़ाया है। संजय ने सबसे पहले नारी पंचायत का रुख किया। यहां एक घर के मुखिया किशन चंद का पिछले माह निधन हो गया है और उनका कच्चा मकान भी गिर गया है।

पराशर ने परिवार से मिलकर उन्हें सांत्वना दी और किशन की बेटी सुनीता को आर्थिक सहयोग उपलब्ध करवाया। इसी पंचायत में गरीब दास के निधन के बाद उसका बेटा पवन भी अकेला पड़ गया था। पवन को भी आर्थिक मदद दी और उसका हौसला बढ़ाया। नारी पंचायत के बाद संजय पराशर कूहना पंचायत पहुंचे। इस पंचायत में भी कई मकान क्षतिग्रस्त हुए थे। पराशर ने प्रभावित परिवारों के घर जाकर स्थिति का जायजा लिया और उन्हें यथासंभव आर्थिक सहयोग दिया। अब तक इस पंचायत में पांच परिवारों को मदद कर चुके हैं। सोमवार को भी पंचायत का दौरा किया और दो प्रभावित परिवार पंकज कुमार तथा महेंद्र सिंह की सहायता की। अलोह पंचायत के उपप्रधान अश्विनी कुमार और कूहना पंचायत के आशीष राणा ने कहा कि एक बार फिर संजय पराशर ने साबित किया है कि वे धरातल से जुड़े नेता हैं। संजय पराशर ने भरोसा दिया कि वह हर कठिन परिस्थिति में लोगों के साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने प्रशासन से भी आग्रह किया कि इन गांवों के लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता पर हल करने के लिए कदम उठाए जाएं।

बरोट-घटासनी, चौहारघाटी में कई मार्ग बाधित, ल्हासे गिरने का क्रम जारी

भारी बारिश के चलते बरोट-घटासनी सड़क पर गुराहला में धंसा डंगा।

खुशी राम ठाकुर, अनंत ज्ञान

बरोट। चौहार और छोटा भंगाल घाटियों में लगातार बारिश के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बरोट-घटासनी 25 किलोमीटर मुख्य सड़क पर गुराहला और बरोट के बीच ल्हासे गिरने का सिलसिला जारी है।

रविवार रात को गुराहला के समीप करीब दस फुट लंबा डंगा धंस गया, जिससे यह मार्ग केवल पैदल यात्रियों और दोपहिया वाहनों के लिए ही उपयोगी रह गया है। बस सेवाएं अब गुराहला तक ही सीमित हो गई हैं। चौहारघाटी के थल्टूखोड़-मढ़, थल्टूखोड़-ग्रामण और बरोट-मियोट जैसे कई संपर्क मार्ग भी बाधित हैं। बरोट से छोटी झरवाड़ तक मार्ग केवल छोटे वाहनों के लिए ही बहाल है। मुल्थान-बड़ा ग्रां, बीड़-वाया विलिंग, राजगुंधा-बड़ा ग्रां, और मुल्थान-लोहारड़ी सड़क मार्गों पर भारी ल्हासे और धंसे डंगे अब भी अवरोध बने हुए हैं। किसानों और सब्जी उत्पादकों का कहना है कि वे अपनी तैयार नकदी फसलें आलू, बंदगोभी और मूली खेतों से नहीं निकाल पा रहे हैं। लोक निर्माण विभाग के अनुसार, बहाली कार्य जारी है, लेकिन लगातार बारिश से कार्य प्रभावित हो रहा है। मौसम ठीक होने पर जल्द ही मार्गों को बहाल करने का आश्वासन दिया गया है।

आपदा के समय ब्राह्मण कल्याण बोर्ड बनाना असंवेदनशील निर्णय : शांता

अनंत ज्ञान, पालमपुर

पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार ने कहा कि कुछ दिन पहले हिमाचल की सरकार ने ब्राह्मण कल्याण बोर्ड की स्थापना की, जिसमें 126 सदस्य और 14 सरकारी सदस्य बनाए गए हैं।

उन्होंने सरकार के इस निर्णय का विरोध किया, हैरानी हुई कि पूरे हिमाचल के इतने अधिक राजनैतिक दलों के हजारों कार्यकर्ताओं ने मेरे सिवाए किसी ने भी इस समाचार का विरोध नहीं किया। मुझे खुशी है कि एक दैनिक समाचार पत्र के संपादकीय में मेरे विरोध का जिकर किया गया। उन्होंने कहा कि जब प्रदेश भयंकर आपदा से जूझ रहा है, सैकड़ों लोग जान गंवा चुके हैं, हजारों घायल हैं और बहुत से लोग अब भी मलबे में दबे हैं, तब सरकार द्वारा 140 सदस्यीय बोर्ड बनाना बेहद असंवेदनशील निर्णय है। उन्होंने तीखा कटाक्ष करते हुए कहा कि यह ऐसा है मानो किसी परिवार में दो लोगों की मौत हो गई हो और परिवार का मुखिया तीसरे का जन्मदिन मना रहा हो। शांता ने कहा कि उन्हें हैरानी और दुख है कि किसी भी राजनीतिक दल या नेता ने इसका विरोध नहीं किया। उन्होंने आशंका जताई कि शायद विरोध करने से ब्राह्मण वोट बैंक नाराज न हो जाए, इस डर से सभी चुप रहे।

उन्होंने सवाल उठाया कि क्या राजनीति अब केवल वोट के लिए रह गई है? अटल बिहारी वाजपेयी और पंडित दीन दयाल उपाध्याय के मूल्य आधारित राजनीति के सपनों का क्या हुआ? उन्होंने इसे भारतीय राजनीति का एक काला अध्याय बताते हुए सभी राजनीतिक दलों से आत्ममंथन करने की अपील की।

खतरा पिछले कई वर्षों से पहाड़ी से हो रहा था पानी का रिसाव, एनएच सहित मंदिर को पैदा हुआ खतरा

बैजनाथ शिव मंदिर के साथ लगती पहाड़ी दरकी

शिव मंदिर बैजनाथ के साथ लगती पहाड़ी के दरकने से राष्ट्रीय उच्च मार्ग और मंदिर के लिए खतरा पैदा हो गया है।

जितेंद्र कौशल, अनंत ज्ञान

बैजनाथ। विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक शिव मंदिर बैजनाथ के साथ लगती पहाड़ी के दरकने से राष्ट्रीय उच्च मार्ग को खतरा उत्पन्न हो गया है।

वहीं, शिव मंदिर के लिए भी खतरे के संकेत हैं। राष्ट्रीय उच्च मार्ग के रेलवे फाटक से लेकर बस अड्डे तक दोनों तरफ निकासी नालियां न होने की वजह से बरसात का पानी बीचों-बीच सड़क पर आ जाता है, जिस वजह से पिछले कई वर्षों से पहाड़ी से पानी का रिसाव हो रहा है। इस कारण से पहाड़ी धंसने लगी थी। हाल ही में आईआईटी मंडी के विशेषज्ञ ने दौरा कर पहाड़ी दरकने की वजह से शिव मंदिर के संभावित नुकसान को रोकने के लिए प्रशासन के साथ बैठक कर पहाड़ी को बचाने के कारगर उपाय भी बताए थे। बावजूद इसके अभी तक प्रशासन ने इस मामले में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई है। हालांकि, स्थानीय प्रशासन ने मामले की देखते हुए बैरिकेट लगाकर वाहनों को डायवर्ट किया है, लेकिन खतरा अभी टला नहीं है। वहीं, बिनवा नदी में लगातार खनन जारी है। कई बार खीर गंगा घाट में भी नदी के पानी के बहाब की वजह से नुकसान हुआ है। एसडीएम बैजनाथ संकल्प गौतम ने कहा कि एहतियात के तौर पर वाहनों को डायवर्सन दी गई है। उधर, राष्ट्रीय उच्च मार्ग के अधिकारियों का कहना है कि पानी के निकासी के अस्थायी प्रबंध किए गए हैं आने वाले दिनों में पर्याप्त नालियां बनाई जाएंगी।

ब्यास से कुंजद्वार बाग में भारी नुकसान, लोगों की भूमि बही

अनंत ज्ञान, जयसिंहपुर। लोअर लंबागांव में इस बार ब्यास नदी ने कुंजद्वार बाग में काफी नुकसान पहुंचाया है। लोगों की मलकियती कृषि योग्य भूमि सहित पेड़ व क्रेट ब्यास की चपेट में आने से बह गए। यहां बस्ती को खतरा पैदा हो गया है। गांववासियों ने कहा कि हम करीब 60 सालों से रह रहे हैं। पहले ऐसे कभी भी नहीं हुआ, मगर कुछ सालों से खनन की वजह से ब्यास का स्तर बस्ती की ओर आ रहा है, जिसका कारण केवल और केवल खनन है। स्थानीय लोगों ध्रुव देव, जनार्दन, ओमप्रकाश, आनंद कुमार, अजय कुमार, अनन्य, कुलदीप चंद, रमेश कुमार, कुलदीप चंद, हुक्म चंद, कुलतार चंद, सुमना कुमारी, रेखा कुमारी, रजनी, अनीता कुमारी, उर्मिला देवी, खीमा देवी, सरला देवी ने कहा कि हम सब प्रशासन से मांग करते हैं कि बरसात के बाद इस बस्ती को हमारे घर और जमीनों को बचाने का कार्य किया जाए। सरकार को इस गंभीर स्थिति पर संज्ञान जरूर ले।

राजा का बाग और नागा बड़ी में भारी नुकसान

रमन राणा, अनंत ज्ञान

भडवार। भारी बारिश से प्रदेश के लगभग सभी जिलों में भारी नुकसान हुआ है, जिसमें कांगड़ा जिले की तहसील नूरपुर भी पीछे नहीं है। राजा का बाग और नागा बड़ी में निर्माणाधीन फोरलेन का वजह से हुए भारी नुकसान का जायजा लेने पहुंची तहसीलदार नूरपुर राधिका सैनी ने पत्रकारों को बताया कि प्रदेश की इस आपदा में नूरपुर भी अछुता नहीं रहा है। उन्होंने बताया कि नागा बड़ी तथा राजा का बाग के आसपास भारी नुकसान हुआ है। फोरलेन के आसपास के लगभग सभी घरों में फोरलेन का पानी तथा कीचड़ घुसा है।

तहसीलदार राधिका सैनी ने लिया जायजा

कहा- प्रशासन लोगों की हरसंभव मदद के लिए सदैव तत्पर

भडवार, खैरियां, मिझग्रां, नगरोटा, हाथीधार, सुलयाली सहित सभी पंचायतों में काफी नुकसान लोगों को झेलना पड़ा है। उन्होंने बताया कि इस बरसाती विपदा में नूरपुर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है और लोगों को राहत पहुंचाने का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों का नुकसान हुआ है उन तक मदद पहुंचाने तथा जिनके घर उजड़ गए हैं, उनके पुनर्वास को लेकर हम तेजी से काम कर रहे हैं, ताकि आम आदमी को राहत मिल सके।

चक्की खड्ड में अवैध खनन पर कार्रवाई, हिमाचल और पंजाब सीमा विवाद गहराया

अशोक ठाकुर, अनंत ज्ञान

इंदौरा। चक्की खड्ड क्षेत्र में हिमाचल-पंजाब सीमा को लेकर लंबे समय से चल रहा विवाद एक बार फिर उस समय गहरा गया, जब सोमवार सुबह पठानकोट माइनिंग विभाग की टीम ने अवैध खनन की शिकायत पर छापेमारी की। माइनिंग विभाग के एसडीओ विपिनदीप सिंह के नेतृत्व में अन्य अधिकारियों तथा पुलिस टीम शिकायत मिलने पर ज्यादा मौके पर पहुंची और 6 ट्रैक्टरों को अवैध खनन करते हुए पाया। टीम ने छह ट्रैक्टर अवैध खनन सामग्री के साथ पकड़े। पंजाब टीम द्वारा सभी ट्रैक्टरों को जब्त कर पठानकोट ले जाने की कोशिश की जा रही थी, लेकिन स्थानीय लोगों ने विरोध जताते हुए कहा कि यह क्षेत्र हिमाचल की सीमा में आता है और कार्रवाई हिमाचल में होनी चाहिए। काफी देर बाद डमटाल थाना की पुलिस मौके पर पहुंची, जिसके बाद आपसी सहमति से चार ट्रैक्टरों को हिमाचल पुलिस ने जब्त कर डमटाल थाना में मामला दर्ज किया, जबकि दो ट्रैक्टर पंजाब विभाग ने अपने कब्जे में लिए। वहीं, शाम करीब 5 बजे दो ट्रैक्टर चालक मौके से ट्रैक्टर भगा ले गए। उनका दावा था कि वाहन हिमाचल में कार्यरत थे। प्रशासन की ओर से फिलहाल इसकी पुष्टि करने से इनकार किया है।

सहमति से

चार ट्रैक्टर हिमाचल पुलिस और दो पंजाब माइनिंग विभाग ने किए जब्त

न्यूज ब्रीफ

शिमला जिले में सभी स्कूल आज बंद रहेंगे

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। जिले में लगातार हो रही भारी बारिश को देखते हुए जिला प्रशासन ने सभी स्कूलों को 2 सितंबर को बंद रखने का फैसला किया है। प्रशासन ने यह कदम छात्रों की सुरक्षा और उनके अभिभावकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उठाया है। इस निर्णय के तहत स्कूलों के शिक्षक अपने घर से ही ऑनलाइन माध्यम से कक्षाएं संचालित करेंगे, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई में कोई बाधा न आए। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह बंद केवल मौजूदा मौसम और परिस्थितियों को ध्यान में रखकर लिया गया अस्थायी निर्णय है। उपायुक्त शिमला ने सभी अभिभावकों और शिक्षकों से अपील की है कि वे इस दिशा-निर्देश का पालन करें और बच्चों की सुरक्षा को सर्वोपरि रखें।

सीएम ने आपदा से हुई जनहानि पर शोक व्यक्त किया

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने प्रदेश में पिछले 24 घंटे से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण हुई जनहानि पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने शिमला जिले के जुन्गा क्षेत्र के डुबलू गांव में दो लोगों, कोटखाई के छोल में एक तथा जुब्बल की बधाल पंचायत के बाऊली गांव में एक व्यक्ति तथा सिरमौर जिला के रेणुका जी विधानसभा क्षेत्र की नौहराधार तहसील के चौरास गांव में एक महिला की मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कठिन घड़ी में राज्य सरकार प्रभावितों के साथ मजबूती से खड़ी है और उनकी हरसंभव सहायता सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और शोक संतप्त परिजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से खराब मौसम में विशेष सतर्कता बरतने तथा नदी-नालों और संवेदनशील ढलानों के निकट न जाने की अपील की है।

वहीं, उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने शिमला जिले के जुब्बल-कोटखाई तथा जुन्गा क्षेत्र में भारी बारिश और भूस्खलन से चार लोगों की असमय मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उपमुख्यमंत्री ने परमपिता परमात्मा से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना और शोकाकुल परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार इस कठिन घड़ी में प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है तथा उन्हें हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे सावधानी बरतें और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें।

जिला परिषद की साधारण बैठक 12 सितंबर को

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। जिला परिषद शिमला की साधारण बैठक 12 सितंबर को प्रातः 11 बजे नवनिर्मित जिला परिषद भवन एवं जिला पंचायत संसाधन केंद्र चलौंठी, संजौली, शिमला में आयोजित की जाएगी। जिला परिषद शिमला सचिव ने बताया कि बैठक में गत बैठक की कार्यवाही की अभिपुष्टि तथा लंबित विषयों पर चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही जिला की ग्राम पंचायतों की मनरेगा शैल्फों को पारित करने सहित अन्य विषयों पर भी विचार-विमर्श होगा। इस बैठक में सभी जिला परिषद सदस्य तथा जिला भर से विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी भाग लेंगे।

गेयटी व बैंटनी कैसल में सांस्कृतिक आभा बिखेरेंगे छात्र

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। भाषा एवं संस्कृति विभाग और गेयटी ड्रामेटिक सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में तीन सितंबर से गेयटी थियेटर परिसर और बैंटनी कैसल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू हो रही है। इसमें स्थानीय विद्यालयों के विद्यार्थी संगीत और संस्कृत की मनमोहक छटा बिखेरेंगे। संयुक्त निदेशक भाषा एवं संस्कृति विभाग भानु गुप्ता ने बताया कि 3 सितंबर को दोपहर 2:30 बजे गेयटी थियेटर के मुक्ताकाश रंगमंच में ऑकलैंड हाउस स्कूल के विद्यार्थी म्यूजिकल बैंड की प्रस्तुति देंगे। वहीं, बैंटनी कैसल में राजकीय आदर्श कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पोर्टमोर की छात्राएं म्यूजिकल बैंड, लोकगीत और लोकनृत्य प्रस्तुत करेंगी। इसी दिन गेयटी थियेटर के सम्मेलन कक्ष में भी दोपहर 2:30 बजे से कहानी वाचन का आयोजन होगा। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार श्रीनिवास जोशी विद्यार्थियों को कहानी विधा और वाचन की बारीकियों से अवगत कराएंगे।

एसडीएम सदर ने प्राचीन वृक्षों को बचाने का लिया निर्णय

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। शिमला-मटौर फोरलेन निर्माण के दौरान विनायक घाट और ब्रह्मपुखर क्षेत्र के सैकड़ों साल पुराने पीपल और वट वृक्षों पर खतरा मंडराने की खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन ने तत्काल संज्ञान लिया। एसडीएम सदर डॉ. राजदीप सिंह आज नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया, वन विभाग और गाबा कंपनी के अधिकारियों के साथ ब्रह्मपुखर चौक पहुंचे और मौके का निरीक्षण किया। निरीक्षण के उपरांत एसडीएम सदर ने कहा कि लोगों की भावनाओं और क्षेत्र की धार्मिक-सांस्कृतिक आस्था को ध्यान में रखते हुए वृक्षों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि एक अपेक्षाकृत छोटे वृक्ष को फॉरेस्ट विभाग के माध्यम से सुरक्षित रूप से उखाड़कर अन्य स्थान पर रोपित किया जाएगा। वहीं, पुराने और विशाल पीपल वृक्ष को संरक्षित रखने के लिए सड़क निर्माण का फ्लाईओवर उसके ऊपर से निकाला जाएगा। इसके अतिरिक्त वृक्ष के ऊपरी हिस्से की छंटाई की जाएगी ताकि निर्माण कार्य भी प्रभावित न हो और वृक्ष भी सुरक्षित रहे। डॉ. सिंह ने कहा कि प्रशासन का प्रयास रहेगा कि विकास कार्यों के साथ-साथ पर्यावरण और सांस्कृतिक धरोहर का भी पूरा ध्यान रखा जाए, ताकि लोगों की भावनाएं आहत न हों और क्षेत्र की ऐतिहासिक पहचान बनी रहे।

टेलेंट हंट में बच्चे दिखाएंगे प्रतिभा : डॉ. ध्रुव

मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए आयोजक।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय जुखाला में टेलेंट हंट प्रतिभा खोज दो दिवसीय प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसमें मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ध्रुव पाल ने शिरकत की। इस अवसर पर सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ द्वीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। डॉ. राजेश ठाकुर द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत अभिनंदन किया गया। मुख्यातिथि ने अपने वक्तव्य में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में छिपी हुई प्रतिभा और कौशल को पहचानना और उसे मंच प्रदान करना है। यह एक ऐसा प्लेटफार्म है, जहां अपनी कला, ज्ञान और क्षमताओं का प्रदर्शन करने का मौका मिलता है। इस दो दिवसीय टेलेंट हंट प्रतियोगिता में भाषण, क्विज, डिबेट, स्पॉट फोटोग्राफी, पोस्टर मेकिंग, रंगोली और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। शनिवार को क्विज प्रतियोगिता और सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें क्विज प्रतियोगिता में अमित कुमार ने प्रथम स्थान हासिल किया। सांस्कृतिक गतिविधियों में सोलो सॉन्ग में नीरज शर्मा, शबनम, रिया ठाकुर, मानसी ने भाग लिया, जबकि फोक डांस में किरण कुमारी, मानसी ने भाग लिया। अंत में कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. कश्मीर सिंह ठाकुर ने छात्रों को इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। क्विज प्रतियोगिता को आयोजित करने में प्रो दीपाली और प्रो. अमित कपिल ने अहम भूमिका निभाई। निर्णायक मंडल के रूप में प्रो. डिंपल चैहान, प्रो. प्रेम, प्रो. अमन ने अपनी अहम भूमिका निभाई।

जिले में 13 को आयोजित होंगी राष्ट्रीय लोक अदालतें

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण बिलासपुर के सचिव प्रतीक गुप्ता ने बताया कि 13 सितंबर को जिला के विभिन्न न्यायालय परिसरों में राष्ट्रीय लोक अदालतों का आयोजन किया जा रहा है। यह लोक अदालत बिलासपुर, घुमारवीं, झंडूता न्यायालय परिसरों में एक साथ आयोजित की जाएंगी। इस लोक अदालत में पूर्व मुकदमेबाजी और लंबित मामलों को आपसी समझौते के आधार पर निपटाने का प्रयास किया जाएगा। इसमें बैंक ऋण, श्रम विवाद, बिजली-पानी के बिल, वैवाहिक विवाद आदि मामले शामिल किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जिन व्यक्तियों के न्यायालयों में इन श्रेणियों से संबंधित मामले लंबित हैं, वे अपने मामलों को लोक अदालत में भेजने हेतु आवेदन कर सकते हैं। सचिव ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति, जिसका मामला अभी न्यायालय में विचाराधीन नहीं है, वह भी आपसी सहमति से मामला लोक अदालत में लगवाकर आपसी समझौते पर आधारित फैसला प्राप्त करना चाहता है तो वह आवेदन कर सकता है। उन्होंने बताया कि लोक अदालत में शामिल होने और मुफ्त कानूनी सहायता प्राप्त करने के लिए टोल फ्री नंबर 15100 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण बिलासपुर के कार्यालय 01978-221452, उपमंडलीय विधिक सेवाएं प्राधिकरण बिलासपुर के दूरभाष नंबर 01978-224887 तथा उपमंडलीय विधिक सेवाएं प्राधिकरण घुमारवीं के कार्यालय दूरभाष नंबर 01978-254080 पर संपर्क कर सकते हैं।

भारी बारिश से शिमला जिले में चार की मौत

शिमला जिले में कई जगह लैंडस्लाइड; किन्नौर में संपर्क मार्ग बंद, सड़क, बिजली व पेयजल आपूर्ति बाधित

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। प्रदेश में लगातार 24 घंटों से हो रही मूसलाधार बारिश ने शिमला और किन्नौर जिलों में जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। भूस्खलन, फ्लैश फ्लड और सड़कों, बिजली तथा पेयजल आपूर्ति में व्यवधान ने स्थानीय लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। मौसम विभाग ने शिमला, किन्नौर और अन्य प्रभावित जिलों में रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिए हैं, लेकिन कई पहाड़ी और ग्रामीण क्षेत्र अभी भी जोखिम में हैं।

मूसलाधार बारिश से शिमला जिले में हुई भूस्खलन की घटना।

जानकारी के अनुसार शिमला जिले में लगातार लैंडस्लाइड के कारण चार लोगों की मौत हुई। कोटखाई तहसील के गांव छोल में एक मकान के मलबे में दबने से बुजुर्ग महिला कलावती की मौत हो गई। जुन्गा में वीरेंद्र कुमार और उनकी 10 वर्षीय बेटी मलबे में दबकर मारे गए। जुब्बल क्षेत्र में भी एक बच्ची की मौत की खबर मिली। इसके अलावा, कुमारहट्टी-हरिपुर में दो मंजिला मकान ढहने से चार लोग घायल हुए। प्रशासन ने घायलों को क्षेत्रीय अस्पताल में भर्ती कराया है और प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत प्रदान की जा रही है। वहीं, किन्नौर जिले में लगातार बारिश के कारण नदियों और नालों का जलस्तर बढ़ा है। कई ग्रामीण क्षेत्रों के संपर्क मार्ग बंद हो गए हैं, जिससे लोगों की आवाजाही प्रभावित हुई है।

प्रशासन ने सुरक्षित स्थानों पर लोगों को शिफ्ट करने के लिए राहत शिविर तैयार किए हैं। भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में ग्रामीण भयभीत हैं और बचाव दल सतर्क हैं। स्थानीय प्रशासन ने प्रभावित इलाकों में आवश्यक मशीनरी और राहत टीम तैनात कर दी है। वहीं, शिमला जिले में कई मुख्य और लिंक सड़कें बंद हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग 707 कुडू में अवरुद्ध होने से ग्रामीण क्षेत्रों का संपर्क कट गया है। कुल मिलाकर 224 लिंक/विलेज सड़कें बंद हैं और 10 मुख्य सड़कें अवरुद्ध हैं। जुब्बल उपमंडल में 40 वितरण ट्रांसफार्मर्स बंद होने से बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है।

32 पेयजल योजनाएं ठप हो गई हैं, जिससे स्थानीय लोगों को पानी की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है। पोर्टमोर स्कूल की रिटेनिंग वॉल ढहने से पास के विद्युत ट्रांसफार्मर और आवासीय भवन भी खतरे में आ गए हैं। प्रशासन राहत कार्यों के साथ-साथ प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा उपाय कर रहा है।

बचाव दल सक्रिय

शिमला जिले में मलबे और लैंडस्लाइड प्रभावित स्थानों पर जिला प्रशासन ने बचाव दल सक्रिय हैं और स्थानीय लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने का काम जारी है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है और प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत प्रदान की जा रही है। प्रशासन ने नागरिकों से सुरक्षित स्थानों पर रहने और जोखिम वाले इलाकों में न जाने की अपील की है।

स्कूलों की स्थिति

भारी बारिश के कारण शिमला और किन्नौर के कई क्षेत्रों में दैनिक कार्य प्रभावित हुए हैं। जिला प्रशासन ने सभी शिक्षण संस्थानों को बंद रखने का आदेश दिया है। सड़क और बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त है। स्थानीय लोग पेयजल संकट, आवागमन में कठिनाई और बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं।

दयार मोली में लैंडस्लाइड से तीन घरों को खतरा

दशमी रावत, अनंत ज्ञान, रोहड़ू। उपमंडल की स्पैल वैली के दयार मोली गांव में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन से प्रभावित 4 परिवारों के घरों को स्थानीय प्रशासन ने खाली करवा दिया है। उपमंडलाधिकारी रोहड़ू धर्मेश रमोत्रा ने स्वयं मौके पर जाकर चार परिवारों के दस सदस्यों को गांव में अन्य सुरक्षित घरों में ठहरने की व्यवस्था करवाई। दयार मोली में कुलदीप, संदीप, प्रदीप और सोंफू राम के परिवारों को शिफ्ट किया गया है।

रात को मौके पर पहुंची प्रशासन की टीम, चार परिवारों को किया शिफ्ट

एसडीएम ने कहा कि रात्रि साढ़े आठ बजे के करीब दयार मोली क्षेत्र में भूस्खलन की सूचना प्राप्त हुई थी। उसके बाद प्रशासन की टीम ने मौके का निरीक्षण किया तो पाया कि चार परिवार तीन घरों में रहते थे। लैंडस्लाइड से दो गोशालाएं पूरी तरह से दब गई हैं। इसमें दो गाय व एक भेड़ के दबने की सूचना है। रोहड़ू की शिकड़ी खड्ड के आसपास के लोंगों में जलस्तर बढ़ने से काफी डर का माहौल बना हुआ है। इसी के चलते इंडोर स्टेडियम में शेल्टर होम बनाया गया है, ताकि प्रभावितों को समय रहते यहां पर ठहराया जा सके। उन्होंने लोगों से अपील की है कि जिन्हें शेल्टर में ठहरना हो, वे प्रशासन से संपर्क कर सकते हैं। यहां सारी व्यवस्थाएं की गई हैं।

आपदा प्रबंधन प्राधिकरण शिमला ने बुनियादी सुविधाओं को लेकर दी जानकारी, बताई स्थिति

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला।

हिमाचल में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा ए सितंबर, को शाम 5 बजे जारी की गई स्थिति रिपोर्ट के अनुसार सड़कों और पानी की आपूर्ति की स्थिति में सुधार के लिए व्यापक प्रयास जारी हैं। जिले के विभिन्न उपमंडलों में मुख्य सड़कें और संपर्क मार्ग खुले हैं। हालांकि, कुछ क्षेत्रों में, खास तौर पर सुन्नी, कोटखाई, चौपाल, रोहड़ू, रामपुर, कुपवी और जुब्बल में कुछ संपर्क मार्ग अभी भी बंद हैं।

कुल 394 सड़कें और 6 मुख्य सड़कें अभी भी अवरुद्ध हैं, जिन्हें खोलने के लिए मशीनरी तैनात की गई है। पेयजल आपूर्ति की बात करें तो, शिमला (शहरी और ग्रामीण), रामपुर, डोडरा क्वार, और जुब्बल में स्थिति सामान्य है। हालांकि, सुन्नी, कोटखाई, चौपाल, रोहड़ू, और कुपवी जैसे क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति अभी भी बाधित है और इसे बहाल करने के लिए काम चल रहा है।

राष्ट्रीय राजमार्गों की बात करें तो राष्ट्रीय राजमार्ग-707 (ठियोग-हटकोटी) और राष्ट्रीय राजमार्ग-705 खुले हैं। हालांकि, राष्ट्रीय राजमार्ग-705 का हटकोटी से जांगला-खटोट तक का हिस्सा बंद है और राष्ट्रीय राजमार्ग-705 हटकोटी पर संडी और पंदराणु के पास अवरुद्ध है। अधिकारियों द्वारा जल्द से जल्द सभी बाधित मार्गों को खोलने के प्रयास किए जा रहे हैं।

कुरियर के माध्यम से अवैध दवाइयों की सप्लाई का भंडाफोड़

अनंत ज्ञान, रामपुर बुशहर। रामपुर पुलिस द्वारा नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे व्यापक अभियान के साथ-साथ संदिग्ध दवाइयों की सप्लाई पर भी पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। इसी कड़ी के तहत रविवार को पुलिस उपमंडल रामपुर के तहत थाना झाकडी की टीम व ड्रग इंस्पैक्टर विघा सेन नेगी के द्वारा मिलकर कुरियर के माध्यम से मंगवाई गई अवैध दवाइयों के 40 पतों को ज्यूरी में जब्त किया गया है। ये अवैध दवाईयां शुभम सुनैल (33) पुत्र सोहन लाल निवासी गांव कोटला डा. ज्युरी तह. रामपुर के द्वारा कुरियर सर्विस डिलीवरी महाराष्ट्र से मगंवाई थी, जो चैकिंग के दौरान कोई भी प्रिस्क्रिप्शन पर्ची पेश न कर सका, जिस पर कार्रवाई की जा रही है। है। डीएसपी रामपुर नरेश शर्मा ने बताया कि इस कड़ी में एएनटीएफ शिमला का भी अहम योगदान रहा है।

रामपुर व कुमारसैन में जनजीवन अस्त-व्यस्त

आत्मा सिंह, अनंत ज्ञान

लोगों का घरों से निकलना हुआ मुश्किल।

रामपुर बुशहर/कुमारसैन। रामपुर व कुमारसैन क्षेत्र में बीते 24 घंटे से लगातार हो रही बारिश से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। रामपुर क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में जगह-जगह भूस्खलन होने से संपर्क मार्ग क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामपुर ननखड़ी सड़क पांडा धार के पास लैंडस्लाइड की चपेट में आने से बंद है। एनएच- 5 ब्रोनि खड्ड में बार-बार बंद होने से दिन में कई बार यातायात अवरुद्ध हो रहा है। यहां से लोग जान जोखिम में डालकर सड़क पार करने को मजबूर हैं।

रामपुर 12/20 के कई गांवो पर भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। इसके अलावा सड़कों व गाड़ियों पर पत्थर गिरने का सिलसिला जारी है। तकलेच में सीएचसी के पास एक कार पर पत्थर गिरने से कार क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत यह रही कि कार सवार बाल बाल बच गए। उधर 15/20 क्षेत्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार नंती खड्ड और गानवी खड्ड में पानी का बहावव तेज होने से लोग अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। तकलेच सेरी पुल के कई दिनों से लैंडस्लाइड हो रहा है। सबसे ज्यादा मुश्किल सेब बागवानों को पेश आ रही है। उनकी एकमात्र नकदी फसल बर्बाद हो सकती है।

रामपुर के दूरदराज दारनघाटी गांव जमींदोज होने के कगार पर है। यहां भी पेड़ों का गिरना और मकानों का धँसना होना जारी है। इसी प्रकार कुमारसेन क्षेत्र में भी बारिश का कहर जारी है। आज सोमवार ऑडी के पास एनएच-5 पर देवदार के तीन पेड़ गिर जाने से मार्ग कई घंटे बंद रहा। जेसीबी मशीन आने के बाद मार्ग बहाल किया गया। जोगशा कुमारसेन संपर्क मार्ग पर पेड़ गिरने व लैंडस्लाइड होने से मार्ग बंद हो गया। भुट्टी कैंची के पास भारी भूस्खलन के कारण लोगों का चलना मुश्किल हो रहा है। मधावनी ठानकी मार्ग पर मलबा आने से यह मार्ग बंद हो गया है। कोटगढ़ में ओ पी मेहता के रिहायशी मकान को गिरने का खतरा पैदा हो गया है। मकान को खाली कर लिया गया है। उनका सेब बगीचा भी भूस्खलन की चपेट में आने से तबाह हो गया है।

जानकारी के अनुसार सैंज लुहरी एनएच-305 पर एक पेट्रोल पंप मलबे की चपेट में आने और पत्थर गिरने से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इसी तरह हर जगह से भारी नुकसान की खबरें आ रही है, लेकिन अभी तक किसी जानी नुकसान की खबर नहीं मिली है। एसडीएम रामपुर हर्ष अमरेंद्र सिंह व एसडीएम कुमारसेन मुकेश शर्मा से प्राप्त जानकारी के अनुसार किसी जानी नुकसान की खबर नहीं है। 24 घंटे बीत जाने के बाद अभी भी बारिश का कहर जारी है। कभी रुक-रुककर धीमी से भारी बारिश का सिलसिला जारी है। लोग हमको चेतावनी दी जा रही है कि वे घरों में ही सुरक्षित रहें, बहुत जरूरी होने पर ही घरों से बाहर निकलें।

प्रशासन ने किया भराड़ी नौणी क्षेत्र का दौरा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। एसडीएम सदर डॉ. राजदीप सिंह ने भारी बारिश से प्रभावित भराड़ी और नौणी क्षेत्र का दौरा किया। भराड़ी में उन्होंने सोहनलाल के घर का निरीक्षण किया तथा स्थानीय प्रधान की सहायता से प्रभावित परिवार को सुरक्षित रूप से अन्य मकान में स्थानांतरित किया गया है। इसी प्रकार नौणी में दवाना राम के मकान का भी उन्होंने निरीक्षण किया, जिस पर मलबा गिरा था। दवाना राम को भी एक मकान में सुरक्षित स्थानांतरित किया गया है। एसडीएम ने कहा कि प्रभावित परिवारों के किराये का भुगतान सरकार करेगी, साथ ही प्रभावित मकानों के लिए मुआवजा प्रकरण जल्द से जल्द तैयार कर सरकार को भेजने के भी निर्देश दिए।

रविंद्रनाथ को सम्मानित करेगा कल्याण कला मंच

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। कल्याण कला मंच बिलासपुर की संगोष्ठी वरिष्ठ नागरिक सभागार में 7 सितंबर को होनी तय हुई है। सचिव पूजा कुमारी ने बताया कि कार्यक्रम 11 से 2 बजे तक दो सत्रों में संपन्न होगा। प्रथम सत्र में विचार मंथन और द्वितीय सत्र में उपस्थित कला और कलमकार अपनी नवीनतम रचनाएं पेश करेंगे। कार्यक्रम में जाने-माने लेखक और कवि रविंद्र भट्टा को सम्मानित किया जाएगा।

बरसात का कहर : बिलासपुर जिले में अब तक 125 करोड़ का नुकसान, 18 की मौत

अरुण डोगरा रीतू, अनंत ज्ञान ब्यूरो

बिलासपुर। मानसून ने इस बार बिलासपुर जिले में भी भारी तबाही मचा दी है। अब तक करीब 125 करोड़ रुपए का नुकसान दर्ज किया गया है और 18 लोगों की जानें जा चुकी हैं। हालात इतने गंभीर हैं कि जिलेभर में सड़कों, पेयजल योजनाओं और घरों के ढांचे तक बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। उपायुक्त राहुल कुमार ने बताया कि लगातार हो रही बारिश से लोक निर्माण विभाग को 90 करोड़ और जलशक्ति विभाग को 25 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। बिजली बोर्ड और पशुपालन विभाग को भी भारी क्षति पहुंची है।

26 सड़कें बंद : जिले में इस वक्त 26 सड़कें बंद हैं, जबकि 48 पेयजल योजनाएं ठप पड़ी हैं। इसके अलावा लगभग 2.69 करोड़ का संरचनात्मक नुकसान अलग से आंका गया है। बरसात ने ग्रामीणों की रिहायश पर भी चोट की है। अब तक तीन पक्के मकान, 10 कच्चे घर, चार दुकानें, चार स्टोर, 32 रसोईघर, 6 शौचालय और 282 गोशालाएं प्रभावित हुई हैं। डीसी राहुल कुमार ने कहा कि सभी एसडीएम, तहसीलदार, कानूनगो और पटवारियों को फील्ड में तैनात किया गया है, ताकि नुकसान का आकलन कर राहत मैनुअल के तहत तुरंत मदद दी जा सके। प्रभावितों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करने और तत्काल राहत पहुंचाने के आदेश दिए गए हैं।

राहुल कुमार, डीसी

उन्होंने बताया कि मौसम विभाग के रेड अलर्ट को देखते हुए जिले के सभी शिक्षण संस्थान और आंगनबाड़ी केंद्र फिलहाल बंद रखे गए हैं। देर शाम हालात की समीक्षा के बाद आगे का निर्णय लिया जाएगा।

बाहरी राज्यों से कटा नयना देवी का संपर्क

जिले में रविवार से जारी भारी बारिश और लगातार भूस्खलनों ने हालात बिगाड़ दिए हैं। श्री नयना देवी मंदिर का संपर्क बाहरी राज्यों से कट गया है। किरतपुर-मनाली फोरलेन व पुराने चंडीगढ़-मनाली हाईवे पर बार-बार भूस्खलन से यातायात प्रभावित है। सबसे अहम बात यह रही कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव चौधरी स्वयं फोरलेन और प्रभावित मार्गों की निगरानी कर रहे हैं। यातायात थाना भगेड़ की पुलिस टीमों के साथ मौके पर डटे चौधरी ने लोगों से अपील की है कि वे अनावश्यक घरों से बाहर न निकलें और यात्रा के दौरान पूरी सतर्कता बरतें।

प्रशासन के दिशा-निर्देशों का करें पालन : डीसी

डीसी ने लोगों से अपील की कि वे अनावश्यक यात्रा से बचें, नदी-नालों से दूरी बनाए रखें और प्रशासन द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। राष्ट्रीय राजमार्ग भी समलेटू और थापना में भूस्खलन के चलते प्रभावित हुआ है, ऐसे में वाहन चालकों को विशेष सतर्कता बरतने की हिदायत दी गई है। किसी भी आपात स्थिति में लोग जिला आपदा प्रबंधन हेल्पलाइन 1077 या राज्य आपदा हेल्पलाइन 1070 पर तुरंत संपर्क कर सकते हैं।

भारतीय जवान किसान पार्टी आम गरीब असहाय लोगों की बनेगी आवाज : शर्मा

अनंत ज्ञान, घुमारवीं

भारतीय जवान किसान पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी व हिमाचल के प्रदेशाध्यक्ष वैटरन बालक राम शर्मा ने बताया कि हमारे भारतीय जवान किसान पार्टी के अधिकारी आम जनता के बीच जाकर आम आदमी दिल मन की टोह ले रहे हैं कि आम जनता गरीब असहाय लोगों के विचार क्या हैं, उनके मन में क्या चल रहा है क्योंकि आम जनता देश प्रदेश का खंभा यानि पील्लर का काम करते हैं। यही लोग टैक्स भी देते हैं और वोट भी देते हैं और गांव समाज सहित अन्य कामों में अपना सहयोग और स्पोट करते हैं। पिल्लर और खंभा भी यही हैं। बालक राम शर्मा ने बताया कि देश प्रदेश की राजनीति ने आम गरीब समाज असहाय लोगों के विश्वास को बुरी तरह से तोड़कर कर रख दिया है।

रोजगार, महंगाई, शिक्षा स्वास्थ्य सब प्राइवेट सेक्टर आउट सोर्सिंग और उद्योग धन्नासेठों के पास हैं, जिससे आम समाज गरीब असहाय लोग सिर्फ व सिर्फ टैक्स और बोट-बैंक के लिए मजबूरवश तैयार किया जाता है। राजनीतिक लोग झूठा प्रचार-प्रसार करके लोंगों को गुमराह व छल कर सत्ता पर काबिज हो जाते हैं, बाद में कहीं नजर नहीं आते, सिर्फ जहां कोई प्रोग्राम आयोजित होता है, वहां नजर आते हैं। उन्होंने कहा कि देश की भारतीय सेना शरहद पर ढाल बनकर दीवार बनकर दिन-रात देश की रक्षा सुरक्षा करती है, आगे भी करती रहेगी। हैरानी की बात यह है कि देश-प्रदेश में कोई आपदा बाढ़ आ जाए तो सेना को बुलाया जाता है। आज देश प्रदेश में भारी बारिश से बाढ़ व भूस्खलन हो रहे हैं, सभी जगह सेना का इस्तेमाल हो रहा है, इस कहते हैं देश सेवा, समाज सेवा।

इसलिए देश-प्रदेश की आम गरीब समाज से विनम्र अपील है कि देशभर में संदेश पहुंचाया जाए कि अब आखरी वक्त आखिरी विकल्प भारतीय सेना है, इसलिए भारतीय जवान किसान पार्टी को मजबूत बनाकर राष्ट्र के नाम करें। आने वाले समय में भारतीय जवान किसान पार्टी की सरकार बने, ताकि देश-प्रदेश में लूट-खसोट नशा तस्कर, रेप, मर्डर हत्याकांड जघन्य कांड करने वालों को रोका जा सके।

रोष विस्थापित समिति का शिष्टमंडल जल्द ही सीएम सुक्खू से मिलेगा

समस्याओं के समाधान को सड़कों पर उतरने की चेतावनी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

देश के विकास की नींव रखने वाले भाखड़ा विस्थापित आज भी अपने हक के लिए भटक रहे हैं। जल विद्युत परियोजना से पूरे देश को रोशनी मिली, लेकिन जिन परिवारों ने अपनी जमीन, घर और रोजगार खोया, उन्हें आज तक स्थायी पुनर्वास नहीं मिला। 70 साल बाद भी मुआवजा, रोजगार और जमीन के लिए दर-दर की ठोकरें खाना इन परिवारों की मजबूरी बनी हुई है। अब विस्थापितों का सब्र टूटता नजर आ रहा है।

बैठक में उपस्थित भाखड़ा विस्थापित समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य।

सर्वदलीय भाखड़ा विस्थापित समिति का 11 सदस्यीय शिष्टमंडल जल्द ही मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से मिलेगा और साफ संदेश देगा कि अगर अबकी बार भी ठोस कदम नहीं उठाए गए तो विस्थापित संघर्ष की राह अपनाएंगे। परिधि गृह में हुई अहम बैठक में महासचिव जयकुमार ने कहा कि विस्थापितों की दशकों पुरानी समस्याओं को सरकार अब और नजरअंदाज नहीं कर सकती। बैठक में तकनीकी शिक्षा एवं नगर नियोजन मंत्री राजेश धर्माणी से आग्रह किया गया कि वे शिष्टमंडल का नेतृत्व करें और मुख्यमंत्री से शीघ्र मुलाकात सुनिश्चित बनाएं।

बैठक में मौसम खराब होने के बावजूद बड़ी संख्या में वरिष्ठ विस्थापित जुटे। इस दौरान गुस्सा भी साफ झलकता रहा। अमृत लाल नड्डा, रामकृष्ण शर्मा, कांशी राम, ओंकार सिंह गुलेरिया, पुरुषोत्तम शर्मा, तारा चंद, प्रताप सिंह भल्ला, जगदीश नड्डा समेत दर्जनों विस्थापितों ने दो टूक कहा कि सरकार को अब ठोस और समयबद्ध निर्णय लेना ही होगा। जयकुमार ने बताया कि शिष्टमंडल में शामिल सभी 11 सदस्य—राजकुमार टाडू, सुशील पुंडीर, अंशुल पंवार, प्रमोद कुमार, राजेंद्र शर्मा, राजेंद्र गर्ग, जगदीश नड्डा, अमृत लाल नड्डा और राम सिंह—किसी भी समय मुख्यमंत्री से मिलने शिमला जाने को तैयार हैं।

विस्थापितों ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने इस बार भी टालमटोल की नीति अपनाई, तो वे आंदोलन का बिगुल बजाने से पीछे नहीं हटेंगे।

पूर्व सैनिकों का योगदान भूलने लायक नहीं : वर्मा

भूपेश नड्डा, अनंत ज्ञान

घुमारवीं। सतलुज सेवा ट्रस्ट बिलासपुर के तत्वावधान में घुमारवीं में भूतपूर्व सैनिकों के लिए सम्मेलन का आयोजन किया गया। लगातार बारिश के बावजूद पूर्व सैनिकों ने सम्मेलन में बढ़-चढ़कर भाग लिया। जिले के हर क्षेत्र से थलसेना, वायुसेना व जलसेना के साथ ही सीआईएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी, बीएसएफ, आईटीबीपी और एनएसजी जैसे अर्धसैनिक बलों से सेवानिवृत हुए सैनिकों व सैन्य अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति ने इसे यादगार बना दिया।

सतलुज सेवा ट्रस्ट बिलासपुर के तत्वावधान में घुमारवीं में भूतपूर्व सैनिकों का सम्मेलन आयोजित।

पूर्व सैनिकों के लिए आयोजित सम्मेलन में ब्रिगेडियर जेएस वर्मा (विशिष्ट सेवा मेडल) ने मुख्य अतिथि, जबकि विद्या भारती उत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री विजय नड्डा और सतलुज सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष सोहन सिंह ठाकुर ने विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थिति दर्ज करवाई। ब्रिगेडियर जेएस वर्मा ने कहा कि मातृभूमि के लिए पूर्व सैनिकों का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। सेवाकाल के दौरान उन्होंने अपने प्राणों की परवाह किए बगैर देश की सुरक्षा के लिए समर्पित भाव से काम किया। सेना या अर्धसैनिक बलों से सेवानिवृत्त होने के बाद भी देश और समाज को उनकी अत्याधिक जरूरत है। उन्होंने पूर्व सैनिकों का आह्वान किया कि वे समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण में योगदान दें।

संगठन मंत्री विजय नड्डा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उद्देश्यों व कार्यशैली पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए 5 संकल्प लेना और उन पर अमल करना बेहद जरूरी है। इन 5 संकल्पों में समरस जीवन, मूल्य आधारित परिवार व्यवस्था, स्वदेशी जीवनशैली, पर्यावरण पूरक जीवन और नागरिक कर्तव्य शामिल हैं। देश का उत्थान इन परिवर्तनों से ही संभव है। वहीं, एयरफोर्स के ग्रुप कैप्टन आरएस राजपूत ने ऑपरेशन सिंदूर में आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने वाले स्वदेशी उपकरणों की भूमिका पर प्रकाश डाला।

संगठन अध्यक्ष ने भविष्य की योजनाओं की दी जानकारी

जिले के लगभग हर गांव में व्यक्तिगत रूप से पूर्व सैनिकों से संपर्क स्थापित करके इस सम्मेलन की सफलता में अहम भूमिका निभाने वाले सतलुज सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष सोहन सिंह ठाकुर ने संस्था की कार्यशैली और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने सभी पूर्व सैनिकों और अन्य लोगों को विजयदशमी के अवसर पर आयोजित किए जाने वाले शस्त्र पूजन व पथ संचलन कार्यक्रमों में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज करवाने का निमंत्रण भी दिया।

न्यूज़ ब्रीफ

चरस मामले के दोषी को 7 साल की सजा

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। चरस रखने के मामले में अदालत ने आरोपी अमित कुमार पुत्र सुरेश कुमार निवासी बल्ह, तहसील धर्मपुर, जिला मंडी को 7 साल कठोर कारावास और 70 हज़ार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना न देने पर आरोपी को 3 माह अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। उप जिला न्यायवादी राजीव शर्मा ने बताया कि 9 दिसंबर 2019 को एसआईयू टीम ने आरोपी को विद्दी गांव के पास 202 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया था। मामले की सुनवाई अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सरकाघाट की अदालत में हुई, जहां अभियोजन पक्ष ने 21 गवाह प्रस्तुत किए। राजीव शर्मा ने कहा कि यह सजा युवाओं के लिए चेतावनी है कि नशे के कारोबार में पड़कर जीवन बर्बाद करने के बजाय उन्हें समाज में सकारात्मक योगदान देना चाहिए

कच्चे घरों के गिरने का सिलसिला जारी, लोग सहमे

अनंत ज्ञान, गलोड़। तहसील गलोड़ क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से जनजीवन प्रभावित है। सरेडी, खास गलोड़, कश्मीर और गोईस पंचायतों में कई परिवारों के रिहायशी मकान और पशुशालाएं क्षतिग्रस्त हो गईं। सरेडी पंचायत में होशियार सिंह ठाकुर की पशुशाला की दीवार गिर गई, जबकि ढगो गांव के मनमोहन कुमार के मकान की दीवार ढह गई। वहीं बिहार से आए प्रवासी परिवार के चार सदस्य चमत्कारिक ढंग से बच निकले। कश्मीर पंचायत में भी एक मकान को नुकसान पहुँचा है और गोईस पंचायत में जमीन धंसने की घटनाएं दर्ज हुईं। सुबह चील का पेड़ गिरने से कांगू-ग्लोड़ सड़क तीन घंटे तक बाधित रही। तहसीलदार केशव कुमार ने पटवारियों को मौके पर जाकर नुकसान का आकलन करने के निर्देश दिए और लोगों से घरों से अनावश्यक बाहर न निकलने की अपील की। पंचायत प्रतिनिधियों ने शीघ्र राहत उपलब्ध कराने की मांग की है।

प्रभावितों के साथ खड़ी है सरकार और संगठन

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र के चबूतरा में रविवार को भारी बारिश से हुए नुकसान का जायजा लेने सोमवार को असंगठित कामगार कर्मचारी कांग्रेस (केकेसी) हिमाचल प्रदेश के प्रदेश चेयरमैन राजीव राणा पहुंचे। उन्होंने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। राणा ने बताया कि आपदा से लगभग 800 लोग प्रभावित हुए हैं और 7-8 घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार और प्रशासन राहत एवं पुनर्वास कार्यों में सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं तथा मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सुनिश्चित किया है कि प्रभावितों को तुरंत सहायता मिले। राणा ने संगठन की ओर से भी सहयोग का आश्वासन दिया और समाज से अपील की कि कठिन समय में सब मिलकर प्रभावित परिवारों की मदद करें।

आपदा प्रभावित परिवार को मिली फौरी राहत

अनंत ज्ञान, जाहू। उप भोरंज के थिरड़ गांव में सुनील कुमार पुत्र सुरेंद्र कुमार का दो मंजिला स्लेटनुमा रिहायशी मकान भारी बारिश से 80 फीसदी क्षतिग्रस्त हो गया। हिमाचल प्रदेश कांगड़ा सहकारी प्राथमिक कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के चेयरमैन रामचंद्र पठानिया ने सरकार की ओर से पीड़ित परिवार को 10 हजार रुपये की फौरी राहत राशि प्रदान की। बारिश से लगभग एक लाख रुपये का नुकसान हुआ है। इस अवसर पर तहसीलदार डॉ. आशीष शर्मा, भोरंज ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विजय बन्याल और पंचायत उप प्रधान शशि कांत भी मौजूद रहे। पत्रकारों से बातचीत में चेयरमैन पठानिया ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू लगातार आपदा प्रभावितों के साथ खड़े हैं और राहत कार्यों की व्यक्तिगत रूप से निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेता मदद करने के बजाय आलोचना और अफवाह फैलाने में लगे हैं, जबकि सरकार और प्रशासन राहत व पुनर्वास कार्यों को गति दे रहे हैं।

अनुराग 4 को करेंगे प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। भाजपा जिला कार्यकारिणी पदाधिकारियों की बैठक जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा और जिला कार्यसमिति की प्रथम बैठक की तैयारियों का जायजा लिया गया। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि प्रतिकूल मौसम की परिस्थितियों को देखते हुए कार्यकर्ताओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए जिला कार्यसमिति की बैठक, जो पहले 4 सितंबर को प्रस्तावित थी, अब 16 सितंबर को आयोजित की जाएगी। जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने बताया कि पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अनुराग सिंह ठाकुर 4 सितंबर को जिला के आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे और प्रभावित परिवारों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनेंगे। इससे पहले वह 3 सितंबर को शाम 5 बजे हमीरपुर में मीडिया से बातचीत करेंगे। पुनर्निर्धारित बैठक में प्रमुख संगठनात्मक मामलों और आगामी महीनों की कार्ययोजनाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

नशा मुक्ति के लिए जरूरी सामूहिक प्रयास

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत उपायुक्त मंडी अपूर्व देवगन की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में अब तक की प्रगति की समीक्षा की गई और आगे की कार्ययोजना पर चर्चा हुई। उपायुक्त ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल सरकारी तंत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके लिए समाज के हर वर्ग की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। उन्होंने बताया कि जून माह में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान जिले के स्कूलों में लगभग 1.35 लाख विद्यार्थी और कॉलेजों-तकनीकी संस्थानों के 7,000 से अधिक छात्र-छात्राएं विभिन्न गतिविधियों में शामिल हुए। अगस्त माह में आयोजित कार्यक्रमों में लगभग 1.75 लाख प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। बैठक में यह भी बताया गया कि पंचायत स्तर पर 2,873 समितियां गठित हो चुकी हैं।

सड़क मार्गों की बहाली में जुटा लोक निर्माण विभाग

उपायुक्त की निगरानी में तेजी से बहाल हो रही जन सुविधाएं, 80 से अधिक ट्रांसफार्मर और धरवाला सब-स्टेशन चालू

आरके सहगल, अनंत ज्ञान

भारी बारिश के चलते बंद मार्गों को जेसीबी की मदद से बहाल करते हुए।

चंबा। जिला चंबा में भारी बारिश के कारण प्रभावित पेयजल, सड़क, तथा विद्युत सेवाओं की बहाली के लिए उपायुक्त मुकेश रेपसवाल की विशेष निगरानी में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी दिन-रात कार्य कर रहे हैं तथा खराब मौसम व चुनौती पूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद विभिन्न जन सुविधाओं को बहाल करने में सफल हो रहे हैं जिसके परिणाम स्वरूप जिला के अधिकांश हिस्सों में बिजली व पानी की आपूर्ति बहाल हो गई है जबकि शेष क्षेत्रों में जन सुविधाओं की बहाली के लिए अथक प्रयास जारी हैं। इसी प्रकार सड़क सुविधाओं की बहाली के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग 154 ए सहित अन्य सभी प्रमुख सड़क मार्गों के अलावा ग्रामीण सड़कों की बहाली के लिए भी संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी निरंतर कार्यरत हैं। योजनाओं की बहाली के लिए जुटे विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों को दिशा निर्देश व मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए उपायुक्त मुकेश रेपसवाल स्वयं अधिकारियों के साथ लगातार फील्ड में जा रहे हैं तथा कार्य कर रहे अधिकारियों व कर्मचारियों का हौसला बढ़ाने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा व सुविधाओं बारे भी उच्च अधिकारियों को निर्देश दे रहे हैं।

विद्युत आपूर्ति बहाली के विषय में विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता राजीव ठाकुर ने बताया कि जिला में विधुत विभाग के 80% से अधिक ट्रांसफार्मर 31 अगस्त तक चालू कर दिए गए हैं इसके अलावा 33 केवीए धरवाला सब स्टेशन को भी चालू कर दिया गया है जिसके माध्यम से 85 ट्रांसफार्मरों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में बिजली की आपूर्ति आरंभ हो गई है उन्होंने बताया कि आज शाम तक लगभग 50 अन्य ट्रांसफॉमर्स के माध्यम से भी बिजली की सप्लाई बहाल होने जा रही है। लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता दिवाकर सिंह पठानिया ने जानकारी दी है कि जिला के सभी क्षेत्रों में विभाग के अधिकारी व कर्मचारी पूर्ण क्षमता के साथ दिन-रात कार्य कर रहे हैं तथा न्यूनतम समय अवधि में सड़क मार्गों की बहाली के लिए प्रयासरत हैं। जल शक्ति विभाग की अधीक्षण अभियंता राजेश मोंगरा ने बताया कि जल शक्ति विभाग द्वारा बारिश के कारण बाधित पेयजल योजनाओं में से अधिकतर को आंशिक रूप से बहाल कर दिया गया है तथा अन्य क्षेत्रों में विभाग की टीमें पेयजल आपूर्ति बहाल करने में जुटी हैं।

5500 श्रद्धालुओं को मिल चुका है मुफ्त बस सेवा का लाभ : उपायुक्त

अनंत ज्ञान, चंबा

उपायुक्त चंबा मुकेश रेपसवाल ने कहा कि हाल ही में श्री मणिमहेश यात्रा के दौरान जिला चंबा में हुई भारी वर्षा के कारण विभिन्न स्थानों पर फंसे श्रद्धालुओं के लिए जिला प्रशासन द्वारा निशुल्क बस सेवा आरंभ की गई है। हिमाचल प्रदेश सरकार के दिशा निर्देशानुसार यात्रियों को सुरक्षित निकालने के लिए 29 अगस्त से हिमाचल पथ परिवहन निगम के माध्यम से निरंतर निशुल्क बस सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रहीं हैं।

उन्होंने बताया कि 29 अगस्त को चंबा व कलसुई से पठानकोट व कांगड़ा के लिए कुल 36 बसों को भेजा गया जिसमें कुल 1507 यात्रियों को रवाना किया गया, 30 अगस्त को भी चंबा व कलसुई से पठानकोट व कांगड़ा के लिए कुल 46 बसों को भेजा गया जिसमें कुल 1950 यात्रियों को रवाना किया गया, 31 अगस्त को कलसुई व चंबा से पठानकोट व कांगड़ा के लिए 41 बसों को भेजा गया जिसमें 1860 यात्रियों को निशुल्क यात्रा का लाभ प्रदान किया गया। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि 1 सितंबर को कलसुई व चंबा से पठानकोट व कांगड़ा के लिए 3 बसों द्वारा कुल 126 यात्रियों को घर भेजा गया। उन्होंने बताया कि 29 अगस्त से लेकर 1 सितंबर तक कुल 126 बसों द्वारा लगभग 5500 यात्रियों को हिमाचल पथ परिवहन निगम द्वारा निशुल्क बस सेवा प्रदान की गयी है।

चंबा में बिजली आपूर्ति को बहाल करने में जुटे कर्मचारी

अनंत ज्ञान, चंबा

बिजली आपूर्ति को बहाल करने में जुटे कर्मचारी।

जिला चंबा में लगातार बारिश और भूस्खलन के चलते कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है। ग्रामीण और शहरी इलाक़ों में लोगों को अंधेरे और असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। ज़िला प्रशासन ने अपने आधिकारिक पेज पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि बिजली आपूर्ति बहाली का कार्य विभिन्न स्थानों पर युद्धस्तर पर जारी है। बिजली विभाग की टीमें प्रभावित स्थानों पर लगातार काम कर रही हैं और कई जगहों पर लाइनें व ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त पाए गए हैं, जिनकी मरम्मत की जा रही है। प्रशासन ने जनता से अपील की है कि वे धैर्य बनाए रखें और किसी भी समस्या की सूचना तुरंत बिजली विभाग या नज़दीकी कार्यालय को दें। अधिकारियों का कहना है कि कठिन मौसम और दुर्गम इलाक़ों के बावजूद कर्मचारियों की टीम पूरी मेहनत से काम कर रही है ताकि जल्द से जल्द बिजली आपूर्ति सामान्य की जा सके।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि बारिश से बिजली गुल होने के कारण रोज़मर्रा की ज़िंदगी प्रभावित हो गई है। कई इलाक़ों में मोबाइल नेटवर्क और पेयजल सप्लाई भी बिजली पर निर्भर होने के कारण बाधित हुई है।

विधायक डीएस ने प्रभावितों को दिलाया मदद का भरोसा

अनंत ज्ञान, डलहौजी। सिमनी गांव में हुई बादल फटने की घटना से लोग अभी तक दहशत में हैं। इस भीषण आपदा ने पूरे इलाके का जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। यहां दर्जनों घर, गाड़ियां और कृषि भूमि पूरी तरह तबाह हो चुकी हैं। सोमवार को डलहौज़ी के विधायक डीएस ठाकुर स्वयं सिमनी पहुंचे और स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रभावित परिवारों से मिलकर उनका दु:ख बाँटा और हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि यह घटना न केवल सिमनी, बल्कि पूरे ज़िले की सबसे बड़ी त्रासदी है। घटनास्थल का दृश्य अत्यंत विचलित करने वाला है, जिसे कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। विधायक ठाकुर ने प्रदेश सरकार से आग्रह किया कि सिमनी को फिर से खड़ा करने के लिए युद्धस्तर पर कार्यवाही की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रभावित परिवारों को त्वरित राहत और पुनर्वास की सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। स्थानीय लोगों ने विधायक की तत्परता व संवेदनशीलता की सराहना की।

बारिश से पांगी घाटी की प्रमुख सड़क को नुकसान

सड़क मार्गों व पेयजल आपूर्ति की बहाली का कार्य जारी : रमन घरसंगी

अनंत ज्ञान, चंबा

बारिश से पांगी घाटी की बीआरओ अधीन आने वाली मुख्य सड़क को क्षति पहुंची है।

पांगी घाटी में 24 अगस्त से जारी भारी वर्षा ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के अधीन आने वाली मुख्य सड़क को भारी क्षति पहुंची है। सिद्ध मंदिर के पास कलवर्ट पूरी तरह बह जाने से यातायात ठप हो गया है, वहीं महालू नाला और घरवास में बने पुल भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

आवासीय आयुक्त पांगी रमन घरसंगी ने बताया कि बीआरओ द्वारा क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत के लिए युद्ध स्तर पर कार्य जारी है। लोक निर्माण विभाग की कई सड़कों को भी भारी नुकसान पहुँचा है। 11 जेसीबी मशीनें, एक डोज़र और एक टिपर काम में लगाए गए हैं। किलाड़-साच पास सड़क 1 सितम्बर तक खुलने की संभावना है, जबकि चंबा की ओर मार्ग बहाली कार्य प्रगति पर है।

भारी वर्षा से जलशक्ति विभाग की योजनाएं भी प्रभावित हुईं। रमन घरसंगी ने बताया कि विभाग ने 90 प्रतिशत पेयजल आपूर्ति बहाल कर दी है और शेष 10 प्रतिशत कार्य शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि क्षेत्र में आवश्यक खाद्य सामग्री और ईंधन का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। पांगी के थोक गोदामों में 5557 क्विंटल गेहूं, 3281 क्विंटल चावल, 2309 क्विंटल आटा, 1249 क्विंटल चीनी, 506943 लीटर खाद्य तेल और 19 क्विंटल नमक सुरक्षित है। इसके अलावा 4488 घरेलू और 3475 व्यावसायिक गैस सिलेंडर भी उपलब्ध हैं। बारिश और भूस्खलन से जियो कंपनी की ऑप्टिकल फाइबर केबल क्षतिग्रस्त होने के कारण 25 से 29 अगस्त तक नेटवर्क सेवाएं बाधित रहीं। तकनीकी टीम के प्रयासों से 30 अगस्त को किलाड़ मुख्यालय में जियो नेटवर्क पुन: बहाल कर दिया गया।

कहा- क्षेत्र में आवश्यक खाद्य सामग्री और ईंधन का पर्याप्त भंडार है उपलब्ध

नेटवर्क बाधित, युद्धस्तर पर सुधार कार्य जारी

अनंत ज्ञान, चंबा

जिला चंबा में पिछले कई दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश ने जहां जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है, वहीं मोबाइल नेटवर्क भी पूरी तरह प्रभावित हुआ है। शहर के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में लोगों को कॉलिंग और इंटरनेट सेवाओं में परेशानी झेलनी पड़ रही है। कई जगहों पर तो नेटवर्क पूरी तरह ठप हो गया है, जिससे विद्यार्थियों, कामकाजी लोगों और आपातकालीन हालात का सामना कर रहे परिवारों को भारी मुश्किल का सामना करना पड़ा।

इस बीच मोबाइल कंपनी की तकनीकी टीम नेटवर्क बहाली के लिए युद्धस्तर पर कार्य कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि बारिश और भूस्खलन के कारण कई जगहों पर नेटवर्क टॉवर और लाइनें प्रभावित हुई हैं। इन्हें सुधारने और अपग्रेड करने का काम दिन-रात जारी है।

हालांकि अस्थायी समस्या के कारण अफवाहें भी फैल गई थीं कि कहीं प्रशासन ने नेटवर्क बंद तो नहीं करवा दिया है। लेकिन ज़िला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नेटवर्क बाधित होना प्राकृतिक आपदा और तकनीकी कारणों की वजह से है, इसे जल्द ही सामान्य कर दिया जाएगा। स्थानीय निवासियों का कहना है कि बारिश के दौरान नेटवर्क ठप हो जाने से सबसे अधिक दिक़्क़त छात्रों और कामकाजी वर्ग को हुई है। ऑनलाइन सेवाएं ठप होने से रोज़मर्रा का काम प्रभावित हुआ है। वहीं, और वर्तमान में कई क्षेत्रों में फ़िलहाल बेहतर है लेकिन चंबा के सुदूर क्षेत्रों में अभी भी दिक्कत आ रही है कंपनी प्रबंधन ने भरोसा दिलाया है कि जैसे ही मौसम में थोड़ी राहत मिलेगी, नेटवर्क सामान्य कर दिया जाएगा और अपग्रेड के बाद उपभोक्ताओं को पहले से बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी।

भरमौर में नेटवर्क ठप होने पर प्रशासन को घेरा

अनंत ज्ञान, भरमौर। कई दिनों से मोबाइल नेटवर्क ठप रहने से नाराज़ ग्रामीणों और यात्रियों ने सोमवार को भरमौर प्रशासन को घेर लिया। लोग संचार सेवाओं की बहाली की मांग कर रहे थे, जिससे हालात तनावपूर्ण बन सकते थे। इस दौरान एडीएम भरमौर कुलबीर सिंह राणा ने धैर्य और शालीनता से स्थिति को संभाला। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि बारिश और भूस्खलन से प्रभावित नेटवर्क को बहाल करने के लिए तकनीकी टीमें युद्धस्तर पर काम कर रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने आश्वस्त किया कि प्रशासन लगातार कंपनी प्रबंधन और तकनीकी कर्मचारियों के संपर्क में है। ग्रामीणों और यात्रियों ने एडीएम के संयम और संवेदनशील रवैये की सराहना की तथा माना कि उनकी समझदारी से मौके पर किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना होने से बच गई।

आपदा प्रभावितों के साथ सरकार : ललित

अनंत ज्ञान, चंबा

भरमौर में आपदा प्रभावित क्षेत्र का दौरा करते हुए।

एपीएमसी अध्यक्ष ललित ठाकुर ने कहा कि आपदा की इस मुश्किल घड़ी में प्रदेश सरकार पूरी तरह से प्रभावित क्षेत्र के साथ खड़ी है। उन्होंने बताया कि हिमाचल प्रदेश सरकार में राजस्व एवं जनजातीय विकास मंत्री आदरणीय जगत सिंह नेगी पिछले तीन दिनों से लगातार पैदल भरमौर क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं और हालातों का जायज़ा ले रहे हैं।

ललित ठाकुर ने कहा कि त्रासदी के इस भयानक दौर में जिला चंबा और विशेषकर भरमौर विधानसभा क्षेत्र में भारी नुकसान देखने को मिला है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि यह समय राजनीति से ऊपर उठकर एकजुट होकर अपने क्षेत्र को आपदा से हुए नुकसान से उबारने का प्रयास करने का है।

एपीएमसी अध्यक्ष ललित ठाकुर ने कहा कि राहत और पुनर्वास के कार्यों में हर व्यक्ति को योगदान देना चाहिए ताकि प्रभावित परिवारों को जल्द से जल्द सामान्य जीवन की ओर लौटने में मदद मिल सके।

सूडोकु नवताल- 7540 (सरल)

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 गुणा 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7539 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

अनंत ज्ञान

आज का राशिफल

बॉबी गोस्वामी, पुजारी,श्री चामुंडा नंदीकेश्वर धाम

आज का पंचांग

मंगलवार, 2 सितंबर 2025

विक्रमी संवत : 2082, **शक संवत :**1947 (विश्वासवसु), **मास :** भाद्रपद, **तिथि** अमावस्या (05: 58): **नक्षत्र** चित्रा (08:44), **पक्षः** शुक्ल, **योग :** सिद्ध (12:00), **शुभ मुहूर्त :** अभीजित (कोई नहीं)। **राहुकाल** (11:59-01:35)।

विशेष दिन

- 2 सितंबर विश्व नारियल दिवस आज।
- 3 सितंबर राष्ट्रीय वेल्श रेयरबिट दिवस कल।

मेषः अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे।

वृषः नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा।

मिथुनः दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा।

कर्कः कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे।

सिंहः प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

कन्याः स्वास्थ्य व जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचें।

तुलाः नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें।

वृश्चिकः जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

धनुः कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी।

मकरः बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा।

कुंभः सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी।

मीनः धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं।

विधायक नैय्यर ने प्रभावित इलाकों में जनता की व्यथा सुनकर दिलाया हर संभव मदद का भरोसा

अनंत ज्ञान, चंबा

पिछले कई दिनों से हो रही लगातार बारिश ने चंबा सदर विधानसभा क्षेत्र के सरोल, हरिपुर और राजपुरा में भारी तबाही मचाई है। खेतों, घरों और सड़कों को क्षति पहुंचने से स्थानीय लोग गंभीर कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। सोमवार को हालात का जायज़ा लेने विधायक नीरज नैय्यर स्वयं पैदल प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे और ग्रामीणों से सीधे संवाद किया।

ग्रामीणों ने बताया कि विधायक ने बिना किसी औपचारिकता के जमीनी हालात देखे और हर प्रभावित परिवार की व्यथा को गंभीरता से सुना। इस दौरान लोक निर्माण विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे, जिन्होंने मौके पर ही नुकसान का आकलन किया और राहत कार्यों की रूपरेखा पर चर्चा की। विधायक नैय्यर ने आश्वस्त किया कि प्रशासन हर प्रभावित परिवार के साथ खड़ा है और किसी को भी अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि राहत और पुनर्वास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर अंजाम दिया जाएगा। बड़ी संख्या में ग्रामीण इस मौके पर उपस्थित होकर अपनी समस्याएं साझा करते नज़र आए।

बारिश से सड़कों, खेतों और घरों को पहुंची है भारी क्षति

प्राथमिकता के आधार पर दी श्रद्धालुओं सुविधाएं

अनंत ज्ञान, चंबा

उपायुक्त मुकेश रेपसवाल ने बताया कि श्री मणिमहेश यात्रा के श्रद्धालुओं को प्राथमिकता के आधार पर सुरक्षा, रहने खाने-पीने तथा अपने गंतव्य की तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए ज़िला प्रशासन द्वारा प्राथमिकता के आधार पर व्यवस्थाओं को सुनिश्चित बनाया गया है।

उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान समूचे जिला में 23 से 25 अगस्त तक लगातार भारी वर्षा के कारण लगभग 15 हज़ार श्रद्धालु भूस्खलन के कारण भरमौर के विभिन्न क्षेत्रों में फंस गये थे। श्रद्धालुओं को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन की ओर से 27, 28 और 29 अगस्त को मेजर रेस्क्यू ऑपरेशन लॉन्च किया गया था। 27 अगस्त को जितने भी श्रद्धालु ट्रैक रूट के ऊपर थे उनको भरमौर लाया गया और सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचने के लिए जिला प्रशासन द्वारा ऑपरेशन जारी है। उपायुक्त ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी श्रद्धालुओं को भरमौर से चंबा सुरक्षित पहुंचाया गया इसके पश्चात चंबा से आगे एचआरटीसी और स्थानीय लोगों के सहयोग से सभी को अपने-अपने गंतव्य तक भेजा गया। उपायुक्त ने प्रशासन की ओर से उन सभी लंगर समितियों और स्थानीय लोगों का आभार जताया जिन्होंने इस मुश्किल समय में पूरे ऑपरेशन के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित चंबा पहुंचाने और विभिन्न प्रकार की सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रशासन का सहयोग किया। उपायुक्त मुकेश रेपसवाल ने बताया कि बताया कि भरमौर में लगभग 15 हज़ार श्रद्धालु मौजूद थे जिसमें से 10 हज़ार से ज्यादा श्रद्धालुओं को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाया जा चुका है।

अदालती नोटिस

व अदालत सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी पामलपुर जिला काँगड़ा हि.प्र.।

किस्म मुकद्दमा तकसीम
मुकद्दमा न. 39/NT/2025
तारीख पेशी 13.09.2025

प्रदीप कुमार बनाम जगदीश चन्द आदि

समन बनामः- 1 जगदीश चन्द पुत्र व 2 नीमा देवी पुत्री पुन्नु पुत्र सुरमा 3 छैलो देवी विध्वा निक्का राम पुत्र पुन्नू 4 समुन्द्र लाल 5 सोहन मल पुत्र मुन्शी पुत्र लखा 6 उत्तम चन्द पुत्र व 7 पूजा देवी 8 नैन्सी पुत्री व 9 जमुना देवी विध्वा जीवा नन्द 10 प्रतीक्षा कुमारी पुत्री मदन लाल पुत्र झोंफी 11 रतन चन्द 12 सुरिन्द्र कुमार पुत्रान व 13 अहल्या देवी पुत्री 14 बण्गा देवी पुत्री शिविया पुत्र लखा 15 राजेश कुमार 16 पंजाब सिंह पुत्र व 17 फुलां देवी 18 लक्ष्मी देवी पुत्री व 19 चुनको देवी विध्वा अर्जुन पुत्र अच्छर 20 रणजीत सिंह 21 प्रधान सिंह 22 जयदीप सिंह पुत्रान व 23 कृष्णा देवी 24 कुशमा देवी पुत्री संध्या देवी पुत्री अच्छर 25 (क) अभिनन्दन चन्देल पुत्र व 25 (ख) नीशा देवी विध्वा यशपाल 26 रक्षा देवी पुत्री वलवन्त सिंह 28 (क) अक्षय कुमार 28 (ख) लक्षय कुमार पुत्र व 28 (ग) आरती देवी 28 (घ) दिशा चन्देल पुत्रियां व 28 (ङ) तारा देवी विध्वा लाजवन्त पुत्र विजय सैन 29 सतीश कुमार 30 जगजीत सिंह पुत्र व 31 सुषमा देवी पुत्री कमलेश कुमारी पुत्री विजय सैन 32 रमेश कुमार 33 राजेश कुमार पुत्रान व 34 सावित्री देवी पुत्री वेलिया पुत्र कांशी राम 35 पूर्ण चन्द पुत्र कांशी राम पुत्र रोड़ा 36 जगदीश चन्द 37 रक्षा देवी 38 श्यामा देवी पुत्री गंगो देवी पुत्र कांशी राम 39 शम्मी विध्वा संजय कुमार पुत्र रोशन लाल 40 अनुपमा राणा पत्नी नरेश कुमार पुत्र गुलाव सिंह निवासी महाल भरमात उपरली, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा हि. प्र.

विषयः- भूमि तकसीम खाता नं. 38 खतौनी न.164 खसरा न. किता 6 रकवा तादादी 0-27-53 हेक्ट. स्थित महाल भरमात उपरली तहसील पालमपुर जिला कांगड़ा हि.प्र.।

उपरोक्त मुकद्दमा इस न्यायालय में विचाराधीन है। इसमें प्रतिवादी को कई बार समन किये गये परंतु साधारण तरीके से तामील न हो रही है। अतः अब अदालती नोटिस /मुश्तरी-मुनादी द्वारा प्रतिवादी उपरोक्त को सूचित किया जाता है कि इस केस बारे कोई भी एतराज पेश करना हो तो वह दिनांक 13.09.2025 को अधोहस्ताक्षरी की अदालत में हाजिर होकर पेश कर सकता है। गैर हाजिर की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

आज दिनांक 01.09.2025 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर सहित जारी हुआ।

सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी पालमपुर जिला काँगड़ा हि.प्र.।

अदालती नोटिस

व अदालत सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी पामलपुर जिला काँगड़ा हि.प्र.।

किस्म मुकद्दमा तकसीम
मुकद्दमा न 38/NT/2025
तारीख पेशी 13.09.2025

प्रदीप कुमार बनाम ओम प्रकाश आदि

समन बनामः 1 ओम प्रकाश 2 कश्मीर सिंह पुत्रान व 3 शकुन्तला देवी पुत्री जीवा नन्द पुत्र तेगा 4 निर्मल सिंह 5 भगन सिंह पुत्रान ववली 7 काका पुत्र व 8 सुदेश कुमारी पुत्री 9 गुड्डी देवी पुत्री गीता देवी पुत्री जीवानन्द 10 जसविन्दर सिंह पुत्र विक्रम चंद पुत्र गोपी 11 सुभाष चन्द पुत्र गोपी पुत्र तेगा 12 तनशी पुत्र मन्शा देवी पुत्र हीरू 13 प्रकाश चन्द 14 पंचम चन्द 15 रमेश चन्द पुत्र श्रीपत्त पुत्र राजमल 16(क) अभिनन्दन पुत्र व 16 (ख) नीशा देवी विध्वा यशपाल पुत्र वलवन्त 17 रक्षा देवी पुत्री वलवन्त सिंह 19 कुलवन्त सिंह पुत्र विजय सैन पुत्र जय सिंह 20 (क) अक्षय कुमार 20 (ख) लक्षय कुमार पुत्र व 20(ग) आरती देवी 20 (घ) दिशा चन्देल पुत्रियां व 20(ङ) तारा देवी विध्वा लाजवन्त पुत्र विजय सैन 21 (क) सतीश कुमार 21 (ख) जगजीत सिंह पुत्र व 21 (ग) सुषमा देवी पुत्री कमलेश कुमारी पुत्री विजय सैन 23 विमला रानी पुत्री विजय सैन पुत्र जय सिंह 24 वन्दना कुमारी पुत्री धनवन्त सिंह पुत्र विजय सैन 25 (क) संजीव चन्देल पुत्र शक्ति चन्द पुत्र रणजीत सिंह 26 सुरेश चन्द पुत्र रणजीत सिंह पुत्र जय सिंह 27 लीला विध्वा मखौली पुत्र रावन 28 वक्शी राम 29 प्रताप चन्द 30 ठाकुर दास पुत्रान गोदम पुत्र लोजन 31 सुनील कुमार पुत्र परस राम पुत्र चनारु 32 संदीप कुमार पुत्र कीमत लाल पुत्र लाल चदं निवासी महाल भरमात उपरली, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा हि. प्र.

विषयः- भूमि तकसीम खाता न. 268 खतौनी न.490 ता 500 खसरा न. किता -28 रकवा तादादी 01-97-49 हेक्ट स्थित महाल भरमात उपरली तहसील पालमपुर जिला कांगड़ा हि.प्र.

उपरोक्त मुकद्दमा इस न्यायालय में विचाराधीन है। इसमें प्रतिवादी को कई बार समन किये गये परन्तु साधारण तरीके से तामील न हो रही है। अतः अब अदालती नोटिस मुश्तरी-मुनादी द्वारा प्रतिवादी उपरोक्त को सूचित किया जाता है कि इस केस बारे कोई भी एतराज पेश करना हो तो वह दिनांक 13.09.2025 को अधोहस्ताक्षरी की अदालत में हाजिर होकर पेश कर सकता है। गैर हाजिर की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

आज दिनांक 01.09.2025 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर सहित जारी हुआ।

सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी पालमपुर जिला काँगड़ा हि.प्र.।

अगर तुम गरीब पैदा हुए तो यह तुम्हारी गलती नहीं है, लेकिन तुम गरीब मर जाते हो तो यह तुम्हारी गलती है। –**बिल गेट्स**

संपादकीय

हिमाचल का दर्द

लगातार बारिश, भूस्खलन और बादल फटने की घटनाओं से जूझ रहे हिमाचल प्रदेश की हालत दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही है। हालात इतने भयावह हैं कि कांग्रेस सरकार को मजबूरी में प्रदेश को आपदा प्रभावित राज्य घोषित करना पड़ा है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने विधानसभा सत्र में इस संबंध में ऐलान कर दिया, लेकिन सवाल यह है कि क्या इस घोषणा के बाद केंद्र से विशेष मदद मिलेगी? इसका उत्तर फिलहाल न है, क्योंकि जब तक केंद्र सरकार हिमाचल को राष्ट्रीय आपदा घोषित नहीं करती, तब तक न तो अतिरिक्त पैकेज मिलेगा और न ही विशेष आर्थिक सहायता। यही वजह है कि प्रदेश में अब यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या केंद्र सरकार जानबूझकर हिमाचल से दूरी बनाए हुए है? हिमाचल में 20 जून से शुरू हुई तबाही का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। लोग दहशत में हैं। रात को चैन की नींद नहीं सो पा रहे हैं। करोड़ों रुपए की सरकारी और निजी संपत्ति नष्ट हो चुकी है तथा बेतहाशा जानी नुकसान भी हुआ है। प्रदेश के लोग यह उम्मीद कर रहे थे कि केंद्र सरकार तुरंत आगे बढ़कर मदद का हाथ बढ़ाएगी।

यह आरोप लगना लाजिमी है कि केंद्र सरकार हिमाचल के साथ भेदभाव कर रही है। 2023 की तबाही के दौरान भी हिमाचल ने यही गुहार लगाई थी, तब भी उसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करने से केंद्र ने इंकार कर दिया था। इस बार भी हालात वही हैं। तबाही पहले से ज्यादा है, लेकिन संवेदनशीलता पहले से भी कम दिखाई दे रही है। बड़ा सवाल यही है कि आखिर केंद्र की चुप्पी का कारण क्या है? क्या यह सिर्फ इसलिए कि हिमाचल में कांग्रेस की सरकार है और भाजपा को यहां सत्ता से बाहर होना पड़ा था? अगर यही वजह है, तो यह राजनीति की पराकाष्ठा है। आपदा किसी दल, किसी क्षेत्र या किसी वर्ग को देखकर नहीं आती। अगर मदद दल देखकर दी जाएगी, तो यह न सिर्फ लोकतंत्र के लिए खतरनाक है, बल्कि इंसानियत के लिए भी कलंक है। लोगों के बीच यह सवाल उठना लाजिमी है कि अगर हिमाचल में भाजपा की सरकार होती तो क्या तब भी केंद्र इसी तरह चुप बैठा रहता? प्रदेश के हर जिले में हालात खराब हैं। आपदा ने हजारों लोगों को घर से बेघर कर दिया है।

प्रदेश की सड़कें, पुल, बिजली और पानी की परियोजनाएं, स्कूल और अस्पताल तक बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। ऐसे में हिमाचल की जनता में गुस्सा और असंतोष स्वाभाविक है। जब किसी प्रदेश को बार-बार आपदा का सामना करना पड़े और उसे लगातार नजरअंदाज किया जाए, तो यह सवाल उठना जायज है कि आखिर क्यों हिमाचल के साथ ऐसा व्यवहार हो रहा है? केंद्र का यह तर्क कि राष्ट्रीय आपदा घोषित करने के लिए कुछ विशेष मानक तय हैं, हिमाचल की स्थिति को देखते हुए तर्कहीन लगता है। आखिरकार, जब हजारों करोड़ की संपत्ति का नुकसान हो चुका है और सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है, तो और कितने बड़े नुकसान का इंतजार हो रहा है? पिछले कुछ सालों से प्राकृतिक आपदाओं का असर अब तेजी से बढ़ रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण पहाड़ी राज्य सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं।

भूस्खलन और बादल फटने जैसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। अगर आज हिमाचल के हालात को नजरअंदाज किया गया, तो कल उत्तराखंड, अरुणाचल, सिक्किम और अन्य पर्वतीय राज्य भी उसी तरह के संकट में फंस सकते हैं। इस लिहाज से केंद्र को व्यापक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। हिमाचल का दर्द यही है कि उसे लगातार राष्ट्रीय आपदा घोषित किए जाने से वंचित रखा गया है। 2023 में जब राज्य ने आपदा के बाद गुहार लगाई थी, तब भी केंद्र ने कन्नी काट ली थी। उस समय भी राज्य ने व्यापक नुकसान का हवाला देकर विशेष पैकेज की मांग की थी, लेकिन नतीजा शून्य रहा। अब 2025 में फिर वही हालात हैं। यह दोहराव इस बात का सबूत है कि कहीं न कहीं राजनीतिक कारणों से हिमाचल को उसका हक नहीं दिया जा रहा। इस परिस्थिति में अब राज्य सरकार के सामने दोहरी चुनौती है। एक तरफ उसे राहत और पुनर्वास कार्यों के लिए संसाधन जुटाने हैं, दूसरी तरफ उसे केंद्र से मिलने वाली मदद की उम्मीदों को लेकर जनता के बीच जवाबदेह भी होना है।

प्रदेश सरकार ने आपदा प्रभावित राज्य घोषित करके अपना नैतिक दायित्व तो निभा दिया, लेकिन जब तक केंद्र से सहयोग नहीं मिलेगा, तब तक वास्तविक राहत लोगों तक नहीं पहुंच पाएगी। जनता यह सब देख और समझ रही है। आने वाले चुनावों में यह मुद्दा निश्चित तौर पर गूंजेगा। लोग यह सवाल उठाएंगे कि जब वे संकट में थे, तब केंद्र कहां था? तब उनकी सुध क्यों नहीं ली गई? आपदा की राजनीति कर सत्ता हासिल करना तो संभव हो सकता है, लेकिन जनता के गुस्से का सामना करना आसान नहीं होगा। इसलिए केंद्र को चाहिए कि वह तुरंत हिमाचल के हालात का संज्ञान ले और राज्य को राष्ट्रीय आपदा घोषित करके विशेष पैकेज की घोषणा करे। यह केवल एक प्रदेश को राहत देने का मामला नहीं होगा, बल्कि यह पूरे देश को यह संदेश देने का काम करेगा कि आपदा के समय राजनीति नहीं, बल्कि संवेदनशीलता और सहयोग ही सबसे बड़ा धर्म है। राजनीति के लिए और भी मौके मिल जाएंगे, लेकिन आज जरूरत है इंसानियत के पक्ष में खड़े होने की। ■

आज के दिन की प्रमुख हस्ती

हिमाचल के पहले गैर कांग्रेसी मुख्यमंत्री

शांता कुमार
जन्म : 2 सितंबर, 1934

शांता कुमार भारतीय राजनीतिज्ञ हैं। हिमाचल के पहले गैर कांग्रेसी मुख्यमंत्री बनने का खिताब इनके नाम है। सूबे में वह भारतीय जनता पार्टी के खासे कद्दावार नेता के तौर पर जाने जाते हैं। उन्होंने सियासत को भले ही अलविदा कह दिया हो, लेकिन हिमाचल प्रदेश की राजनीति में अभी भी उनका दबदबा कायम है। वे दो बार प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हैं। वह एक राजनीतिज्ञ ही नहीं, बल्कि एक लेखक व साहित्यकार के रूप में भी जाने जाते हैं। पेयजल को लेकर जो लोगों की दिक्कतें थीं, इन्होंने इसे बखूबी समझा और उसके निवारण के लिए कदम उठाए व हर घर को शुद्ध पेयजल पहुंचाने का प्रयास किया। शांता कुमार ने गढ़जमूला से पंच निर्वाचित होकर अपना राजनीतिक सफर शुरू किया था। वह 1977 से 1980 तक पहली बार जनता दल से मुख्यमंत्री बने थे। इसके बाद 1990 से 1992 तक दोबारा प्रदेश की कमान संभाली। इसके अलावा 1989 में पहली बार लोकसभा के लिए चुने गए। इसके बाद 1998 व 1999 से 2004 तक तीसरी बार और 2014 से 2019 तक चौथी बार लोकसभा सदस्य के रूप में चुने गए। वर्ष 2019 के बाद सक्रिय राजनीति से संन्यास ले लिया। ■

कविता

रिवायत

अनिल शर्मा नील

बरसात तो बस दो महीने की, नई रिवायत क्यों चलाते हो,
बहने दो जैसे पहले बहता था, नए चल्ले क्यों निकालते हो।
पानी तो पानी है, उसे तो नीचे की ओर बहना है,
थोड़े से अपने स्वार्थ के लिए, आत्मीय रिश्ते क्यों बिगाड़ते हो।
अपने फायदे के लिए वो, औरों का नुकसान करते हैं,
भोले-भाले सच्चे पक्के बन, झूठ फरेब क्यों छुपाते हो।
औरों की दु:ख तकलीफ में, अकसर वो खूब मुस्कराते हैं,
आए जब अपनी बारी तो, हाय तौबा क्यों मचाते हो।
खुण-खुण ओड़े बन्ने, आगे ही आगे बढ़ते रहते हैं,
रोके-टोके अगर कोई, औरों को दोषी क्यों ठहराते हो।

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री *editoranantgyaan@gmail.com* पर या व्हाट्सऐप नंबर 8894521702 व 8091450407 पर भेज सकते हैं।

कृषि विवि कुलपतियों की नियुक्ति का गहराता विवाद

डॉ. अवधेश कुमार
स्वतंत्र टिप्पणीकार

हिमाचल प्रदेश के कृषि एवं वानिकीय विश्वविद्यालयों में लंबे समय से कुलपतियों की नियुक्ति नहीं हो पा रही है। इसका कारण सरकार और राजभवन के बीच संवैधानिक और प्रशासनिक अधिकारों को लेकर विवाद बताया जा रहा है। यह विवाद भले ही हाईकोर्ट पहुंच गया है, लेकिन कुलपतियों की नियुक्ति प्रक्रिया में कोई निर्णय न होने से कार्यवाहक कुलपतियों से काम चलाना पड़ रहा है। विवाद की शुरुआत 2023 में तब हुई जब मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार ने विधानसभा में हिमाचल प्रदेश कृषि, बागवानी और वानिकी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक-2023 पारित किया है।

इस विधेयक में कुलाधिपति (राज्यपाल) द्वारा प्रदेश सरकार की सलाह पर कुलपतियों की नियुक्ति किए जाने का प्रावधान किया गया है। इस विधेयक को सितंबर 2023 में मंजूरी के लिए राजभवन भेजा गया, जिसे स्वीकृति देने की बजाय राज्यपाल ने पर आपत्तियां लगाकर वापस कर दिया। प्रदेश सरकार ने सितंबर 2024 को दूसरा संशोधित विधेयक पारित किया। इस विधेयक में कुलपति की नियुक्ति में राज्य सरकार की भूमिका का प्रावधान किया गया। हालांकि, राज्यपाल ने इस विधेयक पर भी आपत्तियों के साथ वापस भेज दिया। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल का तर्क था कि उनका निर्णय प्रदेश के दोनों कृषि विश्वविद्यालयों के हित में है। इसके बाद, राजभवन ने 21 जुलाई 2025 को दोनों विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी कर किया और निर्धारित प्रपत्र में योग्यता रखने वाले शिक्षाविदों से आवेदन मांगा।

इस अधिसूचना को प्रदेश सरकार ने 12 अगस्त 2025 को रद्द कर दिया। प्रदेश सरकार का तर्क है कि कुलपतियों की नियुक्ति प्रक्रिया में राज्य सरकार की भूमिका होनी चाहिए। प्रदेश सरकार के इस निर्णय के बावजूद राजभवन ने कुलपति पद के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 18 अगस्त 2025 कर दिया। इससे सरकार और राजभवन के बीच टकराव और गहरा गया। स्थिति तब और जटिल हो गई, जब हाईकोर्ट ने एक याचिका के आधार पर 14 अगस्त 2025 को नियुक्ति प्रक्रिया पर अंतरिम रोक लगा दी।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का कहना है कि कुलाधिपति (राज्यपाल) को शक्तियां राज्य विधानमंडल से प्राप्त होती हैं और जब सरकार कोई निर्देश जारी करती है तो कुलाधिपति को उसका पालन करना चाहिए। राजभवन ने आवेदन की तिथि को बढ़ाकर सरकार के निर्देशों की अवहेलना की है। इस संदर्भ में हाईकोर्ट के हस्तक्षेप के बाद निर्णय चाहे जो भी हो, लेकिन उसका असर कृषि एवं वानिकी शिक्षा को समर्पित प्रदेश के दो विश्वविद्यालयों पर असर पड़ेगा। इनमें पहला-चौधरी सरवन कुमार कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर है, जिसकी शुरुआत एक नवंबर, 1978 को तत्कालीन मुख्यमंत्री शांता कुमार ने की है। यह विश्वविद्यालय मई 1966 में स्थापित कृषि महाविद्यालय का विस्तात है। इसके प्रथम कुलपति डॉ. एचआर कालिया थे। तब से अब तक डेढ़ दर्ज से अधिक कुलपतियों की नियुक्ति हो चुकी।

इस विश्वविद्यालय में अनाज, दाल, सब्जी, तिलहन, चारा व चाय की नई किस्मों पर अध्ययन एवं अनुसंधान का समुचित प्रबंध है। इस विश्वविद्यालय के पास मुख्य परिसर के अलावा हिमाचल के विभिन्न जिलों में पांच उन्नत अनुसंधान केंद्र और आठ कृषि विज्ञान केंद्र हैं। इसके अलावा, यह विश्वविद्यालय हिंदी व अंग्रेजी भाषा में कृषि अनुसंधान पर आधारित कई पत्रिकाओं का प्रकाशन भी करता है। दूसरा-डॉ. यशवंत सिंह परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय है, जिसकी स्थापना एक दिसंबर, 1985 को तत्कालीन मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने सोलन जिले के नौणी में की। इसके प्रथम कुलपति डॉ. एमआर ठाकुर थे, यहां भी अब तक दर्जनभर से अधिक कुलपतियों की नियुक्ति हो चुकी है। इस विश्वविद्यालय को 1962 में स्थापित हिमाचल कृषि महाविद्यालय की बुनियाद पर खड़ा किया गया है।

यह देश का एक मात्र विश्वविद्यालय है, जहां बागवानी और वानिकी से संबद्ध विषयों में अध्ययन, अध्यापन व अनुसंधान की व्यवस्था है। इस विश्वविद्यालय से जुड़े चार कालेज, पांच क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, 12 सेटेलाइट स्टेशन और पांच कृषि विज्ञान केंद्र हैं। उपरोक्त दोनों विश्वविद्यालयों के संचालन हेतु प्रतिवर्ष जितनी धनराशि की जरूरत होती है, उसमें सर्वाधिक (आधा से अधिक) हिमाचल प्रदेश सरकार अपने बजट से अनुदान के रूप में देती है। यह धनराशि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली से मिलने वाली अनुदान राशि का लगभग दो गुना होता है। विद्यार्थियों से मिलने वाले शुल्क व अन्य स्रोतों से होने वाली आमदनी भी विश्वविद्यालयों के संचालन व्यय में जोड़ दिया जाता है, जो दस प्रतिशत के आसपास होता है। वर्तमान समय में दोनों विश्वविद्यालयों में हिप्र कृषि, बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय अधिनियम-1986 प्रभावी है, जिसमें कुलपतियों की नियुक्ति का अधिकार विश्वविद्यालय के कुलाधिपति अर्थात राज्यपाल को दिया गया है। इस अधिनियम के तहत कुलपति पद पर योग्य शिक्षाविद की तलाश के लिए तीन सदस्यों वाली सर्च कमेटी का प्रावधान है, जिसमें राज्यपाल द्वारा नामित सदस्य के अलावा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष शामिल हैं। राज्यपाल के निर्देश पर यूजीसी द्वारा कुलपति पद के लिए निर्धारित योग्यता मापदंडों के साथ-साथ बेहतरीन शैक्षणिक व अनुसंधान रिकार्ड वाले शिक्षाविदों से आवेदन पत्र आमंत्रित किया जाता है।

सर्च कमेटी आवेदन पत्रों की स्कूटनिंग के बाद योग्य उम्मीदवारों की सूची तैयार कर नियुक्ति के लिए राज्यपाल के पास भेज देती है। इस पूरी प्रक्रिया में प्रदेश सरकार की कोई भूमिका नहीं होती थी, जबकि प्रदेश सरकार दोनों विश्वविद्यालयों को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए प्रतिवर्ष लाखों रुपए का अनुदान देती है। हिप्र कृषि, बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम-2023 के प्रभावी हो जाने के बाद दोनों विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति में प्रदेश सरकार की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाएगी। इस अधिनियम में प्रदेश सरकार से सलाह व सहायता से राज्यपाल द्वारा कुलपतियों की नियुक्ति का प्रावधान है। इसके लिए 1986 के अधिनियम की धारा 12, 23 और 24 में संशोधित किया गया है। दोनों विश्वविद्यालयों में कुलपतियों का कार्यकाल पांच-पांच वर्ष का होता है। यह कुलपतियों की नियुक्ति को लेकर विश्वविद्यालय अधिनियम में संशोधन का कोई नया मामला नहीं है। इससे पहले पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल समेत कई गैर-भाजपा शासित राज्यों की विधानसभाओं द्वारा ऐसे ही संशोधित अधिनियम पारित किए जा चुके हैं। इससे राज्यपाल और राज्य सरकारों के बीच भले ही मतभेद बढ़ा है, लेकिन गैर-भाजपा शासित राज्यों की सरकारों का तर्क है कि विश्वविद्यालयों का कुलाधिपति पदेन राज्यपाल होता है, जो कुलपतियों की नियुक्ति के मामले में केंद्र सरकार के एजेंट के रूप में कार्य करता है। संशोधित अधिनियम से कुलपतियों की नियुक्ति का अधिकार राज्य सरकारों को मिलने से विश्वविद्यालयों की स्वयत्तता बरकरार रहेगी तथा केंद्र सरकार का अनावश्यक हस्तक्षेप नहीं होगा। इस मामले में सच सत्ता पक्ष बोल रहा है या विपक्ष... आने वाले समय में ही ज्ञात हो सकेगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नजरिया

विकसित भारत का सबसे ऊंचा चिनाब रेलवे आर्क ब्रिज

डॉ. दमन आहूजा
माइंडफुलनेस थेरेपी के प्रैक्टिशनर
damanahuja@gmail.com

पिछले दिनों आप सब ने टीवी पर हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कश्मीर घाटी तक जोड़ने वाले चिनाब रेलवे आर्क ब्रिज के ऊपर तिरंगा झंडा फहराते हुए जरूर देखा होगा, प्रधानमंत्री का व्यक्तित्व है ही ऐसा है कि वे हर पल को जीवंत बना देते हैं, लेकिन कितने लोग ऐसे हैं जो प्रोफेसर माधवी लता को जानते हैं, जिनके योगदान के बिना चिनाब आर्क ब्रिज दुनिया का सबसे ऊंचा आर्क ब्रिज कभी नहीं बन पाता। 359 मीटर ऊंचा ब्रिज के लिए लगभग 29000 मीट्रिक टन स्टील जो लगभग चार एफिल टावर्स को बनाने के बराबर है, 66000 क्यूबिक मीटर कंक्रीट लगा है जो 100 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से चलने वाली ट्रेन को सह सकता है। ऐसी दुरूह पहाड़ियों के बीच लगभग 26 किलोमीटर की सड़क को क्रेनस के जरिए सामान पहुंचाने के लिए बनाया गया है।

सत्रह साल की अथक मेहनत और न टूटने वाला धैर्य, हजारों बार की असफलता के बाद पूरी टीम की सफलता तमाम युवाओं के लिए एक मजबूत चट्टान जैसी प्रेरणा हैं। ये वे नींव की ईंटें हैं जो चिनाब, आर्क ब्रिज में दिखाई नहीं देती। यह सच है कि यह ब्रिज तकनीक, इंजीनियरिंग डिजाइन एवं भारतीय राजनीतिक इच्छा शक्ति का नायब तोहफा है। दूसरी और विश्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दस सालों के परिवर्तनकारी उपक्रमों के फलस्वरूप भारत में लगभग सताइस करोड़ लोग अत्याधिक गरीबी रेखा से बाहर आए हैं एवं अब मात्र साढ़े सात करोड़ लोग ही बचे हैं। निश्चित रूप से इसमें सरकारी उपक्रम जिसमें जन धन योजना के अंतर्गत गरीबों के खाते खुलवा कर डायरेक्ट सब्सिडी बैंक खातों में ट्रांसफर होना, करोड़ों लोगों को राशन वितरण करना, उज्ज्वला योजना के तहत गैस सिलेंडर बांटना, टायलेट बनवाना, मुद्रा योजना के तहत छोटे कामगारों को बिना गारंटी के लोन देना एवं स्वास्थ्य की दृष्टि से आयुष्मान योजना जैसी सरकारी मुहिम भी मजबूत स्तंभ बन कर उभरे हैं।

हालांकि शुरुआत में भारतीय परिपेक्ष्य में इन योजनाओं को शुरू करते हुए बहुत से लोग हंसे थे और इनके खिलाफ पूरा दुष्प्रचार किया गया था, लेकिन मौजूदा विश्व बैंक की रिपोर्ट से अब सकारात्मक रिजल्ट आए हैं। ये सब अपने आप नहीं हुआ-इसमें भी हजारों लोग बिना किसी अतिरिक्त पुरस्कार, नाम, यश या कीर्ति के संपर्पित हुए हैं, कुछ का नाम कभी-कभी बाहर आता है, मुद्दा ये है कि यदि कार्यक्रमों को लागू करने में एक प्रभावी टीम हो, चुस्त प्रबंधन हो, रिश्वतखोरी पर लगाम लगाई जा सके, न्यायपालिका के चुनिंदा घरों में जले हुए नोट मिलने पर तुरंत आम आदमियों जैसी कारवाही हो, पारदर्शिता हो, जवाबदेही तय की जा सके तो देश की अर्थव्यवस्था विश्व में चौथे से भी तीसरे नंबर पर लाई जा सकती है।

नया पार्लियामेंट हाउस तय समय में बन कर तैयार हुआ है, लेकिन बिमल पटेल जो उसके आर्किटेक्ट हैं के बारे में आम जनता कम ही जानती है। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं, भारत में डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल विश्व में नंबर एक पर है। ऐसा नहीं है कि सबकुछ ठीक ही हो जाएगा, परंतु जागरूक लोग देश के विभिन्न प्रदेशों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी, यातायात के साधन खस्ता स्थिति की जब जवाबदेही तय करेंगे, बेहतर स्थिति बनेगी। बस कुछ और नींव की ईंटें लगेंगी, लचर व्यवस्था ठीक हो जाएगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अपनी बात

शंघाई सहयोग संगठन (SCO) की हालिया बैठक अंतरराष्ट्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण रही। इस बैठक में सदस्य देशों ने आतंकवाद, क्षेत्रीय सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे मुद्दों पर चर्चा की। भारत ने आतंकवाद के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की और सीमा पार आतंकवाद पर चिंता जताई। चीन, रूस, पाकिस्तान और मध्य एशियाई देशों ने भी क्षेत्रीय स्थिरता के लिए आपसी सहयोग बढ़ाने पर बल दिया। अफगानिस्तान की स्थिति, ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार गलियारों जैसे मुद्दे भी एजेंडे में शामिल थे। डिजिटल कनेक्टिविटी और युवाओं के लिए शिक्षा और रोजगार के अवसरों पर भी सहमति बनी। SCO अब केवल एक सुरक्षा संगठन नहीं, बल्कि बहु-आयामी सहयोग का मंच बनता जा रहा है। यह संगठन एशिया में संतुलन और सहयोग का प्रतीक बन चुका है।

–निधि शर्मा, लंघू (कांगड़ा)

भारत को आत्मनिर्भर बनाएगी सेमीकंडक्टर क्रांति

अश्विनी वैष्णव
रेल, सूचना, प्रसारण एवं सूचना प्रौद्योगिकी केंद्रीय मंत्री

कभी कंप्यूटर एक कमरे के आकार जितने बड़े हुआ करते थे, जिनमें हजारों वैक्यूम ट्यूब होती थीं, जो ऑन-ऑफ स्विच की तरह काम करती थीं। वे टेलीफोन एक्सचेंज जैसे दिखते थे और उनका उपयोग सीमित था, लेकिन आज, एक नाखून से भी छोटे चिप्स में अरबों ट्रांजिस्टर समा सकते हैं, जो मोबाइल फोन, फ्रिज, कार, ट्रेन, हवाई जहाज, फैक्टरी मशीन, स्मार्टवॉच और उपग्रह तक को शक्ति प्रदान करते हैं।

अब तो सेमीकंडक्टर इतने सूक्ष्म हो चुके हैं कि स्मार्ट रिंग के भीतर फिट होकर दिल की धड़कन और स्वास्थ्य तक पर नजर रख सकते हैं। यही तो तकनीक की अद्भुत यात्रा है, यही है सेमीकंडक्टर का जादू। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक तरक्की इस बात पर निर्भर करती है कि वह किन क्षेत्रों में आत्मनिर्भर और तकनीकी रूप से सक्षम है। जैसे स्टील, बिजली, रसायन और परिवहन के बिना औद्योगिक प्रगति अधूरी है, वैसे ही आज के डिजिटल युग में सेमीकंडक्टर के बिना संचार, सुरक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा और नवाचार की कल्पना भी अधूरी है। यह तकनीक अब हमारी दैनिक जिंदगी के हर कोने में समाई हुई है और आधुनिक अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन चुकी है। अगर किसी देश के पास खुद के सेमीकंडक्टर डिजाइन और उत्पादन की क्षमता नहीं है, तो उसे अपने महत्वपूर्ण हितों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़ता है, जो रणनीतिक रूप से असुरक्षा की स्थिति बनाता है। कोविड-19 महामारी ने सेमीकंडक्टर की इस अनिवार्यता को और स्पष्ट कर दिया, जब ग्लोबल सप्लाई चेन में बाधा आने से ऑटोमोबाइल, नेटवर्किंग डिवाइस और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे कई उद्योगों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। यह स्पष्ट हो गया कि केवल कुछ गिने-चुने देशों पर निर्भर सेमीकंडक्टर उत्पादन पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा को अस्थिर कर सकता है। इसीलिए सेमीकंडक्टर अब वैश्विक राजनीति और रणनीतिक फैसलों का केंद्र बन चुके हैं।

आज जैसे-जैसे तकनीकी विकास तेज हो रहा है, वैसे-वैसे सेमीकंडक्टर की मांग भी आसमान छू रही है। भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स की खपत तीव्र गति से बढ़ रही है। 65 करोड़ से अधिक स्मार्टफोन उपभोक्ताओं के साथ, भारत दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल उपभोक्ता बाजार बन चुका है। इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग अब सालाना 12 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई है और इसमें निरंतर वृद्धि हो रही है। एआई, डाटा सेंटर, इलेक्ट्रिक वाहनों और स्मार्ट डिवाइसेस के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों के कारण सेमीकंडक्टर की मांग में लगातार इजाफा हो रहा है। ऐसे समय में भारत के पास अवसर है कि वह इस वैश्विक वैल्यू चेन में एक मजबूत, आत्मनिर्भर और अग्रणी भूमिका निभाए।

दशकों तक भारत सेमीकंडक्टर निर्माण की दौड़ में पिछड़ता रहा, लेकिन अब स्थिति बदल रही है। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत 10 चिप प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी जा चुकी है और गुजरात के साणंद में पहला पायलट प्रोडक्शन शुरू हो गया है। आने वाले समय में चार और यूनिट्स में उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। साथ ही, एप्लाइड मटेरियल्स, लैम रिसर्च, मर्क, लिंडे जैसी वैश्विक कंपनियों ने भारत में निवेश करना शुरू किया है, जिससे देश में एक मजबूत सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम आकार ले रहा है। यह केवल सरकार की योजना का हिस्सा नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री की स्पष्ट दूरदर्शिता, केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय और पेशेवर नेतृत्व का परिणाम है। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी प्रतिभा है। दुनिया के सेमीकंडक्टर डिजाइन कार्यबल का 20 प्रतिशत भारत से आता है।

आने वाले वर्षों में दुनिया को लगभग 10 लाख से अधिक सेमीकंडक्टर पेशेवरों की आवश्यकता होगी और भारत इस कमी को पूरा करने की दिशा में अग्रसर है। सरकार द्वारा प्रदान किए गए इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन ऑटोमेशन (ईडीए) टूल्स का उपयोग अब तक 350 संस्थानों और स्टार्टअप्स द्वारा किया जा रहा है, जिससे 60,000 से अधिक विद्यार्थी और युवा इनोवेटर्स सेमीकंडक्टर डिजाइन में कौशल प्राप्त कर रहे हैं। माइंडग्रोव टेक्नोलॉजीज जैसी कंपनियां शक्ति प्रोसेसर पर आधारित आईओटी चिप्स बना रही हैं और नेत्रसेमी जैसे स्टार्टअप्स ने भारत में सबसे बड़ी चिप डिजाइन फंडिंग प्राप्त की है। सरकार की डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव (डीएलआई) योजना ऐसे ही नवाचारों को प्रोत्साहन दे रही है। मोहाली स्थित सेमीकंडक्टर लैबोरेटरी में 17 कॉलेजों के छात्रों ने अब तक 20 से अधिक चिप्स डिजाइन कर लिए हैं।

क्लासरूम से निकलकर क्लीनरूम तक पहुंचती हुई यह प्रतिभा ही भारत के सेमीकंडक्टर भविष्य की नींव है। ग्लोबल कंपनियां भी इस भारतीय प्रतिभा में निवेश कर रही हैं। लैम रिसर्च 60,000 भारतीय इंजीनियरों को प्रशिक्षित करेगा, जबकि एप्लाइड मटेरियल्स, एएमडी और माइक्रोचिप जैसी कंपनियों ने आरएंडडी में 1.1 बिलियन डॉलर का निवेश किया है। इस बार 48 देशों से 500 से अधिक वैश्विक उद्योग जगत के नेता इसमें भाग ले रहे हैं, जो भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा को दर्शाता है। जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर और मलेशिया जैसे देशों के विशेष पवेलियन वैश्विक सहयोग को और गहरा बनाएंगे। हमारा उद्देश्य केवल निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत को प्रोडक्ट नेशन बनाना है। वह दिन दूर नहीं जब भारत में बने चिप्स वैश्विक टेलीकॉम, ऑटोमोबाइल, डेटा सेंटर और रक्षा क्षेत्र की रीढ़ बनेंगे। जैसे-जैसे हमारे सेमीकंडक्टर प्लांट्स पूर्ण उत्पादन में आएंगे, भारत इस क्षेत्र में एक प्रतिस्पर्धी और निर्णायक शक्ति बनकर उभरेगा। यह क्रांति भारत को न केवल तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बनाएगी, बल्कि पूरे विश्व को स्थिरता और नवाचार की नई दिशा भी देगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

प्रदेश में बढ़ती बेरोजगारी से युवा वर्ग त्रस्त और सरकारें मस्त

सुखदेव सिंह
स्वतंत्र लेखक, नूरपुर

रोजगार नाम पर युवाओं के साथ किए जाने वाले भद्दे मजाक पर देश की सर्वोच्च अदालत ने कड़ा एतराज जताया है। रोजगार ऐसा हो जिससे एक कर्मचारी अपने परिवार का पालन पोषण सही करने में सक्षम हो।

एक दिहाड़ीदार मजदूर से कम वेतन कर्मचारियों को मिलना शोषण कहलाता है। कर्जधारी बोझ तले दवी सुख की सरकार पास युवाओं को स्थायी रोजगार दिए जाने के लिए बजट का अभाव है। राज्य सरकार रोगी, आपदा, वन मित्र और अब पशु मित्रों की नियुक्तियां किए जाने की अधिसूचना जारी करके अपनी फजीहत करवा रही है। गनीमत यह है कि पशु मित्रों को 5 हजार रुपए वेतनमान पर रखा जा रहा, जिन्हें 4 घंटे सेवाएं एक दिन में देनी होगी। आउटसोर्स, अनुबंध और पीटीए जैसी अव्यवस्थाओं के चलते युवाओं का राज्य सरकारों द्वारा जमकर शोषण किया जा रहा है।

आपदा दौर के चलते सुख की सरकार द्वारा बोर्ड अध्यक्षों, माननीयों का वेतनमान कई गुणा बढ़ाए जाना शर्मनाक है। बढ़ती बेरोजगारी शिक्षित युवाओं को दीमक की तरह चाटती जा रही है। जनसंख्या अनुसार रोजगार के अवसर जितने सृजित किए जाने की आवश्यकता उतने नहीं हो पा रहे हैं। नतीजतन युवा वर्ग बेरोजगारी की चक्की में पीसकर अपने लक्ष्यों से भटकता जा रहा है। युवा देश की रीढ़ की तरह होते जिन्हें राष्ट्र और समाज पुनर्निर्माण के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होती है। मगर आजकल की शिक्षा अपने उद्देश्यों पर फिलहाल सही नहीं उतर पा रही, जिसकी वजह से युवा वर्ग आहत और निराश बनकर रह चुका है। ऐसी शिक्षा ग्रहण करने का क्या औचित्य जो युवाओं को नशें की गर्त में धकेलकर अपराधी बनने के लिए मजबूर कर रही हो।

शिक्षा के दो मूल उद्देश्य होते, जिसमें एक तो शिक्षित बनकर आजीविका से जुड़ना दूसरा राष्ट्र और समाज के लिए अपनी जिम्मेदारियां बखूबी निभाना। युवाओं को अब जरूरत अत्यधिक नैतिक शिक्षा ग्रहण करने की जिसके चलते उनका संपूर्ण व्यक्तित्व विकास संभव हो पाए। आज का युवा सिर्फ किताबों तक ही सीमित होकर दूसरी खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों में हिस्सा नहीं ले पा रहा है। भयावह बेरोजगारी की वजह से एक शिक्षित बेरोजगार सिर्फ पत्थरबाजी करने के लिए मजबूर नहीं हुआ, बल्कि नशों की लत में फंसकर अपने भविष्य से भी खिलवाड़ करता जा रहा है।

चुनावी समर में बेरोजगारी को खत्म करने का एजेंडा हर राजनीतिक दल के मेनिफेस्टो में शामिल होता है। चुनाव तदोपरांत कोई भी राजनीतिक दल अब तक युवाओं से किए गए वायदों पर खरा नहीं उतर पाया है। युवाओं के लिए रोजगार अवसर सृजित किए जाने की बजाए सरकारें उन्हें चंद रुपए वेतन भत्ते के दिए जाने के नाम पर उनका मजाक उड़ाती रही हैं। चंदे के नाम पर मिलने वाली यह खैरात युवाओं के मनोबल को भी गिरा सकती, इस पर गौर करना होगा। सरकारों को अब बेरोजगारी पर अंकुश लगाने के लिए सरकारी विभागों में खाली चल रहे पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू करके युवाओं को रोजगार से जोड़ने की पहल करनी होगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान
प्रकाशक, मुद्रक एवं मुख्य संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

सरकाघाट में भारी ल्हासा गिरने से बढ़ा खतरा

हाई मास्ट लाइट गिरी, सैनिक भवन और पांच दुकानों को खतरा व प्रशासन ने दुकान खाली करने के दिए नोटिस

रितेश चौहान, अनंत ज्ञान

भारी बारिश से हुए भूस्खलन से सैनिक भवन और पांच दुकानों को खतरा बना।

सरकाघाट। सरकाघाट आर्मी कैंटीन के सामने एक बहुत बड़ा ल्हासा टिहरा मोड के पास गिरा जिसकी चपेट में आने से नगर परिषद द्वारा लगाई गई हाई मास्क लाइट और हाईवे द्वारा बनाया गया फुटपाथ और डंगा गिर गया।

इसके कारण अब सैनिक विश्राम गृह सहित नगर परिषद की रेहड़ी मार्किट और चार दुकानों पर खतरे की तलवार लटक गई है, जहां पर आज यह भारी लैंडस्लाइड हुआ है। उस जगह पर रोजाना टैक्सी स्टैंड के रूप में गाड़ियां खड़ी रहती थी, जब सड़क धंसने लगी और पानी का बहाव ज्यादा बढ़ गया और हाई मास्क लाइट का पोल जमीन पर झुकने लगा तो लोगों ने शोर मचा कर गाड़ियों को हटा लिया और विद्युत विभाग ने तुरंत बिजली की लाइन काट दी चपेट में आने वालों को हटा दिया जिससे जान माल का कोई नुक्सान नहीं हुआ अन्यथा चलती हुई विद्युत लाइन की चपेट में कई लोग आ सकते थे। उधर, सरकाघाट प्रशासन ल्हासे के साथ की दुकानों को खाली करने के आदेश जारी कर दिए हैं। एसडीएम स्वाति डोगरा ने ने बताया है कि खतरा टला नहीं है। टैक्सी ड्राइवरों व दुकानों के मालिकों को सतर्क रहने के आदेश जारी कर दिए गए हैं।

नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी और तहसीलदार सरकाघाट मनीष कुमार ने बताया की लैंडस्लाइड होने के कारण नगर परिषद की रेहडी मार्केट और दुकाने खतरे की चपेट में है क्योंकि हाईवे कैसे आगे लगाया गया डंगा भी क्रेक हो चुका है दुकानदारों को तुरंत सामान निकाल कर दुकाने खाली करने के आदेश जारी किए हैं इस बारे में उन्हें नोटिस भी सौंप दिए हैं अगर कोई भी जान माल की हानि होगी तो अब वही लोग जिम्मेदार होंगे।

हाईवे पर कार पलटी, चालक बाल-बाल बचा

सरकाघाट। भारी बारिश के चलते सरकाघाट की सड़कें तालाब जैसी नजर आ रही हैं। नालियां और सड़क एक जैसी दिखने के कारण कई छोटे-बड़े हादसे हो रहे हैं। इसी क्रम में नगर परिषद के वार्ड तीन, जमसाई के पास नेशनल हाईवे पर पड़े गड्ढों में पानी भरने से सड़क समतल नजर आई और एक टैक्सी कार पलट गई। जानकारी के अनुसार चालक प्रवीण कुमार टैक्सी (एचपी01एम 2151) लेकर सरौर से सवारी लाने जा रहा था। गड्ढे से बचाव करते समय गाड़ी पलट गई। सौभाग्य से गाड़ी में कोई यात्री नहीं था, अन्यथा गंभीर हादसा हो सकता था। चालक ने एनएच निर्माण कंपनी पर लापरवाही का आरोप लगाया और बताया कि वाहन को लगभग 50 हजार रुपए का नुकसान हुआ है।

बारिश के चलते रखोह में गोशाला ध्वस्त

उपमंडल सरकाघाट के रखोह निवासी पंकज पठानियां पुत्र कश्मीर सिंह की गोशाला भारी बारिश के चलते कच्चे दो कमरे दो मंजिला स्लेटपोश के एक कमरे की एक दिवार पूरी ही गिर गई है। खतरे को देखते हुए पशुओं को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था। सूचना मिलने पर हल्का पटवार रखोह सुरजीत सिंह ने मोका कर के बताया कि एक कमरा पूरी तरह ध्वस्त हो गया है रिपोर्ट कारवाई के लिए भेज दी गई है।

भूस्खलन से बंद धर्मपुर-संधोल वाया स्योह सड़क

बेरी गांव के समीप हुए लैंडस्लाइड से सड़क का एक बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त

अनंत ज्ञान, सरकाघाट

भूस्खलन से धंसी सड़क।

धर्मपुर उपमंडल की महत्वपूर्ण धर्मपुर-संधोल वाया स्योह सड़क बीते शुक्रवार से भूस्खलन के कारण बड़े वाहनों की आवाजाही के लिए बंद पड़ी है। बेरी गांव के समीप हुए भारी भूस्खलन से सड़क का एक बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे ट्रक, बस व अन्य भारी वाहनों का आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है।

कनिष्ठ अभियंता सिद्धपुर, विकास धीमान ने जानकारी दी कि सड़क का बड़ा हिस्सा भूस्खलन से गिर गया है जिसे खोलने के प्रयास जारी हैं, लेकिन इसमें काफी समय लग सकता है। बरसात के मौसम में लगातार गिर रहे पत्थर और मिट्टी से बहाली कार्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने बताया कि छोटे वाहनों के लिए प्रशासन ने वैकल्पिक व्यवस्था की है। लोग उपरली बेरी से डहलू मार्ग होकर अपने गंतव्य तक पहुंच सकते हैं। यह वैकल्पिक मार्ग हल्के वाहनों के लिए सुरक्षित माना गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह सड़क संधोल, स्योह और आसपास के क्षेत्रों को जोड़ने वाली जीवन रेखा है। यहां से रोजाना सैंकड़ों लोग रोजगार, शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए धर्मपुर और मंडी की ओर जाते हैं। सड़क बंद होने से उन्हें भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

बस सेवा बंद होने के कारण छात्रों और कामकाजी लोगों को निजी वाहनों पर निर्भर रहना पड़ रहा है, जिससे अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी बढ़ गया है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि भारी बारिश के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें और छोटे वाहनों से भी सावधानीपूर्वक वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करें। लोक निर्माण विभाग का दावा है कि मौसम अनुकूल होने पर जल्द से जल्द सड़क बहाली के लिए उचित कदम उठाए जाएंगे।

छोटे वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग से आवाजाही संभव

क्षेत्रवासियों ने उठाई स्थायी समाधान की मांग

इस भूस्खलन की घटना ने एक बार फिर पहाड़ी सड़कों की संवेदनशीलता को उजागर किया है। क्षेत्रवासियों ने स्थायी समाधान की मांग उठाई है ताकि भविष्य में ऐसी परेशानियों से बचा जा सके।

उरला तालगहर के पास 9 घंटे बंद रहा मंडी-पठानकोट एनएच

कविता, अनंत ज्ञान

मंडी-पठानकोट एनएच बंद होने से उरला तालगहर के पास लगा वाहनों का जाम।

पधर। मंडी-पठानकोट नेशनल हाईवे पर उरला तालगहर के पास भारी मलबा और पत्थर गिरने से रविवार रात से लेकर सोमवार सुबह तक करीब 9 घंटे बंद रहा। लगातार मलबा गिरने के कारण यातायात बाधित होता रहा। रात को शिमला जा रही एचआरटीसी की बस दलदल में फंस गई। स्थानीय लोगों और प्रशासन की मदद से यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। दमकल विभाग के कर्मियों ने रस्सों की मदद से रेस्क्यू किया और दो घंटे की मशक्कत के बाद बस को भी सुरक्षित निकाला गया।

हाईवे बंद होने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं और यात्रियों को रात भूखे-प्यासे गुजारनी पड़ी। सुबह 9 बजे सड़क बहाल की गई और यातायात शुरू हुआ। हालांकि दिन भर तालगहर के पास पहाड़ी से मलबा गिरता रहा, जिसे एनएचएआई की मशीनों की मदद से लगातार हटाया गया। एसडीएम पधर सुरजीत सिंह ठाकुर ने बताया कि समीप के कुछ घरों और गोशाला को खतरे को देखते हुए खाली करवा दिया गया है। प्रशासन ने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रहने की एडवाइजरी जारी की है। पुलिस को भी दलबल के साथ तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि तालगहर के पास पिछले दो-तीन बरसातों से लगातार ऐसी स्थिति बन रही है। पहाड़ी के धंसने या किसी अन्य कारण से मलबा गिर रहा है, इसकी पुष्टि अभी तक नहीं हो पाई है। फिलहाल सोमवार दिन भर सड़क पर जितना भी मलबा गिरा, उसे हटाकर यातायात सामान्य रखा गया।

बारिश से बनाला गांव में तबाही एक परिवार बेघर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। ग्राम पंचायत पारली के बनाला गांव में हाल ही में हुई मूसलधार बारिश ने एक परिवार की जिंदगी पूरी तरह से बदल दी है। गांव निवासी जगन्नाथ सुपुत्र गिरधारी लाल का घर भारी बारिश और पीडब्ल्यूडी की लापरवाही के कारण लगभग पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। पीड़ित परिवार को घर खाली कर दूसरों के घरों में शरण लेनी पड़ी है।

जगन्नाथ का कहना है कि श्याह रोड पर पीडब्ल्यूडी द्वारा बनाए गए कल्वर्ट जगह-जगह बंद हो गए थे, जिससे बारिश का सारा पानी सड़क होकर उनके घर और खेतों में घुस गया। इससे न सिर्फ उनका मकान क्षतिग्रस्त हुआ बल्कि उनके और उनके बड़े भाई जगदीश चंद्र की बागवानी को भी भारी नुकसान पहुंचा है। दोनों भाइयों के करीब 150 पालम और 250 जापानी फलदार पेड़ गिर गए हैं।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि प्रभावित परिवार को तुरंत मुआवजा दिया जाए और सड़क पर जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

कीरतपुर-मनाली फोरलेन प्रभावितों ने पीएमओ, नितिन गडकरी को भेजा ज्ञापन

12 साल बाद भी अधूरा बकाया मुआवजा

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर

कीरतपुर-मनाली फोरलेन के प्रभावित ग्रामीणों ने एसडीएम के माध्यम से पीएमओ और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को ज्ञापन भेजा।

कीरतपुर-मनाली फोरलेन पर अधिग्रहण का दंश झेलने के बाद बकाया मुआवजा राशि के भुगतान से वंचित रहने पर ग्रामीण अपने आप को ठंडा हुआ महसूस कर रहे हैं। इस समस्या को लेकर उपमंडल सुंदरनगर के अंतर्गत फोरलेन प्रभावित केंद्र सरकार और एनएचएआई के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। ताजा घटनाक्रम में प्रभावितों ने एसडीएम सुंदरनगर अमर नेगी के माध्यम से पीएमओ और भारत सरकार के केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, मुख्यमंत्री और एनएचएआई को ज्ञापन प्रेषित किया है।

जानकारी देते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अरूण प्रकाश आर्य ने कहा कि किरतपुर-मनाली फोरलेन के नेरचौक तक राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना के लिए डैहर क्षेत्र के ग्रामीणों की भूमि एनएचएआई ने भूमि अधिग्रहण अधिनियम तथा अधिनियम 2013 के तहत किया था। उन्होंने कहा कि इसमें अधिग्रहित भूमि के मूल्य के साथ-साथ प्रभावितों को 30 और 100 प्रतिशत अतिरिक्त सोलाटियम का भुगतान किया जाना था। लेकिन बारह वर्षों से अधिक समय बीत जाने के बावजूद भी यह राशि प्राप्त नहीं हुई है। वहीं अधिग्रहण से प्रभावित अलसू के विजय शर्मा ने कहा कि वर्ष 2015-16 में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने यह स्पष्ट आदेश दिया था कि जिनकी जमीनें वर्ष 2013 में अधिग्रहित की गई थीं। उन्हें 30 प्रतिशत सोलाटियम ब्याज के साथ दिया जाए। इस आदेश को एनएचएआई द्वारा सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने के बाद वर्ष 2019 में प्रभावितों के हक में फैसला सुनाया था। इसके उपरांत वर्ष 2020 में प्राधिकरण ने लगभग 20 प्रतिशत प्रभावित परिवारों को मुआवजा अदा भी किया। लेकिन शेष 80 प्रतिशत प्रभावित आज तक अपने वैधानिक अधिकार से वंचित हैं। पैसे मिलने की आस में कई परिवारों के बुजुर्गों का देहांत भी हो चुका है।

अधिग्रहण मुआवजे की आस में कई बुजुर्गों का हो चुका देहांत

एडीबी प्रोजेक्ट की पाइप चोरी मामले में 2 आरोपी ट्रक समेत किए गिरफ्तार

अभिषेक शर्मा, अनंत ज्ञान

जोगिंद्रनगर उपमंडल की चल्हारग पंचायत के कमेहड छो लिंक रोड पर एडीबी प्रोजेक्ट की 8 इंच की (167) पाइप चोरी का मामला पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के चलते सफलतापूर्वक सुलझा लिया गया है। यह मामला उस समय सामने आया जब प्रोजेक्ट के लिए रखी गई भारी-भरकम पाइप अचानक गायब हो गईं। क्षेत्र में पाइप चोरी की खबर मिलते ही स्थानीय लोगों में काफी रोष फैल गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की।

बस्सी पुलिस चौकी प्रभारी एएसआई सुरेश ने अपनी टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया और तफ्तीश को तेज करते हुए साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस की मेहनत रंग लाई और कुछ ही दिनों में मामले का सफल समाधान हो गया। चौकी प्रभारी सुरेश के नेतृत्व में पुलिस ने चोरी में प्रयुक्त ट्रक को मंडी जिले के गोविंदगढ़ से दबोच लिया। ट्रक का नंबर PB13AR 4513 है, जिसमें चोरी की गई पाइप को ले जाया जा रहा था। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें पहला आरोपी गुरमीत सिंह (58) निवासी मकान नंबर 357, वार्ड नंबर 9, न्यू मॉडल टाउन, अमलोह रोड, तहसील खन्ना, जिला लुधियाना (पंजाब) है। वहीं दूसरा आरोपी प्रदीप कुमार (30) निवासी गांव मजर, डाकखाना महमूदपुर, तहसील आंवला, जिला बरेली (उत्तर प्रदेश)है। पुलिस ने इन दोनों को मौके पर गिरफ्तार कर लिया और ट्रक समेत कब्जे में लिया गया। इस संबंध में पुलिस ने 29 अगस्त मामला दर्ज किया है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस चोरी के पीछे और भी लोग जुड़े हो सकते हैं और जांच के बाद अन्य खुलासे भी संभव हैं। एएसआई सुरेश व उनकी टीम की सराहना करते हुए स्थानीय लोगों ने कहा कि पुलिस की मुस्तैदी और तत्परता ने लोगों में विश्वास को और भी मजबूत किया है।यह घटना पुलिस की कार्यक्षमता और उनकी तेज कार्रवाई का स्पष्ट उदाहरण है। पुलिस हर स्थिति में सतर्क रहकर कार्य कर रही है।

न्यूज ब्रीफ

शाही स्नान को लेकर पधर में तैयारियां तेज

अनंत ज्ञान, पधर। उपमंडल पधर में 4 सितंबर को होने वाले हिमरी गंगा मेले के शाही स्नान की तैयारियों को लेकर एसडीएम कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसडीएम सुरजीत सिंह ने की। इसमें अग्निशमन, पुलिस, स्वास्थ्य, लोक निर्माण विभाग, टैक्सी-ऑटो यूनियन, एचआरटीसी व ग्राम पंचायत सिऊन की मेला कमेटी के प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा, यातायात व स्वास्थ्य सेवाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। पुलिस को ट्रैफिक और कानून व्यवस्था पर कड़ी नजर रखने, पीडब्ल्यूडी को बंद सड़कें तुरंत खोलने और स्वास्थ्य विभाग को एंबुलेंस व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मेला कमेटी सदस्य हरीश ठाकुर ने बताया कि सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और श्रद्धालुओं से प्रशासनिक हिदायतों का पालन करने की अपील की।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लें लाभ

अनंत ज्ञान, पधर। विद्युत उपमंडल पधर के सहायक अभियंता नितिन चंदेल ने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत उपमंडल पधर के लगभग 330 घरेलू उपभोक्ता 'पहले आओ पहले पाओ' के आधार पर अपनी छतों पर सोलर पैनल वाली विद्युत इकाइयां स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत भारत सरकार 1 किलोवॉट क्षमता की इकाई पर 33 हजार, 2 किलोवॉट पर 66 हजार और 3 किलोवॉट क्षमता की इकाई पर अधिकतम 85,800 रुपए तक की सब्सिडी प्रदान कर रही है। 1 किलोवॉट सोलर इकाई औसतन 100 यूनिट तथा 3 किलोवॉट इकाई लगभग 300 यूनिट प्रति माह मुफ्त बिजली उत्पादन कर सकती है। इससे उपभोक्ताओं के मासिक बिजली बिलों में बड़ी राहत मिलेगी। सहायक अभियंता ने कहा कि उपभोक्ता द्वारा उत्पन्न अतिरिक्त बिजली हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड को पूर्व निर्धारित दरों पर बेची जा सकेगी, जिससे अतिरिक्त आय भी अर्जित की जा सकेगी। योजना संबंधी अधिक जानकारी के लिए उपभोक्ता विद्युत उपमंडल पधर में संपर्क कर सकते हैं या योजना की आधिकारिक वेबसाइट पर आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने सभी उपभोक्ताओं से अनुरोध किया कि इस सीमित समयावधि योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

नशा तस्करी और भांग उन्मूलन पर सख्ती

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। उपायुक्त मंडी अपूर्व देवगन की अध्यक्षता में पुलिस लाइन मंडी में जिला स्तरीय एनकोर्ड समिति की बैठक हुई। बैठक में नशा तस्करी की रोकथाम, हालिया बरामदगी और पंचायत क्षेत्रों में स्वाभाविक रूप से उगे भांग (कैनाबिस) के पौधों के उन्मूलन पर विशेष जोर दिया गया। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि अफीम और भांग की अवैध खेती की जानकारी हर अधिकारी और पंचायत प्रतिनिधि को तुरंत पुलिस या संबंधित विभाग को देनी होगी। उन्होंने चेतावनी दी कि एनडीपीएस एक्ट की धारा 47 और 32 के तहत जानकारी छिपाने वाले अधिकारियों और पंचायत प्रतिनिधियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस उपाधीक्षक सागर चंद्र ने बताया कि इस वर्ष अब तक 900 ग्राम अफीम, 736.296 ग्राम हेरोइन, 44.051 किलो चरस, 1686 नशीली गोलियां और 1,61,238 भांग के पौधे जब्त किए गए हैं। जनवरी से अब तक 217 मामले दर्ज कर 337 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

सड़क बहाली व डिजिटल लाइब्रेरी खोलने की मांग

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। ग्राम पंचायत बलीधार में सड़क बहाली और डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना को लेकर सोमवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। युवक मंडल बलीधार के प्रधान दिनेश ठाकुर की अध्यक्षता में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधीश से भेंट की और क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं को लेकर चर्चा की। दिनेश ठाकुर ने बताया कि बलीधार क्षेत्र की कई सड़कों की हालत खराब है, जिससे ग्रामीणों को आवाजाही में भारी कठिनाई हो रही है। इसके साथ ही, उन्होंने गांव में एक डिजिटल लाइब्रेरी खोलने की मांग भी रखी, जिससे युवाओं और विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा संसाधन उपलब्ध हो सकें। जिलाधीश ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और भरोसा दिलाया कि इन दोनों कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सड़क मरम्मत कार्यों के लिए विभागों को निर्देश जारी किए जाएंगे और डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध करवाए जाएंगे। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना की और उम्मीद जताई कि अब उन्हें जल्द सुविधाएं मिलेंगी।

सितंबर माह के प्रथम पखवाड़े में किए जाने वाले कृषि एवं पशुपालन कार्य

धान व मक्का की फसल में अपनाएं वैज्ञानिक सुझाव

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर

चौधरी सरवण कुमार कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र मंडी स्थित सुंदरनगर के माध्यम से सितंबर माह के पहले पखवाड़े के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। इस अवधि में किसानों को फसल उत्पादन, फसल सुरक्षा, सब्जी उत्पादन व पशुपालन से जुड़े कुछ जरूरी कार्य करने चाहिए जिससे बेहतर उत्पादन और आर्थिक लाभ प्राप्त किया जा सके।

कृषि विज्ञान केंद्र मंडी स्थित सुंदरनगर के प्रभारी एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. पंकज सूद ने कहा कि धान की फसल में 50-55 दिन बाद वाली बनने की प्रारंभिक अवस्था में अधिक उपज देने वाली किस्मों में नाइट्रोजन की अंतिम मात्रा 2.4 किलोग्राम तथा सुगंधित किस्मों में 1.2 किलोग्राम प्रति बीघा की दर से प्रयोग करें। मक्का में खेत से जल-भराव की स्थिति में जल-निकासी का उचित प्रबंध करें साथ ही भुट्टों के ऊपर की पत्तियां सूखने तथा दाना सख्त होने पर ही कटाई करें।

सब्जी उत्पादनः पंकज सूद ने कहा कि मध्यवर्ती पर्वतीय क्षेत्रों के किसान मटर की अगेती किस्म-पालम त्रिलोकी, अरकल, वीएल-7 तथा मटर अगेता की बिजाई 30 एवं 7.5 सैंटमीटर की दूरी पर करें। बिजाई के समय 16 क्विंटल गोबर की सड़ी-गली खाद, 14.8 किलोग्राम इफको (12:32:16) खाद तथा 4 किलोग्राम म्यूरेट-आर्फ-पोटाश प्रति बीघा खेत में डालें। इन्हीं क्षेत्रों में फूलगोभी, बंदगोभी, गांठ गोभी, मूली, शलगम, गाजर, पालक, मेथी की बिजाई का भी उचित समय चल रहा है।

फसल संरक्षणः पंकज सूद ने कहा कि धान की फसल में पत्ता-लपेटक कीट के नियन्त्रण के लिए कीटग्रस्त पत्तों को काट दें तथा खेत व मेढ़ों से घास निकाल दें। इस कीट का अधिक प्रकोप होने पर 2.5 मिली लीटर क्लोरपाईरीफॉस 20 ईसी प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। धान में तना छेदक कीट के आक्रमण की स्थिति में सफेद बालियां बनती है जिसकी रोकथाम के लिए 5 प्रतिशत से अधिक नुकसान होने पर 0.8 मिली लीटर लेम्डा साईहेलोथ्रिन प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। इसी फसल में हिस्पा कीट नियंत्रण के लिए 2.5 मिली लीटर क्लोरपाईरीफॉस 20 ईसी प्रती लीटर पानी के घोल का छिड़काव करें। बैंगन में तना एवं फल छेदक तथा करेले में हड्डा बीटल के नियंत्रण के लिए एवं पत्ते खाने वाली विभिन्न प्रकार की सुंडियों का प्रकोप होने पर 1.5 मिली लीटर साइपरमैथ्रिन 10 ईसी या 0.4 मिली लीटर इमामेक्टिन बेंजोएट प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।

पशुधनः पंकज सूद ने कहा कि सितंबर माह में हल्की ठंड के कारण कीटों और परजीवियों की सक्रियता घटती है, परंतु मैदानी क्षेत्रों में इनका प्रभाव बना रहता है। ऐसे में पशुपालकों को काटने वाले कीटों से बचाव और संक्रामक रोगों जैसे खुरपका-मुंहपका, लम्पी, गलघोंटू, लंगड़ा बुखार आदि से सतर्क रहना चाहिए। पशुओं में भूख न लगना, तेज बुखार या खून वाली पेशाब की स्थिति में तुरंत पशु चिकित्सक से संपर्क करें। बाहरी परजीवियों की रोकथाम हेतु पशु चिकित्सक की सलाह से कीटनाशक का प्रयोग करें और टीकाकरण करवाएं। हरे चारे से साइलेज बनाए साथ ही हरे चारे के साथ सूखे चारे को मिलाकर पशु को खिलाएं। वहीं, मछली पालक सही फीड का प्रयोग, पानी की गुणवत्ता की नियमित जांच और पूरक आहार की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करें। डॉ. पंकज सूद ने कहा कि किसान अधिक जानकारी के लिए कृषि तकनीकी सूचना केंद्र एटिक के नंबर 01894-230395, किसान कॉल सेंटर 1800-180-1551 या कृषि विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों से संपर्क कर सकते हैं।

चानोल में हरिजन परिवारों का बदला जाए श्मशानघाट

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। चानोल पंचायत के वार्ड 2 के हरिजन परिवारों ने अपना श्मशानघाट ढांगू बल्ली से बदलने के लिए प्रशासन से गुहार लगाई है। ग्रामीणों का कहना है कि आपदा के कारण शमशानघाट तक पहुंचने का रास्ता पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका है, जिससे बरसात के मौसम में अर्थी को श्मशानघाट तक पहुंचाना बेहद मुश्किल हो जाता है। इस समस्या के समाधान के लिए चनोल तलेली पंचायत के हंसराज, गुलाबा राम, देवीराम, कांता देवी, रामदास, सुंदर सिंह, गरजा राम, निमा देवी, जोगिंद्र सिंह, रूपलाल, राजकुमार, लीला देवी, शीला देवी, सुरेंद्र सहित 200 से अधिक ग्रामीणों का प्रतिनिधिमंडल आज अखिल भारतीय दलित, पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक वर्ग परिषद के महासचिव चमन राही से मिला। ग्रामीणों ने बताया कि वे इस मामले को लेकर कई बार अधिकारियों से मिल चुके हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद चमन राही के नेतृत्व में यह प्रतिनिधिमंडल डीसी मंडी से इस मुद्दे का समाधान जल्द करने की अपील करेगा।

लडभड़ोल में जोगिंद्रनगर विकास मंच को मिला नया कार्यालय

मंच के संस्थापक केके सकलानी ने लडभड़ोल में नए कार्यालय का शुभारंभ किया।

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर

जोगिंदरनगर क्षेत्र में समाज सेवा और जनहित के मुद्दों को लेकर अपनी अलग पहचान बनाने वाले जोगिंदरनगर विकास मंच ने सोमवार को लडभड़ोल में अपने नए कार्यालय का शुभारंभ किया। मंच के संस्थापक केके सकलानी ने स्वयं रिबन काटकर उद्घाटन किया और इसे क्षेत्र के विकास के लिए एक नई सुबह करार दिया। उद्घाटन समारोह में पहुंचे मंच के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने सकलानी का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व जिला परिषद सदस्य संजीव शर्मा, कमांडेंट जेपी राणा, कर्नल राहुल राणा, गांधी राणा, सुरेश राणा और प्रताप चौहान सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस दौरान सकलानी ने मंच के उद्देश्यों को दोहराते हुए कहा कि मंच का गठन किसी राजनीतिक उद्देश्य के लिए नहीं, बल्कि गरीब, असहाय और जरूरतमंदों की सेवा के लिए हुआ है। उन्होंने कहा कि यह कार्यालय केवल एक इमारत नहीं, बल्कि उम्मीद का केंद्र बनेगा, जहां हर व्यक्ति की समस्याओं के समाधान के लिए मंच खड़ा रहेगा।

कार्यक्रम में मौजूद गणमान्य व्यक्तियों ने मंच की इस पहल को सराहनीय बताते हुए विश्वास जताया कि यह संगठन आने वाले समय में जनसेवा और विकास कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

हटली क्षेत्र के पूर्व सैनिकों की बस चलाने की मांग हुई पूरी

अनंत ज्ञान, सरकाघाट

हटली क्षेत्र के पूर्व सैनिकों और स्थानीय लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग आखिरकार पूरी हो गई है। संयुक्त मोर्चा ऑफ एक्स सर्विसमैन (जेसीओ एवं ओआर) के बैनर तले सरकाघाट, भांबला, जाहू, बलद्वाड़ा तथा आसपास के पूर्व सैनिकों ने 2024 में चंडीगढ़ ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग (सीटीयू) के डायरेक्टर को पत्र लिखकर सरकाघाट-चंडीगढ़ बस सेवा शुरू करने की मांग उठाई थी। हाल ही में चंडीगढ़ प्रशासन ने इसे स्वीकार कर नई बस का संचालन शुरू कर दिया है।

संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में प्रदेशाध्यक्ष कैप्टन जगदीश वर्मा (सेवानिवृत्त), मीडिया प्रभारी नायब सूबेदार अमृतलाल तथा कैप्टन कुमार सिंह गुलेरिया ने बताया कि पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को चंडीगढ़ बार-बार आना पड़ता है। मेडिकल सुविधाएं, पेंशन संबंधी कार्य, कोर्ट केस और सेवारत सैनिकों की लद्दाख तैनाती के लिए चंडीगढ़ एयरपोर्ट तक पहुंचने की आवश्यकता रहती है। इसके अलावा पीजीआई, शिक्षा संस्थान और नौकरियों के सिलसिले में भी यहां के लोग लगातार चंडीगढ़ आते-जाते हैं।

चंडीगढ़ से सरकाघाट तक चलेगी नई सीटीयू बस

पूर्व सैनिकों ने डायरेक्टर सीटीयू को पत्र लिखकर जताया धन्यवाद

नई बस सुबह 5:30 बजे चंडीगढ़ से रवाना होकर फोरलेन, घुमारवीं और बलद्वाड़ा होते हुए लगभग 10:30 बजे सरकाघाट पहुंचेगी। एक घंटे ठहरने के बाद यह 11:30 बजे वापसी यात्रा पर रवाना होगी और शाम तक चंडीगढ़ पहुंच जाएगी। कैप्टन जगदीश वर्मा ने चंडीगढ़ डायरेक्टर को धन्यवाद पत्र भेजकर क्षेत्र की इस अहम मांग को पूरा करने पर आभार व्यक्त किया है।

चेतावनी टिहरा में लोगों को 10 महीने से करना पड़ रहा भारी दिक्कतों का सामना

रेन शेल्टर जल्द नहीं बना तो करेंगे प्रदर्शन: भूपेंद्र

अनंत ज्ञान, सरकाघाट

टिहरा लोक निर्माण उपमंडल के सहायक अभियंता को मांगपत्र सौंपते हुए।

धर्मपुर लोक निर्माण के अंतर्गत आने वाले टिहरा कस्बे में जहां से बीस से ज्यादा पंचायतों के लोगों का हर रोज आना जाना होता है उनके लिए बने रेन शेल्टर को गत वर्ष विभाग ने गिरा दिया था, लेकिन उसका पुरनिर्माण आज तक नहीं किया गया है, जिससे यहां हर रोज आने जाने वालों को पिछले दस महीनों से भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जिसके चलते सोमवार को टिहरा लोक निर्माण उपमंडल के सहायक अभियंता के माध्यम से मांगपत्र सौंपा। जिसमें पूर्व जिला पार्षद भूपेंद्र सिंह, व्यापार मंडल के प्रधान मलकीत सिंह, पंचायत प्रधान अंजू रांगड़ा वार्ड सदस्य सुरजीत सिंह, भाग सिंह कोट पंचायत के पूर्व प्रधान यशपाल पठानिया टिहरा टैक्सी यूनियन के अनिल पठानिया, बलवंत सिंह, सुरेश कुमार, बंटी चौहान, रविंद्र कुमार, रवि कुमार हिमाचल किसान सभा के रूपचंद, मेहर सिंह, प्रताप सकलानी, पृथी सिंह, बीर सिंह, सुरेश कुमार, सोहन सिंह, रमेश चंद, लेख राज, यशवंत सिंह, रशपाल, तारा चंद ब्रॉडी, रमेश पालसरा, भूप चंद, रमेल चंद लोगों द्वारा मांगपत्र सहायक अभियंता टिहरा के माध्यम से एक्सईएन धर्मपुर को भेजा।

सभी ने रेन शेल्टर को जल्दी बनाने की मांग उठायी और विभाग को अल्टीमेटम दिया कि यदि दस दिनों में इसका निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया तो लोग सड़कों पर उतर कर धरना प्रदर्शन करेंगे। भूपेंद्र सिंह व यशपाल पठानिया ने कहा कि टिहरा जो धाड़ता क्षेत्र का मुख्य कस्बा है और यहां पर डेढ़ दर्जन ग्राम पंचायतों के सैकड़ों लोगों का हर रोज आना जाना होता है और वे यहीं से बसें लेते हैं और अस्पताल, तहसील व अन्य विभागों से संबंधित कार्यों के लिए हररोज यहां आते हैं। जिसमें संधोल, चोलगढ़, भदेहड़, गद्दीदार, कमलाह, तौरखोला, गरली, डरवाड़, सजाओ, धर्मपुर, अवाहदेवी, सकोह-सकोहटा और नजदीकी क्षेत्रों के लोग हररोज टिहरा आतेजाते हैं जिन्हें दस महीने से बहुत ज्यादा असुविधाएं झेलनी पड़ रही हैं, लेकिन पिछले दस महीने से उन्हें बैठने के लिए बने आश्रय को भी यहां के विधायक ने उजाड़ दिया है है। पिछले दो महीने से बरसात हो रही है तो लोगों को सिर छुपाने के लिए कोई जगह नहीं है। इसे गिराने के लिए तो विभाग ने दो घंटे का समय भी नहीं लगाया था, लेकिन अब जब लोगों को असुविधा हो रही है तो अब विभाग कुंभकरणी नींद सोया हुआ है।

विभाग और विधायक पर लगाए लापरवाही के आरोप

व्यापार मंडल, पंचायत प्रतिनिधियों और संगठनों ने सौंपा मांग पत्र

भूपेंद्र सिंह ने बताया कि ये विभाग और विधायक की लापरवाही और उदासीनता का प्रमाण है जिन्होंने पहले से उपलब्ध किसी सुविधा को छीनने का काम तो तेजी से किया लेकिन उसका निर्माण नहीं कर रहे हैं। इससे आज स्थानीय लोगों व संगठनों ने विभाग को काम शुरू करने के लिए दस दिन का अल्टीमेटम दिया।

जिले में भारी बारिश से उत्पन्न हालात को लेकर प्रशासन मुस्तैद

अलर्ड मोड पर सभी विभाग, युद्धस्तर पर जारी राहत और बचाव कार्य

राजेश शर्मा, अनंत ज्ञान ब्यूरो

बारिश से प्रभावित परिवारों को फौरी आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जा रही है।

ऊना। ऊना के उपायुक्त जतिन लाल ने बताया कि ऊना जिले में भारी बारिश से उत्पन्न हालात के बीच प्रशासन पूरी तत्परता के साथ राहत-बचाव और बहाली कार्यों में जुटा हुआ है। सड़कों को खोलने, जलभराव व मलबा हटाने और प्रभावित लोगों तक सहायता पहुंचाने का कार्य लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि सभी विभाग अलर्ट मोड पर हैं और जन सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रशासन हर परिस्थिति में जनता के साथ खड़ा है। भूस्खलन से बंद अधिकतर मार्गों को बहाल किया जा चुका है।

गौरतलब है कि लगातार मूसलाधार बारिश से ऊना जिले में जनजीवन प्रभावित हुआ है। नदी-नाले उफान पर हैं और कई स्थानों पर घरों में पानी घुसने तथा संपत्तियों को नुकसान पहुंचने की सूचनाएं मिली हैं। विकास परियोजनाएं भी प्रभावित हुई हैं। प्रभावित परिवारों को आपदा राहत मैन्युअल के अनुरूप फौरी आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जा रही है। प्रारंभिक क्षति रिपोर्ट के अनुसार पिछले 24 घंटों में जिले को लगभग 555.55 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। इसमें सबसे अधिक नुकसान लोक निर्माण विभाग को 522.05 लाख रुपए का हुआ है।

इसके अलावा 1 पूर्ण पक्का मकान क्षतिग्रस्त होने से 5 लाख रुपए तथा 1 कच्चा मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त होने से 1.50 लाख रुपए का नुकसान आंका गया है। वहीं, 7 पक्के मकानों को आंशिक नुकसान 3.45 लाख और 21 कच्चे मकानों को आंशिक नुकसान 8.45 लाख रुपए का हुआ है। रिपोर्ट में 18 गोशालाओं को 3.90 लाख, 1 राजस्व भवन संरचना को 7 लाख, नगर पंचायत गगरेट को 2 लाख और 6 रिटेनिंग वॉल्स को 2.20 लाख रुपए की क्षति दर्ज की गई है। आगे की विस्तृत क्षति रिपोर्ट प्राप्त होना शेष है।

उपायुक्त ने नागरिकों से अपील की है कि वे नदी-नालों के पास न जाएं, अफवाहों से बचें और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। किसी भी आपात स्थिति में जिला आपदा प्रबंधन नियंत्रण कक्ष के टोल-फ्री नंबर 1077 पर तुरंत संपर्क किया जा सकता है।

रेल लाइन के पास डंगा गिरा, दहशत

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना

रेलवे स्टेशन ऊना रेल ट्रैक के पास डंगा धंस गया, जो कि किसी बड़े खतरे की बजह बन सकता है।

ऊना रेलवे स्टेशन के साथ लगती रेल लाइन के पास बना डंगा गिरने से ग्रामीणों में डर और दहशत का माहौल बन गया है। रविवार रात से जारी बारिश के चलते सोमवार तड़के करीब तीन बजे रेलवे लाइन की सुरक्षा के लिए लगाया गया डंगा टूटकर बह गया। इस कारण रेलवे लाइन के नीचे बनी पुली में पानी की निकासी बाधित हो गई, जिससे आस-पास के इलाकों में पानी का स्तर तेजी से बढ़ने लगा।

रेलवे स्टेशन के बिलकुल साथ लगती ग्राम पंचायत कोटला कलां के ग्रामीणों रमेश चंद, राजिंदर कुमार, रंजना देवी, हितेश पटियाल, किरण वाला, सोनिका, शाम लाल सैनी, शिव कुमार, गुरदेव सिंह समेत अन्य लोगों ने बताया कि पानी का दबाव इतना बढ़ गया था कि 30 मीटर तक इलाका जलमग्न हो गया। घरों में पानी घुसने का खतरा मंडराने लगा, जिससे लोगों की सांसें अटक गईं। ग्रामीण पूरी रात पानी के बहाव को नियंत्रित करने की कोशिश करते रहे। किसी तरह दबाव बढ़ने के बाद पुली से पानी की निकासी शुरू हुई, तब जाकर लोगों ने राहत की सांस ली। ग्रामीणों ने रेलवे प्रशासन से डंगे की मरम्मत और पानी की निकासी की स्थायी व्यवस्था की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की स्थिति न बने। उनका कहना है कि डंगे के गिरने से उनके घरों में पानी घुसने का खतरा लगातार बना हुआ है, जिससे जान-माल के नुकसान की आशंका है।

स्थानीय प्रशासन से भी ग्रामीणों ने अपील की है कि उनके घरों और संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि तुरंत कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए तो लगातार हो रही बारिश के बीच हालात और भी गंभीर हो सकते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि इस खतरे के बारे में उन्होंने करीब एक माह पहले ही रेलवे विभाग को लिखित शिकायत दी थी, जिसमें स्पष्ट किया गया था कि डंगा कमजोर हो चुका है और किसी भी समय टूट सकता है, लेकिन विभाग ने इस गंभीर मुद्दे पर कोई कार्रवाई नहीं की।

ग्रामीणों का कहना है कि विभाग की इस लापरवाही के कारण आज उनके जान-माल के नुकसान की नौबत आ गई है। उनका आरोप है कि समय रहते मरम्मत और निकासी की उचित व्यवस्था की जाती, तो आज उन्हें इस संकट का सामना नहीं करना पड़ता।

भारी बारिश के चलते शिक्षकों, स्टाफ को भी विद्यालय आने से छूट

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना। जिला दंडाधिकारी एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ऊना के अध्यक्ष जतिन लाल ने सोमवार को आदेश जारी करते हुए कहा कि 1 सितंबर को शिक्षकों और स्टाफ को विद्यालयों, संस्थानों में उपस्थिति से छूट दी गई है। उन्होंने निर्देश दिए कि शिक्षक ऑनलाइन माध्यम से कक्षाएं संचालित करेंगे ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित न हो। गौरतलब है कि 1 सितंबर को जिले के सभी सरकारी और निजी शिक्षण संस्थान विद्यार्थियों के लिए पहले ही बंद रखने के आदेश जारी किए जा चुके हैं। इसमें स्कूल, कॉलेज, आईटीआई, वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर और आंगनबाड़ी केंद्र शामिल हैं।

ऑनलाइन माध्यम से संचालित होंगी कक्षाएं

उपायुक्त ने बताया कि भारतीय मौसम विभाग, शिमला द्वारा ऊना जिले में भारी वर्षा का अलर्ट जारी किया गया है। लगातार हो रही बारिश के कारण जिले के कई क्षेत्रों में जलभराव, भूस्खलन और फ्लैश फ्लड जैसी परिस्थितियां उत्पन्न हो गई हैं, जिससे विद्यार्थियों, शिक्षकों और स्टाफ का आवागमन असुरक्षित हो सकता है। उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने जिलावासियों से अपील की है कि ऐसी आपदा जैसी परिस्थितियों में वे अपने घरों में सुरक्षित और सतर्क रहें तथा प्रशासन द्वारा समय-समय पर जारी की जा रही सूचनाओं का पालन करें। किसी भी आपात स्थिति में तुरंत 1077 पर कॉल कर सहायता प्राप्त की जा सकती है।

भारी बरसात से खुद का मकान गिरा, भाई के घर में ली शरण

अनंत ज्ञान, जोल

रौणखर गांव में भारी बारिश से मकान ध्वस्त हो गया।

जोल उपतहसील की खरयालता पंचायत के रौणखर गांव में शरीफ दीन पुत्र गरीब दीन का स्लेटपोश रिहायशी मकान रविवार शाम 7 बजे ठह गया। हालांकि, परिवार के सदस्य समय रहते बाहर निकल गए, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। ऐसे में पीड़ित परिवार अपने भाई के घर मकान में रहने को मजबूर है।

रिहायशी मकान गिरने से परिवार को लगभग 6 लाख रुपए का नुकसान हुआ है, वहीं इसकी जानकारी राजस्व विभाग को दे दी गई है। विभाग की तरफ से मौके का निरीक्षण किया गया। स्थानीय पंचायत प्रधान अशोक कुमार मोनू ने भी मौका देखा और पीड़ित परिवार की जिला प्रशासन से अपील की है कि पीड़ित परिवार को जल्द राहत राशि दिलाने और उनके रहने का उचित प्रबंध करने की गुहार लगाई है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिन से हो रही मूसलाधार बारिश से कई कच्चे घरों की नींव नमीं पकड गई है।

लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से कुटलैहड़ में करोड़ों का नुकसान

राजेश ठाकुर, अनंत ज्ञान

रास्ते में आया मलबा और ग्रामीण रास्ता बनाने में जुटे हैं।

बंगाणा। कुटलैहड़ क्षेत्र में पिछले दो दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने भारी तबाही मचाई है। कई पंचायतों में भू-स्खलन और मलबा गिरने से पशुशालाएं, रिहायशी मकान और उपजाऊ भूमि बुरी तरह प्रभावित हुई है। पंचायत प्रोईयां में चेट राम, रत्न चंद, महिंद्र, जसविंदर और जगत राम बलि के तीन पशु दो बैल और एक भैंस का बच्चा मलबे में दबकर खत्म हो गए, साथ ही पशुशालाएं ध्वस्त होने से लाखों का नुक्सान हुआ। इसी पंचायत के सुरेंद्र, महिंद्र, दलबीर और त्रिलोचन दास की सैकड़ों कनाल उपजाऊ भूमि भू-स्खलन से बर्बाद हो गई।

गहरा गांव में होशियार सिंह और अमर सिंह की पशुशालाएं जमींदोज हो गईं, जबकि रिहायशी मकानों पर खतरा मंडरा रहा है। पंचायत बोहरु के गांव चौगाथ में स्नेहल, प्रकाश चंद, प्रदीप कुमार, मंजीत कुमार और गुरदीप कुमार की पशुशालाएं मलबे की चपेट में आ गईं। सुरेंद्र कुमार का रिहायशी मकान भी भू-स्खलन से खतरे में है। थानाकलां पंचायत के थानाखास में पुष्पा देवी का रिहायशी मकान ध्वस्त हो गया।

दर्जनों पशुशालाएं ध्वस्त, लिंक सड़कों का टूटा संपर्क

रिहायशी मकानों में घुसा मलबा राहत कार्यों में जुटा प्रशासन

वहीं, पंचायत चगार हिंडोला की सस्ते राशन की दुकान में मलवा घुसने से करीब दस लाख रुपए का नुकसान हुआ है। रायपुर पंचायत के छपड़ी गांव में आधा किलोमीटर रास्ता ध्वस्त हो गया, जिससे लिंक सड़क पूरी तरह खत्म हो गई। बूसल गांव में भी एक रिहायशी मकान को भारी नुकसान पहुंचा है। उपमंडल बंगाणा से प्रशासन को भारी नुकसान की रिपोर्ट प्राप्त हुई है। डेली डैमेजलॉस रिपोर्ट के अनुसार इस बरसात में अब तक कुल 20 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान दर्ज किया गया है। अगर पूरे कुटलैहड़ की बात की जाए तो भारी बारिश के चलते नुकसान का आंकड़ा 60 करोड़ से पार हो चुका है। कुटलैहड़ में अब तक बारिश के चलते 3 लोगों की जान जा चुकी है, जिनके परिवारों को 25,000 रुपये की राहत राशि प्रदान की गई है। वहीं छह मवेशी की मौत का नुकसान हुआ है। भारी बरसात के कारण सबसे ज्यादा नुकसान आम लोगों के घरों को हुआ है। पूरी तरह क्षतिग्रस्त मकानों में 12 कच्चे मकान शामिल हैं, आंशिक क्षति की श्रेणी में स्थिति और भी भयावह है। भारी बारिश से 30 पक्के मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए और छह दर्जन मकानों में दरारें आई हैं। कुटलैहड़ में भारी बारिश के चलते 162 कच्चे मकान आंशिक क्षति का शिकार बने, आवासीय ढांचों को हुए कुल नुकसान की भरपाई करना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। भारी बारिश के चलते 200 के करीब गोशालाओं को नुकसान हुआ है। वहीं, कुछ दुकानें शेड या फिर सरकारी संपत्ति को नुकसान हुआ है।

सरकार जल्द दे मुआवजा : जिला पार्षद सदस्य कृष्ण पाल शर्मा ने कहा कि कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के मोमनियार में हाल ही में हुई भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। इस बीच क्षेत्र के नेता कृष्ण पाल शर्मा ने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और नुकसान का जायजा लिया। कृष्ण पाल शर्मा ने राज्य सरकार से मांग की कि प्रभावित परिवारों को तुरंत मुआवजा प्रदान किया जाए ताकि उन्हें राहत मिल सके। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि सरकार जल्द राहत उपाय करेगी।

नुकसान का आकलन करने पैदल पहुंच रहे अधिकारी : उपमंडल बंगाणा में भारी बारिश और भूस्खलन से प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य तेज हो गए हैं। एसडीएम सोनू गोयल ने बताया कि प्रशासनिक अधिकारी लंबा सफर पैदल तय कर हर पीड़ित परिवार तक पहुंच रहे हैं। अधिकारी मौके पर जाकर नुकसान का जायजा ले रहे हैं और पीड़ित परिवारों की समस्याओं को दर्ज कर रहे हैं। एसडीएम ने कहा कि हर संभव सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी और प्रभावितों को राहत पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

मृतकों के परिजनों को 25 हजार रुपए

कुटलैहड़ भारी बारिश होने के कारण अभी तक कुल मिलाकर अब तक 60 करोड़ रुपए के आसपास लोनिवि, जलशक्ति विभाग, कृषि पंचायतीराज एवं किसानों की फसल की तबाही आंकी गई है, जबकि वास्तविक अन्य नुकसान करोड़ों में है। बंगाणा प्रशासन ने इस रिपोर्ट में स्पष्ट किया है कि यह नुकसान का आंकलन लगातार बढ़ सकता है, क्योंकि बरसात का दौर अभी जारी है। गांवों में कई जगह सड़कें ध्वस्त हो चुकी हैं, जिससे राहत सामग्री पहुंचाने में भी कठिनाइयां आ रही हैं। किसानों की फसलें और बाग-बगीचे पानी में डूबे हैं, हालांकि अभी तक कृषि क्षेत्र का विस्तृत नुकसान दर्ज नहीं हो सका है।

गगरेट में कच्चे-पक्के मकान ढहे

गगरेट से होशियारपुर रोड पर बारिश से टूटी सड़क, जो लोगों की मुसीबत बढ़ा रही है।

संजीव जसवाल, अनंत ज्ञान

पंजावर। उपमंडल क्षेत्र में लगातार हो रही तेज बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है।

सोमवार को हुई मूसलाधार बारिश के कारण बरसाती नाले उफान पर आ गए, जिससे निचले क्षेत्रों में पानी भर गया और कई रास्ते बंद हो गए। बारिश की इस मार ने ग्रामीणों की परेशानियां कई गुना बढ़ा दी हैं। ब्रह्मपुर पंचायत में राजो देवी, पत्नी स्वर्गीय फौजू राम, का कच्चा स्लेटपोश रिहायशी मकान भारी बारिश के कारण ढह गया, जिससे करीब 20,000 का नुकसान हुआ।

इसी तरह वार्ड नंबर 7 चलेट में मुकेश कुमार पुत्र प्रीतम चंद का कच्चा रसोईघर पूरी तरह धराशायी हो गया। इस हादसे में करीब 20,000 का नुकसान आंका गया है। वहीं, मवा कहोला गांव में सतपाल, पुत्र प्रीतम चंद, के पक्के रिहायशी मकान की छत से पानी रिसने के कारण मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया है, जिससे लगभग 40,000 का नुकसान हुआ है।

इसके अलावा वार्ड नंबर 7 चलेट में ही रामलोक चंद पुत्र मगत राम, का कच्चा स्लेटपोश रिहायशी मकान भी बारिश की मार नहीं झेल पाया और गिर गया, जिसमें करीब 30,000 का नुकसान हुआ है। लगातार हो रही बारिश से क्षेत्र के अन्य कई मकानों में भी दरारें पड़ने और नमी के कारण कमजोर होने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि प्रभावित परिवारों को तुरंत राहत सामग्री और आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जाए, ताकि वे सुरक्षित आश्रय में रह सकें और अपने घरों का पुनर्निर्माण कर सकें।

तेज बारिश से खड्ड गांव में मकान और दुकान हुई ध्वस्त

भारी बारिश से हुए नुकसान से पीड़ित रोजी-रोटी से वंचित हो गया है।

अनंत ज्ञान, टाहलीवाल

खड्ड पंचायत की वार्ड संख्या तीन में मकान और एक दुकान बारिश से ध्वस्त हो गई है। ब्राह्मण मोहल्ले में रामपाल इस दुकान के सहारे अपने परिवार का जीवन-यापन कर रहा था, जिसका भारी नुकसान हो गया है।

बरसात में गरीब परिवार रोजी-रोटी से भी वंचित है। इससे पहले भी खड्ड पंचायत में भारी नुकसान हुआ, जिसकी अभी तक कोई फौरी राहत नहीं दी गई है।

प्रशासन को समय रहते जागना चाहिए, जिससे कोई जानमाल का नुकसान न हो। प्रवासी लोगों को सामुदायिक भवन में ठहराया गया। प्रधान वीरेंद्र हीर और राकेश कुमार, शाम लाल बाली, विजय कुमार सहित गणमान्य घटनास्थल पर मौजूद रहे।

पीड़ित परिवारों को जल्द मिलेगी फौरी राहत : विवेक

अनंत ज्ञान, बंगाणा

कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। बारिश के चलते न केवल रिहायशी मकानों को नुकसान पहुंचा है, बल्कि पशुशालाएं भी ध्वस्त हो गई हैं। कई परिवार बेघर हो गए हैं और उनकी आर्थिक स्थिति पर गहरा असर पड़ा है। हालात इतने गंभीर हैं कि ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

इस बीच कुटलैहड़ के विधायक विवेक शर्मा ने शिमला से पीड़ित परिवारों से फोन पर बात कर उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि वह लगातार उपमंडल बंगाणा प्रशासन के संपर्क में हैं और हालात पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रशासन के अधिकारी गांव-गांव जाकर नुकसान का आकलन कर रहे हैं और प्रभावित परिवारों की सूची तैयार की जा रही है। विवेक शर्मा ने स्पष्ट किया कि फौरी राहत राशि जल्द ही पीड़ित परिवारों तक पहुंचाई जाएगी, ताकि उन्हें शुरुआती संकट से उबरने में मदद मिल सके। उन्होंने कहा कि इस प्राकृतिक आपदा में जिनके मकान, पशुशालाएं या अन्य संपत्ति ध्वस्त हुई हैं, उन्हें उचित मुआवजा दिलाने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जाएगी। विवेक शर्मा ने यह भी आश्वासन दिया कि जैसे ही नुकसान की पूरी रिपोर्ट तैयार होगी, वह इसे लेकर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से चर्चा करेंगे।

बोले-सदन में रख रहा हूं मजबूती से आपके नुकसान की बात

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्वयं आपदा पीड़ित परिवारों की मदद के लिए संवेदनशील हैं और निश्चित रूप से प्रभावितों को आर्थिक सहायता दिलाने में प्राथमिकता दी जाएगी। विवेक शर्मा ने कहा कि कुटलैहड़ क्षेत्र में इस बार बारिश ने रिकॉर्ड तोड़ तबाही मचाई है। ग्रामीणों की मेहनत की कमाई एक ही झटके में तबाह हो गई है। पशुधन की मौत से किसान वर्ग गहरे संकट में आ गया है। बारिश से खेतों में बोई गई फसलें भी नष्ट हो गई हैं, जिससे आने वाले समय में खाद्यान्न संकट और आर्थिक तंगी की संभावना बनी हुई है। विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि संकट की इस घड़ी में वे पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं। उनका मानना है कि राजनीति से ऊपर उठकर इस समय प्राथमिकता केवल पीड़ितों की मदद करना है।

उन्होंने अपील की कि प्रभावित परिवार हिम्मत न हारें, सरकार और प्रशासन उनके साथ है। विवेक शर्मा ने यह भी बताया कि स्थानीय प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि वे राहत और पुनर्वास कार्यों में तेजी लाएं, ताकि पीड़ितों को लंबा इंतजार न करना पड़े। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि किसी भी पीड़ित परिवार को भूखा न रहना पड़े और न ही वे बिना छत के जीवन गुजारें।

बड़ूही बाजार में चोरी की नीयत से आया संदिग्ध व्यक्ति पकड़ा

हीना पठानिया, अनंत ज्ञान

बड़ूही (ऊना)। उपमंडल बंगाणा के तहत बड़ूही बाजार में रविवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब करियाना दुकान पर चोरी की नीयत से आए एक संदिग्ध व्यक्ति को मौके पर रंगे हाथों दबोच लिया गया। दुकानदार और व्यापार मंडल पदाधिकारियों की सतर्कता से आरोपी पुलिस के शिकंजे तक पहुंच गया। दुकान मालिक प्रवीण ठाकुर ने बताया मैं पास ही स्थित ग्रामीण बैंक की शाखा में काम से गया हुआ था। लौटने पर देखा कि एक अजनबी मेरी दुकान में कैश काउंटर के पास खड़ा है और गला खुला हुआ है। शक होते ही मैंने तुरंत उसे पकड़ लिया।

इस दौरान अन्य दुकानदार और व्यापार मंडल पदाधिकारी भी मौके पर पहुंचे। व्यापार मंडल की सख्त पूछताछ के आगे संदिग्ध व्यक्ति टूट गया और उसने कबूल किया कि वह चोरी करने के इरादे से दुकान में घुसा था। व्यापार मंडल पदाधिकारी ने कहा कि सभी की सूझबूझ से बड़ा नुकसान होने से बचा। इस बीच एक दुकानदार ने मोबाइल पर धनेटा क्षेत्र में हाल ही में हुई चोरी की सीसीटीवी फुटेज दिखाई, उसमें भी यही व्यक्ति चोरी करते हुए नजर आया। फुटेज देखकर मौके पर मौजूद लोगों ने जब और दबाव बनाया तो आरोपी ने खुद स्वीकार कर लिया कि धनेटा चोरी की वारदात उसी ने अंजाम दी थी। इस घटना की तुरंत सूचना पुलिस चौकी जोल को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और संदिग्ध व्यक्ति से कड़ी पूछताछ की। पूछताछ में भी उसने धनेटा चोरी की वारदात में संलिप्त होने की बात स्वीकार कर ली। पुलिस के अनुसार, धनेटा में पहले से ही चोरी का मामला दर्ज है और आरोपी की पहचान वीडियो फुटेज के जरिए पुख्ता कर ली गई है।

इसके बाद जोल चौकी पुलिस ने धनेटा पुलिस को सूचना दी। धनेटा पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को अपने साथ ले गई। अब पुलिस आरोपी से धनेटा चोरी समेत अन्य संभावित वारदातों के बारे में भी सख्ती से पूछताछ कर रही है। स्थानीय व्यापारियों ने कहा कि हम सतर्कता नहीं दिखाते तो यह आरोपी इलाके में और वारदातें करने से भी नहीं चूकता।

सहायता कुटलैहड़ में आपदा पीड़ितों के सहारा बने भाजपा नेता पूर्व विधायक देवेंद्र कुमार भुट्टो, लगातार पहुंच रहे प्रभावितों के पास

प्रभावितों की अपनी जेब से की आर्थिक मदद, जेसीबी बुलाकर खुलवाए रास्ते

अनंत ज्ञान, बंगाणा

भुट्टो लगातार प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर पीड़ित परिवारों को निजी स्तर पर पहुंचा रहे मदद।

कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र पिछले कई दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश के चलते बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। कई जगहों पर मकान जमींदोज हो चुके हैं, तो कहीं खेत खिसकने और भूस्खलन से लोगों की मेहनत की कमाई मलबे में तब्दील हो गई है। इस प्राकृतिक आपदा के बीच भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं कुटलैहड़ के पूर्व विधायक देवेंद्र कुमार भुट्टो लगातार प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं और पीड़ित परिवारों को निजी स्तर पर मदद पहुंचा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार खुरवाई गांव में बारिश के कारण एक रिहायशी मकान ढह गया। घटना की सूचना मिलते ही दविंदर कुमार भुट्टो स्वयं मौके पर पहुंचे और प्रभावित परिवार को तिरपाल, अन्य जरूरी सामान और 10 हजार रुपए की नकद आर्थिक मदद उपलब्ध करवाई। उन्होंने आश्वासन दिया कि कुटलैहड़ में किसी भी परिवार को अकेला महसूस नहीं होने दिया जाएगा और भाजपा कार्यकर्ता हर समय सेवा के लिए तैयार रहेंगे।

पूर्व विधायक भुट्टो ने कहा कि कुटलैहड़ क्षेत्र में सैकड़ों परिवार प्राकृतिक आपदा का दंश झेल रहे हैं, मगर दुर्भाग्य से अब तक सरकार की तरफ से किसी भी तरह की ठोस राहत या आर्थिक सहायता पीड़ितों तक नहीं पहुंच पाई है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जब जनता कठिन हालात में है, तब सरकार केवल बैठकों और घोषणाओं तक सीमित है, जबकि वास्तविक राहत की जिम्मेदारी व्यक्तिगत स्तर पर समाजसेवियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर आ पड़ी है। उन्होंने बताया कि अभी हाल ही में कुतलशाद पंचायत में भी उन्होंने लगभग पांच दर्जन परिवारों को आर्थिक मदद दी थी। इन परिवारों को उन्होंने अपनी निजी आय से सहायता राशि वितरित की, ताकि वे अपने टूटे-फूटे घरों को ढकने या रोज़मर्रा की जरूरतें पूरी करने में सक्षम हो सकें। इसके अलावा प्रभावित क्षेत्रों में बंद रास्तों को खुलवाने के लिए देवेंद्र भुट्टो ने स्वयं जेबीसी मशीन निजी खर्च से बुलाकर काम शुरू करवाया है, ताकि गांवों तक पहुंच सुगम हो सके और पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री पहुंचाई जा सके। देवेंद्र कुमार भुट्टो ने कहा कि यह समय राजनीति करने का नहीं बल्कि जनता के बीच रहकर उनकी सेवा करने का है।

उन्होंने प्रशासन से भी आग्रह किया कि वे आपदा प्रभावित क्षेत्रों का तुरंत दौरा करें और नुकसान का आकलन कर प्रभावित परिवारों को फौरी राहत राशि मुहैया कराएं। उनका कहना था कि सरकार और प्रशासन के भरोसे बैठने से जनता की पीड़ा कम नहीं होगी। जरूरत इस बात की है कि सब लोग एकजुट होकर पीड़ित परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए आगे आएं।

लोगों ने की भुट्टो के प्रयासों की सराहना

खुरवाई गांव के प्रभावित परिवारों ने भी देवेंद्र कुमार भुट्टो के प्रयासों की सराहना की। ग्रामीणों का कहना था कि जबसे बारिश का कहर टूटा है, तबसे वे रोज़ भय और अनिश्चितता में जी रहे हैं। सरकारी राहत अभी तक गांव तक नहीं पहुंच पाई है, मगर भुट्टो ने व्यक्तिगत स्तर पर सहायता देकर उनका हौसला बढ़ाया है। ग्रामीणों ने कहा कि उनके सहयोग से कम से कम वे अपने टूटे मकानों को अस्थायी रूप से ढककर बरसात से खुद को सुरक्षित रख पाएंगे। कुटलैहड़ के विभिन्न गांवों से लगातार नुकसान की खबरें सामने आ रही हैं। कहीं मवेशियों की शालाएं ढह गई हैं तो कहीं सड़कें ध्वस्त होकर संपर्क मार्ग टूट चुके हैं। ग्रामीणों को अपने ही घरों तक पैदल लंबा सफर तय करके पहुंचना पड़ रहा है। ऐसे में भुट्टो जैसे स्थानीय नेता और समाजसेवियों की पहल पीड़ित परिवारों के लिए राहत का बड़ा जरिया बनकर सामने आई है। पूर्व विधायक देवेंद्र कुमार भुट्टो ने स्पष्ट किया कि उनकी कोशिश यही है कि कुटलैहड़ में कोई भी परिवार अकेला और असहाय महसूस न करे। जब तक सरकार से आर्थिक मदद नहीं पहुंचती, तब तक वे व्यक्तिगत स्तर पर जनता की सेवा करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह सेवा भाव ही उनकी असली पूंजी है और जनता का दुख-दर्द ही उनकी प्राथमिकता है।

न्यूज ब्रीफ

एनएच-3 पर डोहलूनाला के पास बहाली कार्य जोरों पर

मोहन कपूर, अनंत ज्ञान, पतलीकूहल। कुल्लू-मनाली नेशनल हाईवे-3 राष्ट्रीय उच्च मार्ग डोहलूनाला के पास बहाली का कार्य जोरों पर चल रहा है। कार्यकारी निरीक्षक बलजीत चौधरी ने बताया कि रायसन में शिरढ रिजॉर्ट्स के पास मंगलवार तक सड़क बहाल हो जाएगी, यहां पहले हल्के वाहनों को छोड़ा जाएगा। इस मुख्य सड़क के बंद हो जाने से बड़ी गाड़ियों का आना-जाना बिलकुल बंद है। डोहलूनाला से पतलीकूहल आने वाली रसोई गैस सिलेंडर की गाड़ियां और खाद्य पदार्थों से भरी गाड़ियों फिलहाल रायसन तक आ रही हैं, उसके बाद वहां से वाया शिरढ होते हुए जीपों में समान की आपूर्ति की जा रही है। सोमवार को सुबह से ही भारी बारिश के कारण यहां से एक बिल्कप रोड डोहलू नाला होते हुए रायसन को निकलता था, वह भी धंस जाने के कारण यहां का पूरा जन-जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। डोहलू नाला के पास दर्जनों सेब से लदी जीपें फंसी हुई हैं, जो सब्जी मंडी में नहीं पहुंच पा रही हैं। लोक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता अनूप शर्मा ने बताया कि विभाग द्वारा डोहलूनाला वाया शिरढ रायसन रोड को छोटी गाड़ियां के लिए बहाल कर दिया जाएगा। फिलहाल इस लिंक मार्ग पर ओवरलोड जीपों की जाने की अनुमति नहीं होगी। उन्होंने बताया कि धंसा हुआ रोड अभी कच्चा है, मौसम साफ होते ही इसे ठीक किया जाएगा, ताकि सभी वाहन यहां से निकल सकें।

मालवाहक वाहनों की बंद आवाजाही से गहराया संकट

अनंत ज्ञान, बंजार। विधानसभा सत्र के दौरान बंजार विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुरेंद्र शौरी ने एनएच-305 की जर्जर स्थिति को गंभीरता से सदन में उठाया। उन्होंने कहा कि पिछले एक माह से अधिक समय से बंजार घाटी में मालवाहक वाहनों की आवाजाही बंद है, जिससे स्थानीय जनता को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित हो रही है और सेब जैसी नकदी फसल खेतों में ही अटक गई हैं। सदन में विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार वर्ष 2023 की बरसात से एनएच 305 को हुए भारी नुकसान की क्षति पूर्ति के लिए केंद्र सरकार ने 10.21 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की थी, जिसका व्यय विभाग द्वारा किया जा रहा है। विधायक शौरी ने सदन में कहा कि वे इस राशि से हो रहे कार्य से संतुष्ट नहीं हैं और इसके व्यय की स्वतंत्र जांच करवाई जानी चाहिए। विधायक ने कहा कि वर्तमान में बंजार विधानसभा क्षेत्र की सभी प्रमुख सड़कें बड़े वाहनों के लिए बंद हैं, जिससे आमजन व्याकुल है। उन्होंने मांग की कि एनएच-305 को बड़े वाहनों की आवाजाही के लिए तत्काल बहाल किया जाए। विधायक शौरी ने जानकारी देते हुए कहा है कि बंजार से घियागी तक सड़क की एज-टू-एज टारिंग का कार्य ठेकेदार को आवंटित किया जा चुका है। साथ ही बंजार से औट तक आवश्यक मरम्मत के लिए 3 करोड़ 48 लाख रुपए की राशि केंद्र से स्वीकृत हुई है और इस कार्य की निविदा भी आवंटित कर दी गई हैं। बरसात का मौसम थमते ही दोनों खंडों में कार्य आरंभ कर दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, बरसात से हुए नए नुकसान और मार्ग पर बने ब्लैक स्पॉट्स के सुधार के लिए विभाग को प्राक्कलन तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। इन सुधार कार्यों के लिए विशेष स्वीकृति केंद्र सरकार से प्राप्त की जाएगी। विधायक शौरी ने सरकार से आग्रह किया कि बंजार घाटी के लोगों को राहत पहुंचाने के लिए सड़क बहाली कार्य को शीघ्रतम गति से पूरा किया जाए।

विधायक गौड़ ने लिया राहत कार्यों का जायजा

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल। कुल्लू जिले के डोहलूनाला क्षेत्र में हाल ही में आए फ्लैश फ्लड से सड़क बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी। इस कारण स्थानीय लोगों को कुल्लू पहुंचने और सेब सीजन में परिवहन में भारी मुश्किलें आ रही थीं। प्रशासन ने त्वरित कदम उठाते हुए 9 जेसीबी और एलएनटी मशीनें तैनात की हैं। इनकी मदद से लगातार मलबा हटाने और सड़क सुधार का कार्य जारी है। वर्तमान में सड़क अभी पूरी तरह से बहाल नहीं हुई है, लेकिन कार्य तेजी से प्रगति पर है। प्रशासन का कहना है कि मार्ग बहुत जल्द खोल दिया जाएगा, जिससे स्थानीय लोगों व किसानों को राहत मिलेगी। स्थानीय विधायक भुवनेश्वर गौड़ ने मौके पर पहुंचकर कार्यों का जायजा लिया और मशीन ऑपरेटर्स व कर्मचारियों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि सरकार और प्रशासन की प्राथमिकता जनता की सुविधा है। सड़क पर कार्य तेजी से जारी है और बहुत जल्द यह मार्ग सामान्य यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। सेब सीजन को देखते हुए यह राहत किसानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। सड़क खुलने से सेब की ढुलाई सुचारु हो सकेगी और स्थानीय लोगों को भी आवागमन में आसानी होगी।

लाहौल की ऊंची चोटियों पर गिरे बर्फ के फाहे

कमलेश वर्मा, अनंत ज्ञान ब्यूरो

कुल्लू/केलांग। शीत मरुस्थल लाहौल-स्पीति में मौसम की आंख मिचौली लगातार जारी है। कभी मौसम साफ हो रहा है, तो धूप खिल रही है। वहीं, दूसरे ही पल मौसम करवट बदल रहा है और बारिश का क्रम जारी हो रहा है। निचले क्षेत्रों में जहां बारिश हो रही है। वहीं, ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अगस्त माह से ही रुक-रुक कर बर्फ के फाहे गिर रहे हैं।

इसी कड़ी में सोमवार को लाहौल-स्पीति के सरचू सहित जांस्कर, बारालाचा व अन्य ऊंची चोटियों पर बर्फबारी से घाटी को शीत लहर की चपेट में ले लिया है। शिंकुला दर्रा समेत जांस्कर और समदो क्षेत्र में सोमवार को ताजा बर्फबारी शुरू हुई। जिस कारण हल्के वाहनों के लिए रास्ता जोखिम भरा हो गया है। बर्फबारी से घाटी के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। इस कारण क्षेत्र में ठंड का प्रकोप भी बढ़ गया है। डीडीएमए लाहौल व मौसम विभाग शिमला के अनुसार आने वाले दो दिनों में भारी बारिश व भारतीय भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा भूस्खलन की चेतावनी जारी की गई है। अगले दो दिनों में लाहौल-स्पीति और जांस्कर क्षेत्रों में मौसम खराब रहने की संभावना है। वहीं, लाहौल-स्पीति में हो रही भारी बारिश से सड़क यातायात बुरी तरह प्रभावित हो गया है। विभिन्न स्थानों पर भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ से रोड अवरुद्ध हो गए हैं। पागल नाला, काला नाला, छतड, पांगमो व की से काजा रोड अवरुद्ध हो गया है। जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त है। डीसी लाहौल-स्पीति किरण भडाणा ने एडवाइजरी जारी करते हुए लोगों को ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अनावश्यक आवाजाही से बचने की सलाह दी है। साथ ही स्थानीय लोगों को नदी-नालों से दूर रहने और ट्रैकरों को अगले दो दिनों तक ट्रैकिंग गतिविधियों से परहेज करने की भी हिदायत दी है। किसी भी अनहोनी होने पर तुरंत जिला आपदा प्रबंधन परिचालन केंद्र को सूचित करें।

शीत मरुस्थल लाहौल-स्पीति के शिंकुला व सरचू में हुई बर्फबारी।

आज भी स्कूलों में रहेगा अवकाश

जिले में मौसम के मद्देनजर जहां सोमवार के बाद मंगलवार को कुल्लू, मनाली व बंजार में भी अवकाश घोषित किया गया है जबकि आनी में सोमवार को लोकल हॉलिडे था, जबकि निरमंड में भी बंद रहे। डीसी ने बताया कि मौसम के लगातार खराब रहने के चलते ऑनलाइन कक्षाएं लगाने बारे भी विभाग को कहा गया है।

जिले में 158 सड़कें अवरुद्ध, 35 पेयजल व सिंचाई योजनाएं प्रभावित

कुल्लू जिले में बरसात का कहर लगातार जारी है और बारिश के कारण भारी नुकसान भी जगह-जगह हो रहा है। इस साल मानसून सीजन में भारी बारिश, बादल फटने और लैंडस्लाइड से भारी नुकसान हुआ है। कई लोगों के सपनों और खून पसीने से बनाए आशियाने उजड़ गए हैं। आपदा से प्रभावित लोग दूसरे के घरों में रहने को मजबूर हैं। जिला कुल्लू में अभी तक 158 सड़कें अवरुद्ध हैं, जबकि 189 एटीआर व 35 पेयजल और सिंचाई योजनाएं प्रभावित हैं। जिलेभर में सैंज सहित लगघाटी, आनी, मनाली व अन्य कई जगहों पर कुछ गांव भूस्खलन की जद में आए हैं और इस कारण कई घरों में दरारें भी आई हैं। सोमवार को कुल्लू के सरवरी में भी एक घर भूस्खलन के कारण गिर गया है। उधर, डीसी कुल्लू तोरुल एस रवीश ने बताया कि जहां-जहां जिले के घरों व गांवों में भूस्खलन का खतरा है, वहां जिला प्रशासन की ओर से रिलीफ कैंप प्रशासन की ओर से चलाए जा रहे हैं। साथ ही साथ प्रभावित लोगों की जो भी जरूरतें हैं, उन्हें पूरा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा प्रदेश सरकार के साथ यह भी चर्चा हुई है कि जिन गांवों या घरों को भूस्खलन का खतरा है। यहां पर पूरे ही एरिया की सेटलिंग होगी। वहां पर साइंटिफिक स्टडी करके मिटिगेशन मॉडल बनाने की आवश्यकता है, जिसकी लिस्ट बनाकर सरकार को भेजी जा रही है। उन्होंने बताया कि जो गांव या घर पूरी तरह से डैमेज हो गए हैं, उनको कहीं और स्थानांतरित करने के बारे में भी केंद्र सरकार से एफसीए में रिलेक्ससेशन बारे पत्राचार किया है।

जिले में पेट्रोल व डीजल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग। डीसी लाहौल-स्पीति किरण भड़ाना ने कहा कि जिले में पेट्रोल व डीजल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। सनद रहे कि पर्याप्त मात्रा में ईंधन उपलब्ध होने के बावजूद उपासक फिलिंग स्टेशन, केलांग में ईंधन वितरण न करने की सूचना प्राप्त होने पर, डीसी लाहौल-स्पीति एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण अध्यक्ष किरण भडाना, डीएसपी रश्मि शर्मा तथा उनकी टीम ने त्वरित रूप से स्थिति का संज्ञान लिया और आपदा प्रबंधन अधिनियम व आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत नोटिस जारी किया गया। डीसी ने मौके पर ही सख्त आदेश देते हुए सभी को समान रूप से ईंधन की आपूर्ति करने के निर्देश दिए। डीसी ने कहा कि जिले में ईंधन का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और किसी भी प्रकार की कालाबाजारी करने पर कठोर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। डीसी द्वारा उपासक फिलिंग स्टेशन प्रबंधन को आदेश दिया कि आपातकालीन परिस्थिति में ईंधन का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध करवाने के बावजूद ईंधन वितरण किसी भी प्रकार की बाधा न उत्पन्न करें और जनता को ईंधन की आपूर्ति अविलंब शुरू करवाई। डीसी और पुलिस टीम द्वारा सभी नागरिकों को ईंधन उपलब्ध कराए जाने के कड़े आदेश जारी किए गए हैं, ताकि आपदा के इस समय में नागरिकों को किसी भी तरह की असुविधा न हो। उन्होंने बताया कि जिले में ईंधन की कोई कमी नहीं है और अफवाहों पर ध्यान न दें और प्रशासन द्वारा दी गई आधिकारिक सूचनाओं का ही अनुसरण करें और आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी करने वालों की सूचना तुरंत प्रसाशन को दें।

भूस्खलन से खतरे की जद में पीएचसी भुट्टी भवन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

जिले में लगातार हो रही भारी वर्षा से जनजीवन प्रभावित हुआ है। इसी कड़ी में लग घाटी के भुट्टी स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) भवन को भूस्खलन से खतरा उत्पन्न हो गया है। डीसी कुल्लू, तोरुल एस रवीश ने सोमवार को मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

स्वास्थ्य व परिवार कल्याण व लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि पीएचसी भवन को सुरक्षित करने के लिए त्वरित कदम उठाए जाएंगे, ताकि स्वास्थ्य सेवाएं बाधित न हों। साथ ही भूस्खलन से अवरुद्ध हुई सड़क को भी जल्द सुचारू करने के निर्देश दिए गए। यह सड़क लगभग छह पंचायतों के करीब 20 गांवों को जोड़ती है और भारी वर्षा के चलते हुए भूस्खलन के कारण रविवार रात को अवरुद्ध हुई है। इस सड़क पर भुट्टी पीएचसी के सामने 120 फुट लंबा वैली ब्रिज स्थापित किया जा रहा है। इसके आगामी तीन से चार दिनों में तैयार हो जाने से 20 गांवों का संपर्क बहाल हो जाएगा। इस पुल के लगने से मानगढ़, कालंग, शालंग, ग्रामंग, तीयूण, दोग्री, समाणा, थाच, कणोंण, शीलाणी, भुट्टी, भलयानी, बड़ाग्रां और कमांड सहित लगभग आठ हजार की आबादी को राहत मिलेगी।

निजी सहित सरकारी संपत्ति को नुकसान

डीसी ने कहा कि लगातार वर्षा के कारण न केवल निजी संपत्तियों, बल्कि सरकारी भवनों, सड़कों, पुलों, पेयजल योजनाओं, दूरसंचार नेटवर्क और बिजली लाइनों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने बताया कि सभी विभाग चौबीसों घंटे मूलभूत सुविधाओं की बहाली कार्य में लगे हुए हैं।

ड्राइविंग टेस्ट और वाहनों की पासिंग की तिथियां निर्धारित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। आरटीओ कुल्लू राजेश भंडारी ने कहा कि कुल्लू में ड्राइविंग टेस्ट के लिए आरटीओ, कुल्लू और आरएलए कुल्लू, मनाली, बंजार, केलांग व उदयपुर की तिथियां निर्धारित की गई हैं। आरटीओ कुल्लू में 6, 11, 19, 24 व 29 सितंबर को वाहनों की पासिंग प्रक्रिया तथा 18 सितंबर को ड्राइविंग टेस्ट आयोजित किए जाएंगे। आरएलए कुल्लू में 10 सितंबर को ड्राइविंग टेस्ट, आरएलए मनाली में 9 व 23 सितंबर को वाहनों की पासिंग प्रक्रिया तथा 8 सितंबर को ड्राइविंग टेस्ट, आरएलए बंजार में 20 सितंबर को, लाहौल-स्पीति के केलांग में 16 सितंबर तथा उदयपुर में 15 सितंबर को वाहनों की पासिंग प्रक्रिया तथा ड्राइविंग टेस्ट आयोजित किए जाएंगे।

आनी में बारिश व भूस्खलन से जनजीवन प्रभावित

जितेंद्र गुप्ता, अनंत ज्ञान

आनी। आनी क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से जमीन धंसने, मकान ढहने, सड़कें क्षतिग्रस्त होने की कई घटनाएं सामने आ रही हैं। आनी से जलोड़ी दर्रे तक नेशनल हाईवे-305 जगह जगह तहस-नहस हो गया है।

कंडुगाड से कंडा का वैकल्पिक मार्ग भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त है, ऐसे में आनी व जिला मुख्यालय कुल्लू का संपर्क पूरी तरह से कटा हुआ है। कई ग्रामीण सड़कों में भूस्खलन, डंगे ढहने और सड़कें धंसने से यातायात बाधित है। ग्राम पंचायत कमांद की प्रधान रीमा ठाकुर ने बताया कि पंचायत के अंतर्गत डगसारी गांव में लगातार हो रही भारी बारिश से जमीन धंसने की घटनाएं सामने आई हैं। डगसारी गांव में एक रसोईघर पूरी तरह ढह चुका है, जबकि कई मकान खतरे की जद में हैं। गांव के आगे-पीछे कई मीटर जमीन धंसने से स्थिति और अधिक गंभीर हो गई है। इसी प्रकार एनएच-305 पर कमांद कैंची के पास लगभग 30 मीटर सड़क धंसने से पूरे चलोहन वार्ड पर भी खतरा मंडरा रहा है। वहीं, हलोचा व प्रकौट गांव में हुए भूस्खलन से सराली और आसपास के क्षेत्रों में जनजीवन प्रभावित हुआ है। शकारण गांव के धंसने का खतरा बना हुआ है। खनाग के धारा मोड़ के समीप करीब 50 मीटर जमीन धंस रही है, जिससे एनएच-305 को खतरा है साथ ही नीचे बसे रोपा गांव को भी खतरा बना हुआ है। वहीं, बुछैर पंचायत की प्रधान चंद्रा ठाकुर ने बताया कि डोहवी गांव में कई मकान खतरे की जद में आ गए हैं। कई घरों को खाली करने व घरों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों में जाने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, कराड़ पंचायत के निचले पटारना गांव में भूस्खलन का खतरा बना हुआ है, जबकि साथ लगते खाटू गांव के कई मकानों पर भी भूस्खलन व ढहने का खतरा बना हुआ है। जाबन क्षेत्र के अमरबाग में भूस्खलन हुआ और सड़क किनारे पार्क की गई एक कार मलबे में दब गई, जबकि अमरबाग और पुनण खड्ड के बीच गुगरी गाड में स्लैब कलवर्ट क्षतिग्रस्त हो गया है, जिसे लोक निर्माण विभाग ने वाहनों की आवाजाही के लिए असुरक्षित घोषित कर दिया है। लगातार बारिश के चलते क्षेत्र के कई परिवारों ने सुरक्षा की दृष्टि से रातें सुरक्षित स्थलों पर गुजारनी शुरू कर दी हैं। एसडीएम आनी लक्ष्मण सिंह कनेट ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे इस कठिन परिस्थिति में एक-दूसरे की मदद करें, अनावश्यक यात्रा से बचें और सुरक्षित स्थानों पर ही रहें। उन्होंने बताया कि प्रशासन क्षेत्र की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है तथा राहत व सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

लाहौल से निकले, तो बांहग में फंसे सौ से अधिक ट्रक चालक

अनंत ज्ञान, मनाली

लेह से मनाली की ओर आ रहे ट्रक चालकों की दिक्कत कम होने का नाम नहीं ले रही है। यह ट्रक चालक 25 अगस्त को पागल नाले में आई बाढ़ से लाहौल में फंस गए थे। पांच दिन लाहौल में फंसे रहने के बाद प्रशासन के सहयोग से ट्रक चालक रविवार को मनाली की ओर निकले, लेकिन वशिष्ठ चौक व समाहन के पास सड़क बहाल न होने के कारण बांहग में फंस गए। ट्रक चालकों की दिक्कत को समझते हुए बुरुआ पंचायत प्रधान चूड़ामणि व उनकी टीम आगे आई।

उन्होंने सौ से अधिक ट्रक चालकों के खान पान का जिम्मा उठाया। पूर्व मंत्री गोविंद ठाकुर ने प्रधान चूड़ामणि व उनकी टीम के कार्य की सराहना की। प्रधान चूड़ामणि ने बताया कि मनाली में आई प्राकृतिक आपदा के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग-3 वशिष्ठ स्थित समाहण के पास बंद होने से लगभग 100 से अधिक ट्रक नेहरू कुंड से लेकर वशिष्ठ चौक तक फंसे हुए हैं। चूड़ामणि ने बताया कि उपप्रधान व भाजपा ओबीसी मोर्चा मनाली मंडल के अध्यक्ष चमन महंत, बुरूआ शक्ति केंद्र के अध्यक्ष सेस राम और हिंद युवक मंडल बुरूआ के प्रधान ललित ठाकुर ने अपनी टीम के साथ मिलकर यह निर्णय लिया है कि जब तक यह सड़क यातायात के लिए सुचारू नहीं होती, तब तक सभी ट्रक चालकों के लिए भोजन की व्यवस्था निरंतर करते रहेंगे।

> **यह** गर्व की बात है कि ग्राम पंचायत बुरूआ के प्रधान चूड़ामणी और उनके साथियों ने ऐसे कठिन हालात में ट्रक चालकों व परिचालकों को भोजन का प्रबंध कर सेवा व मानवीय संवेदनशीलता की अनोखी मिसाल पेश की है। इस सराहनीय पहल के लिए सभी साथियों को हार्दिक साधुवाद देता हूं।
>
> **गोविंद सिंह ठाकुर, पूर्व मंत्री।**

कैंब्रिज इंटरनेशनल स्कूल को मिला आरआईडीएस पुरस्कार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। कैम्ब्रिज इंटरनेशनल स्कूल मौहल कुल्लू को दिल्ली में स्कूलों में अंतरराष्ट्रीय आयाम की मान्यता (आरआईडीएस) पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कैम्ब्रिज इंटरनेशनल स्कूल को प्रतिष्ठित आरआईडीएस पुरस्कार का सम्मान नई दिल्ली के ली मेरिडियन में आयोजित एक विशेष प्रमाणपत्र समारोह में प्रदान किया गया। यह पुरस्कार स्कूल की प्रिंसिपल रैना वर्मा ने ब्रिटिश कौंसिल से गरिमामय समारोह में प्राप्त किया। प्रधानाचार्य ने बताया कि यह तीन वर्षों के लिए मान्य है, जो कि 2025 से 2028 तक मान्य होगा। यह सम्मान हमारे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नवाचार और छात्रों के समग्र विकास के प्रति अटूट समर्पण का प्रमाण है। यह हमारे समर्पित शिक्षकों की अथक मेहनत, अभिभावकों के विश्वास व छात्रों के उत्साह को दर्शाता है, जो मिलकर कैम्ब्रिज स्कूल को उत्कृष्टता का एक सच्चा केंद्र बनाते हैं, जिसे हम आगे भी बनाए रखेंगे। स्कूल के प्रबंधक राजीव शर्मा व रिसोर्स पर्सन शांतनु शर्मा ने स्टाफ के सभी सदस्यों को इस उपलब्धि में उनके सहयोग के लिए हार्दिक धन्यवाद किया। स्कूल मैनेजमेंट ने कहा कि यह मान्यता हमें युवा मस्तिष्कों को जुनून, उद्देश्य और उत्कृष्टता की दृष्टि के साथ पोषित करने के लिए प्रेरित करती है। इस उपलब्धि से स्कूल में खुशी की लहर है।

आपदा की घड़ी में पेश की मानवता की मिसाल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग

जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति में पिछले दिनों आई प्राकृतिक आपदा के चलते सड़कों के अवरुद्ध होने से कई पर्यटक तथा भारी और हल्के वाहन चालक सिस्सू क्षेत्र में फंसे रहे। आपदा की इस चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में स्थानीय स्तर पर जिस प्रकार से सामुदायिक संस्थाओं ने आगे आकर सहयोग किया, वह वास्तव में अनुकरणीय है।

यह बात डीसी लाहौल-स्पीति व जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण अध्यक्ष किरण भड़ाना ने सोमवार को सिस्सू क्षेत्र का दौरा कर इस योगदान को न केवल सराहा, बल्कि इसे मानवता की सच्ची सेवा और मिसाल बताया। उन्होंने कहा कि आपदा के समय प्रशासन व सरकार की ओर से राहत व पुनर्वास के कार्य प्राथमिकता के साथ किए जाते हैं, लेकिन ऐसे अवसरों पर जब समाज के विभिन्न वर्ग और संस्थाएं भी कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करें, तो राहत प्रयास व अधिक प्रभावी हो जाते हैं। सिस्सू क्षेत्र में फंसे हुए पर्यटकों व वाहन चालकों के लिए मूलिंग महिला मंडल, युवक मंडल, गोधला व्यापार मंडल और घेपन मंदिर कमेटी के सदस्यों द्वारा पिछले कुछ दिनों से प्रतिदिन सुबह का नाश्ता, दोपहर और रात का भोजन निशुल्क उपलब्ध करवाया जा रहा है।

यह सेवा बिना किसी अपेक्षा के, केवल मानवता व सहयोग की भावना से प्रेरित होकर की जा रही है। इस अवसर पर डीसी ने क्षेत्र के लोगों से भी संवाद किया और उनकी समस्याओं व आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने आश्वासन दिया कि जिला प्रशासन हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर पुलिस उपअधीक्षक रशमी शर्मा, खंड विकास अधिकारी लाहौल डॉ. विवेक गुलेरिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। डीसी ने कहा कि ऐसी पहलें आपदा प्रबंधन प्रणाली को और मजबूत बनाती हैं और प्रशासनिक प्रयासों को गति देती हैं। उन्होंने विशेष रूप से यह उल्लेख किया कि जब बाहरी क्षेत्रों से आए पर्यटक कठिनाइयों का सामना कर रहे थे, तब सिस्सू के स्थानीय संगठनों ने उन्हें अपने अतिथि मानकर सेवा की और यह सुनिश्चित किया कि किसी को भी भूखे पेट रुकना न पड़े।

डीसी लाहौल-स्पीति किरण भडाना महिला मंडलों व अन्य लोगों से संवाद करती हुईं।

बीआरओ ने पार की पहली बाधा, वशिष्ट चौक में सड़क तैयार

अनंत ज्ञान, मनाली। सीमा सड़क संगठन ने मनाली-लेह मार्ग की बहाली के कार्य में जान फूंक दी है। भारी बारिश के बीच सड़क खोलने का कार्य जारी है। वशिष्ट चौक में बारिश से तबाह हुई सड़क को बीआरओ ने अस्थायी तौर पर बनाकर तैयार कर लिया है, अब समाहन में सड़क पर पड़े बड़े गड्ढों को भरने का कार्य शुरू किया जा रहा है। इस गड्ढे को भरने के बाद यह मार्ग सोलंगनाला तक यातायात के लिए बहाल हो जाएगा। लाहौल-स्पीति आने जाने वाले लोगों को भी इसके बनने से सुविधा होगी। फिलहाल अभी छोटे वाहनों को ही ओल्ड मनाली से भेजा जा रहा था। सड़क तंग होने के कारण यहां अक्सर जाम लगा रहता था, अब बशिष्ट चौक के पास अस्थायी रूप से सड़क बना दी गई, जिससे लोगों को जाम से निजात मिल पाएगी। बीआरओ का अगला लक्ष्य समाहन है, जहां लगभग सौ मीटर के करीब सड़क ब्यास नदी में समा गई है। बीआरओ के अधिकारी व कर्मचारी दिन-रात यातायात बहाल करने में जुटे हुए हैं, लेकिन लगातार हो रही बारिश से उन्हें काम करने में भारी परेशानी हो रही है।

सर्किट हाउस कुल्लू में पत्रकारों से दुर्व्यवहार को लेकर डीसी से मिले पत्रकार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

सर्किट हाउस कुल्लू में पूर्व मंत्री की पत्रकार वार्ता के दौरान 29 अगस्त को हुए दुर्व्यवहार के विरोध में जिला मुख्यालय के सभी पत्रकार सोमवार को डीसी कुल्लू तोरुल एस रवीश से मिले। पत्रकारों ने इस घटना को प्रेस की गरिमा पर आघात बताते हुए डीसी को ज्ञापन सौंपा और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि पूर्व मंत्री की प्रेस वार्ता के लिए पत्रकारों को विधिवत बुलाया गया था, लेकिन समय से कुछ पहले ही जब कुछ पत्रकार कॉन्फ्रेंस हॉल में पहुंचकर कवरेज की प्रतीक्षा कर रहे थे, तभी सर्किट हाउस के एक कर्मचारी ने उनसे बदसलूकी की और उन्हें हॉल से बाहर निकाल दिया। इतना ही नहीं, कर्मचारी ने हॉल में ताला लगाकर यह टिप्पणी की कि प्रेस वार्ता की कोई अनुमति नहीं ली गई है। पत्रकारों का कहना है कि यह व्यवहार न केवल अस्वीकार्य है, बल्कि प्रेस की स्वतंत्रता व पत्रकारों की गरिमा पर भी सीधा हमला है। डीसी कुल्लू ने पत्रकारों की आपत्ति पर खेद जताते हुए आश्वासन दिया कि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा नहीं होगी। वहीं, पत्रकारों ने सामूहिक निर्णय लेते हुए कहा कि जब तक इस घटना की निष्पक्ष जांच पूरी नहीं हो जाती और दोषियों पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक सर्किट हाउस कुल्लू में आयोजित किसी भी सरकारी या गैर-सरकारी प्रेस वार्ता और कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लिया जाएगा। पत्रकारों ने मुख्यमंत्री हिमाचल प्रदेश को संबोधित ज्ञापन सौंपकर इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन की प्रतियां उपमुख्यमंत्री, जनसंपर्क विभाग निदेशक, प्रेस क्लब ऑफ इंडिया और केंद्रीय सूचना व प्रसारण मंत्री को भी भेजी गई हैं।

मरम्मत विधायक अनुराधा राणा ने बीआरओ के कमांडर से की मुलाकात

बारिश में भी जारी रहा सड़क बहाली का कार्य

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग

मनाली-लेह सामरिक मार्ग पर समहाण तिब्बतन कॉलोनी के पास चिड़ियारी के नीचे सड़क का हिस्सा सीमा सड़क संगठन के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है। यहां लगातार हो रहे भूस्खलन के कारण सड़क की मरम्मत कार्य में भारी दिक्कतें आ रही हैं। लाहौल-स्पीति की विधायक अनुराधा राणा ने भारी बारिश के बीच सोमवार को बीआरओ अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त सड़कों का निरीक्षण किया।

मनाली के समीप वशिष्ठ चौक में बीआरओ के कमांडर कर्नल गौरव बंगारी व ओसी कैप्टन एमएस परमार के साथ उन्होंने सड़क बहाली कार्य की प्रगति पर चर्चा की। विधायक ने विपरीत परिस्थितियों व लगातार बारिश के बावजूद कार्य में जुटे बीआरओ कर्मियों का आभार जताया और कार्य में और तेजी लाने का आग्रह किया। इस पर कर्नल गौरव बंगारी ने विधायक को भरोसा दिलाया कि यदि मौसम अनुकूल रहा, तो एक सप्ताह के भीतर सड़क को पूरी तरह से बहाल कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि एक प्वाइंट पर कार्य तेजी से चल रहा है, लेकिन दूसरा प्वाइंट काफी कठिन है। फिर भी बीआरओ पूरी मुस्तैदी से काम में जुटा हुआ है। गौरतलब है कि सड़कें क्षतिग्रस्त होने के कारण लाहौल की नकदी फसलें समय पर मंडियों तक नहीं पहुंच पा रही हैं। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। रविवार को किसानों का एक प्रतिनिधिमंडल केलांग में विधायक से मिला और अपनी समस्याएं साझा कीं। सब्जी कारोबारियों व किसानों ने विधायक से बीआरओ के अधिकारियों से बात कर मार्ग की जल्द मरम्मत कराने की मांग की थी।

इसी के चलते विधायक अनुराधा राणा ने सोमवार को भारी बारिश के बीच खुद लाहौल से मनाली पहुंचकर बीआरओ अधिकारियों से मुलाकात की और समस्या का त्वरित समाधान निकालने को कहा। विधायक ने कहा कि जनहित से जुड़ा यह मुद्दा जल्द सुलझेगा और किसानों की परेशानी जल्द खत्म होगी। इस दौरान जिप सदस्य दोरजे लारजे भी मौजूद रहे।

विधायक लाहौल-स्पीति अनुराधा राणा बीआरओ कमांडर से चर्चा करती हुईं।

पागल नाला उफान पर यातायात प्रभावित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग। लगातार हो रही भारी वर्षा के चलते सोमवार को एक बार फिर पागल नाले में तेलिंग नाला और थोरंग नाला में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई। इससे यातायात पूरी तरह अवरुद्ध हो गया और लोगों को आवागमन में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। लगातार हो रही बारिश ने आम जनजीवन को बाधित कर दिया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए विधायक अनुराधा राणा ने बारिश के बीच मौके पर पहुंचकर हालात का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने जनता से अपील की है कि वे अनावश्यक यात्रा करने से बचें और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। विधायक ने संबंधित विभागों को जल्द यातायात व्यवस्था बहाल करने और जनता को राहत पहुंचाने के लिए तत्परता से कार्य करने के निर्देश दिए हैं। आमजन से आग्रह किया गया कि वे परिस्थितियों के सामान्य होने तक घर पर ही रहें और केवल अत्यावश्यक कार्यों के लिए ही यात्रा करें। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि यातायात व्यवस्था जल्द सुचारु कर दी जाएगी। अनुराधा राणा ने बताया कि इसके अतिरिक्त भारी बारिश के बावजूद तिंदी भुजुंड मार्ग को भी बहाल किया जा रहा है।

डायनासोर झील को किया जा रहा अपवित्र, शाही स्नान पर रोक

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

डायनासोर में नहीं होगा 20 भादो का शाही स्नान

कुल्लू, मंडी, कांगड़ा व लाहौल-स्पीति के मध्य पर्वत श्रृंखला पर स्थित डायनासोर में इस बार भी 20 भादो का शाही स्नान नहीं होगा। चौहार घाटी, लग घाटी व छोटा भंगाल के देवी-देवताओं ने यह प्रतिबंध लगाया है।

यह जानकारी माता फुंगणी के कारदार राम लाल ठाकुर ने दी। उन्होंने कहा कि यहां झील को अपवित्र किया जा रहा है, जिस कारण पिछले दो सालों से देवी-देवताओं ने प्रतिबंध लगाया है। उन्होंने कहा कि लगघाटी, चौहार घाटी व छोटा भंगाल के देवी-देवताओं ने यह प्रतिबंध लगाया है। उन्होंने कहा कि देवी-देवताओं ने गूरवाणी में कहा कि डायनासौर झील गंदगी से अपवित्र हो रही है। लोग यहां पहुंचकर झील में गंदगी फैला रहे हैं, जिस कारण देवी-देवताओं ने प्रतिबंध लगाया है। उन्होंने कहा कि देव आदेशों का माता के कारकून और हारियान पालन करेंगे। पिछले दो सालों में भी डायना सौर झील में स्नान करने की इजाजत नहीं थी और इस बार भी देवी-देवताओं की ओर डायना सौर में बीस भादो को शाही स्नान करना बंद कर दिया है। यह आदेश गूरवाणी में देवी-देवता ने किए हैं और डायनासोर जाना मना है। उन्होंने कहा कि वहां जाकर लोग गंदगी फैला रहे हैं, अपने साथ कई प्रकार की निषेध वस्तुओं को ले जा रहे हैं। इससे देव स्थल अपवित्र हो रहा है।

उन्होंने कहा कि यहां के लिए न ही यातायात का साधन है और न ही प्रशासन का पहरा है, जिस कारण यहां पर जाने वाले लोग बेखौफ होकर अपने साथ शराब सहित नशीली वस्तुओं को ले जाते हैं और लोग यहां गंदगी फैलाते हैं, जिसको लेकर कुल्लू, मंडी व कांगड़ा के छोटा भंगाल के देवी-देवता नाराज हैं। देवी-देवताओं के आदेश हमारे लिए सर्वमान्य हैं और सभी को देव आदेश मानने होंगे, जो देव आदेशों का उल्लंघन करता है, तो उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं, उन्होंने प्रशासन व सरकार से आग्रह किया कि जिले में जितने धार्मिक स्थल हैं, इन्हें पर्यटन स्थल न बनाया जाए।

बिना लाइसेंस के एलोपैथिक दवाएं रखने के मामले में 6 माह का कारावास

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट

जिला विशेष सत्र न्यायाधीश डॉक्टर अरविंद मल्होत्रा की अदालत ने बिना लाइसेंस के एलोपैथिक दवाएं रखने के दो अलग-अलग मामलों में दो आरोपियों को दोषी करार दिया है, जिससे स्वास्थ्य और सुरक्षा के मुद्दों पर महत्वपूर्ण संदेश गया है। गोविंदा विश्वास निवासी आदित्यपुर, उत्तर पश्चिम बंगाल को बिना डॉक्टर के पर्चे और लाइसेंस के भारी मात्रा में एलोपैथिक दवाइयां रखने के लिए औषधि व प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत अपराध करने का दोषी पाया गया है।

अदालत ने दोषी को अपराध करने के लिए 6 महीने के साधारण कारावास व 5 हजार रुपए का जुर्माना भरने की सजा सुनाई है, जो इस तरह के अपराधों के प्रति कड़ी कार्रवाई का संकेत है। कुमारेश विश्वास निवासी गांव मान तहसील अर्की, जिला सोलन को भी बिना डॉक्टर के पर्चे और लाइसेंस के 35 प्रकार की एलोपैथिक दवाइयां रखने के आरोप में औषधि व प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत अपराध करने का दोषी पाया गया है। अदालत ने दोषी को औषधि व प्रसाधन सामग्री रखने के जुर्म में 6 महीने के साधारण कारावास व 5 हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है, साथ ही उक्त अधिनियम की धारा 28 के तहत 3 महीने के साधारण कारावास की अतिरिक्त सजा भी दी है। दोनों मामलों में जिला अटॉर्नी संजय पंडित ने बताया कि आरोपियों ने अनाम क्लिनिक चलाकर बिना लाइसेंस के एलोपैथिक दवाइयां रखी थीं, जो स्वास्थ्य व सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। औषधि निरीक्षक ने संबंधित गवाहों की उपस्थिति में आरोपियों के क्लिनिक पर आवश्यक कार्रवाई की और उनके खिलाफ शिकायत दर्ज की। न्यायालय ने अभिलेख में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों को दोषी ठहराया, जिससे भविष्य में इस तरह के अपराधों पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। औषधि निरीक्षकों ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनके क्लिनिक पर छापा मारा और बिना लाइसेंस के एलोपैथिक दवाएं बरामद कीं। इसके बाद न्यायालय में मामला दर्ज किया गया और आरोपियों को दोषी पाया गया।

क्या होती हैं एलोपैथिक दवाइयां

एलोपैथिक दवाइयां वे आधुनिक चिकित्सा पद्धति की दवाइयां होती हैं जो लक्षणों का त्वरित इलाज करती हैं। इन्हें वैज्ञानिक परीक्षणों के आधार पर विकसित किया जाता है और डॉक्टर की सलाह अनुसार दी जाती हैं। सिरदर्द, बुखार, संक्रमण जैसे रोगों में इनका व्यापक उपयोग होता है।

न्यूज ब्रीफ

नाली छांदोग में स्थित आंगनबाड़ी को नुकसान

अनंत ज्ञान, सराहां। बारिश से पच्छाद खंड के गांव नाली छांदोग में स्थित आंगनबाड़ी को भी दंश झेलना पड़ा। आंगनबाड़ी केंद्र की पीछे की दीवार पूरी तरह से डंगा ध्वस्त होने के कारण टूट गई है। दीपक चौहान, बाल विकास परियोजना अधिकारी पच्छाद ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्र को अत्यधिक बारिश से बहुत ज्यादा क्षति हुई है। इसके आकलन के लिए पटवारी को मौके पर भेजा गया है, जिसकी रिपोर्ट आनी बाकी है। केंद्र में दीवार टूट जाने के कारण केंद्र में रखे फर्नीचर, खेल-खिलौनों, पोषाहार सामग्री भी नष्ट हो गई है। पटवारी की रिपोर्ट आने के बाद मामला मुआवजे के लिए डीसी सिरमौर को भेजा जाएगा, ताकि समय पर भवन की मरम्मत हो सके, जब तक मरम्मत नहीं हो जाती, तब तक आंगनबाड़ी केंद्र को अन्य भवन में स्थानांतरित करने के लिए आदेश दिए जा चुके हैं।

श्रीराम के जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर डाला प्रकाश

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट। दाड़लाघाट स्थित शिव मंदिर में श्रीराम कथा का आयोजन किया जा रहा है। इसमें श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित हो रहे हैं। कथा के पांचवें दिन कथा व्यास आचार्य मनी राम शास्त्री ने भगवान श्रीराम के जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला। कथा व्यास ने पुष्प वाटिका में श्रीराम व सीता के प्रथम मिलन का वर्णन किया और बताया कि कैसे भगवान श्रीराम ने अपने जीवन में धैर्य, साहस और त्याग जैसे गुणों को अपनाया। कथा में भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण शिक्षाएं दी गईं, जैसे कि सत्य, न्याय और करुणा के महत्व को समझाना। कथा के दौरान भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। इसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी भावनाओं को व्यक्त किया।

अधीक्षण अभियंता को पेयजल किल्लत से अवगत करवाया

अनंत ज्ञान, नाहन। शहर में पिछले एक माह से चली आ रही पेयजल समस्या को लेकर भाजपा ने अब सरकार और जल शक्ति विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। जिला मीडिया प्रभारी राकेश गर्ग के नेतृत्व में भाजपा नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने जल शक्ति विभाग के अधीक्षण अभियंता से मिलकर उन्हें शहर में पानी की किल्लत से अवगत कराया। राकेश गर्ग ने बताया कि शहर भर में पेयजल की बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। राकेश गर्ग के साथ प्रदीप विज, संजय चौहान, ललित और राज कुमार ने कहा कि शहर के कई वार्डों में लोग पानी के लिए तरस रहे हैं और उन्हें कई-कई दिनों के बाद पानी की सप्लाई मिल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस गंभीर समस्या के प्रति न तो विभाग और न ही स्थानीय विधायक संजीदा हैं, जबकि लोगों को पानी जैसी मूलभूत सुविधा के लिए परेशान होना पड़ रहा है। भाजपा नेताओं ने कहा कि पूर्व सरकार के समय में तत्कालीन विधायक डॉ. राजीव बिंदल ने शहर की पेयजल वितरण प्रणाली को सुधारा था। इस कारण कभी पानी की समस्या नहीं हुई। उन्होंने मौजूदा सरकार व महकमे पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मांग की कि इस समस्या का तुरंत समाधान किया जाए।

खेलकूद में 264 खिलाड़ी दिखा रहे दमखम

अनंत ज्ञान, सोलन। राष्ट्रीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कोटला में सोलन ब्लॉक के अंडर-14 ब्वॉयज खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ पूर्व एसएमसी प्रधान राजेश ठाकुर ने बतौर मुख्यातिथि के रूप में किया। इस मौके पर समाजसेवी राजेश ठाकुर विशिष्टातिथि के रूप में उपस्थित रहे। इससे पहले विद्यालय के प्रधानाचार्य संजीव परिहार ने सभी छात्रों व विभिन्न विद्यालयों से आए हुए प्रतिभागियों का स्वागत किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस प्रतियोगिता में सोलन ब्लॉक के 24 विद्यालयों के 264 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। यह प्रतियोगिता आगामी तीन दिन तक चलेगी। इस प्रतियोगिता में वॉलीबाल, खो-खो, कबड्डी, बैडमिंटन आदि खेलों का आयोजन किया गया है। यह जानकारी टूर्नामेंट के ऑब्जर्वर दीपक फिजिकल एजुकेशन लेक्चरर ब्वॉयज स्कूल ने दी।

कुत्तों की नसबंदी, एंटी रेबीज वैक्सीनेशन का कार्य शुरू

अनंत ज्ञान, सोलन। नगर निगम सोलन ने आखिरकार कुत्तों की नसबंदी व एंटी रेबीज वैक्सीनेशन का कार्य शुरू कर दिया। सोमवार को मेयर उषा शर्मा ने निगम कार्यालय के समीप बने आदर्श पशु जन्म नियंत्रण केंद्र का डिप्टी मेयर मीरा आनंद और आयुक्त एकता कापटा की मौजूदगी में शुभारंभ किया। इस मौके पर पशुपालन विभाग से आई डॉक्टरों और टेक्नीशियन की टीम भी मौजूद रही। पहले दिन 6 कुत्तों की नसबंदी और एंटी रेबीज वैक्सीनेशन की गई। नसबंदी कार्यक्रम के लिए पशुपालन विभाग के डॉक्टर अन्य तकनीकी सहायकों की सेवाएं ली जा रही हैं। पहले चरण में नगर निगम ने 100 कुत्तों का वैक्सीनेशन का लक्ष्य रखा है। नसबंदी को सप्ताह में एक दिन निश्चित किया जाएगा। इनमें 17 कुत्तों की नसबंदी हो सकेगी। इसके लिए पशु जन्म नियंत्रण केंद्र में 17 केज यानी पिंजरे बनाए गए हैं। इसमें वैक्सीनेशन के बाद कुत्तों को तीन दिन तक रखा जाएगा। इसके बाद उन्हें उसी लोकेशन में छोड़ा जाएगा, जहां से उन्हें उठाया गया था। मेयर उषा शर्मा ने ने कुत्तों को पकड़ने, उनकी नसबंदी और एंटी रेबीज वैक्सीनेशन किए जाने का टेंडर किया है। इसके बाद 2 साल के लिए टेंडर होगा। बता दें कि सोलन शहर के वार्ड क्षेत्रों में कुत्तों की बढ़ती संख्या को देखते हुए ठोडो ग्राउंड के नजदीक आदर्श पशु जन्म नियंत्रण केंद्र स्थापित किया है, जिस पर करीब 45 लाख रुपए की लागत आई है। उम्मीद की जा रही है कि इससे कुत्तों की बढ़ती संख्या पर अंकुयर लगेगा और लोगों को इनके आतंक से भी निजात मिलेगी। फिलहाल नगर निगम में गुजरात की एक एनजीओ को कुत्तों को पकड़ने और नसबंदी प्रक्रिया पूरी करने का कार्य सौंपा है। कुत्तों की नसबंदी के साथ टैगिंग की जाएगी, ताकि यह मालूम पड़े की कुत्ते को एंटी रेबीज वैक्सीनेशन लगी है।

सलोगड़ा में लैंडस्लाइड दो घंटे बंद रहा हाईवे

आर मोहन चौहान, अनंत ज्ञान ब्यूरो

सोलन। समूचे क्षेत्र में हो रही मूसलाधार बारिश से जहां जानमाल की हानि से लोग डर के साए में जीने को मजबूर है।

वहीं, नेशनल हाईवे सहित अधितकर मार्ग अवरुद्ध होने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। हालांकि, रेड अलर्ट को देखते हुए सोमवार को स्कूल, कॉलेज में छुट्टी घोषित की गई थी। सोमवार सुबह एनएच-5 के सलोगड़ा में भारी मात्रा में पहाड़ी से लैंड स्लाइड हुआ। इससे हाईवे करीब दो घंटे बंद रहा। हाईवे के दोनों तरफ वाहनों की लंबीं कतारें लगी रही। सोलन-कैथलीघाट के बीच सुरक्षा की दृष्टि से हाईवे को वन-वे किया गया है, लेकिन लैंड स्लाइड के खतरे को देखते हुए वाहन चलाना जोखिमभरा हो गया है। वहीं, नेशनल हाईवे के चक्की मोड़ पर स्थिति सामान्य बनी हुई है पर बारिश के पानी के साथ मलबा आना जारी है। यहां भी ट्रैफिक को वन-वे किया गया है। एसपी सोलन गौरव सिंह ने बताया कि चक्की मोड़ पर सिंगल लेन से वाहनों की आवाजाही हो रही है। यातायात को सुचारु करने के लिए पुलिस बल मौके पर तैनात है। वहीं, रविवार शाम को उस समय बड़ा हादसा होने से टल गया, जब रेलवे ट्रैक पर आई चट्टान को हटाते यह हाईवे पर आ गिरी। गनीमत रही कि उस समय सड़क से कोई वाहन नहीं गुजर रहा था।

भारी बारिश से कालका-शिमला रेल ट्रैक पर आया मलबा।

जिला मुख्यालय से कटे कई क्षेत्र

बारिश से सड़कों पर हुए भूस्खलन से जिला मुख्यालय सोलन से कई क्षेत्र कट गए। बारिश से राजगढ़ की तरफ जाने वाली सड़क पर शगुन होटल के समीप भारी चट्टान आ गई। इससे राजगढ़ की तरह जाने वाले यात्री बीच में फंस गए। वहीं, कुमारहट्टी-नाहन मार्ग, सोलन-सुबाथू और सोलन-जौणाजी भूस्खलन व पत्थरों के गिरने से सड़कों को खासा नुकसान पहुंचा है। ये मार्ग बार-बार अवरुद्ध हो रहे हैं। बारिश से जिले की अधिकतर सड़कें बंद है। इससे एचआरटीसी की बसें रुट पर नहीं चल पाई।

डीसी सोलन मनमोहन शर्मा ने कहा कि बारिश के दृष्टिगत जिला प्रशासन राष्ट्रीय राजमार्गों सहित अन्य मार्गों पर यातायात सुचारू बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और पुलिस, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग तथा अन्य संबद्ध विभागों को इस दिशा में उचित निर्देश जारी किए गए।

कुमारहट्टी में मकान धवस्त

बारिश के कहर से कुमारहट्टी रोड पर एक मकान धवस्त हो गया। बताया जा रहा कि इसमें दरारें आ गई थी। इसके चलते इसे खाली कर लिया था, अन्यथा जानमाल का नुकसान हो जाता। वहीं, नगर निगम के वार्ड-11 में भी बारिश के चलते एक मकान की दिवार गिर गई। इससे बड़ा हादसा टल गया। प्रशासन ने यहां दो मकानों को खतरे की दृष्टि से खाली करवाया है। वार्ड-7 के कारगिल मोहल्ला में भी मकान की दिवार गिरी। इसी तरह वार्ड एक के बिजली व चील का पेड़ गिरकर हाईवे में आ गया। वार्ड-14 के फेज दो और वार्ड-8 के शिल्ली रोड में लैंड स्लाइड हुआ है। मेयर उषा शर्मा ने मौके पर जाकर नुकसान का जायजा लिया। राजकीय स्कूल में डंगा गिरने से स्कूल बिल्डिंग को खतरा हो गया है। रबोन में फोरलेन का पानी घरों की तरफ बहने से मकान को खतरा हो गया है।

रेल ट्रैक पर आया मलबा

बारिश के कारण विश्व धरोहर कालका-शिमला रेल ट्रैक पर कई जगहों पर भारी मात्रा में मलबा व चट्टानें आने से यह अनिश्चितकाल तक बंद कर दिया है। रेलवे प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है और ट्रैक को जल्द सामान्य करने के प्रयास जारी हैं। बताया जा रहा है कि रेल मार्ग को खुलने में दो से तीन दिन का समय लग जाएगा। रेलवे कर्मचारियों ने पूरे दिन ट्रैक को साफ करने का प्रयास जारी रखा, लेकिन बारिश इसमें बाधा डाल रही है।

राजगढ़ में जगह-जगह मलबा और जलभराव से लोगों की मुश्किलें बढ़ीं

बीआर चौहान, अनंत ज्ञान

राजगढ़। जिला सिरमौर के गिरिपार क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के चलते नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में जगह-जगह मलबा व पानी भर जाने की स्थिति पैदा हो गई है। इससे राजगढ़-सोलन मुख्य मार्ग जगह-जगह पर भूस्खलन के कारण बंद है।

राजगढ़ मुख्य बाजार से लेकर कई उपमार्गों तक भारी मात्रा में मलबा आ जाने से यातायात प्रभावित हो गया है। वहीं, निचले इलाकों में जलभराव के कारण लोगों को रोजमर्रा की गतिविधियों में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश शुरू होते ही सड़क किनारे से मलबा बहकर मुख्य मार्ग पर आ जाता है। इससे न केवल गाड़ियों की आवाजाही बाधित होती है, बल्कि पैदल चलने वालों के लिए भी खतरा बना रहता है। कई जगहों पर नालियों में मलबा भरने के कारण पानी सड़कों पर बह निकला है, जिससे हालात और बिगड़ गए हैं। प्रशासन ने मलबा हटाने और जलभराव की समस्या को हल करने के लिए टीमों को तैनात किया है। भारी मशीनरी लगाकर सड़कों को जल्द दुरुस्त करने का प्रयास किया जा रहा है। लगातार हो रही बारिश से राजगढ़ व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। खेतों में खड़ी फसलों में नुकसान की आशंका बनी हुई है। वहीं, एसडीएम राजगढ़ राज कुमार ठाकुर व नगर पंचायत अध्यक्ष ज्योति साहनी ने राजगढ़ में हुए नुकसान का दौरा किया व जायजा लेकर प्रभावितों को उचित सहायता देने का आश्वासन दिया। एसडीएम राजगढ़ राज कुमार ठाकुर ने लोगों से अपील की है कि वे बरसात के मौसम में सतर्क रहें और अनावश्यक रूप से पानी भरे क्षेत्रों से न गुजरें।

एकल विद्यालयों के आचार्य अब बनेंगे संस्कृति के प्रचारक

अनंत ज्ञान, सराहां। 30-31 अगस्त 2024 को दक्षिण हिमाचल आंचल श्री रेणुका जी के अंतर्गत सच जामुन की सेर और सराहां के एकल विद्यालयों के 60 आचार्यों का 30 घंटे का चातुर्मासिक प्रशिक्षण वर्ग जवानाघाट स्थित हनुमान मंदिर में संपन्न हुआ। उद्घाटन जामुन की सेर अध्यक्ष विनोद शर्मा की अध्यक्षता में हुआ। इसमें मंदिर के मुख्य पुजारी और विनोद शर्मा ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रशिक्षण के दौरान आचार्यों को 14 वर्ष तक के बच्चों को भारतीय संस्कृति, संस्कार, मातृभूमि के प्रति कर्तव्य और मातृभाषा के महत्व के विषयों पर मार्गदर्शन दिया गया। यह वर्ग अभियान प्रमुख सुनील चमन, जामुन की सेर की संच प्रमुख भगवती देवी और सराहां की संच प्रमुख मनीषा के सान्निध्य में संपन्न हुआ। समापन अवसर पर मुख्यातिथि कुणाल गर्ग व विशिष्टातिथि वीरेंद्र शर्मा उपस्थित रहे।

जोन म्योग में गोशाला पर मलबा गिरा, कई मवेशी दबे

अनंत ज्ञान, राजगढ़

राजगढ़ उपमंडल के जोन म्योग में रविवार रात को तेज बारिश के चलते अशोक पुत्र जगत राम की गोशाला पर अचानक मलबा आ गिरा। इस हादसे ने ग्रामीणों में हड़कंप मचा दिया। स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू कर दिया।

गोशाला में मौजूद मवेशियों को निकालने के प्रयासों के दौरान खबर लिखे जाने तक तीन मवेशियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। हालांकि, गोशाला में ही मौजूद एक गाय, एक बछड़ा और तीन बकरियां अब भी मलबे में दबे हैं। ग्रामीण लगातार फावड़े और अन्य साधनों की मदद से मलबा हटाने में जुटे हुए हैं। इस घटना से पशुपालक अशोक पुत्र जगत राम को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। मवेशी उनके परिवार की आजीविका का प्रमुख साधन हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तुरंत राहत पहुंचाने और बचाव कार्य तेज करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार भूस्खलन और मलबा गिरने की घटनाएं हो रही हैं, जिससे लोगों में दहशत का माहौल है।

हेल्थकेयर फूड प्रोसेसिंग सोसायटी को नुकसान

राजगढ़ क्षेत्र के पनेली जिला सिरमौर में बादल फटने के बाद आए फ्लैश फ्लड ने हिमाचल हेल्थकेयर फूड प्रोसेसिंग सोसायटी की यूनिट को भारी नुकसान पहुंचाया। फ्लैश फ्लड से यूनिट में लगी मशीनरी और अन्य सामान मलबे में दब गया है। अभी तक करीब एक करोड़ का नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। लगातार हो रही बारिश से क्षेत्र में लोगों को खासा नुकसान झेलना पड़ रहा है। वहीं, लोग डर के साए में जीने को मजबूर हैं।

भारी बारिश से कंडाघाट में भारी नुकसान

प्रेम कुमार, अनंत ज्ञान

कंडाघाट। उपमंडल में तीन दिनों से हो रही भारी बारिश रुकने का नाम नहीं ले रही है।

इस कारण चारों तरफ नुकसान हुआ है। दर्जनों अहम सड़कें बंद हैं, गांवों के रास्ते क्षतिग्रस्त हुए हैं। कइयों के घर व गोशालाएं क्षतिग्रस्त हुई, खेतों, घरों के आस-पास के डंगों को क्षति पहुंची है। जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। बारिश का क्रम जारी है और लोग नुकसान के डर से डरे हुए हैं। भूस्खलन से कालका-शिमला राजमार्ग सुबह करीब ढाई घंटे बंद रहा। कंडाघाट-चायल, कल्होग-बाशा, कंडाघाट टेहल, चायल-डूबलू, चायल-गौड़ा, चायल झाजा सोलन, चायल सनोव्यूह टिक्कर, साधुपुल-शोघी, जनेडघाट शिलाई साधुपुल, बांजनी आंजी साधुपुल, वाकनाघाट- स्पाटू, डूमैहर-ममलीग बंद रहे। लोक निर्माण विभाग ने कंडाघाट-चायल सहित कई सड़कें बहाल कर दी हैं।

कंडाघाट में तीन दिनों से हो रही भारी बारिश से घरों को उत्पन्न हुआ खतरा।

अन्य पर भी बहाली का काम शुरू किया जा रहा है।

इसके साथ पंचायतीराज विभाग के कार्यक्षेत्र में आने वाले कई गांवों की संपर्क सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं। ग्राम पंचायत हिन्नर के तहत टडांजी गांव में सोमदत्त नामक व्यक्ति के मकान के नीचे लगा डंगा गिर गया। यहां भारी भूस्खलन हुआ और मकान गिरने की कगार पर है। प्रशासन ने मकान को खाली करवाकर लोगों को सुरक्षित जगह भेज दिया। लगातार बारिश के कारण किसानों को अपनी नकदी फसलें मंडियों तक पहुंचाने में बाधा आ रही है। बारिश ने कई किसानों के खेतों को भी नुकसान पहुंचाया है। सभी खड्ड और नाले उफान पर हैं।

पैणकूफर में वर्षा से एक मकान दो गोशालाएं पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त

अनंत ज्ञान, राजगढ़

राजगढ़ उपमंडल की पझौता घाटी के पैणकूफर में भारी बारिश के कारण बीती रात एक रिहायशी मकान और दो गोशालाएं पूर्णरूप से क्षतिग्रस्त हो गई हैं, जबकि एक रिहायशी मकान को आंशिक रूप से नुकसान और नौ मकान खतरे की जद में आ गए हैं, जिन्हें प्रशासन द्वारा खाली कर दिया गया है।

एसडीएम राजगढ़ राजकुमार ठाकुर ने बताया कि बीते तीन दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के चलते पैणकूफर में जितेंद्र पुत्र बेली राम का रिहायशी मकान सामान पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गया है। इसकी अनुमानित लागत दस लाख आंकी गई है। प्रभावित परिवार को दस हजार की फौरी राहत प्रदान कर दी गई है, जबकि पैणकूफर निवासी सतीश कुमार और रविंद्र कुमार की गोशालाएं भी पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गई हैं। इसके अतिरिक्त पैणकूफर निवासी संदीप कुमार के रिहायशी मकान को आंशिक रूप से करीब 30 प्रतिशत नुकसान पहुंचा है। एसडीएम ने बताया कि इस गांव में नौ मकान खतरे की जद में आ गए हैं, जिन्हें खाली कर दिया गया है, ताकि किसी प्रकार का जानी नुकसान न हो। इनमें सुरेश कुमार पुत्र बस्ती राम, सत्येंद्र पुत्र कुंदन सिंह, सुरेंद्र सिंह पुत्र सूरत सिंह, रामप्रकाश पुत्र बीर सिंह, ग्यान सिंह पुत्र काशी राम, विश्वाजीत सिंह पुत्र जबर सिंह, जगमोहन सिंह पुत्र विजय सिंह, बेलमो देवी विधवा मोहन सिंह व शमशेर व सुभाष पुत्र कली राम के मकान खाली करवा दिए है, जिनकी गांव में रहने की वैकल्पिक व्यवस्था कर दी गई है। भारी वर्षा के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। भूस्खलन से जगह-जगह सड़कें टूट गई हैं। मकानों व गोशालाओं को नुकसान हो रहा है। उन्होंने लोगों को भारी वर्षा के दौरान सतर्क व सावधानी बरतने की सलाह दी है।

बारिश से मिल्ला गांव में घरों पर मंडराया खतरा

अनंत ज्ञान, शिलाई

जिला सिरमौर के शिलाई विधानसभा क्षेत्र के मिल्ला गांव स्थित डाडो क्षेत्र में हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण तीन घरों की सुरक्षा दीवारें ढह गईं। इससे इन घरों पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है और प्रभावित परिवारों में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है।

प्रभावित घरों में शामिल हैं नैन सिंह पुत्र थोलु राम, सुरेश कुमार पुत्र धनी राम, रमेश चंद पुत्र भोजू राम, इसके अतिरिक्त, सुनील राणा के मकान पर भी भू-स्खलन का खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लगातार हो रही बारिश के कारण मिल्ला गांव के नीचे की सड़क पर मलबा आ गया है, जिससे न केवल सड़क अवरुद्ध हो गई है, बल्कि नदी पर बनी पुलिया भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। इससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। प्रभावित परिवारों ने स्थानीय प्रशासन से अनुरोध किया है कि उनके घरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तुरंत उचित कार्रवाई की जाए।

मिल्ला गांव स्थित डाडो क्षेत्र में हाल ही में हुई बारिश से घरों की सुरक्षा दीवारें ढह गई।

इसके साथ ही उन्होंने प्रदेश सरकार में उद्योग व संसदीय कार्य मंत्री तथा स्थानीय विधायक हर्षवर्धन चौहान से अपील की है कि वे जल्द प्रशासन को आवश्यक और ठोस कदम उठाने के निर्देश दें। स्थानीय निवासी रघुवीर राणा, सुनील राणा, सुरेश राणा, रमेश राणा, नैन सिंह राणा, चतर सिंह राणा, कंवर राणा, हेमराज राणा, प्रवीण राणा, कुलदीप शर्मा, दिनेश राणा और भाव सिंह राणा आदि ने प्रशासन से इस आपदा से निपटने के लिए शीघ्र कदम उठाने की मांग की है।

विधायक रीना ने लोगों से की सावधानी बरतने की अपील

अनंत ज्ञान, राजगढ़। प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश व भूस्खलन ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। जगह-जगह नदी-नाले उफान पर हैं, जबकि कई सड़कों के क्षतिग्रस्त होने से यातायात भी बाधित हो गया है। ऐसे हालात में पच्छाद विधानसभा क्षेत्र की विधायक रीना कश्यप ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग सावधानी बरतें और अपनी व परिवार की सुरक्षा को प्राथमिकता दें। उन्होंने आग्रह किया कि अत्यंत आवश्यक होने पर ही घरों से बाहर निकलें तथा विपरीत परिस्थितियों में एक-दूसरे की मदद करें। वहीं, मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने अलर्ट जारी करते हुए आगामी 3 सितंबर तक भारी बारिश की संभावना जताई है। केंद्र ने पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता और अनुकूल मौसमीय परिस्थितियों को देखते हुए लोगों से सतर्क व सुरक्षित रहने व किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की है।

प्रगति जन-जन के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में अग्रसर जिला प्रशासन सोलन

सामाजिक सुरक्षा व स्वास्थ्य में प्रशासन के सराहनीय प्रयास

अनंत ज्ञान, सोलन

एक जिले के रूप में अपने अस्तित्व के 53 वर्ष पूर्ण कर चुका जिला सोलन आज किसी परिचय का मोहताज नहीं है। अपनी भौगोलिक सीमाओं में धार्मिक, सामाजिक व आर्थिक महत्व के अनेक सोपान समेटे यह जिला वर्तमान में न केवल सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण का अगुवा बन गया है, बल्कि रोजगार व स्वरोजगार के नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। इस दिशा में सरकार की जन कल्याणकारी योजनाएं सोलन जिले के जन-जन के जीवन को सशक्त बना रही हैं।

यह योजनाएं समाज के सभी वर्गों को सही राह दिखाकर व्यक्तिगत, जिला एवं प्रदेश तथा देश की तरक्की में चार चांद लगा रही हैं। जिला प्रशासन का सदैव यह प्रयास रहा है कि विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से आमजन के जीवन को बेहतर बनाया जाए और आर्थिक सशक्तिकरण को मजबूत किया जा सके। सोलन जिले का बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ क्षेत्र, हालांकि हिमाचल का सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र है, लेकिन सोलन जिले में औद्योगिकीकरण ने परवाणू औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना के बाद रफ्तार पकड़ी। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लघु उद्योगों की महत्ता को देखते हुए वर्ष 1973-74 में सोलन के चंबाघाट में इलेक्ट्रॉनिक परिसर की स्थापना हुई। वर्ष 1978 में जिला उद्योग केंद्र की स्थापना हुई। आज बीबीएन क्षेत्र प्रदेश का सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र है। जिले में वर्तमान में 4125 औद्योगिक इकाइयां कार्यरत हैं। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में ही लगभग 460 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों के अनुरूप उद्योग स्थापित किए जा रहे हैं। जिले में वर्तमान में 86,000 से अधिक हिमाचली तथा 26,000 से अधिक गैर हिमाचली विभिन्न उद्योगों में कार्यरत हैं। एशिया का फार्मा हब अब समग्र औद्योगिक हब बनने की ओर अग्रसर है। प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित बनाना जिला प्रशासन का दायित्व है। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अभी तक सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं सहित अन्य कल्याण योजनाओं तक लगभग 193 करोड़ रुपए खर्च कर 51409 पात्र लोगों को लाभान्वित किया गया है। सुखाश्रय योजना बेसहारा बच्चों का संबल बनकर उभरी है। सोलन जिले में इस योजना के तहत अभी तक 18 से 27 वर्ष आयुवर्ग के 127 बेसहारा बच्चों को सामाजिक सुरक्षा, विवाह अनुदान और आवास निर्माण के लिए 1.24 करोड़ रुपए प्रदान किए गए हैं। ग्रामीण क्षेत्र के सुनियोजित विकास के लिए जहां विभिन्न योजनाओं को समयबद्ध लागू किया जा रहा है। वहीं, ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एकीकृत प्रयास किए जा रहे हैं।

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत सोलन विकास खंड के गंगा समूह डढोग की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए फूड वैन प्रदान की गई है। इस समूह की दैनिक आय 3500 रुपए तक है। स्वच्छता सुनिश्चित बनाने के लिए स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत इस वित्त वर्ष में अभी तक 37 सामुदायिक शौचालय तथा 603 व्यक्तिगत शौचालय निर्मित किए गए हैं।

1989 गांव खुले में शौच मुक्त

सोलन जिले के 1989 गांवों को खुले में शौच मुक्त मॉडल घोषित किया गया है। बेमौसमी सब्जी उत्पादन में सोलन जिला प्रदेश में अग्रणी है। किसानों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए कृषि उपज मंडी समिति सोलन निरंतर प्रयासरत है। टर्मिनल सेब मंडी परवाणू, सोलन, उपमंडी कुनिहार तथा उपमंडी वाकनाघाट के विभिन्न निर्माण कार्यों पर 24 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं, ताकि किसानों को बेहतर अधोसंरचना एवं उन्नत सुविधाएं मिल सकें। जिला सोलन प्रदेश का महत्वपूर्ण औद्योगिक नगर होने के साथ-साथ सीमांत क्षेत्रों एवं अन्य राज्यों के लिए संपर्क का महत्वपूर्ण बिंदु है, ऐसे स्थान पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए सघन प्रयास किए जा रहे हैं। सोलन के कथेड़ में लगभग 120 करोड़ रुपए की लागत से विश्व स्तरीय बहुविशेषज्ञ अस्पताल का निर्माण कार्य एक वर्ष के भीतर पूरा कर लिया जाएगा।

जनता से नशा मुक्त उत्सव और आपदा एडवाइजरी का पालन करने का आह्वान

अर्की के राज्यस्तरीय सायर उत्सव की तैयारियों की बैठक की अध्यक्षता करते एसडीएम।

कृष्ण रघुवंशी, अनंत ज्ञान

अर्की। उपमंडल अर्की के ऐतिहासिक राज्यस्तरीय सायर उत्सव की तैयारियों के चलते एसडीएम अर्की निशांत तोमर द्वारा एसडीएम कार्यालय सभागार में बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में सायर उत्सव को सुचारू रूप से मनाने के लिए कमेटियों के साथ विस्तृत रूप में चर्चा की गई। इस मौके पर एसडीएम अर्की ने सभी विभागों से इस उत्सव को सफल बनाने के लिए आह्वान किया। साथ ही उन्होंने उत्सव में आने वाले सभी लोगो से आग्रह किया कि इस दौरान किसी भी प्रकार का नशा न करें, ताकि मेला सफल रूप से आयोजित हो सके। इस मौके पर उन्होंने सभी विभागों व आए लोगों से सुझाव भी मांगे। आखिर में उन्होंने अर्की क्षेत्र की जनता से आग्रह किया कि इस समय चल रही आपदा में सरकार द्वारा जारी की जाने वाली एडवाइजरी का अक्षरस: पालन करने व अपने परिजनों के जीवन की सुरक्षा करें। बैठक में डीएसपी संदीप शर्मा, तहसीलदार विपिन वर्मा, नायब तहसीलदार डीपी शर्मा, बीडीओ तन्मय कंवर, ब्लाक कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष सतीश कश्यप, नगर पंचायत अध्यक्ष अनुज गुप्ता एवम सभी विभागों के विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

एलआईसी का 69वां स्थापना दिवस मनाया

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। भारतीय जीवन बीमा निगम ने पूरे देशभर में अपना 69वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस उपलक्ष्य में चंडीगढ़ मंडल कार्यालय में विशेष समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान वरिष्ठ मंडल प्रबंधक सोनम छेवांग ने निगम के कॉर्पोरेट ध्वज का ध्वजारोहण किया और सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को निगम की नीतियों व उद्देश्यों के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि निगम ने स्थापना से लेकर अब तक ग्राहकों के विश्वास को बनाए रखते हुए बीमा क्षेत्र में अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं और भविष्य में भी अपनी सेवाओं को और सशक्त व जनहितकारी बनाने का संकल्प लिया है।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में दिखी प्रतिभा की चमक

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। गवर्नमेंट रिहैबिलिटेशन इंस्टिट्यूट फॉर इंटेलेक्चुअल डिसएबिलिटीज ने अपना 27वां वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास और जोश के साथ मनाया। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, शैक्षिक सत्र और पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किए गए, जिनमें छात्रों और स्टाफ की प्रतिभा की झलक देखने को मिली। वार्षिकोत्सव सप्ताह के अंतर्गत, 28 अगस्त को पोस्टर मेकिंग और स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। समापन समारोह सोमवार को आयोजित हुआ, जिसमें संयुक्त निदेशक डॉ. अजीत सिदाना द्वारा व्यवहारिक व्यसन विषय पर एक प्रभावशाली व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रेरणादायक डांस मैशअप, युगल नृत्य, एकल गीत, वाद्य प्रस्तुति तथा समावेशिता का प्रतीक यूनिफाइड भांगड़ा जैसे कार्यक्रम प्रमुख आकर्षण रहे। इन प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों व उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ अधिकारीगण प्रशासनिक अधिकारी जसपाल शर्मा, क्लिनिक प्रभारी डॉ. रीना जैन, प्रिंसिपल वंदना सिंह, कोर्स को-ऑर्डिनेटर डॉ. एम करूप्पासामी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

छह स्वास्थ्य परियोजनाओं पर कार्य शुरू

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। रेवाड़ी जिले के कोसली विधानसभा क्षेत्र में लगभग दो करोड़ 93 लाख रुपए की लागत से उप-स्वास्थ्य केंद्रों और ब्लॉक प्राथमिक स्वास्थ्य इकाई के निर्माण कार्य शुरू हो गए हैं। जाटूसाना ब्लॉक के चौकी नं. दो गांव, डहिना ब्लॉक के मौतला कलां गांव और नाहड़ ब्लॉक के लूखी गांव में उपस्वास्थ्य केंद्रों का कार्य प्रगति पर है। इसके साथ ही, नाहड़ ब्लॉक के कोसली गांव में एक ब्लॉक प्राथमिक स्वास्थ्य इकाई का निर्माण किया जा रहा है। नाहड़ ब्लॉक के नहरूगढ़ (गामड़ी) गांव और डहिना ब्लॉक के धावना गांव में भी उप-स्वास्थ्य केंद्र बनाए जा रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने परियोजनाओं के बारे में बताया कि सरकार का लक्ष्य है कि ग्रामीण स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत किया जाए। नए उपस्वास्थ्य केंद्र और ब्लॉक प्राथमिक स्वास्थ्य इकाई बनने से ग्रामीणों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं नजदीक ही उपलब्ध होंगी और इलाज के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी।

चंडीगढ़ में रुक-रुक कर बारिश, शहर की रफ्तार पर असर

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

चंडीगढ़ में सोमवार सुबह से ही रुक-रुक कर बारिश का दौर जारी है। कभी हल्की फुहारें पड़ रही हैं, तो कभी बारिश तेज हो रही है। सुबह से हो रही बारिश के कारण सड़कों पर जगह-जगह पानी जमा हो गया है, जिससे ट्रैफिक की रफ्तार पर भी असर पड़ा है। बारिश के चलते मौसम सुहावना हो गया है और तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग ने चंडीगढ़ और पंजाब के लिए अगले 24 से 36 घंटों के दौरान भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। विभाग ने नागरिकों से एहतियात बरतने और अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने की अपील की है। पूर्वानुमान के अनुसार, आज दिनभर बारिश की संभावना बनी रहेगी।

बुड्ढा दरिया हुआ ओवरफ्लो

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। लुधियाना में लगातार हो रही बारिश के कारण जनजीवन पूरी तरह से अस्त व्यस्त हो गया है। शहर पानी-पानी हो गया और सड़कें, गलियां सब तालाब बन गईं। पानी के अधिक बहाव के कारण बुड्ढा दरिया भी कुछ जगहों पर ओवरफ्लो हो गया, पानी लोगों के घरों में घुस गया। यहां तक की शहर का सीवरेज सिस्टम भी हांफने लगा और कई जगह पर सीवरेज के पानी ने बैक मारा और लोगों के घरों में बदबूदार पानी का जमावड़ा हो गया। इसके अलावा सतलुज का जलस्तर भी लगातार बढ़ रहा है। इस कुदरती आफत से निपटने के लिए प्रशासन बारिश के बावजूद सड़कों पर नजर आया। शहर के विधायक, मेयर, पार्षद, डीसी, निगम आयुक्त समेत तमाम सरकारी अफसर व मशीनरी स्थिति पर काबू करते हुए नजर आए। उधर, शहर की स्थिति को लेकर लोगों में भी गुस्सा है। लोगों का तर्क है कि वक्त पर उचित कदम न उठाने की वजह से आज यह स्थिति बनी

स्वच्छता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एमसी चंडीगढ़ ने शहर में विशेष निरीक्षण मुहिम शुरू की।

जल निकासी व्यवस्था पर सख्त निर्देश, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। जनस्वास्थ्य की सुरक्षा व शहर में स्वच्छता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगर निगम चंडीगढ़ ने पूरे शहर में विशेष निरीक्षण मुहिम शुरू की। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य हालिया भारी वर्षा के बाद जलभराव की स्थिति का मूल्यांकन कर त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार, आईएएस ने सेक्टर-17 स्थित जीपीओ कांप्लेक्स समेत अन्य क्षेत्रों का दौरा किया। उनके साथ मुख्य अभियंता और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि जीपीओ कांप्लेक्स में लंबे समय से जलभराव की समस्या बनी हुई है, जिससे दुर्गंध, मच्छरों के प्रजनन और बुनियादी ढांचे को नुकसान की आशंका उत्पन्न हो रही है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कमिश्नर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि लंबित शिकायतों के कारणों की गहराई से जांच की जाए, लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए, तत्काल जलनिकासी और सफाई कार्य शुरू किए जाएं, दीर्घकालिक समाधान के लिए स्थायी रणनीतियां तैयार कर लागू की जाएं। कमिश्नर ने कहा कि शहर के महत्वपूर्ण सार्वजनिक परिसरों की सुरक्षा व स्वच्छ वातावरण बनाए रखना प्राथमिकता है। इसके लिए सभी संबंधित विभागों को अपने-अपने क्षेत्रों में निरीक्षण कर 24 घंटे के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश दिए गए हैं। उनके निर्देश के पश्चात एमसीसी की फील्ड टीमें सक्रिय हो गई हैं और शहरभर में संभावित जोखिम वाले स्थानों का निरीक्षण कर त्वरित कार्रवाई कर रही हैं। कमिश्नर ने नागरिकों से अपील की कि यदि कहीं भी जलभराव की समस्या दिखे, तो वे उसे तुरंत आधिकारिक शिकायत चैनलों पर दर्ज कराएं, ताकि उसका शीघ्र निवारण किया जा सके।

हरियाणा में फील्ड अधिकारियों को मुख्यालय पर बने रहने के निर्देश

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने भारी बारिश की चेतावनी के बीच सभी फील्ड अधिकारियों को मुख्यालय पर बने रहने और पांच सितंबर तक कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने सभी मंडल आयुक्तों, रेंज आईजीपी, एडीजीपी, डीसी, पुलिस अधीक्षकों व सब-डिवीजन मजिस्ट्रेट को लिखे एक पत्र में कहा है कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा आगामी दिनों में राज्य के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश की संभावना जताई है और स्थानीय स्तर पर बाढ़ की आशंका भी जताई गई है इसलिए इस अवधि में मुख्य सचिव या गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव स्तर पर स्वीकृति के बिना, किसी भी अधिकारी को अवकाश की अनुमति न दी जाए।

उपराष्ट्रपति चुनाव में वोट देंगे सांसद अमृतपाल

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। असम की डिब्रूगढ़ केंद्रीय जेल में बंद खडूर साहिब लोकसभा सीट से सांसद अमृतपाल सिंह उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान करेंगे। पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने इस संबंध में जानकारी दी है। चुनाव आयोग ने लोकसभा सांसद अमृतपाल को उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान सुविधा देने के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए हैं और डाक मतपत्र जारी करने के दिए निर्देश दिए हैं। अमृतपाल सिंह वर्तमान में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 के तहत असम के डिब्रूगढ़ केंद्रीय जेल में बंद हैं। राष्ट्रपति व उपराष्ट्रपति चुनाव नियम, 1974 के नियम 26 के अनुसार आयोग ने निर्देश दिए हैं कि उन्हें डाक मतपत्र उपलब्ध कराया जाए। इसके लिए आयोग ने गृह मंत्रालय और असम सरकार के मुख्य सचिव को निर्देशित किया है कि अमृतपाल सिंह द्वारा मतदान किया गया डाक मतपत्र डिब्रूगढ़ से हवाई मार्ग से भेजा जाए।

ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता बढ़ने से उद्योगों को मिली बड़ी राहत

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

पंचकूला के औद्योगिक समुदाय ने उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा ट्रांसफॉर्मरों की परिचालन क्षमता में किए गए सुधारों का गर्मजोशी से स्वागत किया है।

मुख्य अभियंता (ऑपरेशंस) चंदन सिंह के नेतृत्व में औद्योगिक क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की दक्षता को बेहतर बनाते हुए ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। इससे अब उद्योगों को अतिरिक्त लोड के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा, जो कि व्यापारिक समुदाय की एक पुरानी मांग रही है। पंचकूला चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन अरुण ग्रोवर ने इस पहल को औद्योगिक क्षेत्र के लिए एक बड़ा व संतोषजनक कदम बताया। उन्होंने यूएचबीवीएन की पूरी टीम का आभार प्रकट करते हुए, चंदन सिंह और

उनकी टीम को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर कार्यकारी अभियंता आशीष चोपड़ा के सक्रिय सहयोग व सकारात्मक भूमिका की भी विशेष सराहना की गई। ग्रोवर ने कहा, यह विकास पंचकूला में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को नई दिशा देगा व यह सुनिश्चित करेगा कि उद्योग बिजली की बाधाओं के बिना विस्तार व आधुनिकीकरण कर सकें। यह सहयोग उद्यमियों में आत्मविश्वास को और मजबूत करता है। पीसीसीआई के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ग्रोवर ने किया। इसमें कई प्रमुख उद्योगपति शामिल थे।

बारिश के बाद सुखना झील व प्रभावित क्षेत्रों का डीसी ने किया निरीक्षण

राहत कार्यों के लिए मशीनरी की तैनाती सुनिश्चित की जाए

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

हाल ही में हुई भारी वर्षा को ध्यान में रखते हुए, चंडीगढ़ के उपायुक्त निशांत कुमार यादव, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तथा उपमंडल मजिस्ट्रेट (पूर्व) ने सुखना झील के नियामक हेड और शहर के अन्य वर्षा-प्रभावित क्षेत्रों का व्यापक निरीक्षण किया।

इस निरीक्षण का उद्देश्य झील के द्वारों से वर्षा जल की निकासी की स्थिति की समीक्षा करना, क्षति का आकलन करना, नागरिकों से संवाद करना तथा विभिन्न विभागों द्वारा की गई तैयारियों का मूल्यांकन करना था। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जलभराव की स्थिति, सार्वजनिक ढांचे को हुए नुकसान तथा उन संवेदनशील स्थानों का जायजा लिया, जो आगामी भारी वर्षा की स्थिति में जोखिम पैदा कर सकते हैं। संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए कि नालों की जल्द सफाई, आपातकालीन प्रतिक्रिया दलों की उपलब्धता तथा राहत कार्यों के लिए मशीनरी की पर्याप्त तैनाती सुनिश्चित की जाए।

डीसी ने इंजीनियरिंग विभाग, स्वास्थ्य सेवाएं, पुलिस तथा आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों के बीच समन्वय पर विशेष बल दिया, ताकि समय पर और प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया दी जा सके। उन्होंने सामुदायिक भागीदारी के महत्व को रेखांकित करते हुए नागरिकों से सतर्क रहने और किसी भी आपात स्थिति की तुरंत सूचना देने का आग्रह किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने जलभराव वाले क्षेत्रों में यातायात प्रबंधन व सुरक्षा उपायों की जानकारी दी तथा आश्वस्त किया कि पुलिस टीमें संवेदनशील इलाकों में सक्रिय रूप से नागरिकों की सहायता कर रही हैं। वहीं, उपमंडल मजिस्ट्रेट (पूर्व) ने राहत, पुनर्स्थापन व उपमंडल के भीतर महत्वपूर्ण बिंदुओं की निगरानी से जुड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। जोखिम को कम करने के लिए आवश्यक एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं, साथ ही दीर्घकालिक रणनीतियां भी तैयार की जा रही हैं, ताकि चंडीगढ़ की आपदा प्रबंधन क्षमता को और अधिक सशक्त किया जा सके। निरीक्षण के उपरांत डीसी निशांत कुमार यादव ने कहा, प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा और कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रशासन समय पर सहायता, बेहतर तैयारी और अधिक सशक्त चंडीगढ़ के निर्माण के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

देश-विदेश

जो लोगों को मूर्ख बना सके, वही सबसे अच्छा नेता : नितिन गडकरी

कहा- धर्म के काम से मंत्री और नेताओं को दूर रखें

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को लोगों से अपील की कि वे धर्म-काज से मंत्री-नेताओं को दूर रखें। धर्म की आड़ में राजनीति समाज के लिए नुकसानदायक है। गडकरी नागपुर में महानुभाव पंथ के सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि राजनीतिज्ञ जहां घुसते हैं, आग लगाए बिना नहीं रहते। सत्ता के हाथ में धर्म को देंगे तो हानि ही होगी। गडकरी ने कहा कि धर्म कार्य, समाज कार्य और राजनीति कार्य अलग-अलग हैं। धर्म व्यक्तिगत श्रद्धा का विषय है। कुछ राजनीतिज्ञ इसका इस्तेमाल करते हैं। इससे विकास और रोजगार का विषय दोयम दर्जे का हो जाता है। (अनंत ज्ञान)

बोलना आसान, करना कठिन

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि बोलना आसान है, लेकिन करना कठिन है। मैं अधिकारी नहीं हूं, लेकिन मुझे अनुभव है कि जिस क्षेत्र में मैं काम करता हूं, वहां मन से सच बोलने की मनाही है। अगर आप सच बोलोगे तो उसका भारी खामियाजा भुगतना पड़ेगा

शॉर्टकट अपनाने से मंजिल रह जाती है अधूरी

नितिन गडकरी ने कहा कि कोई चीज पाने के लिए शॉर्टकट होता है। जैसे लाल सिग्नल तोड़ना या छलांग लगाना, लेकिन एक दार्शनिक ने कहा है कि शॉर्टकट कट यू शॉर्ट यानी शॉर्टकट लेने से मंजिल जल्दी नहीं, बल्कि अधूरी रह जाती हैं।

चक्रधर स्वामी की शिक्षाएं सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत

नितिन गडकरी ने कहा कि महानुभाव पंथ के संस्थापक चक्रधर स्वामी की शिक्षाएं सभी के जीवन के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने बताया कि व्यक्ति में बदलाव उसके संस्कारों से आता है। चक्रधर स्वामी ने सत्य, अहिंसा, शांति, मानवता और समानता के मूल्य सिखाए। उन्होंने कहा कि जीवन में सत्य का पालन करना चाहिए और किसी को दुख नहीं पहुंचाना चाहिए। गडकरी ने समाज में ईमानदारी, विश्वसनीयता और समर्पण जैसे मूल्यों को बेहद जरूरी बताया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राजनीति में हौसे, नवसे, गवसे यानी शौक से, नए उत्साह से और आनंदपूर्वक काम करने वाले लोग हैं। हालांकि, जो लोगों को सबसे अच्छा मूर्ख बना सकता है, वही सबसे अच्छा नेता हो सकता है।

अमेरिका के लिए पोस्टल सर्विस पूरी तरह से सस्पेंड

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय डाक विभाग ने अमेरिका के लिए सभी तरह की पोस्टल सर्विस पर टेम्परेरी तौर पर रोक लगा दी है। ये फैसला अमेरिका के 50 प्रतिशत टैरिफ के बाद कस्टम विभाग के नए नियमों में अस्पष्टता के चलते किया गया है। इसमें 100 डॉलर तक के लेटर, दस्तावेज और गिफ्ट आइटम्स भी शामिल हैं। इससे पहले डाक विभाग ने 25 अगस्त से इन कैटेगरी को छोड़कर सभी पार्सल पर रोक लगा दी थी। विभाग ने रविवार को कहा कि जब तक स्थिति साफ नहीं होती और एयरलाइंस अमेरिका जाने वाले डाक पार्सल ले जाने को तैयार नहीं होतीं, तब तक यह रोक जारी रहेगी। डाक विभाग ने बताया- जिन्होंने पहले ही बुकिंग कराई है लेकिन सामान भेजा नहीं जा सका, वे पोस्टेज का रिफंड ले सकते हैं। (अनंत ज्ञान)

मोदी, पुतिन और शी जिनपिंग की मुलाकात से अमेरिका में खलबली

भारत से अपनी दोस्ती की अहमियत गिनाने लगा वॉशिंगटन

एजेंसी, नई दिल्ली

चीन के तियानजिन में हुए शंघाई सहयोग संगठन समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हलचल मचा दी है। तीनों नेताओं की एक मंच पर मौजूदगी से अमेरिका की चिंता भी अब साफ दिखने लगी है और अब वॉशिंगटन खुलकर भारत से अपनी दोस्ती की अहमियत गिनाने लगा है। नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास ने भारत से दोस्ती दिखाते हुए लंबा चौड़ा पोस्ट लिखा। मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में अमेरिकी दूतावास ने लिखा, 'भारत-अमेरिका की साझेदारी 21वीं सदी का परिभाषित रिश्ता है। यह साझेदारी लगातार नई ऊंचाइयां छू रही है और इसका आधार हमारे दोनों देशों की जनता की स्थायी मित्रता है।' अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी बयान जारी कर कहा कि 'भारत और अमेरिका की जनता के बीच की यह गहरी दोस्ती हमारी साझेदारी की नींव है। यही हमें आगे बढ़ाती है और हमारी आर्थिक साझेदारी की अपार संभावनाओं को साकार करती है।'

विशेषज्ञों का मानना है कि एससीओ समिट में मोदी-पुतिन-जिनपिंग के बीच जिस तरह के सकारात्मक संदेश सामने आए हैं, उसने अमेरिका पर दबाव बढ़ा दिया है। रूस-चीन के साथ भारत की बढ़ती नजदीकी से वॉशिंगटन को यह एहसास हो गया है कि अगर वह एशिया में अपने हित सुरक्षित रखना चाहता है, तो उसे भारत के साथ रिश्ते मजबूत करने होंगे। (अनंत ज्ञान)

पीओके में हेलिकॉप्टर क्रैश, 5 लोगों की मौत

एजेंसी, इस्लामाबाद। पीओके के गिलगित-बाल्टिस्तान में एक हेलिकॉप्टर के क्रैश होने से दो पायलटों सहित पांच क्रू मेंबर्स की मौत हो गई। गिलगित-बाल्टिस्तान सरकार के प्रवक्ता फैजुल्लाह फारक ने बताया कि यह हादसा डायमर जिले के चिलास इलाके में हुआ। डायमर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अब्दुल हमीद ने कहा कि हेलिकॉप्टर एक नए हेलीपैड पर टेस्ट लैंडिंग कर रहा था, तभी यह हादसा हुआ। दुर्घटना का सटीक कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। यह हाल के हफ्तों में दूसरा हेलिकॉप्टर हादसा है। पिछले महीने खैबर पख्तूनख्वा सरकार के एक हेलिकॉप्टर के क्रैश होने की घटना सामने आई थी। (अनंत ज्ञान)

जरांगे के नेतृत्व वाला प्रदर्शन शांतिपूर्ण नहीं

एजेंसी, मुंबई। मराठा आरक्षण आंदोलन पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है। अदालत की पीठ ने कहा कि मनोज जरांगे के नेतृत्व वाला विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण नहीं है और इसमें सभी शर्तों का उल्लंघन किया गया है। अगर मनोज जरांगे की मांग की बात करें तो अनशन पर बैठे मनोज जरांगे 10% आरक्षण की मांग कर रहे हैं और चाहते हैं कि मराठाओं को कुनबी जाति के रूप में मान्यता दी जाए, क्योंकि कुनबी ओबीसी श्रेणी में आते हैं, जिससे मराठा समुदाय को सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण मिलेगा। इसके साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि मराठवाड़ा क्षेत्र के मराठाओं को कुनबी घोषित कर आरक्षण देना चाहिए और हैदराबाद और सातारा के गजट नोटिफिकेशन को कानून बनाया जाए। हालांकि ओबीसी नेता इस मांग का विरोध कर रहे हैं। (अनंत ज्ञान)

बिहार में पैरा लीगल वॉलंटियर्स नियुक्त

एजेंसी, नई दिल्ली। बिहार में एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है। अब 1 सिंतबर के बाद भी आपत्तियां स्वीकार की जाएंगी। जिन लोगों के नाम लिस्ट में नहीं हैं, उनकी मदद के लिए वॉलंटियर्स नियुक्त होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दलों और हटाए गए मतदाताओं को दावे दायर करने में मदद के लिए पैरा लीगल वॉलंटियर्स नियुक्त किए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश दिया कि वह व्यक्तियों, दलों को दावे और आपत्तियां दर्ज करने में मदद करने के लिए पैरा लीगल वॉलेंटियर्स की नियुक्ति करे। जस्टिस सूर्यकांत ने स्पष्ट किया कि आधार को सत्यापन के उद्देश्य से एक दस्तावेज के रूप में लिया जाएगा, लेकिन यह केवल पहचान के प्रमाण के रूप में होगा। उन्होंने कहा कि अदालत आधार की स्थिति को किसी बड़ी पीठ के फैसले या आधार अधिनियम की धारा 9 से आगे नहीं बढ़ा सकती। प्रशांत भूषण ने यह भी कहा कि पहले आधार स्वीकार नहीं किया जा रहा था, लेकिन अब अदालत के आदेश के बाद इसे 11 सूचीबद्ध दस्तावेजों में से एक के रूप में जोड़ दिया गया है। (अनंत ज्ञान)

रूसी तेल का सिर्फ भारतीय ब्राह्मणों को फायदा : नवारो

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्रेड सलाहकार पीटर नवारो ने भारतीय ब्राह्मणों पर रूसी तेल खरीद कर मुनाफाखोरी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भारत के ब्राह्मण रूसी तेल से मुनाफा कमा रहे हैं, जिसकी कीमत पूरा भारत चुका रहा है। नवारो ने कहा कि भारत रूस से तेल खरीदकर उसे यूक्रेन पर हमला करने के लिए पैसे दे रहा है। इसलिए सबसे ज्यादा टैरिफ झेल रहा है।

इससे रूस और अमेरिका को नुकसान नहीं हो रहा है, बल्कि आम भारतीयों को हो रहा है। यह बात उन्हें समझनी चाहिए। नवारो ने भारत को 'रूस की धुलाई मशीन' कहा और आरोप लगाया कि भारत न सिर्फ व्यापार असंतुलन बढ़ा रहा है, बल्कि ऐसे गठजोड़ भी मजबूत कर रहा है, जो अमेरिका के हितों के खिलाफ हैं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सोमवार को पीटर नवारो की विवादित टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि अमेरिका को इस तरह के निराधार बयान नहीं देने चाहिए। (अनंत ज्ञान)

सेंसेक्स 554 अंक चढ़ा निफ्टी 24600 के पार

एजेंसी, मुंबई

लगातार तीन दिनों की गिरावट के बाद सोमवार को शेयर बााजार हरे निशान पर बंद हुआ। मजबूत मैक्रो डेटा के बाद आईटी, ऑटो और बैंकिंग शेयरों में मूल्यवान खरीदारी के चलते बेंचमार्क सूचकांक और निफ्टी में करीब एक प्रतिशत का उछाल हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 554.84 अंक या 0.70 प्रतिशत उछलकर 80,364.49 अंक पर बंद हुआ। इसके 23 शेयर बढ़त के साथ और सात शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। सूचकांक बढ़त के साथ खुला और बाद में 597.19 अंक या 0.74 प्रतिशत की बढ़त के साथ 80,406.84 के उच्च स्तर पर पहुंच गया था। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 198.20 अंक या 0.81 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,625.05 पर आ गया। सेंसेक्स की कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स, ट्रेंट, इटरनल, एशियन पेंट्स और इंफोसिस प्रमुख लाभ में रहीं। उधर, सन फार्मा, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर व टाइटन पिछड़ने वालों में शामिल रहे। (अनंत ज्ञान)

सोना 1.04 लाख रुपए के ऑलटाइम हाई पर

एजेंसी, नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम 1 सितंबर को अपने ऑलटाइम हाई पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, आज सोमवार को सोना 2,105 रुपए बढ़कर 1,04,493 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले सोना 1,02,388 रुपए पर था। वहीं, चांदी की कीमत 5,228 रुपए बढ़कर 1,22,800 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले इसकी कीमत 1,17,572 रुपए थी। इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 28,331 रुपए बढ़कर 1,04,493 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 36,783 रुपए बढ़कर 1,22,800 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि अमेरिका के टैरिफ के चलते जियो पॉलिटिकल टेंशन बनी हुई है। इससे गोल्ड को सपोर्ट मिल रहा है और इसकी डिमांड भी बढ़ रही है। ऐसे में इस साल सोना 1 लाख 8 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। (अनंत ज्ञान)

चेतावनी जलवायु संकट पर कॉप30 के अध्यक्ष आंद्रे कोर्रा डो ने दी चेतावनी, कहा-

जलवायु परिवर्तन पर कार्रवाई में देरी पड़ेगी भारी

एजेंसी, नई दिल्ली

दुनियाभर में जलवायु परिवर्तन पर कार्रवाई करने में तेजी नहीं लाई तो वक्त हाथ से निकल जाएगा। यह चेतावनी कॉप30 के अध्यक्ष आंद्रे कोर्रा डो लागो ने दी है। उन्होंने कहा कि विकसित और विकासशील देशों के बीच राजनीतिक और आर्थिक खाई को जल्द पाटना जरूरी है, नहीं तो वैश्विक प्रयास कमजोर हो जाएंगे। कॉप30 अध्यक्ष ने कहा कि जलवायु वार्ता की सबसे बड़ी समस्या यही रही है कि विकासशील देशों को अमीर देशों से मदद की जरूरत है। गरीब देश साफ-सुथरे विकास के लिए तकनीक और फंड चाहते हैं। वहीं अमीर देश उनसे केवल प्रतिबद्धता चाहते हैं लेकिन संसाधन देने से कतराते हैं। यही कारण है कि समझौते आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं।

वहीं, कॉप30 की सीईओ आना टोनी ने कहा कि प्रदूषण पर नियंत्रण स्वास्थ्य और जलवायु दोनों लक्ष्यों को जोड़ने का मौका देता है। उन्होंने कहा कि वायु गुणवत्ता सुधारने और मीथेन उत्सर्जन कम करने पर खास ध्यान देना होगा। उन्होंने यह भी बताया कि विकासशील देशों में स्वच्छ परिवहन गरीबी घटाने, बच्चों की सेहत बचाने और उत्सर्जन घटाने का असरदार तरीका बन सकता है। (अनंत ज्ञान)

यह बहस करने का नहीं काम करने का समय

कॉप30 के अध्यक्ष का कहना है कि अब बहस करने का समय नहीं, बल्कि काम करने का समय है। उन्होंने कहा कि हमें सही साबित होने की बजाय जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए व्यावहारिक और त्वरित कदम उठाने होंगे। इसमें स्वच्छ विकास, नई नौकरियां और लोगों के जीवन की गुणवत्ता सुधारने का लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अब यह सिर्फ पर्यावरणीय मुद्दा नहीं है, बल्कि अर्थव्यवस्था, निवेश और रोजगार का मामला है। जलवायु परिवर्तन पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है और आने वाले समय में हमारी अधिकांश गतिविधियों में बड़े बदलाव की जरूरत होगी।

ट्रंप की आलोचना भी की

डो लागो ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना भी की। उन्होंने कहा कि ट्रंप जलवायु वार्ता में दिलचस्पी नहीं लेते और खासतौर पर देशों के उत्सर्जन पर चर्चा से बचते हैं। ट्रंप ने अमेरिका को पेरिस समझौते से बाहर कर दिया है। यह दूसरा मौका है जब उन्होंने ऐसा किया। पहले कार्यकाल में भी उन्होंने यही कदम उठाया था, हालांकि बाइडेन सरकार में अमेरिका फिर से शामिल हुआ था।

भारत-ब्राजील की सराहना

उन्होंने भारत और ब्राजील के प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा कि साओ पाउलो ने बायोफ्यूल की मदद से वायु प्रदूषण में बड़ी कमी की है। भारत भी ऐसे कदम उठा रहा है। हालांकि उन्होंने माना कि ये समाधान महंगे हैं और इन्हें सस्ती दरों पर उपलब्ध कराने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग जरूरी है।

स्पोर्ट्स विंडो

यूरोपीय मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट में अहलावत स्विट्जरलैंड में संयुक्त 33वें स्थान पर

एजेंसी, क्रांस मोंटाना (स्विट्जरलैंड)। भारत के वीर अहलावत यहां अंतिम दौर में दो अंडर 68 के स्कोर से यूरोपीय मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से 33वें स्थान पर रहे। डीपी विश्व टूर पर पैर जमाने की कोशिश कर रहे अहलावत का कुल स्कोर नौ अंडर रहा। उन्होंने चार दौर में 69, 64, 70 और 68 के स्कोर बनाए। अहलावत ने लगातार चौथी बार कट हासिल किया। वह अभी डीपी विश्व टूर तालिका में 129वें स्थान पर हैं और अगर कुछ और टूर्नामेंट में अच्छे नतीजे हासिल करते हैं तो टूर पर अपनी जगह बरकरार रख सकते हैं। शुभंकर शर्मा का संघर्ष जारी रहा और वह इस हफ्ते लगातार 13वें टूर्नामेंट में कट हासिल करने में विफल रहे। बेहद खराब शुरुआत से उबरने के बाद दो बार के विजेता थ्रिस्टन लॉरेंस ने अंतिम दौर में 66 के स्कोर से दो शॉट की बढ़त से खिताब जीता। (अनंत ज्ञान)

टेनिस प्रीमियर लीग 9 से 14 दिसंबर तक अहमदाबाद में

एजेंसी, मुंबई। टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) का सातवां टूर्नामेंट नौ से 14 दिसंबर तक अहमदाबाद के गुजरात विश्वविद्यालय स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। आठ टीमों की इस प्रतियोगिता में 30 से 50 के बीच के एटीपी रैंकिंग वाले खिलाड़ी शामिल होंगे। इसमें कई भारतीय खिलाड़ी भी भाग लेंगे जिनमें दो बार के ग्रैंड स्लैम विजेता रोहन बोपन्ना भी शामिल हैं। यह पहला अवसर होगा जब इस प्रतियोगिता को महाराष्ट्र से बाहर आयोजित किया जाएगा। लीग ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''पिछले एक साल में टेनिस प्रीमियर लीग ने विभिन्न आयु वर्गों में टूर्नामेंट आयोजित करके और रेस टू गोल्ड स्कॉलरशिप के माध्यम से युवा खिलाड़ियों का समर्थन करके गुजरात राज्य टेनिस संघ के साथ अपने संबंधों को और गहरा किया है, जिससे राज्य में इसकी जमीनी स्तर पर उपस्थिति मजबूत हुई है।'' (अनंत ज्ञान)

ओवरटन ने लाल गेंद के क्रिकेट से अनिश्चितकालीन ब्रेक लिया

एजेंसी, लंदन। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेमी ओवरटन ने सोमवार को लाल गेंद के क्रिकेट से अनिश्चितकालीन ब्रेक लेने की घोषणा की क्योंकि अब वह 'सभी प्रारूपों के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध' नहीं हो पा रहे हैं। सिर्फ दो टेस्ट खेलने वाले 31 वर्षीय ओवरटन ने पिछला टेस्ट भारत के खिलाफ ओवल में पांच मैच की घरेलू श्रृंखला के दौरान खेला था जो 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुई थी। ओवरटन ने 'एक्स' पर कहा, ''काफी सोच-विचार के बाद मैंने लाल गेंद के क्रिकेट से अनिश्चितकालीन ब्रेक लेने का फैसला किया है।'' उन्होंने कहा, ''मेरे करियर के इस पड़ाव पर 12 महीने के कैलेंडर में क्रिकेट की जरूरत को देखते हुए शारीरिक और मानसिक रूप से हर स्तर पर सभी प्रारूपों के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध होना अब संभव नहीं है।'' ओवरटन ने कहा, ''भविष्य में मेरा ध्यान सफेद गेंद वाले क्रिकेट पर रहेगा और जब तक संभव हो मैं उच्चतम स्तर पर खेलने के लिए अपना सब कुछ देना जारी रखूंगा।'' प्रथम श्रेणी करियर से ब्रेक लेने का उनका फैसला वैश्विक स्तर पर टी20 लीग के लिए उपलब्ध होने के लिए अपने कैलेंडर को खाली रखने के कारण हो सकता है। (अनंत ज्ञान)

बेहतरीन अंदाज में एलिस कैप्सी

एलिस कैप्सी इंग्लैंड की एक दाएं हाथ की बल्लेबाज और दाएं हाथ की ऑफ-ब्रेक गेंदबाज हैं, जो एक ऑलराउंडर के रूप में खेलती हैं। उन्होंने जुलाई 2022 में इंग्लैंड के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। उन्होंने 2021 में पीसीए महिला यंग प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीता और युवावस्था में ही एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में उभरी हैं।

विश्व चैंपियनशिप में नंदिनी के न चुने जाने पर विवाद, एएफआई ने दी सफाई

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के प्रवक्ता आदिल सुमरिवाला ने स्पष्ट किया कि एशियाई चैंपियन हेप्टाथलीट नंदिनी अगासरा को अगले महीने टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए 19 सदस्यीय टीम से बाहर सिर्फ फिटनेस कारणों से किया गया है। नंदिनी ने 13 से 21 सितंबर तक होने वाली इस प्रतियोगिता के लिए क्वालिफाई कर लिया था। उन्होंने पहले बताया था कि वह टोक्यो में हिस्सा नहीं लेंगी क्योंकि मई में एशियाई चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान उनकी कोहनी में चोट लग गयी थी। वह इस चोट से अब तक पूरी तरह से उबर नहीं पाई हैं। सुमरिवाला ने टीम की घोषणा के बाद ऑनलाइन बातचीत में कहा, नंदिनी का 2023 में हांगझोऊ में एशियाई खेलों के दौरान एक साथी खिलाड़ी ने विरोध किया था, लेकिन मैं यह बात साफ कर देना चाहता हूं कि उन्हें विश्व एथलेटिक्स ने क्लीन चिट दे दी थी। वह स्वप्ना बर्मन की शिकायत का जिक्र कर रहे थे। स्वप्ना ने हांगझोऊ में कांस्य पदक जीतने वाली नंदिनी पर आरोप लगाए थे। स्वप्ना चौथे स्थान पर रही थी। सुमरिवाला ने कहा, विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालिफाई करने वाले सभी खिलाड़ियों का जीन टेस्ट किया गया है। इसके नतीजे सीधे विश्व एथलेटिक्स को भेजे जाएंगे। इसका खर्च भी वही वहन करते हैं। इस तरह की कोई रिपोर्ट नहीं है। हाल ही में सभी सदस्य देशों को निर्देश दिया था कि वे टोक्यो में होने वाली चैंपियनशिप में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का एसआरवाई जीन टेस्ट करवाएं। यह टेस्ट मुख्य रूप से यह पहचानने के लिए किया जाता है कि भ्रूण विकास के दौरान पुरुष लिंग निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला एसआरवाई जीन मौजूद है या नहीं।(अनंत ज्ञान)

नया इतिहास — महिला वर्ल्ड कप के लिए प्राइज मनी का ऐलान

विजेता टीम को 39.55 करोड़ रुपए

एजेंसी, नई दिल्ली

आईसीसी ने सोमवार को घोषणा की कि आगामी आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप में विजेता टीम को अब तक की सबसे बड़ी इनामी राशि दी जाएगी।

चैंपियन टीम को 4.48 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 39.55 करोड़ रुपए) मिलेंगे, जो पिछले संस्करण की इनामी राशि (1.32 मिलियन डॉलर यानी 11.65 करोड़ रुपए) से लगभग चार गुना ज्यादा है। आईसीसी के मुताबिक, इस बढ़ोतरी का मकसद महिला क्रिकेट की लोकप्रियता को बढ़ाना और पुरुषों के बराबर सम्मान दिलाना है। (अनंत ज्ञान)

पुरुषों की विजेता टीम से होगी तुलना

2023 में हुए पुरुषों के वनडे विश्व कप की विजेता टीम ऑस्ट्रेलिया को 33.31 करोड़ रुपए मिले थे। वहीं, उपविजेता भारत को 16.65 करोड़ रुपए मिले थे। महिला वनडे विश्व कप की विजेता राशि इससे कहीं ज्यादा है। आईसीसी के मुताबिक, इस बढ़ोतरी का मकसद महिला क्रिकेट की लोकप्रियता को बढ़ाना और पुरुषों के बराबर सम्मान दिलाना है।

2023 पुरुष विश्व कप से भी ज्यादा

भारत और श्रीलंका की मेजबानी में 30 सितंबर से दो नवंबर तक होने वाला यह 13वां संस्करण कुल आठ टीमों के बीच खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट की कुल प्राइज मनी 13.88 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 122.5 करोड़ रुपए) होगी, जो 2022 में न्यूजीलैंड में हुए पिछले वर्ल्ड कप से लगभग तीन गुना ज्यादा है। यह इनामी राशि पुरुष वर्ल्ड कप 2023 (10 मिलियन डॉलर यानी 88.26 करोड़ रुपए) से भी ज्यादा है।

इनामी राशि का पूरा ब्योरा

- विजेता टीम : 4.48 मिलियन डॉलर (39.55 करोड़ रुपए)
- रनर-अप टीम : 2.24 मिलियन डॉलर (19.77 करोड़)
- सेमीफाइनल हारने वाली टीमें : 1.12 मिलियन डॉलर (9.89 करोड़ रुपए) प्रत्येक।
- ग्रुप स्टेज जीत : 34,314 डॉलर (30.29 लाख रुपए) प्रति मैच।
- 5वें और छठे स्थान की टीमें : 7 लाख डॉलर (62 लाख रुपए) प्रत्येक।
- 7वें और 8वें स्थान की टीमें : 2.8 लाख डॉलर (24.71 लाख रुपए) प्रत्येक।
- सभी भाग लेने वाली टीमें : 2.5 लाख डॉलर (22 लाख रुपए) प्रत्येक।

यह घोषणा महिला क्रिकेट की यात्रा का एक मील का पत्थर : जय शाह

यह टूर्नामेंट भारत और श्रीलंका के पांच स्थानों, गुवाहाटी, इंदौर, नवी मुंबई, विशाखापट्टनम और कोलंबो में खेला जाएगा। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने इसे महिला क्रिकेट की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा, 'यह घोषणा महिला क्रिकेट की यात्रा का एक मील का पत्थर है। इनामी राशि में चार गुना बढ़ोतरी खेल की लंबी अवधि की वृद्धि के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। महिला क्रिकेटरों को यह भरोसा होना चाहिए कि इस खेल को पेशेवर रूप से अपनाने पर उन्हें पुरुषों के बराबर सम्मान और अवसर मिलेंगे। आईसीसी ने कहा कि आने वाली पीढ़ी की महिला खिलाड़ियों और प्रशंसकों को प्रेरित करेगा और महिला क्रिकेट को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा।

वेस्ट दिल्ली लायंस बनी डीपीएल चैंपियन, नीतीश राणा ने पलटा मैच

एजेंसी, नई दिल्ली

वेस्ट दिल्ली लायंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2025 के लिए दूसरे सीजन का खिताब जीत लिया है। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए खिताबी मुकाबले में उसने सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 6 विकेट से हराया।

मुकाबले में वेस्ट दिल्ली लायंस को जीत के लिए 174 रनों का टारगेट मिला था, जिसे उसने दो ओवर बाकी रहते हासिल कर लिया। वेस्ट दिल्ली लायंस की जीत के हीरो कप्तान नीतीश राणा रहे। 'प्लेयर ऑफ द मैच' नीतीश ने सात छक्के और चार चौके की मदद से 49 गेदों पर नाबाद 79 रन बनाए।

बता दें कि दिल्ली प्रीमियर लीग के पहले सीजन का खिताब ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज को हराकर जीता था। टारगेट का पीछा करने उतरी वेस्ट दिल्ली लायंस की शुरुआत खराब रही और 5 ओवर के बाद उसका स्कोर तीन विकेट के नुकसान पर 48 रन था। यहां से कप्तान नीतीश राणा ने अपनी टीम को संभाला।

पहले उन्होंने मयंक गुसाईं (11 गेंदों पर 15 रन) के साथ चौथे विकेट के लिए 42 रनों की साझेदारी की। इसके बाद नीतीश ने ऋतिक शौकीन के साथ पांचवें विकेट के लिए नाबाद 85 रनों की साझेदारी की। ऋतिक ने 27 गेंदों का सामना करते हुए 42 रन बनाए, जिसमें 5 चौके और दो छक्के शामिल रहे। वहीं वेस्ट दिल्ली लायंस की ओर से मनन भारद्वाज और शिवांक वशिष्ठ ने दो-दो विकेट झटके. कप्तान नितीश राणा, शुभम दुबे और मयंक गुसाईं को एक-एक विकेट मिला। (अनंत ज्ञान)

अश्विन आईएलटी 20 की नीलामी का हिस्सा बनने के इच्छुक

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले चुके दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने पुष्टि की है कि वह दो दिसंबर से चार जनवरी 2026 तक यूएई में होने वाले आईएलटी 20 के अगले सत्र की नीलामी का हिस्सा बनने के इच्छुक हैं। अगले कुछ दिनों में 39 वर्ष के होने जा रहे अश्विन ने हाल ही में आईपीएल से संन्यास लिया है जिसके बाद वह दूसरे देशों में टी20 लीग खेल सकते हैं।

वहीं, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने अश्विन के आईपीएल से संन्यास को लेकर प्रतिक्रिया दी है। भारत के लिए 287 मैचों में 765 विकेट ले चुके अश्विन

के हवाले से क्रिकबज ने कहा, 'मैं आयोजकों के संपर्क में हूं। उम्मीद है कि नीलामी के लिए रजिस्ट्रेशन कराने पर मुझे कोई खरीदार मिल जाएगा।' नीलामी 30 सितंबर को दुबई में होगी और रजिस्ट्रेशन दस सितंबर तक पूरे हो जाएंगे। पहली बार आईएलटी20 में नीलामी हो रही है जबकि अब तक खिलाड़ी चुनने के लिए ड्राफ्ट व्यवस्था थी। (अनंत ज्ञान)

डिविलियर्स की अश्विन पर प्रतिक्रिया

इस बीच दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने रविचंद्रन अश्विन की आईपीएल से अचानक विदाई के संदर्भ में अपनी भावनाएं साझा की हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अश्विन को कभी सीएसके नहीं छोड़ना चाहिए था, क्योंकि उन्हें अन्य फ्रेंचाइजी में कभी वह संतुष्टि और अपनापन महसूस नहीं हुआ। डिविलियर्स ने अपने लाइव सेशन में कहा, 'शानदार करियर। यह कहना ही होगा कि वह एक कमाल के खिलाड़ी थे।

सिएटल साउंडर्स ने इंटर मियामी को हराकर जीता खिताब

एजेंसी, नई दिल्ली

सिएटल साउंडर्स एफसी ने लीग्स कप के फाइनल में मियामी सीएफ को 3-0 से शिकस्त देकर खिताब अपने नाम कर लिया है। यह मुकाबला सोमवार (भारतीय समयानुसार) को लुमेन फील्ड में खेला गया। इंटर मियामी पर इस जीत के साथ साउंडर्स एमएलएस की इकलौती ऐसी टीम बन गई, जिसने उत्तरी अमेरिकी फुटबॉल की सभी बड़ी ट्रॉफियां जीत ली हैं।

क्लब इससे पहले चार यूएस ओपन कप, दो एमएलएस कप, एक कॉनकाकाफ चैंपियंस कप और एक सपोर्टर्स शील्ड जीत चुका है। साउंडर्स ने 26वें मिनट में बढ़त हासिल कर ली। फॉरवर्ड ओसाजे डी रोजारियो ने विंगर पॉल रॉथरॉक के क्रॉस को शानदार हेडर से गोलपोस्ट में पहुंचाया। इसके बाद 84वें मिनट में डिफेंडर एलेक्स रोल्डन ने पेनाल्टी किक पर गोल दागकर बढ़त 2-0 कर दी। रॉथरॉक ने 89वें मिनट में गोलपोस्ट के सामने से एक खूबसूरत शॉट लगाकर मियामी पर सिएटल साउंडर्स की जीत पक्की कर दी।

इंटर मियामी को दूसरे हाफ में बराबरी करने के कई सुनहरे मौके मिले। लुइस सुआरेज ने मौके बनाए, लेकिन लियोनेल मेसी (50वें मिनट) और तादेओ अलेंदे (60वें मिनट) इसका फायदा नहीं उठा सके। सिएटल ने अपनी ट्रॉफी कैबिनेट में उत्तरी अमेरिका की सभी बड़ी ट्रॉफियां शामिल कर ली हैं। इस जीत ने साउंडर्स को 2026 कॉनकाकाफ चैंपियंस कप के अंतिम 16 के राउंड में बाई दे दी है। इस गर्मी में फीफा क्लब विश्व कप में प्रतिस्पर्धा करने के बाद से उनका शानदार प्रदर्शन जारी है। (अनंत ज्ञान)

भीड़ प्रबंधन के लिए बीसीसीआई के साथ मिलकर कर रहे काम : आरसीबी

एजेंसी, बेंगलुरु

आईपीएल 2025 के दौरान बंगलुरू में हुए दर्दनाक भगदड़ ने न केवल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) फ्रैंचाइजी को अंदर से हिला दिया, बल्कि पूरे क्रिकेट जगत में सुरक्षा और जिम्मेदारी पर बहस छेड़ दी।

इसी पृष्ठभूमि में, टीम की सोशल इनीशिएटिव विंग 'आरसीबी केयर्स' ने अब एक छह-बिंदु का रणनीतिक मेनिफेस्टो जारी किया है, जिसे उन्होंने जरूरी एक्शन का खाका बताया है। उन्होंने कहा है कि वह बीसीसीआई के साथ मिलकर भीड़ प्रबंधन को लेकर काम कर रहे हैं, ताकी ऐसी कोई घटना न हो।(अनंत ज्ञान)

जून में भगदड़ के लिए आरसीबी को ठहराया गया जिम्मेदार

जून में हुई इस त्रासदी की जांच में यह सामने आया कि सोशल मीडिया पर टीम द्वारा दिए गए आमंत्रणों की वजह से लाखों की भीड़ जमा हुई और इसके लिए आरसीबी को जिम्मेदार ठहराया गया। जांच में यह भी पाया गया कि फ्रैंचाइजी ने समारोह आयोजित करने के लिए आवश्यक मंजूरी नहीं ली थी और पुलिस खुद को उस भारी संख्या में आए प्रशंसकों के सामने बुरी तरह से असहाय पाई, जो चिन्नास्वामी स्टेडियम में घुसने के लिए धक्का-मुक्की कर रहे थे।

आरसीबी केयर्स को लेकर फ्रैंचाइजी की विस्तृत योजना

आरसीबी केयर्स की विस्तृत योजना पेश करते हुए, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने कहा कि फाउंडेशन आईपीएल और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के साथ मिलकर बेहतर भीड़ प्रबंधन प्रोटोकॉल तैयार करेगा। यह कदम उस दर्दनाक घटना के बाद उठाया गया है जब इस साल जून में टीम के ट्रॉफी सेलिब्रेशन के दौरान भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। फ्रैंचाइजी के मुताबिक, 'आरसीबी केयर्स' एक दीर्घकालिक योजना है जो फैन वेलफेयर से गहराई से जुड़ी रहेगी।

कैसे मची भगदड़

आईपीएल में पहली बार आरसीबी की जीत के बाद एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हजारों की संख्या में प्रशंसक जमा हो गए। स्टेडियम के प्रवेश द्वार के बाहर अत्यधिक भीड़ के कारण अव्यवस्था और भगदड़ मच गई। शुरुआती रिपोर्टों में 7 लोगों की मौत और 27 के घायल होने की बात कही गई थी, लेकिन शाम 6:30 बजे तक यह संख्या बढ़कर 11 मौतों तक पहुंच गई। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज का सहारा लिया था।

हरभजन सिंह ने ललित मोदी को लताड़ा

एजेंसी, नई दिल्ली। क्रिकेट जगत के सबसे विवादास्पद पलों में से एक, 'स्लैप-गेट' का वीडियो अचानक सामने आने से एक बार फिर चर्चा का तूफान उठ गया है। इस घटना में हरभजन सिंह ने एस. श्रीसंत को आईपीएल 2008 के दौरान हाथ पर थप्पड़ मारा था, एक पल जिसने उस सीजन और क्रिकेट इतिहास दोनों में गहरी छाप छोड़ी। लेकिन इस बार चर्चा का केंद्र बने वीडियो को लीक करने वाले पूर्व आईपीएल चेयरमैन ललित मोदी पर हरभजन ने चुप्पी तोड़ दी है।

भज्जी ने इंस्टैंट बॉलीवुड पेज से स्पष्ट शब्दों में कहा, 18 साल पुराना वीडियो बाहर लाना गलत है। यह किसी स्वार्थी मकसद से किया गया है। लोग इसे भूल चुके थे और अब फिर से उनकी यादों को ताजा किया जा रहा है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि वह उस घटना को पीछे छोड़कर आगे बढ़ चुके हैं और इस तरह से बार-बार मुद्दा उठाना केवल असुविधा का कारण ही बनेगा। हरभजन कई बार यह स्वीकार कर चुके हैं कि वह उस घटना को लेकर बेहद शर्मिंदा हैं। उन्होंने श्रीसंत से थप्पड़ मारने के लिए कई मौकों पर माफी मांगी है । (अनंत ज्ञान)

जेसिका अमेरिकी ओपन क्वार्टर फाइनल में

यूएस ओपन

एजेंसी, न्यूयॉर्क

चौथी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने अमेरिका की ही अन लि को सिर्फ 54 मिनट में 6 . 1, 6 . 2 से हराकर अमेरिकी ओपन क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उनका सामना दो बार की ग्रैंडस्लैम चैम्पियन बारबोरा क्रेसिकोवा से होगा जिन्होंने टेलर टाउनसेंड को 1-6, 7-6, 6-3 से मात दी। पेगुला ने अभी तक इस टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं गंवाया है।

31 ग्रैंडस्लैम खेल चुकी टाउनसेंड का पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचने का सपना भी टूट गया। अन्य मुकाबलों में कार्लोस अल्काराज ने आर्थर रिंडरनेच को 7-6, 6-3, 6-4 से हराया। वह ओपन युग में 13 ग्रैंडस्लैम क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। वहीं नोवाक जोकोविच रिकॉर्ड 64वें ग्रैंडस्लैम क्वार्टर फाइनल में पहुंचे जब उन्होंने क्वालीफायर जान लेनार्ड स्टफ को 6-3, 6-3, 6-2 से मात दी। अब उनका सामना पिछले साल के उपविजेता टेलर फ्रिट्ज से होगा जिन्होंने टोमास माचाक को हराया। वहीं एरिना सबालेंका ने क्रिस्टिना बुक्सा को 6-1, 6-4 से मात दी। अब वह मार्केटा वोंड्रूसकोवा से खेलेंगी । (अनंत ज्ञान)

माया राजेश्वरन अमेरिकी ओपन जूनियर एकल दूसरे दौर में

भारत की युवा टेनिस खिलाड़ी माया राजेश्वरन रेवती ने चीन की झांग कियान वेइ को अमेरिकी ओपन जूनियर लड़कियों के एकल वर्ग में हराकर दूसरे दौर में जगह बना ली। कोयंबटूर की रहने वाली 16 वर्ष की माया ने 7 . 6, 6 . 3 से जीत दर्ज की। माया स्पेन के मालोरका में रफेल नडाल अकादमी की छात्रा हैं। अब वह ब्रिटेन की हन्नाह क्लगमैन से खेलेंगी जिन्होंने एस्पेन शूमैन को 6-0, 6-2 से हराया। वहीं चंडीगढ में राउंड ग्लास अकादमी के छात्र हितेश को अमेरिका के जैरिड गेनेस जूनियर ने पहले दौर में 6-2, 6-4 से हराया। कृष त्यागी भी स्वीडन के लुडविग हेडे से 3-6, 1-6 से हार गए। हितेश और कृष अब लड़कों के युगल वर्ग में खेलेंगे।

सोराना क्रिस्टी की ट्रॉफी चोरी हुई

टेनिस खिलाड़ी सोराना क्रिस्टी ने कहा है कि हाल ही में एक महिला टूर्नामेंट में जीती हुई उनकी ट्रॉफी अमेरिकी ओपन के दौरान न्यूयॉर्क में होटल के कमरे से चोरी हो गई है। सोराना एकल वर्ग से हारकर बाहर हो चुकी हैं। उन्होंने शनिवार की रात इंस्टाग्राम पर लिखा, 'जिसने भी द फिफ्टी सोनेस्टा होटल के कमरा नंबर 314 से मेरी क्लीवलैंड ट्रॉफी चुराई है , कृपया उसे वापिस लौटा दो। इसकी वैसे कोई कीमत नहीं है लेकिन भावनात्मक कीमत है।' रोमानिया की 35 वर्ष की क्रिस्टी ने इस महीने क्लीवलैंड में अपने कैरियर का तीसरा एकल खिताब जीता था। वह अमेरिकी ओपन के दूसरे दौर में 11वीं रैंकिंग वाली कैरोलिना मुचोवा से हार गई थी।

विश्व चैंपियनशिप — पुरुष भाला फेंक खिलाड़ियों की संख्या सबसे अधिक

भारत की अगुवाई करेंगे नीरज चोपड़ा

एजेंसी, नई दिल्ली

अगले महीने टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में भारत के पुरुष भाला फेंक खिलाड़ियों की संख्या सबसे अधिक होगी जिसमें नीरज चोपड़ा की अगुआई में देश के चार खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

यह वैश्विक मंच पर दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा के प्रदर्शन से आई क्रांति का उल्लेखनीय प्रतिबिंब है। भारत ने 13 से 21 सितंबर तक होने वाली इस प्रतियोगिता के लिए रविवार को 19 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसमें भाला फेंक स्पर्धा में चोपड़ा के अलावा सचिन यादव, यशवीर सिंह और रोहित यादव भी देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। (अनंत ज्ञान)

भारतीय टीम में शामिल खिलाड़ी

पुरुष : नीरज चोपड़ा, सचिन यादव, यशवीर सिंह और रोहित यादव (पुरुष भाला फेंक), मुरली श्रीशंकर (पुरुष लंबी कूद), गुलवीर सिंह (पुरुष 5,000 मीटर और 10,000 मीटर), प्रवीण चित्रावेल और अब्दुल्ला अबुबाकर (पुरुष त्रिकूद), सर्वेश अनिल कुशारे (पुरुष ऊंची कूद), अनिमेष कुजूर (पुरुष 200 मीटर), तेजस शिरसे (पुरुष 110 मीटर बाधा दौड़), सर्विन सबेस्टियन (पुरुष 20 किमी पैदल चाल), राम बाबू और संदीप कुमार (पुरुष 35 किमी पैदल चाल)।

महिलाएं : पारुल चौधरी और अंकिता ध्यानी (महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज), अन्नू रानी (महिलाओं की भाला फेंक), प्रियंका गोस्वामी (महिलाओं की 35 किमी पैदल चाल), पूजा (महिलाओं की 800 मीटर और 1500 मीटर)।

पहली बार हुआ ऐसा

पहली बार चार भारतीय विश्व चैंपियनशिप की किसी स्पर्धा में हिस्सा लेंगे। किसी भी देश को प्रतिस्पर्धा में अधिकतम तीन प्रतिभागियों को शामिल करने की अनुमति है लेकिन यदि कोई खिलाड़ी वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रतियोगिता में जगह बनाता है तो यह संख्या चार हो सकती है।

सीनियर चयन समिति की बैठक के बाद भारतीय टीम का चयन

एएफआई की सीनियर चयन समिति की बैठक के बाद भारतीय टीम का चयन किया गया जिसमें पांच महिलाएं भी शामिल हैं। रोहित के अलावा पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ के तेजस शिरसे और पुरुषों की 35 किमी पैदल चाल के संदीप कुमार को अंतिम समय में शामिल किया गया। इन्हें भी अन्य प्रतिभागियों के हटने के कारण विश्व एथलेटिक्स से आमंत्रण मिला। कोई भी एथलीट क्वालीफिकेशन स्तर हासिल करने विश्व चैंपियनशिप के लिए स्वतः क्वालीफाई कर सकता है। शेष स्थान विश्व रैंकिंग कोटा के माध्यम से दिए जाते हैं जिससे कि विश्व एथलेटिक्स द्वारा प्रत्येक स्पर्धा के लिए प्रवेश संख्या पूरी की जा सके।

महान आर्यमन सिंधिया बने मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ के अध्यक्ष

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया के बेटे महान आर्यमन सिंधिया को मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ (एमपीसीए) का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया है। आर्यमन सिंधिया ग्वालियर संभाग क्रिकेट संघ (जीडीसीए) के उपाध्यक्ष हैं। एमपीसीए के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (सीएओ) रोहित पंडित ने सोमवार को बताया कि एमपीसीए चुनावों में अध्यक्ष सहित कार्यकारिणी के सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ और इस तरह पूरी कार्यकारिणी सर्वसम्मति से चुन ली गई है।

एजीएम की बैठक में लगेगी मुहर

उन्होंने बताया कि एमपीसीए की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी पर दो सितंबर (मंगलवार) को आयोजित वार्षिक साधारण सभा (एजीएम) में अंतिम मुहर लग जाएगी जिसके बाद कार्यकारिणी के पदाधिकारी अपना कार्यभार संभालेंगे। पंडित ने बताया कि एमपीसीए की नयी कार्यकारिणी में विनीत सेठिया उपाध्यक्ष, सुधीर असनानी सचिव, अरुंधति किरकिरे संयुक्त सचिव और संजीव दुआ कोषाध्यक्ष चुने गए हैं। उन्होंने बताया कि एमपीसीए की प्रबंध समिति के नवनिर्वाचित सदस्यों में संध्या अग्रवाल, प्रसून कनमड़ीकर, राजीव रिसोड़कर और विजेश राणा शामिल हैं, वहीं क्रिकेट समिति में प्रदीप बनर्जी, रमणीक पटेल और अभय लघाटे को जगह दी गई है।

वैसे सिंधिया परिवार लम्बे वक्त से सूबे के क्रिकेट प्रशासन में है और एमपीसीए पर इस परिवार का पिछले कई दशकों से वर्चस्व बरकरार है। महान आर्यमन के दिवंगत दादा माधवराव सिंधिया और उनके पिता ज्योतिरादित्य सिंधिया भी एमपीसीए के अध्यक्ष रह चुके हैं। (अनंत ज्ञान)